55/1

Mitch an University University of India

ेषाधिकार सं प्रकाशित १७६८।५म६० ६४ ४७७म०४।७

नई विस्सी, शनिवार, सितम्बर 21, 1985 (भावपद 30, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 1985 (BHADRA 30, 1907)

स भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थलन के का में रखा जा सके हैं (Beyronate paying is given to this Part in order that it way be Not as a apparate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

क्व ईन्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखापरीक्षक, संत्र लोज सेत्रा आयोग, रेन विभाग और भारत अरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारो की गई अधिसूचनाएं अध्यायcations issued by the diga Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the ladian Government Railways and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

दिल्ली-110003, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

्व 3/33/85-प्रणा० 5—निदेशक केन्द्रीय भ्रत्वेषण ध्रूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एसद्द्रारा (केन्द्रीय सिचवालय) राजभाषा सेवा (समूह "ग" पव) के श्रेणी 4 के सदस्य (वरिष्ठ अनुवादक) श्री बी० एन० निगम को दिनांक दिनांक 7 श्रगस्त 1985 पूर्वाह्म से राजभाषा विभाग द्वारा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, वे रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो० -40-1200 के येतनमान में तदर्थ श्राधार पर, केन्द्रीय भ्रन्वेषणन ब्यूरो में स्थानायन्त हिन्दी श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 ग्रगस्त 1985

सं० ए-19021/5/79-प्रणा०/5 (खण्ड-3)--श्री द्वारकानाथ वला, पुलिस अधीक्षका, के० थ्र० ब्युरो, जिशेष पुलिस स्थापना, की सेराएं दिनाक 19 अगस्त, 1985 पूर्वाह्म से, उप-निदेशक (सुरक्षा), नागरिक उड्डयन, के रूप में नियुक्ति के लिए तदर्थ प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए, पर्यटन एवं नतगरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंपी जाती हैं।

सं० 19019/1/84-प्रा० 5—श्रीमती भाषा भटनागर, हिन्दी श्रधिकारी (तदर्थ), केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो, बिशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 7 श्रगस्त, 1985 पूर्वाह्म से केन्द्रीय लोक निर्माण लिभाग, नई दिल्ली को सींपी जाती हैं।

> भार० एस० नागपाल प्रशासन भिक्षकारी (स्थापना) के० भ० स्यूरो

महानिर्देशालय केन्द्रीय भौक्षेर्यक सुरक्षा बल नई दिल्ली, दिन[्]क 26 भगस्त 1985

सं० ई-16014/(2)/2/84-कामिक-1-6 माह की: श्रविध के लिए तबयं श्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्ववय राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड, पानीपत के छायर श्राफीयर श्री खुगवन्त सिंह ने 12, श्रगस्त 1935 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० व० मुख्यालय के सहायक महा-निरीक्षक (फायर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(31803)

सं०ई-16014(2)/4/85-कार्मिक-1-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, ग्रसम राइफल के उप कमांडेंट श्री सी० पी० चड्डा ने 16 धगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से प्रशिक्षण रिजर्ष , के० ग्रो० सु० ब० मुख्यालय, तई दिल्ली के कामांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

विनौक 28 भ्रागस्त 1985

सं ० ई-13013(1)/4/85-कामिक-1--राष्ट्रपति, निम्न-लिखित ग्रिधिकारियों को, कमां छेंट/उप कमां डेंट के रूप में तदर्थ नियुक्ति को, भौर भ्रागे 28-8-85 से 27-11-85 तक की भ्रवधि के लिए या नियमित मचय किए जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं:--

'कम े	श्रधिकारी	का नाम	पदनाम
सं०			
			
1. श्री एम	ा ए० जब्स	ार	कमांडेंट
2. श्री के०	के० कौल	Ī	कमां डेंट
3. श्री जी	० एस० सन्ध्	ζ	कमांडेट
4⊦श्रीद्यार	• • •		कमांडेंट
5. श्रीए०	एस० शेखा	ात	कमांडेंट
6. श्री एस			कमांडेंट
7. श्रीवी०			कमांडेंट
8. श्री भजीत	1 सिंह		कमांडेंट
9.श्री एस०	के० प्ररोह	ξT	कमांडेंट
10. श्रीसी०			कमांडेट
11. श्री सी०	की० वरदा	राजा	कमांडेंट
12. श्री एस०	भार० शर्म	f	कमांडेंट
13. श्री एम०	•	i	कमांडेंट
14. श्रीभ्रो०	पी० शर्मा		कमांडेंट
15. श्री भ्रार	० जी० धम्ब	ी ।	उप कमांडेंट
16.श्रीके०ए	एस० ग्रहलुव	ालियां	उप कमांईंट
17. श्रीपी०।	एस० नन्दल		उप कर्माडेंट
18. श्री एल०	एन० मोह	ला	उप कमां डेंट
19. श्री एस	٦,	ढा	उप कमांडेंट
20 श्री एस			उप कमांडेंट,
21. अभी पी०		्टन	उप कमाँडेट
22. श्रीशिवर	•		उप कमां डेंट
23. श्री भूपेन	द्रसिंहराण	T	उप कमां डेंट
24. श्री एम०		₹	उप कमाडेंट
25. श्री वी०			उप कमांडेंट
26 श्री जै०	भ्रार० गुप्ता	Ī	उप क मांडेंट

एस० भानन्द राम, महानिदेशक/के०ओ०स्**०व०**

नई दिल्ली, दिनांक 28 धगस्त 1995

सं० ई-32015(4)/52/85-कार्मिक-1--राष्ट्रपति, श्री टी० सी० कालिया को, प्रोन्नति पर, 31 जुलाई 1985 के पूर्वाह्न से के० भो० सु० ब० यूनिट, भारतीय उर्वेरक निगम, सिन्दरी में सहायक कमांखेंट के रूप में नियक्स {करते हैं।

दिनांक 29 भगस्त 1985

सं० ई-16013(2)/13/85-कार्मिक-1--प्रितिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री पी० डी समी, भा० पु० से० (राज० एस० पी० एस०) ने 19 अगस्त 1985 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु०व० यनिट श्रार० सी० एफ० एल०, बम्बई | में कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> (ह०) अपठनीय महानिदेशक /के०धी० सु० ब०

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज,

देहरादून कैन्ट, दिनांक 23 धगस्त 1985

सं० 14/85—राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज में प्राणी विज्ञान के भस्थायी श्रध्यापक के रूप में कार्यरत श्री भजय कपूर की सेवाएं 14 धगस्त, 1985 पूर्वाह्न से समाप्त की [जाती हैं :~-

सं० 14/85—राष्ट्रपित महोदय, ज्ञाक्टर राजीव कुमार भारद्वाज को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कालेज, देहरादून कैन्ट में, प्राणी विज्ञान के भ्रस्थायी श्रध्यापक के पद पर दिनौंक 16 भगस्त 1985 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

> ओ० पी० वौधरी कर्नल कमार्डेट

वाणिज्य मंत्रालय

वाणिज्यिक जानकारी तथा श्रंकसंकलन महानिदेशालय कलकत्ता, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

सं० एस्ट-1/1(5)/85—िनवर्त पर अवकाश प्राप्त श्री एम० पी० श्रीवास्तव के स्थान पर निदेशक, श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के कार्यालय के किनष्ठ हिन्दी श्रनुवादक श्री विकास तालुकदार को स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर पूर्वाह्र 31 जुलाई 1985 से प्राले आदेश तक के लिए ६० 65-30-740-35-810-द्य० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी (ग्रुण "बी" राजपत्नित) के पद पर नियुक्त किया गया है।

हिन्दी ग्रधिकारी के रूप में श्री विकास तालुकदा की नियुष्टि: को प्रतिनियुक्ति की तरह व्यवहारित कि जाएगा श्रीर उनके वेतन का नियमन, विक्त मंत्रालय दिनौंक 4-5-1961 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 10(24 ई--3/बी के प्रनुसार एवं जैसा समय-समय पर संशोधित होगा, किया जाएगा ।

> एस० म्रार० सेन गुप्ता, वरिष्ठ उपमहानिदेशक कृते महानिदेशक

इस्पात, खान घीर कोयला मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनौंक 23 प्रगस्त 1985

सं ः ढ 19011(383)/85-स्था० ए० — राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग की निकारिश पर श्री ग्रशोक माथुर, .सहायक रसायनज्ञ की भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनाँक 15 जुलाई 1985 के ग्रपराह्म से सहर्थ नियुक्त करते हैं।

> पी० पी० वादी, प्रशासन म्रधिकारी, कृते महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो

संस्कृति विभाग भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली, विनांक 26 श्रगस्त 1985

सं० 11/4/8 5-स्मारक—प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियमावली के नियम 6 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, मुनीश चन्द्र जोगी, निदेशक (अन्वेषण), यह निर्देश जारी करता हूं कि सफदरजंग मकबरे में दिनौंक 27-8-1985 को ईद-उल-जुहा के उपलक्ष्य में प्रवेश निशुल्क होगा ।

मुनीश चन्द्र जोशी, निदेशक (श्रन्वेषण)

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार नई दिल्ली, दिनौंक 12 श्रगस्त 1985

सं० एफ० 8-9/85-स्था०— प्रिमिलेख निवेशक, भारत सरकार, श्री कुंबर राजेन्द्र मिह स्थानापन्न सहायक माइको-फोटोग्राफिस्ट ग्रेड-1 की 15 जुलाई 1985 (पूर्वाह्म) से, ग्रगले श्रादेश होने तक, स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर, माइकोफोटोग्राफिस्ट (ग्रुप "बी") (राजपहात) के पद पर एतद्वारा नियुक्ति करते हैं।

ए० के० शर्मा, प्रणासन श्रधिकारी राष्ट्रीय श्रभिलेखागार कृते श्रभिलेख निवेणक

प्राकाश वाणी भहानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनोक धगस्त 1985

ते । 1/12/83 प्रार्थीय प्रार्थिक अधिकारी के लाग के आपे लिखित कनिष्ठ छेबा अधिकारियों को सीन वर्ष की अवधि के लिए - यक्ति पर अपेटे अदिशों तह, प्रत्येह के नाम के आपे लिखि तिथियों से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं :---

ऋम सं०	क्तिष्ठ श्रधिकारी का नाम व तैनाती का केन्द्र	लेखा प्रधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति परतैनाती का केन्द्र	लेखा भिध कारी के रूप में नियुक्ति की तिथि	
(1) श्री एस० आर० वक्तवर्ती, क्तिष्ठ लेखा अधिकारी, मुख्य इंजीनियर (पूर्वी क्षेत्र) का कार्यालय, श्राकाणवाणी, कलकत्ता		मुख्य इंजीनियर (पूर्वी क्षेत्र) का कार्यालय, माकाशवाणी, कलकत्ता	17-7-1985	
(2) श्री वेर	जी० जे० जार्ज, कृतिष्ठ छेखा श्रधिकारी, सन एवं छेखा कार्यालय, श्राकाणवार्णः, बम्बई	मुख्य इंजीनियर (पश्चिम क्षेत्र) लायलिय घाकाशवाणी, बम्बई	24-7-1985	

2. उपर्युक्त अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के आगे कालम-4 में दी गई विधियों से लेखा अधिकारी का कायभार संभाल लिया।

मोहन फ़ासिस, प्रशासन उपनिवेशक, कृते महानिवेशक

नई दिल्लो, दिनों रु 21 श्रगस्त 1985

सं 17/17/85—एस० चार-पदोन्नित होने के परिणामस्वरूप निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने घरणाई क्षमता में घाकाशवाणी घोर पूरवर्गन के विभिन्न केन्द्रों/कार्यालयों में प्रत्येक के नाम के घागे लिखी तारीख से अगले घादेगों तक महायक इंजीनियर के पद का कार्यमार संभाल लिया है:---

कम ना म सं॰	केन्द्र/रुध्यित्य	कार्यभार संभालने को तारोख
1. श्री एम॰ भ्रमलयस	उ० घ० प्र० प्र। हास राणी , प्रवाही , मद्रास	18-6-85 (पूर्वा ह्न)
2. श्री की ० सी ० सिंह	मुख्य इंजोनियर (पूर्श क्षेत्र)	10-6-85 (पूर्वाह्म)
3. श्री एस० वीं व प्रस्यर	ज ्मा० प्र०, ग्रा १, स्मागणी, स्रलेप्पी	9-7-85 (पूर्वीह्म)
4. श्री जी० एस० माथुर	टी० वो० मार० सो० मंसूरी	30-5-85 (पूर्वाह्म)
		बो० एस० जैन,
		प्रशासन उपनिदेशक (ई)
		कते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 22 भगस्त 1985

सं० 6/122/85-एस-2-आकाशवाणी महानिदेशालय के दिनांक 29 प्रप्रैल, 1985 के प्रादेश संख्या 1/18/84-एस-2 (खण्ड-2) के प्रनुसरण में दूरदर्शन महानिदेशक श्री बी० बी० बारोट की उनकी पदोन्नति पर दिनौंक 5-8-85 (पूर्वाह्न) से ६० 650-960/- रुपये के देतनमान में प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में ग्रस्थायी सौर पर नियमित धाधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कण्मीरी लाल, प्रशासन उप निदेशक, कुने महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बभ्बई-400026, दिनौंक 22 अगस्त 1985

सं० ए-19012/2/82-ई-1—प्रतिनियुक्ति की ध्रवधि समाप्त होने पर श्री एन० ग्रार० शिवशंकर राव, लेखाधिकारी दक्षिण क्षेत्रीय निर्माण केन्द्र, फिल्म प्रभाग बंगलीर की उनके मूल विभाग में इन ग्रनुदेणों के साथ प्रत्याविति किया गया है कि वे केन्द्रीय ग्राबकारी कलक्ट्री, बंगलीर की वेतन एवं लेखा इकाई को रिपोर्ट वें । उन्हें फिल्म प्रभाग के उनके पद से 12 जुलाई 1985 के अपराह्म से मुक्त कर विया गया है।

> एन० एन० शर्मा, प्रशासकोय अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशालय नई दिल्ला, दिनांक 12 प्रगस्त 1985

सं॰ ए-12011/3/85-प्र (प्रशासन)--विज्ञापन घौर दृश्य प्रचार निदेश ह निम्नालिखित प्रदर्शनी लहायकों को उनके नामों के सामने दिखाए गए स्थानों पर निम्न तारीखों से इस निदेशालय में तदर्थ झाधार पर शस्याई से क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रिध ारी नियुक्त करते हैं:--

ऋम सं०	नाम	स्थान जहां रो	स्थान जहा पर	दिनां ः
1. श्री ए	न० सी ० जयास	जम्मू	जम्भू	87-1985
2. श्री सर्त	थि। चन्द्र लाम्बा	नर्ष दिल्ली	कल हता	17-7-1985

विनौक 28 मगस्त 1985

सं० ए-38013/1/85-स्था--निवर्टन की मायु प्राप्त होने पर विज्ञापन मीर दृश्य प्रचार निवेशालय, सूचना मीर प्रसारण मंत्रालय के सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मृद्रण प्रचार) श्री मार० के० जोली 28-2-1985 के मपराह्म से सरकारी संदा से निवृक्ष हो गए ।

> भी । पी । भट्टी, उप निदेशक (प्रशासन) इसे विशापन भीर दुश्य प्रभार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रगस्त 1985

सं० ए० 19020/13/77-प्रशासन-1 (एफ० एण्ड एस०)— स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त हो जाने के फलस्वरूप, श्री पी० ईवेन यामस ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं धनु-संधान संस्थान, पांडिचेरी से 1 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से पुस्तका-ध्यक्ष के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> पी० के० चई उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

नई दिल्ली, दिनांक 29 प्रगस्त 1985

सं० ए० 22012/118/84-सी० एच० एस०-2/पी०एच० (भाई० एच०) - स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के 18 भन्नेल, 1985 के कार्यालय भादेश संख्या ए 22012/118/84-सी० एच० एस०-2/पी० एच० (भाई० एच०) के तहन निम्नलिखित भिधिकारियों का तबादला हो जाने के मूलस्वरुप, इन भिधिकारियों ने भपने नाम के सामने दिए गए कार्यालय में से भपना कार्यभार संभास/छोड़ दिया है:---

क ंसं० भधिकारी का नाम	ठाय ंभार छोड़ना	कार्यभार ग्रहण करना	
1. डा॰ एस॰ डी॰ खोसला	हवाई पत्तन स्वास्थ्य कार्यालय, दिल्लो हवाई पत्तन में 14 मई, 1985 (पूर्वाह्न) से सहायक हवाई पत्तन स्वास्थ्य श्रीधकारी के पद से कार्य- भार छोड़ दिया ।	केन्द्राय सर हार स्वास्थ्य योजना, दिल्लो में 14 मई, 1985 (भनराह्म) से चिकिस्सा मधिकारी के पद को महण करना	
2. डा॰ एस॰ ग्रार॰ ग्रग्नंतल	केन्द्रोय सरकार स्वास्त्र्य योजना, दिल्ती दक्षिण क्षेत्र (जोन) में 13 मई, 1985 (पूर्वाह्न) से चिक्तिता प्रधिकारी के पद को छोड़ दिया	हवाई पत्तन स्वास्थ्य कार्यालय, दिल्लो हवाई पत्तन में 13 मई 1985 (ग्राराह्म) से सहायक हवाई पत्तन स्वास्थ्य भिधकारी के पद ग्रहण करना	

मातु राम, उप निवेशक प्रशासन (डो)

भारत सरकार टकसाल बम्बई, दिनांक 13 भगस्त 1985

सं० 129—विभागीय पदोक्षति समिति (समूह ख) की विनांक 20-4-85 को हुई बैठक में की गई सिफारिश पर महा-प्रबन्धक भारत सरकार टकसाल, बम्बई प्रसन्ततापूर्वक श्री ए० के० मखीआ, को दिनांक 1-5-85 में नियमित श्राधार पर छेखा श्रिधकारी के पद पर पदोश्रति करते हैं।

> (ह०) धपठनीय महाप्रबन्धक

उत्तरी क्षेत्र कृषि यान्त्र

प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान

हिसार-125001, दिनांक 26 ग्रगस्त 1985

सं॰ 2-4/85-व्य० मि० केन्द्रीय क्षेत्र कृषि यान्त्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुदनी (म० प्र०) के तकनीकी सहायक श्री मनिल कुमार दुवे को उत्तरी क्षेत्र कृषि यान्त्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार में 5 मगस्त, 1985 (प्रपराक्ष) से भगसे मादेश तक मस्थायी कनिष्ठ मनुसंधान मधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> बी० छ० पाटिस निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग कय ग्रीर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 ग्रगस्त 1985

सं० क्रमनि/2/1 (3)/85-प्रशा०/6086---परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदंगालय के निदेशक ने पश्चिमी बंगाल, द्रेजरी बिल्डिंग, कलकत्ता-700001 स्थित महालेखाकार-1 के कार्यालय के प्रनुभाग प्रधिकारी, श्री भ्रमूल्य रतन सिंह को इस निदेशालय के कलकत्ता क्षेद्रीय लेखा एकक दिनांक 1 भ्रगस्त 1985 से भ्रगले श्रादेश होने तक रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960, के वेतन-मान में सहायक लेखा भ्रधिकारी के पद पर प्रायिक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर नियुक्त किया है।

दिनांक 30 **प्र**गस्त_,1985

सं० कमिन/2/1/(3)/85-प्रशा०/6151—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी श्री वी० जयराज को, रिएक्टर भनुसंधान केन्द्र, कसपक्कम से उनका स्थानान्तरण होने पर, क्रय और भंडार निदेशालय में दिनांक 8-8-1985 (पूर्वाह्र) से भ्रगले भ्रादेश होने तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में सहायक लेखा भ्रधिकारी के पर पर उसी हैसियत से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

इसरो उपग्रह केन्द्र अन्तरिक्ष विभाग

बंगलूर, दिलां ह 19 ध्रगस्त, 1985

सं० 020/1 (15.4)/85-स्थापना--- इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेश के श्रंतरीक्ष विमाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलूर के निम्निक्षिखिल व्यक्तियों से प्राप्त त्यागपत्र को उनके नाम के सामने दर्शाई तिथियां के श्रगराह्न से स्थोकार करते हैं :---

ऋम सं०	नाम			पदनाम	दिनां क
1. श्री राममुर्ति म				. वैज्ञानिकाश्रमियंता "एस० बो "	12 ग्रास्त 1985
.2. श्रीबी० जी०		•	•	. वैज्ञानिक/भ्रभियंता "एस० बो०"	14 . अगस्त . 1985
3. श्री के० महेश			•	वैज्ञानिकाम्रामियता ''एस० वा०''	16 श्रगस्त 1985

एच॰ एस॰ रामवाध, प्रशासन प्रधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 ध्रगस्त 1985

सं० ए-32013/3/84-ई० ए०---राष्ट्रपति, श्री गुरूमुख . सिंह-II को दिनांक 13-2-85 से, श्रन्य श्रादेश होने तक, श्रथवा पद का कार्यमार मम्भालने की वास्तविक तारीख से इनमें से जो भी बाद में हो, विमान क्षेत्र श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

मुकुल भट्टाचार्जी उपनिदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागा विमानन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1985

सं० ए-32014/5/84-ई० सी०(.)—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित संचार सहायकों को (जो इस समय सहायक संचार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर कार्य कर रहे हैं) दिनांक 16 जुलाई, 85 से ग्रीर ग्रन्य ग्रावेश होने तक, 650-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक संचार ग्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	नाम	
3.	श्री जी० एल० चावला डा० एस० करमलकर श्री ए० के० विश्वास	
	दिनांक 30 ग्रगस्त 1985	
	ए-32014/7/82-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक त	नागर कनीकी

म्रिधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति की भ्रविध को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई श्रविध के लिए बढ़ाते हैं –

ऋ० सं०	_	बढ़ाई गई तदये नियुक्ति की धनधि		
		से	सक	
1 2		3	4	
सर्वश्री				
1. अडी० के० गुप्ता		1-1-84	16-10-84	
2. पार० के० शर्मा		,,	"	
3. पी० एस० गुप्ता		1)	"	
4. रमेश चन्द्रा		11	1,7	
5. एस ः डी ० कुलकर्णी	•	n	,,	
6. कें०पी० जार्ज		11	,,	
7. एन० तुलसी रमन		11	**	
 एच० एस० धारीवाल 	•	11	- ,,	
 भार० के० देशपाण्डे 		11	19	
10. ए० के० नार्ग		3)	"	
11: के० बी० बर्वे		11	"	
12. ए० के० यूसुफ		"	17	
13. टी० एस० बिन्दरा	•	"	71	
14. रामधन	•	"	11	
15. एम० एन० नन्दी	•	11	"	
16 एस० के० सेन	•	**	7.5	
17. के० क्रुष्णन	•	n	"	
18. जी० एस० बाल	•	11	"	
19. महेश प्रसाद		"	,,	
20. भार० एल० परमार 21. जे०पी० जैन	•	11	*1	
21. जिंगावजन 22. बीव्बीव्सामधे	•	, ,	"	
22. बार्ग्यार कामथ 23. सूर्वर्गनसिंह	•	11	**	
23. सूर्यमासह 24. सीं० रा घध न	•	"	**	
25. एस० एस० भोपटकर	•	"))	
25. एतण एतण सामटकर ।	<u> </u>	11	11	

1	2		3	4
	स र्वेश्वी		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
26.	एघ० एन० भौमि :		1-1-84	16-10-84
	एम० डी० शर्मा		11	,,
	बी० डी० संगल		71	+1
29.	जे० भट्टाचाजी		1)	11
3 0.	एस० एस० वुद्धिराजा	•	11	"
31.	एम० ए एस० प्रकाश राज		11	11
32.	ए० एम० टोलकी))	,,
33.	प्रविनाश चन्द्र		,,	11
34.	ए० बी० कुलः,णी		11	7.7
35.	ए० एस० केल्टू		11	11
36.	स्वर्ण सिंह		11	,,
37.	सी० एम० गहरोला		1.1	,,
38.	द्यार० ओ० गुरिगुल		1.1	,,
39.	एग० के० एन० पिल्लै	•	11	, (
40.	एम० टो० रजनी			,,,
41.	एम० एम० गुलाटी		7.1	7.1
42.	ग्रानन्य ईजान		17	11
43.	एम० पी० गुजर		"	11
4.	गुरुमुख सिंह		1)	J 1
	एन० एस० राजावत		,,,	11
46.	सी० वी० छात्र		,,	,,,
47.	जे० बी० गृहा		17	1)
48.	ए० बी० मालाकर		1)	7.1
49.	ए० बी० जमडो		"	11
50.	श्रीमती कें ० एम० खोट		,,	
	श्री ओंगर सिंह		11	,,
	श्री दविन्द्र सिंह		, ,	1)
	श्री एघ० बी० इसरानी		13-8-84	16-10-84
	श्री टी॰एस॰ थर्माराज		14-10-84	16-10-84

वी० यचन्द्रन उपनिदेशक प्रशासन

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा मुल्क व केन्द्रींय उत्पादन मुल्क

नई दिल्ली, दिनां 🖰 23 श्रगस्त 1985

सं० 21/85--श्री श्रार० विश्वटर थ्यागाराज ने जो पहले कम्बई में सहाय : समाहती , सीमा शुरू के पद पर तैनात थे, मंत्रासय के दिनांक 9-7-85 के पत्र सं० ए-22012/42/85 के श्रादेश सं० 98/85 के द्वारा न० महा०लि०, सी० शु० के० उ० शु०, नई दिल्ली में स्थानांसरित हो जाने पर दिनांक 7-8-85 (पूर्वाह्म) में, पहाय : निदेश : निरीक्षण (मी० शु० व० कें० उ० शु०, नई दिल्ली में) (जर श्रनु० यूनिट में ार्य करने के लिए) के पद का आर्यभार संभान लिया ।

सं० 22/85- स्थिकि एम० मंडल ने, जी पहले व्यवस्ता में सहावक समाहती (भी० शु०) के पद पर तैनात थे, मंद्रालय के दिनी । 18-7-85 से पत्र सं० ए 22012/42/85-प्रणा०-2 द्वारा जारी यादेश सं० 115/80 के प्रनुसार, नि० महा०, सी० शु० कें उ० शु० वर्ष दिनी में स्थानािताही जाने पर दिनी । 16-8-85 (पूर्वाह्म) से सहायश निदेश कि निरीक्षण (सी० शु० क० उ० शु०) नई दिल्ली, के पर का ार्यभार संभाग निया ।

ए० सी० यल्डाना निरीक्षण महानिवेशक

नौवहन और पश्चिहन मंत्रालय

नौयहत महानिदेशालय

कम्बई-400038, दिनांक श्रगस्त 1985

सं० 23 टी० श्रार० (5)/85 लाष्ट्रपति, श्री जे० के० घरको लाल बहादुर णास्त्री नाटिएल और इंजीनियरी कालेज, बस्बई में तद्दर्य श्राधार पर तारीख 5-3-1985 से अगले श्रादेशों तक इंजीनियर श्रीवकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रमिताम चन्द्र नौषहन सप महानिवेशक

निर्माण महानिदेशास्य

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई िल्ली, दिनां र 28 अगस्त 1985

संव 33/2/83-ई० सी०-9-राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा श्रायोग के निम्निशिखत नामितों को उप-वास्तुकों वे श्ररणाई पद्यों पर (शामान्य िविल सेवा ग्रुप "क") वे० लो० नि० विमाग में रूप में 700/- उनिमाह निभा पर रूप 700-40-900-द० रो०40-1100-50-1300/- वे वेलनमान में श्रतिन्तित मत्तों हिं। जमान्य प्यामें एवं गातौं पर प्रत्ये ं अमेन दर्शाई निथयों से लियुक्त करते हैं —

- ा. श्री मुभाय मोहन माथुर
- 9-8-85 (पूर्वाह्न),
- 2. श्री प्रताप सिंह नेगीं
- 16-0-85 (श्रपगह्न)
- 7. श्री नगौ का वेतन 780 श्रायांग के द्वान विवेशित किया जाता है बिलक श्री सुभाष मोहन माणुग को वेतन वियमानु गर वेतनमान 700-1300 निर्धारित किया लाएगा।
- 3. इन्हें नियुक्ति तिथियों सं 2 वर्ष की अवधि के िए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

पृथ्वी पाच सिंह प्रशासन उपनिदेशक उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियां के रजिस्टार का कार्यालय

बम्पनी अधिनियम 1956 और पान ट्रावनक्रुर इन्डस्ट्रीज प्राह्मबेट निर्मिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 धगस्त 1985

सं० 935/लिक/560(5)-- स्पनी श्रविनियम 1956 की बाग 560 की उपवारा (5) के श्रनुसार एतव्हारा सूचना दी जाती है कि पान ट्रावनकोर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज अस्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विवटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इंजीनियरिंग टेक्नीणियन इन्डस्ट्रिक्स समोशनल एण्ड मैनेजिन्यिल अण्डर टेकिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 2651/लिक/560(5)—कम्पनी प्रधितियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुनार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इंजीतियरिंग टेक्निणियन इंडिस्ट्रियल अमोशनल एण्ड मैनेजीरियल अन्डिस्टिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गमा है और उक्त कम्पनी विधटित कर वी जाएगी।

> कस्पनी श्रधिनियम 1956 और दर्शनाधिट फैनांस एण्ड ट्रेडिंग रम्पनी प्राइवेट लिमिटेड कोबीन, दिनां : 23 श्रगस्त 1985

सं ० 2445/लि ह/560(5)—हम्पनी श्रिश्तियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतव्हारा सूचना बी जाती है कि धर्मना चिट फैनारस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेष्ट लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनियों के रिजस्टर से श्रष्ट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

> बाम्पनी प्रधिनियम 1956 और जार्ज हारी मैंको क्योनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

> > कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 2703/लि :/560(5)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है ि जि हारी मैको बर्यानिवस प्राइवेट जिमिटेड का नाम आज कम्यानियों के जिस्टर से पट दिया गया है और उकत कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी भिधिनियम 1956 और रिनौण्ड फिल्म् प्राइवेट लिनिटेड के विषय में

कोचीन, दिनां इ 23 धगस्त 1985

सं० 2074/जि:/560(5)—- सम्पनी घिषितियम 1956 की धारा 560की उप धारा (5) के प्रमुनार एतद्द्वान सूचना दी जाती है जि रिनीण्ड फिल्म । प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज क्रम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त क्रम्पनी चिषटित हो गई है ।

> हम्मती अधिनियम 1956 भौर विवेन्द्रम कारबाईड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीत, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 3149/लिक 560(5)--कम्पनी अधिनियम 1956 की बारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विवेद्यम कारबाई ब्रुस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्मानयों के रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर अजय फरनेसस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 2611/लिक/560(5)-कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उप घारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना वी जाती है कि अजय फरनेसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम बाज कम्पनियों के रिजस्टर से नाट विया गया है. भीर उक्स कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर मलबार विजया कम्पनी प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में कीचीन, विनांक 23 अगस्त 1985

सं । 1552/लिक/ 560(5) -- कमानी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के भनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मलबार विजया कम्पनी प्राइवेट लि मटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान कार्पोरेशन ट्रावनकोर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 30/लिक/560(5)—कम्पति अधितियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान कार्पोरेशन ट्रावनकोर प्राइवेट लिमिटेड का न.म आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है धौर उक्त कम्पनी विश्वटित हो गई है।

वस्पनी अधिनियम 1956 **और** इंडस्ट्रीयल लयीम अण्ड अलैंड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 2854/लिक/ 560(5)-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार इंडस्ट्रियल लयीम एण्ड अनैड प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्पनी अधिनियस 1956 स्रौर अलिबे कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 2552/लिक, 560(5)-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि धालंवे कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेश का नाम आज कम्पनियां के रिकस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघाटत हो गई है।

> वी० ए० विजयन मेनोन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 स्रौर रिग अफ्योर इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

सं० 683,23957,560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रिग अन्किशोर इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया हो तो राजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956और मांडवाहिल रिजार्टस प्राइवेट लिनिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

सं० 685/24106/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1958 की धारा 560 की उन धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मांडवा हिल रिजार्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया निया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर मांडवा फार्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनां ह 26 श्रगस्त 1985

2-246 GI/85

यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मोडवा फार्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी मधिनयम, 1956 श्रीर के० लक्ष्मी इन्बैस्टमैण्ट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई दिनौंक 26 अगस्त 1985

सं० 689/24118/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० लक्ष्मी इन्वेस्टमेंटस् कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित करदी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर विनोद प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

सं० 695/16898/560(3)——कम्मनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विनोद प्रकाणन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशात त किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्मनी विषटित करदी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर० ए० एम० इन्वैस्टमैन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

सं० 696/16745/560(3) → कानानी अधिनियम 1956 की धाराकी 560 उनधारा (3) के अनुसरण में एतब्दारा यह सूचनावी जाती है इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० ए० एम० इन्वैस्टर्मेन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

श्रो० पी० **जैन,** कम्प∂नयों का अ'तिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, **बस्बई**

कम्पनीश्रधिनियम, 1956ओर हरिश्रिया प्रोडक्शंसप्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 अगस्त 1985

सं० 886 टी० ए०-III/85—(560)—-कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हरिप्रिया प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न ेहवा गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्ट कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कार्टन्सप्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैवराबाद, दिनांक 29 अगस्त 1985

सं० 1068/टी० ए० -III/ 560-- कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारोख से तीन मास के अवसान पर कार्टन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रातकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और य्राम्बका हैब्रीड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 अगस्त 1985

सं० 2357 टी० ए० -III/560--कस्पती अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरन में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आम्बका है बीड सीड्स प्राइवेट लि।मटेड का नास इसके प्रतिकृत कारण दिशान किया गया तो राजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी पविरलूम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 अगस्त 1985

सं० 2862/टी० ए०-III/560---कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बालाजी पावरलूम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चन्द्रमौली पेपसं लिमिटेड के विषय में

हैवराबाद, दिनांक 29 ग्रगस्त 1985

सं० 3117 टी॰ ए॰ III/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है। क इस तारीख से तीन माह के अवसान पर चन्द्रमौली पेपर्स लिंगिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो राजस्टर से काटा दया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित करदी जाएगी।

> सत्य प्रकाश तायल कम्पनियों का राजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

प्ररूप आइ. टी, एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 अगस्त 1985

निर्देश सं० राज०/प्रहा०आ० अर्जन/2602--अतः मुझे, मोहन सिंह

क्षायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० प्लाप्ट नं० ए-4 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 31-12-84

को पूर्विक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिक्षा से अधिक हे और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिकित, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्त-

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; औड़ /वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आव-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कह ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयाजनार्थ अतरिती व्यारा प्रकट नहीं जिल्ला, गार वा वा किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

कतः श्रवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीका, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् प्रच्चा (1) श्री कृष्ण ए० चोपड़ा, डी-48, मालचा मार्ग, चाणक्यपुरी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ सर्च लाइट ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड, एग्जीबीशम रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्द सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेर ---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिंध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, यो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इस्में प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० ए-4, एस० एम० एस० हाईवे एक्सटेंशन स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 3104 दिनौंक 31-12-84 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणीत है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-8-1984

मोहर .

प्रकप कार्ये हो । धुम - एक ...----

कामकर विश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक जायकर जायुक्त (निर्राक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विमांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37 ईई०/1771/85-86-अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थापर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० ए-1/302, पह ती मंजिल, बिल्डिंग जो ए-1 नाम से पहचानते तामवर नगर, कौसा मुम्बरा, जिला थाना है तथा जो जिला थाना में स्थित है (भौर इससे उपा बढ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंधत तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल है निम्नितिचित उद्देश्य से दनत बन्तरण सिवित वें धास्त्रीक रूप से दनित नहीं दिक्ता बना है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कार दोने के बन्तरक के धावित्य में कमी करने या उससे बजने यें सुविधा के कियु; बीड/मा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धर्म या अस्य शास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा निवास औं विकास

वतः व्या वया विभिन्नमा, की भाषा 269-व के अनुसर्भ में, कें. उनसे विभिन्नम की भारा 269-व की जनभारा (1) वें विभाव, निकासिसिस व्यक्तियों, अविति हिन्न

(1) मैं ॰ राजस्थान बिरुडर्स, ए/2, स्वाती बिरिंडग जुहू लेन, अन्धेरी (प०), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुला अब्दुल करीमं पटका, 138, बरीया बिल्डिंग चोयी मंजित, रूम नं० 88, ऋाफाई मार्केट, बम्बई । (अन्तरिर्त

की भह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आओए :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितन्व्य किसी जन्म व्यक्ति द्वादा स्थाहस्ताक्षरी के गाव दिवस में किए वा सकेंगे।

स्वक्कीकहरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, कही वृश्व होगा वो उस व्यास में विक्र प्रसाही।

धनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कम सं० 37 ईई०/1771/85-86 जो मई, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जुम रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अतित कुमःर यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूता

तारीख: 29-7-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 अगस्त 1985

भिर्वेश सं० 37 ईई०/8974/85-86-अत: मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 19, सर्वे नं० 121, 122, राम बाग कालोनी, कोयरूड, पूना-29 है तथा जो पूना में स्थित है (प्रीर इत्तसे उताबक अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रून से वर्णित है) किस्ट्री को अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), कर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख दिसम्बर, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्या में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभेन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मैं ० अतूल उन्टरप्राइसिस,
 31, शीका बिहार कालोनी,
 इसराज पीड काटा, पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें। गोतियाय, 191, उत्तम भगर, पोस्ट अकिस के साथ, पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वात के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूजना हो राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकीगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियस, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अधि होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

जैसा कि रजिल्ट्रीकृत फ्रम सं० 37-ईई०/8974/84-85 जो दिसम्बर, 1984 की सहायक आयकर आयुक्त विरीक्षण अर्जन रेंज, पुता कि दक्तर में लिखा गया है।

> अभिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 1-8-1985

प्रक्ष बाहे. टी. एन. एस. ----

भायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्वेश सं० 270/विसम्बर-1984—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० डी० एस० नं० 187 ए बी० पी० अग्रहारम ईरोड है तथा जो में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बॉणत है),रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड 4797/84 में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,1984

को प्यांक्त सम्पत्ति क उचित क्षाजार मृत्य सं कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एस दश्यभान प्रतिफल का बंहह प्रतिशत सं अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कित्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्ताक हप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , जो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बर्धान, जिम्मीसी बत व्यक्तियां. अधात :--- (1) श्री एम० के० मुहम्मद बीबी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भीनारेडी० षण्मुगमजुन्दरम ग्रीए अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति वृदागः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीटर उठत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्रिएणं का इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का बो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा हैं।

नन्सनी

भूमि श्रौर मकाम चडी० एस० नं० 187-ए, बी०पी० अग्रहाशम ईरोड (ईरोड लेख सं० 4797/84)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सष्ट्रायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-8-1985

टरमोहः

प्रकृष बार्षः टी. एन., एस_{..} ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २७७-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 8829—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इसमें उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

करे पश्चीकत संगत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे एस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाव वा किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथं अन्तरियों देवारा प्रकट महो फिया गया कर या किया जाना चाहिए का, डिज्या ने संविधा के लिए:

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यंक्तियों, अर्थात:— (1) श्रीमती सरीता रानी पत्नी श्री विजय कुमार धानन्द 717-गुस्तेग बहादुर नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री रबेल सिंह 326-लाजपत राय नगर, जालन्धर (भ्रब मारफत श्री गुरदयाल सिंह, राज नन्द, गाग्रों एम० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तानीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए आ सकोंगे।

श्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 3944 दिनांक दिसम्बर 84 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-8-85

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहारक आयकर आध्वत (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 19 श्रगस्त 1985

निर्देश नं ०/ऐ० पी० नं० 5830~5831—5832—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक शिविय है, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रीधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह निश्चाम करने का क्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा भ्रनस्ची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्री एरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

(1908 का 10) क अवात, ताराख विसम्बर 1984 को पर्शांकर सम्पत्ति के तिचल बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्लाएत की गई ही और मुक्ते यह विद्यास करने का बारण ही बि: एक्सपर्योक्त संपत्ति का उचित गाजार मृत्य , उरूके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिकार से अधिक ही और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तिरिक्सों) के सीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया म्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण तिसीच में वाश्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हाई किसी आप की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुचिता के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए:

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, भी, उक्त अधितियम की धारा 260-घ की प्रधारा (1) में अपीन, निकासिक व्यक्तिमों, अर्थात :— (1) श्री सन्तोख सिंह पुत्र, श्री हरी सिंह 333-माडल टाउन, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह पुत्न,
श्री ग्रमोलक सिंह (3845);
श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र,
श्री ग्रमोलक सिंह (3879) श्रीर
श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा,
श्री ग्रमोलक सिंह,
सभी वासी-गोईदवाल साहिब,
जिला ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मां काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तागल से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूक्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित है, बही अर्थ होंगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3845; 3879, 3986; दिनांक दिसम्बर 84 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरध**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 19-8-1985

प्ररूप नाइ, टी. एन. एस.,-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 श्रगस्त 1985

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5833, 5834 **ग्रौर 5835** ग्रत : मुझे, जे० एल० गिरधर

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० जेस। कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान श्रीवफन के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान श्रीतफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निक्कि में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा सा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविदा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन भिम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात :— 3 —246GI/85 श्रीभती लाजबन्ती विधवा
 श्री देवकी नन्दन,
 भटिण्डा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रणोक कुमार पुत श्री गोपी राम, (विलेख नं० 2808), गोपी राम पुत्र ठाकुर मल, (विलेख नं० 2809); पवन कुमार पुत्र गोपी राम, (विलेख नं० 2818), भटिण्डा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इब जूबना के राज्यन में प्रकारन की रारीय से 45 किया की क्यांच वा कुलान्त्री व्यक्तियों पर सूचन। की राजीस से 30 दिन की मबीप, यो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी न्यपित क्यांगा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकींगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2808; 2809 ग्रीर 2818, दिनांक दिसम्बर 1984 को रजिस्ट्री कर्ना ग्रिधकारी भटिण्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-8-85

शक्त नाद'.ट\.एन.एच .------

बाब्धर गृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के कथीन स्थान

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 20 ग्रगस्त 1985

निदेश नं०/ऐ० पी० नं० 5836—श्रत: मुझे, जे० एस० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विस् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित्त बाजार मूस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव महल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख विसम्बर 1984

को पृत्रों क्य सम्पत्ति के उचित नाकार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापृत्रों कत सम्पत्ति का उचित बाचार वृष्ट उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पिछल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नतिवित ग्रें वास्तिवक क्य से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) सभारण वं हुई कियी नाम की नानस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसले बचने में स्विधा के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिक्ष्ण था, छिपाने में बिया के लिए:

बतः वज उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तिरहों, अधीर (1) श्री सीता राम पुत्र मोमन राम,
 वासी—-कैथल ग्रम गोराया,
 तहसील-फिल्लौर ।

(धन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह पुत्र ठाकुर सिंह, वासी-वैंस, तहसील नवांशहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🦟

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की बंबीथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील ते 30 दिन की बंबीथ, वो भी
 ववीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हिकरण: इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, वहीं अर्थ दोगा, को उस अध्याय में दिवा न्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2023, दिनांक दिसम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिल्लौर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 20-8-85

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्. -----

नाथकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

बारत स्टब्स्

शायांसय, महायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जंन रेंज- जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 20 ग्रगस्त 1985

निवेश स० ऐ० पी० नं०/5837——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गाँव महल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के सहयमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का अचित अखार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एंसे दश्यमान प्रतिफाल का मन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अति-क्ष्म गुन्नितियत उद्योश्य से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिचक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धरण संबुध किसी नाम का बाधर उक्स बधि-नियम के बचीन कर दोने के बन्दरुक के शामित्य के कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के निए; शार/या
- (क) एसी किसी बाम ना किसी भन मा अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा मा किया बाना चाहिए मा, छिपाने में स्विधा से सिद्ध;

जताः अथा, उनतं जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उनतं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः~~

- (1) श्री सीता राम पुत्र मोमन राम, वासी—कैथल, भव गोराया, तहसील—-फिलो। (भन्तरक)
- (2) श्रीमती बिपन्त कौर पत्नी सोहन सिंह, गाँव--वैस, तहसील नवाँशहर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोंड़ भी बाक्षोप:---

- (क) इस भूजना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की मविभ, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचिक स्वस्थित में से किसी स्वित द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दिश्व-वव्य किसी बन्य स्थानत द्याय अभोहस्ताक्षरी वे राम लिखित में किए जा सकर्य।

स्पथ्डीकरण: ----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आरे उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, जहीं नर्धहोंगा उन्हास अध्याय भें विया गया है।

बम्स्ची

सम्जितिया व्यक्ति जैता कितियव नं 2027, दिनांक दिसम्बर् 1984 रजिस्ट्रांशर्ना प्रायकारा किल्लार ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ऋष्यकर श्रायकर (निरोक्षण) ऋर्वन रेंज, जालन्धर

दिनाँक : 2:0-8-1985

मोहर ह

प्रकथ बाह्र .टी .एन .एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिन्,क 20 ग्रगस्न 1985

निदेश सं०ऐ० पं/० नं० 5838——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- राज्ये अधिक है

श्रीर जिनकी मं० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो गांव महल में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में बीगन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फिल्लीर में रिजस्ट्रीकरण श्रिविधम 1908 (1908 पा 16) के श्रिधन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कव्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उगित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं,

एसे रहयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से सकत अतरण लिसित में वास्तियक रूप से कथित नहीं गया है:--

- (कः अन्तरण से हुई किसी आये की बायत, १००० अधिनियम के अधीन कर दोने के अपनरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी था या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बायकर भी नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि े सा, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम को भारा 260 सब के अन् रण में, में, सक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपभाग (,) के अधीत, जिस्सिलिसिक अधिकतया, अर्थान् :--

- (1) सीता राम पुत्र मोमन राम, वासो-कैथल ग्रव गोरायात ह०--फिल्लीर। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमरत्रोत निह पृत्र सोह्त निह,वासी—चैस, तहर्माल नवांशहर।

(ग्रन्नरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हित्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिसा गया है।

प्रनुमृनी

सम्पति तथा व्यक्ति जैता कि विलेखेनं ० 284 दिनाँक, दिसम्बर् 1984 को राजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी फिल्लौर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्रगधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जासन्धर

दिनाँक : 20-8-1985

प्रकर्भावी, बीच क्ष्र- क्ष्मः नाम न माना नामभार वीधीनकन, 1961 (1964: क्ष्म- 46): की पाडा 269-म (1) के नधीन क्ष्मा

भारत सरकार

वार्याक्य, ब्रह्मयक सामकर मान्यव (निद्रोक्कण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 20 श्रगस्त 1985

निष्या सं०/ ऐ० पी० नं०/ 5839—म्प्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिका है

भीर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूबी में लिखा है तथा जो गाँव महल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूबी भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फल्लौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उत्तितः काजार मून्य से कवः के दावयान प्रतिकाल को तिए अंसरित की गर्व हैं और मूफ्ते वह विक्यास का कारण हैं कि वभाष्वेक्त का गर्व हैं और मूफ्ते वह विक्यास का कारण हैं कि वभाष्वेक्त का वाचार मूक्त , इसके दायमान प्रतिकास का पंचा प्रतिकाल का पंचा प्रतिकाल का पंचा प्रतिकाल से विकल्प का प्रतिकाल से विकल्प का प्रतिकाल से विकल्प से का प्रतिकाल से विकल्प का प्रतिकाल से विकल्प का प्रतिकाल से विकल्प से का प्रतिकाल से विकल से विकल्प से का प्रतिकाल से विकल्प से विकल्प से विकल्प से विकल से विकल्प से विकल्प से विकल से

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाम की नाम्स, उनक श्रीप्रम्य के क्यीन कर दोने के अन्युरक के स्तित्व में कमी करणे ना समुखे वयने में स्तिया के किए; म्रीर/मा
- (थ) इंसी किसी बाब वा किसी थव वा अन्य आस्तियों करें, फिक्ट्रे आरतीयः वासकर विधिनेयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्तः अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रश्रामार्थ अन्तरिसी ब्वाय प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया वाना चाहिए था, किमाने में बृदिका के भिक्तः

- (1) श्रीःसीता राम पुत्रःमोत्रन चन्द, वासो-कैथल, ग्रव गोरया, तह०-फल्लीर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री परमजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह बासी-बेंस, तहसील फल्लौर।

(ग्रन्तरिती)

का वह ब्रुचना चारी कारबोः पुनिक्का क्रम्परित वो वर्धन के जिल् कार्यगरिक्ना करता हूं।

दस्य दम्मति में वर्षक के क्रम्यक में कर्दि भी वाक्षेत्र ह—-

- (क) इ.स. भूजभा के राजपन में प्रकाशम की तारील के 46- विवध की कंपिंग मा तरसम्बद्धी व्यक्तियों पर बूजवा की तामीम से 30 विश्व की मंपिंग, को भी अम्मित वाकाओं कंप्रकार कृति हों, कें नितर पूर्विकेट करिताकों में तो कि ती ज्यक्ति द्वारा;
- (श्र)ः वस स्वाम के सामान की प्रकाशका की सामीका से 45 दिन के भीतर उपसारकाकर स्वासि 'मेंग हिससम्ब मिली। काक कामितः स्वास अमहिस्तासारी' के पास विभिन्नामाँ किए वारककीचे ।

स्थानकरण :---इसमें प्रयुक्त बच्चों सीहः वद्यों साहं, जो स्थान वरिष्ठिकम् के सम्बादः 20-कः में परिवाधिकः ही, वहति सर्थः इतेषाः मो उसः स्थापन में विभाः पद्या होतः

ममुमुको

सम्पति सचा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 2042, दिनाँक दिसम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फिल्लोर ने विखा ।

> जे॰ एस७ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, जालन्धर

अत: अय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1). को अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अभित् :---

धिनौक : 20-8-1085

प्ररूप आई. टी. एन. एत. -----

आयक्तर अधिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 20 प्रगस्त 1985 ्विदेश सं०/ए० पी० न०/5840--ग्रतः मुझे, जे० एल० मिरधर

आहम्पर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें एक्वाद 'उन्स निधित्वम' महा गना है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वात अस्ते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका जिल्ला वाजार जूल्य 14500,000/- रू. से जिथक है

मोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सबा जो गाँव महल में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फल्लीर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन; सारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकित सम्पन्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसक दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ि प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने के स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सीता राम पुत्र मोमनराम वासी—कैथल धन गोराया, तह० फिल्लौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री सोहनसिंह वासी-बैंस, तहसील फिल्लौर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के जर्जन के लिए कार्वमाहियां ऋरता हुं।

जबरा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इन सूचना कः राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पर्ति में हित-सर्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहरताक्षरी की पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्यक्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2103, दिनौंक दिसम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिल्लीर में लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकः (गिरोक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

दर्नोक : 20--8--1985

प्रक्ष मार्च _ दी. पुन. पुष्न = = =

नारकड बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के भ्यीन सूत्रमा

THE PARTY

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निहर्मिक्)

म्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 श्रगस्त 1985

निवेश सं०ए० पी० नं०/5841--श्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर

वावकर निभिन्नन 1961 (1961 ना 43) (विके इक्नों इक्कों परमाल 'उपल निभिन्नन' नक नन हैं), की भारत 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, नह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर तन्यति, जिक्का छन्निक 'वाकार नृत्यें 1,90,000/- रु. से निभक्त हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उणित बाजार कुष्य से कन के ध्रवनान प्रतिकल के लिए बस्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वंशा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उतके कानात प्रतिफल से, एते करवमान प्रतिफल का पत्कह प्रकेतवत ते अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निष्म-सिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की समय, समय विजियम की बधीन कर दोने के शन्तर्क की समित्व में कभी करने वा उत्तव वचने में सुविधा के सिन्द; बाँड/बा
- (थ) एसी किसी जाब वा किसी भन वा अन्य अवस्तियों को जिन्हों भारतीय जाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय जा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविध्य खे जिन्ह;

- (1) श्रो जगजीत सिंह पुत्र मनसा सिंह 161-माडल टाउन, जालन्धर। (प्रस्त्रक)
- (2) श्रीमतो सिमरन कौर पत्नी सत्तवंत सिंह टाँडा रोड़, जालन्धर, (श्रप्त कोठी नं० 119 न्मू जवाहर नगर जालन्धर) ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुखना बारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यकाहियाँ करता हूं

ज्ञात क्रमित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य वासीय ह-

- (क), इस स्थान के राजधान में प्रकाशन की तारवेद हैं 45 दिन की जबकि वा तत्त्रकारणी व्यक्तिकों, तर, स्थान की तामीज़ से 30 दिन की नवधि, जो भी अंतिय कोर में तमाचा होती हो, के भीतर प्रविका वाक्तिकों में से निकाल क्योंचर क्योंचर;
- (क) इस सूच्या के राज्यन में प्रकायय की तारीच के 45 किन के भीतर उच्यत स्थायर सम्पत्ति में हिलाबयुध किन्दी अन्य व्यक्ति द्यारा जभोहत्ताक्षरी के शय लिखित में किए वा तकोंगे।

स्वक्रीकरण :—श्वामं प्रवृत्ता सम्बो करि पर्यो का; वाँ विभिन्न विभिन्नियम के सम्बाद 20-कं में वरिधार्किकं हाँ, यहाँ कर्य होगा को उस क्रमान में े विका गया हो ।

मनुसूची

सम्पत्ति सथा व्यक्ति जैसाकि विलेख गं० 4043, दिनौक द्विद्यम्बर 84 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालस्वर ने विकास

जे० एल० गिरधर
्मूसक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए को अनुसरण को, भी, उपक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

तारीख: 20-8-85

part and the state and and

वाषणर वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा :209-प (१) मेंग्यपीय मुकल

कार्यक्षत्र, क्षूत्रक नामकर कार्यक (निर्देशक)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 प्रगस्त 1985

निवेश सं०/एँ० पीं० नं० 5842—अतः : नुत्ते, जे॰ एल० मिराधर,

भाषकर जीनियम , 1961 (1961 का 43) (किसे महारो इस्ती कामान् 'काम सीनियम' बृह्य जात हुं), की भारत 288 का ने अमील क्षण सीनियाची के बहु किसाता करने का भारत हुं कि नामान्य सन्तिहा, विकास कीव्यक्तार मूल्य 1,98,800/- रहा से मीनिय हुं

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में है स्था जो जासमार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1985 को नुस्तीयक अधिक अधीन, तारीख विसम्बर 1985 को नुस्तीयक अधिक की विश्व के व

- (क) सम्बद्धन वे द्वार्ट विकिं का की सक्त करत वीवरियक के बचीन कर दोने के बन्दारक के व्यक्तित मी-कारी-कारी वा क्वमी-कार्य-वी-क्षिया वीविवर; व्यक्तिमा
- (वां) ब्रोडी क्याची काम वा क्याची काम वा काम आविद्यानी को, विश्वर्ष भारतीय सायकर विश्विषयम्, 1922 %(1922 का 11) ता उनत निर्धानतम्, वा का-कार कन्यिनियम् 1957 (1957 का 27) के अनोमवार्ण-मृत्याज्ञाति क्षाचा-माक वृद्धि विका यथा आ वाःनिका आमा वाहित् वा, कियाने वें वृत्यिका विका;

क्षप्तः सब, उक्क विधिनियम की भारा 269-ग को समुकरण में. में, उक्त मुण्डिनयम की भारा 269-ग की उक्शारा (1) के सभीन, निम्नसिधिक व्यक्तियों, सम्बद्ध क्र-> (1) श्री राम सरुप वर्मा पुत्र भगत राम,
माउथ हाल,
इंग्लैंड बारा मुख्नयार ब्राम सरकीत सहदेव पुत,
श्री गुरबचन सिंह,
45 शिव नगर, साडेल रोड़,
जालम्बर।

(मन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह पुत्र करतार |सिंह, बासी 48/2 मैन्ट्रल टाउन, जालन्धर (श्रम युकान नं० डब्ल्यू० ⊓०-117, बजार शेखां, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को अहा भूवना कारी करके पृत्रांकत सञ्चीता के अर्थन के सिए कार्यक्रिको कुक करका हुई ।

क्षमा क्रम्पित हे वर्षन के सम्मन्त में त्यादि ही बाहरे :---

- क्षेत्रहें का अनुकार के राज्यन में क्यांचन की कार्याद्य है 48 रिक्ट की कार्यों का तरसम्बन्धी न्यानित्यों पर सूचमा की ताबील से 30 दिन की सर्वीय , जो भी नवंधि नाव में जानाचा होती हो के भीतर धूर्मीकत कंशिकारों औं जो किसी स्थानित कुनारा;
- (वं) वहा क्याना के राजपण में प्रवासन की दारीय से 45 विश के भीतर उस्त स्थायर सम्बद्धि में दिय-वद्ध किंदी जन्म व्यक्तित द्यारा, व्यक्तिता में यस विशेषत में 'किए या तकोंगे।

स्वयनिकास हम्म इसमें प्रयुक्त सम्बों और वर्षों का, सो उनत व्यथिकास के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, असी वर्ष होता को उस कथाब में विवा गया है।

नमृत्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैनाक विलेख नं० 3922 दिनाँक दिसम्बर 84 को रजिम्द्रीकर्ता मधिकारी, जालम्धर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर संसमः प्रीधिकारी संद्यायक ग्रायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जाअध्यर

नारीख: 20-8-1985

प्रस्त बादी. टी. एन. एस.,------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत बहुकान

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 1871/एक्यू० आर०—III/85—86—— श्रन: मुझे, शंकर बैनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो गलफ ग्रीन श्राविन कारप्लेक्स, फेस-IV में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-12-84

हो प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रितशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितशों) के बीच एसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में स्वांत्रभा के लिए;

श्रत: व.ग., उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
4—246GI/85

(1) श्री श्रशोक कुमार म्खर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीः सुनदा दत्त ग्रीर ग्रन्य ।

(अन्तरिती)

का यह स्थन। जारा कारकं प्वाक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की ताबील से 30 दिन की जबिध, थो भी जबिध वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना के राज्यक में प्रकावन की दारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगम को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 2/6 पता गरफ ग्रीन आर्यान काम्ध्येक्स, फेस–Jγ एम० श्राई० जी०-II (श्रार०) कलः 33 क्षेत्र-520 मक्युः डीड नं०-I 14413 श्रनुसार निवस्थ हुश्रा।

नारीखः : 13—8**--8**5

म}हर:

प्रकृत बाह्रे. टी. एट. इस

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-]∐, कलकत्ता

कलकसा, दिनाँव 14 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 1870/एक्यू० भ्रार०-111/85-86--भ्रत : मुझे, शंकर बनर्जी,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारत 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/~ रह. से अभिक है

श्रीर जिसकी में० 153/4 ए है तथा जो श्राचार्य प्रफुल्ल चन्त्र रोड़, कन० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कल० में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 12-12-84

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित वाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्द्रीरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तद्ध प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया ग्या है अ—

- (क) जंतरण ते हुई किती भाग की बाबत, उक्त की जिल्ला के कथींग कर दोने के अस्तरक के बाबित्य में अस्ती करने या उत्तर्भ नेपने में धृतिभा के सिक्; बाँड/वा
- (व) एसी किसी बाध वा किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीधनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा वी किया

बतः तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्म्नलिक्तिस व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री लोकेश चन्द्र राय

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुजीत कुमार सित्र

(म्रन्त्रं*र*तो)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्संप:----

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यान की वामील से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अवधि वाद में समाध्य क्षेत्री हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी भन्य स्थानित इसारा मभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्माक्ष्योकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो उक्त श्रीभिषयम, के अभ्याय 20-क में पीरभावित है वही सर्थ होता जो उत ग्राध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 14930 ता० 12-12-84 अनुसार निवन्ध हुन्ना।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंट -III, क्राफना

तारीख: 14-8-85

प्रकण बाह्र . टी . एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीत रेज-III, कलकत्ताः च्या विशोध १४ मध्यस्य १००

कलकत्ता, दिनाँक 14 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 1869/एक्यु० ग्रार०-III/85-86--ग्रत : मुझे, शंकर बनर्जी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इतनें इसकें वश्यात 'उपस अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ब क अभीन सक्षय शाधिकारी को, यह विदास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्ए से कम के दूबरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूस्ब, उसके दूबरमान प्रतिफल से, एसे दूबरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रीत्मत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तैं बाया गमा प्रतिफल, निव्नतिसित उद्वेष्ट्य से उन्त अन्तरण जिल्ही के बास्तरण के लिए तैं का प्रतिक के बास्तरण से उन्तर अन्तरण कि लिए तैं का स्तरण के लिए तैं का स्तरण के लिए तैं का स्तरण कि की का स्तरण कि सामा गमा की सामा स्वाप्त के बास्तरिक कर से कि शित नहीं किया गमा है :---

- (क) कलारण ते हुई किसी जाय की बाबत स्थल बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; और /वा
- (व) व्येष किसी बाब या किसी भन या बम्य वास्विवों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने भें सुविधा के निए:

बता वव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अपूबर्भ में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजियत व्यक्तियों, अर्थात्:----

(1) श्रीलोकेश चन्द्रा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोहिल चन्द्र मितरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्रुचना चार् करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अधितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वास में सामध्य होती हो, के भीकर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रायवन के प्रकासन की सारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वर्ष किसी सन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पार किसिन में किए का सकत्ये।

त्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पत्रों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्रिका नवा है।

वनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 14929 ता० 12-12-84 श्रनुसार निबन्ध हुश्रा।

णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज—III, कलकत्त्रम

तारीख: 14-8-1985

प्रकार कार्यु , दी ु प्रकृत प्रकृतकार कारण

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत सुचना

भारत तरकार

कार्यात्तम, सहामक जामकर मानुक्त (निर्देशका)

भ्रजन रेंग-111, कलकसा

कलकत्म, दिनौंक 14 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० 1868/एक्यु० श्रार०-<math>III/85-86--श्रत : मझे, णंकर बनर्जी,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह मिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 18/1——है तथा जे — गरियाहट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के ग्रिधीन, नारीख 15-12-84

की पूर्वियत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रमजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार बृत्व, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकत संबोधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक कम से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सीधिन्दम के अधीन कार दोने के बंतरक के वामित्व में कमी करने या उत्तवें बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-पार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वे प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, ख्याने में सुनिधा के लिए;

नतः अवः उक्त मधिनियम की धारा 269-म के अन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से सधीन, निस्निनिवित व्यक्तियों, वर्धातः :---- (1) समेर चन्दा दास गुप्ता ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० मनीशाह नन्दी राम

(श्रन्तरिती)

को नेष् सूचना चादी करके पूर्वोक्य सम्पत्ति से वर्षन भे निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुरमत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के समप्त में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की न्विभ, को भी सबीच नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतास्त;
- (क) इस स्वना के श्वप्त में प्रकासन की तारींब से 45 बिन् के मीत्र उक्त स्थायद सम्पत्ति में हित्नव्य किसी अन्य व्यक्ति हुनारा, बभोहस्ताक्षद्री के पास विविद्य में किए वा करोंगे।

रन्या करण :--इसमें प्रयुक्त कर्णा नौर पतों का, वां उक्त विभिन्दम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस जध्याय में विका यथा है।

नन्त्र्यो

सम्पत्ति जो डीड नं० I 15206 श्रनुमार निबन्ध हुआ।

> भंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-III, कलकक्षा

क अकला, दिनाँक 14 अगस्त 1985

निर्देश स० 1867/एक्यु० भ्रार०—III/85-8छ——श्रत : मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 1 है तथा जो पार्वती चक्रवर्ती लीन, कल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 17-12-84

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जमके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गक्त प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के <u>िल्ए;</u> और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री संदीप कुमार राय ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जीतेन्द्र लाल मजूभदार। (भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

काठाम सह जमीन डंक: 10 छ पता-1, पार्वेशी चक्रवर्ती लोन, कल० डीड नं० 22, ता० 17-12-84।

> मंकर बनर्जी सभम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

प्रथम बार्च : द्वीत युवत बुक्तु-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-Ш, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 अगस्य 1985

निर्देश सं० 1866/एक्यु० श्रार०-III/85-86--श्रत : मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने क्रा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 96 एफ० है तथा जो कांकुलिया रोड़, कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कल० में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-84,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्तेषह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुई फित्ती बाय की बायत, स्वय विधिवन्त्र के अभीत कर दोने के बुन्तुक औं वाजित्स में केनी करने वा अससे बचने में बुविधा के सिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, जिना में सविधा के लिए:

अस: अध, उक्त विधितियम की भारा 269-न की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नुभति :--- (1) श्री शैलेन्द्र नाथ राय ।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योति को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ३ए श्रूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अधीभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इक् सूच्या के रावपण में प्रकाशन की तारीस हैं 45 विने के भीतर उन्ते स्थावर सम्मत्ति में हित-स्ट्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड़ निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकिरण :--इक्षमें प्रयुक्त स्था जोड़ क्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया भवा है।

प्रमुस् बी

सम्पत्ति जो डोड नं० 5615 त.० 10-12-84 श्रनुसार निबन्ध द्वश्रा '

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-∏ा, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

त्रस्य आहो.टी.स्य.स्य.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम् अवस्य नाम्बन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∐, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 14 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 1865/एक्यु० ग्रार०-III/85-86---श्रतः मुझे, शंकर बनर्जी.

आयकर अधिनित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आचार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 55 है तथा ज. राजा बसन्त राथ रोड़, कल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजिन्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कल में रिजिन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-12-34

का प्रविश्व सम्पर्कि । लिखन ग्रम्बार ग्रम्य से कम के रण्याम्य प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और भुमें यह विश्वाद कारने की कारण है कि प्रथापृतिकत सम्पत्ति का उजित । बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिवृत्व सं, जीवे प्रवृत्व जीतिक का वृद्धि प्रथाप प्रतिवृत्व सं, जीवे प्रवृत्व जीतिक का वृद्धि से वृद्धिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम ग्रमा प्रति-कम निम्निसिक्त उप्रवृद्धिय से स्वत अंतरण कि बित्त में वास्तिकक कम से किंगत नहीं किया गया है ----

- (कं) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) कि उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

अते. अबे, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उन्हरण में, में, उक्त प्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्कितिक रूपिनयों, अर्थात :---

- (1) श्रामतो प्रमिला वाला दास ग्रौर ग्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्रो सन्तोष कुमार घोष ग्रोर ग्रन्थ। (श्रन्तरिती)

को य**ह सुच**मा जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्णन के "लए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्क सम्मरिक के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :---

- (क) हुत तृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अभिष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृजना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जदिष जाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्यक्रियाः --- इसमें प्रजूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमेगा जो उस कथ्वाय में दिया गवा है।

जनसंची

सम्पन्ति जो डोड नं० 6159 ना० 27--12-84 ग्रनुसार निबन्ध हुग्रा है।

> पंतर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रांगका प्राप्ता (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीषा: 14-8-1985

मोहर 🤊

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश र्सं० $1864/\nabla$ क्यु० प्रार०-3/85 - 86 - - प्रत: भक्षे, शंकर बनर्जी,

जायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 30/1 है तथा जो शरत बोम रोष्, कल० स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 4-12-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्यवमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके रश्यभान प्रतिकाल से, एसे रश्यमान प्रतिकास का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्दोस्य से उचत अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत सकत विधन नियम को अभीन कुद्ध देने के बन्तर् क के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (का) ऐसी किसी भाग मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ध---

- (1) छात्रेत कोग्राप्रेटिव हाउभिग सोसाइटी नि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) सेल्य एपार्टमेंट (प्रा०) लि॰ (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वांग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाबन की सारीक से 45 किन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए था सकोंगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, को उपल किंपिनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नदा हैं।

अन<u>ुस</u>ची

डीड नं०-1 14501 ता० 4-12-84 श्रनुमार निबन्ध हमा।

> र्णकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सह।पण त्रायाज्य प्रायुक्त निरीक्षण स्रार्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 13-8-85

मोहरः

प्रारुष बाहै. टी. एन. एस.-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ध्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश र्सं० 1863/एक्यु० ग्रार०-3/85-86--ग्रत: मुझे, शंकर बैनर्जी,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 18 है तथा जो डोभार रोड़, कल० स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकका में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-12-84

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया नथा है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

(1) श्री रनेन्द्र जमार मित्र

(म्रन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ डे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

डोड नं० 1, 14669 ता० 7—12—34 ग्रनुसार जो सम्प**त्ति** निबन्ध हम्रा।

> णंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सह्यिक द्यायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) स्रर्गन रॅज-3, कलकत्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल पिक्तिमों, अर्थात् :--- 5-246G[85

मोहर :

तारीख: 13-3-85

मोहर

प्रकृष कार्ड ्टी, एवं ह एस<u>ं ह्रण्या</u>स

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 1862/ण्क्यि० ग्रार०—III/85-86—श्रतः मुझे, शंकर बैनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 116 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यास्य, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1984

का पूर्विक्त सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिश (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप स किथान नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किती आय की वावत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अधीरक के बाजिरज में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य श्रास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थितने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) को कधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, कथाँत:—

1. श्री प्रत्ल चन्द्र मुखर्जी।

(भ्रन्सरक)

2. श्री गोलक दत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिमों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का., जो अक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्र्यी

सम्पत्ति जो डोड नं० 1, 15508 ता० 20–12–84 सन्सार निबन्ध हुन्रा।

र्णकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज−2, कलकना

तारीख: 14-8-1985

स्रोहर 🥫

ाक्त आहे_ल डी_{.२} हुन_{२२} हुन_{२२}

बायकर व्योपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) के स्थीन स्वाम

RIEG GEWIS

क्षवंजन, बहानक मायकाउ नामुक्त (निहुक्तिन)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 14 श्रगस्त 1985 निदेश सं० 1861/एक्वि० श्रार०-III/85-86--श्रतः मुझे, अंकर बैनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन के अभीन तक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धि जितका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 116 है, तथा जो मनोहर पुकुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1984

को पूर्वोक्श संपरित के जिला आजार मूल्य से कम के **स्थमान** प्रितकल के लिए अंतरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एम्रे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई कियी बाथ की बाबस, उसके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी फरने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/बा
- (क) इसी किसी बाप या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में त्विभा वी सिक्:

नतः वन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ए की नमूसरण वो, मी. उक्त सीभीनयम की भारा 269-ए की उरभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रतुल चन्द्र मुखर्जी।

(भन्तरक)

2. मिस सुचित्रा दस ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

उनत तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विश्वित में किए का तकोंगे।

स्वाचीकरणः—इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदी का, जो उक्स जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहा है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डी**ड** नं० 1, 15509 तारीख 20-12-85 श्रनुसार निबन्ध हुमा।

शकर वैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन र्रेज--2, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

त्रियम् ।०६। (10६। का ४३) की

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 प्रगस्त 1985

निदेश सं० 1860/एक्वि० ग्रार०- /85-86---ग्रतः मझे, १व९ वैनुर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 116 है तथा जो मनोहर पुकृर रोष्ट्र, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबछ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 20-12-84

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी अपरने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए
- में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपभारा (1) अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण के अभीन, निम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री प्रतूल चन्द्र मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कनक दत्त।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

सम्पत्ति जो डीड नं० 1, 15506 तारीख 20-12-84 श्रमुसार निवन्ध द्वश्रा।

> णकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज~2, कलकत्ता

तारीख]: 14-8-1985 मोहर इ प्रकप आहे. टी.एव. एस. -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंभीन सूचना

भारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश मं० 1859/एक्वि० ग्रार०—III/85-86---ग्रतः मुझे, शंकर बैनर्जी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

1,00,000/- क. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं 116 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड़,
कलकत्ता में स्थिन है (श्रीर इससे उपावत अनुसूर्वी में
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 वा 16) के अधीन, तारीख 20-12-1984
को पूर्वोंक्त सपित के उर्वित अधीर मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सपित्त का उषित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल के
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
कन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एस जन्तरण के निए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदेश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हुँ:---

- (क) बन्तर्य से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त बिध-नियम के बधीन कर देनेके अन्तरक के बायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के निए; बर्डि/सा
- (ज) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियीं को चिन्ह भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः अहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, । छपाने में सुविधा वै विद्या

जतः अथ उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री प्रतुल चन्द्र मुखर्जी।

(भन्तरक)

2. श्रीमती प्रनति दत्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्षन के सिष् कार्यमाहियां करता हुं।

उनत राम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेष ध--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगे को उस अध्याय में दिश गमा है।

नन्स्ची

सम्पक्ति जो डीड नं० 1, 15510 तारीख $20{\sim}12{\sim}84$ स्रनुसार निबन्ध हुन्ना।

णंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

मोहर ः

प्रकार कार्य की एन प्रसार ========

ਪ੍ਰਿਸ਼ਟਸ਼, 1081 (1081 **ਅ**ਹ 43**) ਵੀ**

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के मधीन धृकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, क लक्सा कलकत्ता, दिनाँक 14 प्रगस्त 1985

निदेश सं० 1858/एक्वि० श्रार० - I/85-86--श्रतः मुझे, शंकर बैनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी से 116 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इपमें उपायद्ध श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के खरयमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे खर्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, जिम्निति बित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; आडि/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी घन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त जीधीनयम कौ धारा 269-ग कै जनुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखित व्यक्तियों, नर्भात्:— 1. श्री प्रतुल चन्द्र मुखर्जी।

(ग्रन्तरक)

2. मिस सुपता दत्त।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यों कत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् लिखित में किए था सकेंगे।

स्पथ्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुर्यो

सम्पत्ति जो डीड नं० 1, 15507 तारीख 20-12-84 भ्रमुसार निबन्ध हुआ।

> णंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

प्रकप आर्ड . टी . एन . एस . -----

भायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निज़्रीक्षण) अर्जन रेंज--3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निदेश मं० 1857/एक्टिय० श्रार०⊶III/85--86--मुद्ये, शंकर बैनर्जी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं

ग्राँग जिसकी सं 116 है, तथा जो मनोहर पुकुर रोड़,
कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रींग इसके उपाबद्ध श्रनुभूवं में

ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्टों कि श्रिधकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्टी करण ग्रिधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्टी करण ग्रिधिकारी के
वार्यालय, कलकत्ता में रिजस्टी करण ग्रिधिकारी के
वार्यालय, कलकत्ता में रिजस्टी करण ग्रिधिकारी विश्वसम्म,
1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, तरिष्य 20-12-84

श्रों पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिक्ति को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्ति से, एसे दश्यमान प्रतिक्ति के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्ति,
निम्निलिखित उप्रवेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिहि ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए **के अन्सरण** भैं, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-**म की उ**पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :--- 1. श्री प्रतल चन्द्र मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतं। गीता दत्ता।

(ग्रन्तरितं:)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूबेः

सम्पत्ति जो डीड नं० 1, 15505 तारीख 20-12-84 ग्रनुसार निबन्ध हुग्ना।

> णं∴र बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक्षर श्राधुक्त (निरीक्षण) भ्रार्वन रेज⊶3, कलकत्ता

नारिख: 14-8-1985

AT STATE OF THE OWNER, OF THE OWNER,

प्रक्ष नाहरू हो, एक, एस,------

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-3 (1) के अधीन स्वन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्म रेज-3, इलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1985

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हासमें इसके प्रश्वाह 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० बी-294 है तथा जो लेक गार्डन्स, कल कत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुसूर्व) में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रोनारण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रिथीन, नार्राख 8-12-1984

को पूर्विकत संपन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि संथापूर्विकत सम्पन्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उजक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और था
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अश. अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के सधीन, निकासिकित स्योक्तयों, अर्थात् :---

1. मैं० कन्स्त्रैन्ट इंजानियरिंग बिल्डर्स। (श्रन्तरक)

2. मिल जान् डोमिन्गो।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्क्रम्बन्धी व्यक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित मों किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कन्दों और पृदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

बन्स्ची

ण्लाट क्षेत्र 915 व० फु०, पना—न्त्री--294 लेक गार्डन्म, इत्त्रात्ता, **डीड** मं० 14769 शराख 8-12-1984।

> शंकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रार्जन रोज-3, कल∷सा

तारीख: 13-8-1985

मोहर∷

इस्प ब्राइ टी.एन.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज⊸3. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 धगस्स 1985

मुझो, शंकर बैनर्जी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाधार बच्च 1,00,000/-रः. से मिश्व है

श्रौर जिसकी मं० 47 है सथा जो एन० सेन स्नेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रुजि-द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त तस्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और नन्तरिती (अन्तरितिनों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निसिबत उद्योग से उस्त सन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हू--

- (क) वन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत . उच्च विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और∕वा
- (ख) एसी किसी अगय या किसी अन या अन्य अविक्तयों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या अप-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕏 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

श्री भ्रमस्य प्रसाद घोष।

(ग्रन्तरक)

2. श्रोमती रेन्का मैन्न।

(ग्रन्यरियो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस स्वनाके राजपन में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी हम्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध **किसी जन्य स्थक्ति ध्वारा अधोष्ट**स्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकते।

लक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित डै, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

जमीन — 1 क० 11 छ० 22 व० फु० सत एक तल्ला मक्तान क्षेत्र---1100 व० ५६० (विना छाद)। डोड नं० 5716, विनांक 12-12-1984, पता--47 एम० एन० सेन लेन, कलकत्ता-40।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलक्सा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ कें, अनुसर्व में, में, उक्त कींथीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निसिस स्योक्तयों, अर्थात् :---

मोहूर 🖫

तारीख: 13-8-1985

6-246GI|85

प्रकल जार्च .टी.यन .युत . -----

बायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना 1. श्रा कमल कुमार दास।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ० जूट वेलाग्स एसोसियेशन।

(श्रन्तरिती)

नारत प्रस्कार

कार्यांचय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्थन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 1854/एक्विं श्रार० - /85-86---- प्राम् मुझे, शंकर बनर्जी,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269 स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को पह मिन्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 है तथा जो इन्डिया एक प्रेस चेंज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षोन, तारीख 11-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के बिकत नाजार मूल्य से जम के स्वकाल प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एवे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तथ बाया गया प्रतिफल, जिम्मीनिविव बद्दान्य से बन्क क्लार्य विवित्त में बास्तिविक क्य से कियत महीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान भी नावता, समध अधिनवन के ब्रंथीय कड़ दोने के ब्रन्सस्थ की वाजित्य में कनी कारणे वा उब्बं क्वने में ब्रोविधा के सिक्; और/या
- (च) एती कियी बाब वा किसी थन वा बस्य आस्तिनों को, विन्हें भारतीय आयं-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विभिनियम, या धन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया वा ना किया जाना वाहिए ना, कियाने में सुरिका वो विष्ट;

क्तः कत्र, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरक क्री, सी, शक्त अधिनियम की भारा 269-व कर उपभारा (६) क्रो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को नह सुबना बारी करके पूर्वोक्त संपंति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहिया शुरू करता है।

जनत बंगीता हो गर्वन को तंबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीय वें 45 दिश की बवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की ताबीत से 30 दिन की नवधि, जो भी सवीध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कियी कच्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए वा स्कर्ण!

वनस्वी

डीड नं॰ 1, 14872 नारीख 11-12-1984 धनुमार निबन्ध हुमा।

> र्णकर बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, कलक्षा

तारीखा: 13-8-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

1. श्री कुष्ना मरायो मोदे(।

(भन्तर ह)

2 श्रीमती कमला देवी वागरी।

(भ्रन्तरिती)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 1853/एबिव० स्नारः ~III₁85-86--स्रतः मझे, शंकर बैनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० 50-श्री० है तथा जो गडियाहाट रोड़ कल कता में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रनुसुकी में और पूर्ण का में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिगरी के कार्याला, कल कता में, रिजस्ट्रेकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में शस्तियक रूप म किथत नहीं किया गया है के-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आंधिनयम, 1921 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, १९ धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताकराधी सार्वित कुल्या के उपन करा का का ना या किया भाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थान् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिंखित में कियी जा सकी।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अमुसुची

डोड नं० 1, 14776 तारीख 8-12-84 श्रनुसार निबन्ध हुन्ना।

> संहर बैनजी सक्षम प्राधिहारो महायह ग्राप्यहर श्रापुतः (निरोक्षण) भ्राप्तन रोग-३, कलकत्ता

नार्थिः 18−8−1985

त्रक्ष नार्दा, ही, इन्. एवं.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बचीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 16 अगस्त 1985

निदेश सं० ए० सी०-40/आर०-11/कल०/85-86---अतः मुक्ते, शेख नईमृद्दीन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, ज्लिका उचित वाबार मृन्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो मौजा महादेबपुर धाना—महेशातला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22→12→1984

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्ताम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्वर्षिय से उक्त अंतरण निम्निसित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी नार की शावत, सकत विभिन्निय के वृथीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उच्चे वचने में बृधिका के लिए; वर्डिया
- (च) एसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में बंबिधा के सिए;

बतः स्था, उक्त सिथिनियम की भारा 269-न के बन्सरण से. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के प्रधीर, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, संख्यात — आफिसियल लिक्क्डिटेर, हाई कोर्ट।

(अन्तरक)

2. मैं ॰ ईस्टर्न इण्डिया डोर्स मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्विध, जा भी मन्यि नाम से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी स्वविद्य द्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक्ष सिकित में किए का सकती।

स्वाचीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पर्यों का, को उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हों, वहां वर्ष होगा, को उस वध्याय में विमा गमा हो।

वन्त्र्यो

1.606 एकरं जमीन के साथ मकान, फैक्टरी रोड़, मौजा महादेवपुर, थाना महेशतला, 24-परगना में अब स्थित है।

विलिल संख्या---आर० ए० कलकता का 1984 का आइ० 15615।

सेख नईमुहोन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-,II कलकत्ता

तारीख: 16-8-1985

प्रकम बार्ड . हो . एम . एस . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अगस्त 1985

निदेश सं० ए० 3/85-86---अतः मुझे, एच० आर० दासः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

म्रांर जिसकी सं० 211, 212, 213 आदि है, तथा जो भोगीपुरा-आगरा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायरल भें कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बांड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमा करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वि.मा जाना काहिए था, खियाने में सुविभा के लिए;

अति जन, उन्तः अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नसिधित व्यक्तिस्थों, अर्थातः :---

 श्री गोवर्धन सिंह पुत श्री तुला राम ।, निवासी—-नगला अलवलिया, मौजा—-भोगीपुरा, आगरा ।

(अन्तरक)

 मै० आगरा केन्टोनमेंट सहकारी आवास समिति लि०, आगरा, द्वारा—सचिव, महावीर प्रसाद उपाध्याय, पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद, निवासी—-11-बी०, मोहन पुरा, आगरा।

(अन्तरिती)

श्रन्त रिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जायदाद नं ० — 211, 212, 213, 216, 218 219, 220, 222, 225, 228, 229, 226, 227, 235, 236, 237, 238, 239, 267, 268, ग्राम भोगीपुरा, आ(गरा।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-8-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 8 ग्रमस्त 1985

निदेश सं ० ए-9/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3/243 है तथा जो स्थाम नगर श्रलीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रस्ट्रिशार्ता श्रधिभारी के नार्यालय श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ना 16). के श्रधीन ताराख 20-12-84

को पूर्वे किस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ति में बुस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्

नतः नव, उनते निर्मितयन की धारा 269-म के नतुसरण वा, मी, उसते विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्निनिचित न्यन्तियाँ, नर्यात् क्र--- (1) श्रीः मुबोध कुमार गुप्ता पुत्र यादराम गुप्ता निवासी लेखराम नगर, अलीगढ़।

(ग्रन्तर ह)

(2) श्री मुभेन्द्र कुमार पाठक, एडवोकेट पुन्न पं० लीलाधर पाठक निवासी स्थाम नगर ग्रजीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारो कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का चै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त क्ली हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थव्यक्तिरणं ु- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक म्रान स्थित ध्याम नगर नं० 3/243 श्रन्तिगत्। एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तार्भेख: 8-8-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जानपुर

कानपुर, दिनां म- ८ ग्रगस्त 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उत्तिल बाजार मल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मान है तथा जो मृनहर बालस रिला में स्थित है (ग्रीर इसके उपायद्ध ग्रनुसूर्य। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रावर्ता ग्रीधकारी के ार्यालय ग्रालीगढ़ में, रिजस्ट्राकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख 20-12-1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसक दरयमान प्रतिफल को, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एमे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रात्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त आधीनयम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के सायित्व में कमी करने य' उत्तते अपने में सुविधा के लिए; बारि/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी अन जन्य वास्तियों सी बिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तालिक स्पित्तयों, अधीत हि—

(1) श्री श्रब्दुल रहमान पुत्र श्रब्दुल गनी सम्म मियां श्रुलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिती ग्रन्तरी बेगम उर्फ ग्रन्थतर जहाँ पत्नी मुहम्मद जुवैर निवासी मुहल्ला बलाय किला, ग्रनीगढ़।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यक्ति के अर्थन के िए कार्यवाहियां करता हंं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही वर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिना नया हैं।

अन<u>ृ</u>स्ची

एक मकान बलाय किला भ्रलीगढ़।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8~8~1985

प्ररूप नाइ^क्टी. एनः, एस_{ः, ननन-व्यस्मानव्यस्}

नायकर लिधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के नेभीन सूचना

नारुत चरुकार.

कार्यातम्, सहायक कारकार बार्क्य (निडीक्न)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त, 1985

दास

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकात 'उसत अभिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निर्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

थौर जिसकी सं० मकान है तथा जो सासनी द्वार हाथरस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार बुक्य ते कव के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुन् किसी बाब की बाबस, उक्स बिचिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शिवल्ब में कनी करने वा उन्नत ब्लाने में सुविभा के तिपु; बार्/बा
- (क) एसी किसी आव या किसी धन वा अन्य वास्तियों की, चिन्हें भारतीय नायकर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्वैत्या के निए;

जतः जन, उन्त जीधीनवन की धारा 269-म के अनुतरण मो, मी, उक्त अधिनिवम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालि<u>चित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष</u> (1) श्री हरी दत्त पुत्र श्री म्याम सुन्दर (पालीवाल) निवासी सासनी द्वार सड़क चक्कर, कस्बा हाथरस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चिरंजीलाल
पुन्न श्री भोजराज
राधेश्याम पुन्न श्री चिरंजीलाल
निवासी ग्राम ठुलई
प्र० व त० हाथरस, पो० रकस
जिला हाथरस।

(भ्रन्तरिती)

(1) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभ गिमें सम्पत्ति है।)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त अध्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान स्थित गली चमन सासनी द्वार, हाथरस।

एव० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

ता रीख: 6-8-1985 मोहर: प्रकृप जाइ. ही. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

टानपुर, दिनांक 6 भ्रगस्त 1985

निदेश स० एम-35/85-86--श्रतः मुझे एच० श्रार० दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की आख 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्रार-12/26 है तथा जो राजनगर में में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य में उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक क्य से कथित कहीं किया गया है :---

- (क) वैतरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाब का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन: निम्नेलिसित व्यक्तियों, कथाँत् — 7—246GI/85 (1) श्री रणकीर सिंह पुत्र पूरण सिंह जहगीराबाद बुलन्दगहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० ए० के० सिंह पुत्र सी० डब्ल्यू० सिंह परासिया, छिदवाड़ा (म० प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां .शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ⊱

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिन्धयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिकिन में किए जा सकते।

स्थळीकरणः — इसमें प्रगुक्त शस्यों और पदों का जो उक्त श्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक मकान नं० भ्रार०-12/26 (338 वर्ग गज), राजनगर, गाजियाबाद (तीन कमरे, लैटरीन, किचन, बाध-रूम।)

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपूर

नारीख: 6-8-1985

म्बन् अस्तुं हो । सून् सून्यान्यका

भागकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत दरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 6 म्रगस्त 1985

िनिदेश सं० एम−153/85−86—ऋतः मुझे,एच० श्रार०

दास

कावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा १९७९-च के सभीन मक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रहे. से जिथिक है

श्रीर जिसकी सं० 23 ब्लाक बी है तथा जो महराजपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन तारीख 17-12-1984

को प्रांवित संपत्ति के उचित वाजार भूज्य है कम् के अवसाम प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की पद्द है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य,, उसके अवसान प्रतिकत से एसे अवसान प्रतिकत का अन्तरिती (अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरिण लिखित में बास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (अ) एसी किसी नाम ना किसी यन वा बन्स आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय नावकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जब्द निधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिसी इंनारा प्रकट नहीं किया गया था या कि मा जाना थाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिकत स्विदेशकों, वर्णात ध--- (1) मैं० महामाया जनरल फा० कं० लि०,
 4/4 ग्रासफ ग्रली रोड,
 दिल्ली
 द्वारा चौ० बलवन्त सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) मैं इसरानी कन्स्ट्रव्यान कं० थर्क जी/21, लाजपत नगर, नई दिल्ली हारा श्रर्जुन इसरानी

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

इस्तु सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वार के रावपत में प्रकावन की सारीख़ कें 45 दिन की वनिभ मा तस्त्रंवंभी क्यॉक्तवाँ पद स्वार की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ वाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वों का कावितमों में से किसी क्योंक्त हुवारा;
- (व) इत् त्वा के खजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्क वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताकरी से पास जिस्तित में किए वा स्केंगे।

लक्ष्मिरणः -- इसमें प्रमुक्त ककों और पदों का, को उन्नत् लिशियमा, के बभ्याय 20-क में परिशाविद्य है, वहीं मुर्थ होगा को उस बभ्याय में दिया प्राही।

भ्रनु सूची

प्लाट नं० 23, ब्लाक बी (678.66) वर्ग गज। सैनटर 12 टी० एच० ए०, श्रावासिक कालोनी, रामप्रस्थ, महराजपुर, लोनी, दादरी।

> एघ० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1985

भोहर:

प्रकृत बार्ष है हो हुन्_य एउळ उन्न

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास भारा 269-व (1) को नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1985 रंग गग-162/85 86 - गनः समे एन

दास,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त, विश्वका उचित बाजाए क्र्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० श्रार०-13/27 है तथा जो राजनगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-12-1984

का प्वांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य वे कम के क्यामाल अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चत्रेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उच्चत्रेय से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण ते हुई किसी भाव की वायत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; जाँड/मा
- ्ष) एती किसी नाम मा किसी भग मा नम्म भास्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय नामकर निभिनित्रमं, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनियम, या भन-कर निभिन्नमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया पाना चाहिए था, किया में सुनिभा ने सिम्

शतः स्था, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण मे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीतः निक्निस्थित कवित्तमों, अथितः— (1) श्रीमती पुष्पा देवी
 पत्नी श्री सुदर्शन लाल गुप्ता
 ई-5/34 कृष्ण नगर,
 दिल्ली-51।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमल गुप्ता पत्नी श्री हरीशंकर गुप्ता नेहरू नगर, गाजियाबाद।

(श्रन्तरिती)

(3) ब्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचन। जारी करके पूर्वेक्त सम्बद्धि के अर्जन के निष् कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

उन्त रस्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में केंद्र भी नाक्षेत्र हरू

- (क) इत ब्र्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिप या तत्संबंधी स्पवितयों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकरी के गान सिचित में किए था संक्षिं।

नन्स्यी

मकान नं० श्रार-13/27, राजनगर, गाजियाबाव।

एच० द्यार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 6 धगस्त 1985

निवेश सं० एम-165/85-86-श्रतः मुझे, एच० ग्रार०

दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी-27 हैं तथा जो पढेलनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-12-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एंसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर वेने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अस, उक्स अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मैं, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन,, निक्निनिष्दि व्यक्तियों, अर्थात् ::— श्री नरेन्द्र कुमार
 59-डी, पाकेट नम्बर 3, मयूर बिहार,
 दिल्ली-61।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश भन्द गुप्ता पुत्र श्री जयप्रकाश गुप्ता सी-32 माडल टाउन, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमा, की अध्याय 20-क में प्रिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

भनुसूची

जी-27, पटेल नगर थर्ड गः जियाबाद

एष० म्रार० दास ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भूजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप **आइ**. टी. एन. एस.-----

बारकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) से बधीन ब्यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक ६ श्रगस्त 1985 निदेश सं० एम-167/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार०

दास;
नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निर्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाकार भूत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 169, 170, 171 है तथा जो मोरी में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-12-1984

करं प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान श्रांतफल के जिए अन्तरिस की गई है और मुक्के वह विद्याह करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का वृन्द्रह प्रतिकात से विभिक्ष है और अंतरक (अंतरका) और मंतरिती (वंतिरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथ पावा क्या जित-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- 4क) अन्तरण ते हुई किसी आव की वाबत, उपक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाविषय में कमी करने या उससे वचने में तृषिधा के हैंसर्ह और/या
- (भ) एंची किसी नाम या किसी थन वा बन्न शास्तिनों का, चिन्हें बारतीय सायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनिवस वा धनकर अधिनिवस ना धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, जिनाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम को बारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगदीश सरन दास पुत्र श्री राम सरन दास, 167, मिर्जाजान देहली गेट, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री चन्द्रसेन पुत्र जहांगीरीमल 90 सराय नाजअरली, गाजियाबाद।
 - म्रजूध्या प्रसाद पुत्र श्री बाबू राम निवासी फाटक वाली गली, गाजियाबाद
 - 3. श्री प्रेम कुमार पुत्र लालाराम किसन दास रोगनगिरान, देहली गेट, गाजियाबाद।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं).

की वह स्वता जारी करके पृविक्त संपत्ति के अर्वन के जिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विष् की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील के 30 विन की अविष, जां भी अविष वाद में बजाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हिक-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के नास किसित में किस् ना सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ही, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही ।

मनुस्ची

दुकान नं० 169, 170, 171 एवं भवन नं० 168, मोहल्ला पुरुता मीरी, गाजियाबाद।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 6-8-1985

प्रकृष् अस्त्र<u>्रेट्टी, एन , एस</u>-------

नावकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के नधीन सूजना

भारत तरकार

भ्रमित्र , सहायक भाषकर आमृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1985 निदेश सं० एम-198/85--86---श्रतः मुझे एच० श्रार० दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इतमें इसके पश्चात् जनस निधिनियम' बद्धा गया है), की भाष 269-ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विस्तात करने का कारण है कि स्थानर कम्मित, जिसका उचित बाचार मूक्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं खेत नं 288/351 है तथा जो मन्धावलीं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारीं के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 20-12-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाबार मूल्य से क्रम के क्लबाल प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूक्त वह विक्याद करने का कारण है कि समाप्त्रोंक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य स्त्रक स्वयान प्रतिकल से, होसे क्स्यमान प्रतिकल का पल्क्ड् प्रतिक्ष से अभिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तर्दिकी (अन्तरितिस्त्रों) के बीच एसे अन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नसिक्त स्वयुक्त से उन्हें स्वया गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुइ। किसी बाय की बाबत उक्त जीभनियम के जभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आल्बिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिप्पाने में सूर्विधा के निए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र- श्री मुस्तजाब हुसेन, इकरार हुसेन सन्धावली, मुजफ्फरनगर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीं बहीद पुत्र श्रीं सुलतान, सलीम ईद ग्रादि मुजड्, मुजफ्फरनगर।

(ग्रन्तरितीं)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं।)

भू अपू प्रभूष आडी कर्ने पृत्रों का कन्दरित के नार्वक के दिए कार्यकाहियां करता ह**ूं**।

दवह बुम्मत्ति के क्षर्य के बम्बन्य में कोई' भी मासेव:--

- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (ब) इस स्वा के राज्यत्र में त्रकाशन की दारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी वृष्य व्यक्तित इवास संभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा वकीं में ।

स्पष्टीकरणः — इक्जें प्रमुक्त सम्बां और न्दां का, सो उक्त सिमिनक के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भाग 1/2 खत नं० 288/351 पैंतींस बीघे ग्राम सन्धावलीं, मुज्जफरनगर।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, कानपुर

तारी**ज:** 6-8-1985

प्रकल काई ्टी, एम ् एस ्नव्यान्ववन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रवीन सूचना

भारत बडकार

कार्यातव, सहायक भाषकर नागुनत (निडीकन)

भ्रजीत रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985 निदेश सं० एम-200/85-86---श्रतः मुझे एच० श्रार० दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त अभिनियम' कहा मया हैं), की भार 269-क के नजीन सक्त प्राधिकारी को, यह निक्वन्त करने का कारण है कि स्थावर तज्यस्ति, जिसका अभित बाबार मूज्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

और जिमकी मं० खेतीं कीं भूमि है तथा जो श्रन्पशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, श्रनूप शहर में, रिजस्ट्रीक्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन दिनांक 15-12-1984

करे पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के निए जन्तरित की गई है जोर मृत्ये वह विकास करने का कारन है कि सभाष्ट्रोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रया गमा प्रतिकाल निम्मतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्मतिस्त से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई फिसी जाव की नावत उक्का विषिक् ज़ियक के ब्योग कर दोने के जनसरक के सामित्य के क्रमी कहने वा उत्तरे वचने में सुविधा के विष्; बौड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी वन वा अन्य जारितवाँ को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या जन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया वे सिक्;

वा: भव उक्त विभिन्नियम की धारा 269-ग के बनसरण वी, वी, तक्त विभिन्नियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखिस स्थितवर्षे, वर्षात् क्ष्म- (1) श्रीं हैम सिंह
पुत्र दींनान सिंह एवं श्रन्य
निवासीं शेखूपुर सराय,
श्रनूप शहर,
बुलन्दभहर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द पुत्र गंगादास, ग्राम रईसपुर, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरितीं)

को नह स्कना वारी कारके प्रोंक्ट सन्परित के नर्वन हैं (क्रष्

सन्त संपरित के वर्षम के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र हु--

- (क) इस स्वाम के प्राचपन भें प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की संबंधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा की तामीन से 30 दिन की संबंधि, को धी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) यह ब्यूकरा के द्वाबन में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य स्थायत व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के जन्म विविद्य में किए या ककोंने।

स्पन्दीकर्ण म्यूप्त में प्रयुक्त कर्यों और पदों का, जो उक्त जिथ-विवस के बच्चाय 20-क के परिभावित है, क्हीं कर्य होगा, जो उन्न कच्चाय में विवा गया है।

मन्स्वी

खेतीं कीं भूमि।

एच० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, कानपुर

तारींख: 8-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० एम-204/85-86---श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान है तथा जो शिवपुरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारीं के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के ग्रधीन नारीं या 21-11-1984 को

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री परमात्मा परन भटनागर शिचपुरी, ब्लन्दशहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजबीर सिंह, ग्राम श्रमरौली, श्रनूप ग्रहर, बुलन्दगहर।

(भ्रातरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह ।सूचना जारी करके पृथीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 988 वर्ग मीटर में है तथा जो शिवपुरीं बुलन्दणहर में स्थित है।

> एच० श्चार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखा: 6-8-1985

प्ररूप आई. ही. एवं एसं.

गायकर अभिनिसम. 1961 (1961 का 43) कौ भाग 269-७ (३) ले टभीट सुचना

भारत सरकार

भार्यात्यः, महायेक <mark>बा</mark>यकर बायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, ानपुर कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1.985

निदेश सं० एम-210/85--86---श्रतः मुझे, एच० श्रार०

दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 50% 531, 174 है तथा जो खेड़ा में स्थित है (और इस्से उपाबह शनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), रिजिस्ट्री एवी प्रिश्तारिकों के कायलिय दादरी में, अजिस्ट्री एण श्रधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन तारीक्ष 3-12-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कब के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के कंड प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में भास्त-िक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) बन्तरण से हुन्द्र' फिसी जाय की बावत , उक्त बिधिनियम की अधीन कर दोने की जन्तरक की दायित्व में कमी कड़ने या उत्तस्त ब्यूने में सुविधा की लिए; बार्/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या शत्य आहितयों की. जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्दा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयर था किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के लिए:

अप. अप. सकत अधिनियम का धारा 249-ए के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की अपभारा (1) ते अधीन जिल्लामिक कालिकारों सम्बद्धाः —246GI/85 श्री ननुष्ठा
 व दाताराम
 पुत्रगण श्री खीमचन्द
 प्राम—खोड़ा, लोनी,
 गाजियाबाद।

(श्रन्तरकः)

 (2) 1. श्री नारायण सिंह पुत्र श्री आली राम निवासी 63 कमला नगर, दिल्ली।
 2. श्री रमेश चन्द्र चौधरी.

 श्री रमेश चन्द्र चौधरी, 6/30 सेक्टर 2, राजेन्द्र नगर, गाजियाबाद।

(ग्र तरितीं)

(3) ग्रन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पुर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्जगिहियां करका हु।

द्धानत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजएव में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्जाभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में नितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अन्स्ची

खा नं 502, 531, 174 योग 411183---2, स्थित खोड़ा, लोनी, गाजियाबाद।

> एच० श्रार० दास पक्षम प्राधिकारी

सहायः । प्राप्तर सायुक्तः (चिरीक्षण) भजेतः रेक, सानपुर

ना**री**ख: 6 8-1985

मोहर 🕫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनौंग 8 श्रगस्त 1985

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1.00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मुरारी नगर, खुर्जा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-12-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का वनरण है कि विधापनोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गामा गया प्रतिफल निम्निसित उद्बोध्य ये लक्त सन्तरक लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावत, उक्त प्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अंग्ररक के दायिस्य को कभी करने या उससे वचने में तृरिक्धा के लिए; और/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविभा के लिए;

वतः त्रभ, उक्त विधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण म. मैं. उक्त अधिनियक की धारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रशीक कुमार सृपुत्र श्री जनार्देन मुरारी नगण, खुर्जा, बुलन्दशहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नानक चन्द शर्मा सुपुत्र श्री गंगा, ग्राम मुरादपुर, ग्रानुपशहर, बुलन्दशहर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी कार्काप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्म विक्त ब्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास निश्चित में किए था सकोंगे।

अनुस्ची

मकान स्थिन मुरारी नगर, खुर्जा, बुलन्दशहर।

एन० श्रार० दास नक्षम प्राधि रारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

प्रकम नाही, टी. एम, प्रस्तु, नगरवर्गकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्शनय, सहायक भायकर आयुक्त '(निद्रक्षिक) श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० एम – 222/85 – 86 – – प्रतः मुझे, एच० श्रार० दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकीसं 26 है त जल्याणी में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध स्नतुसूची में श्रीर पूर्य रूप रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भेरठ में, रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 19-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गई विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं क्षेत्रत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुन्द्री फिसी आब की बाबत, उक्त जिम्मिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिम्हीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिधा के किए;

कतः मंत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्यक्तियाँ, अर्थात :---- (1) श्री. श्रद्धाः रि.इ. पुरी;
 46/13. कल्याणी;
 सिविल लाइन,
 मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री गजीव पासी
285 बी० श्राई० लाइन
मेरठ कैंन्ट।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती। (वड स्थ

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घूक करता हूं।

उक्त सम्मित्त को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विक्त व्वारा अधोहस्त्रणक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कांकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में पदिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

श्रनुसूची

एक सम्पूर्ण मकान नं० 33, नया नं० 26, कल्याणी सिविल साइन, मेरठ।

> एन० श्रार० दास नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्गन रेंज, कानपूर

तारीख: 6-8-1985

मोहरः

प्ररूप काइ. बी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाँक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० एम-223/85--86--श्रतः मुझे, एच० त्रार० दास

न्त्रेयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-उ. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 25 है तथा जो मुंशीपुरम में स्थित है (ग्रीर इप्ते उपाबद ग्रन्मून) में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच ऐसे अतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्क्ष अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अय, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मीं, नीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अपधारा (i) के अभीन, विकालिक व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री स्रोम प्रकाश स्ररोडी, बेगम बाग, मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) पंज खुशी राम शर्मा, पुत्र श्री नारायण दास, शिवाजी, मेरठ।

(ग्रानरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

मकान नं० 25, मुरारी पुरम, मेरट।

एव० ग्रार० दास गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भावकार मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के स्वीद सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजि, ानपुर

्टानपुर, दिनां ह ६ ग्रगस्त 1985

निदेश सं० एम०--224/85--86---श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० 140/1 है तथा जो उत्तरी पटेल नगर, मेरठ में स्थित है (और इन्ने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विगत है). रिजिस्ट्री तो प्रिधातरी के कार्यालय, मेरठ में, रिजिस्ट्री रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1984

को पूर्वांग्स संपन्ति को अजिल बांजार अन्त्य में कम के देश्यमान प्रतिफल की लिए बल्झिरत को गढ़ों ही जार मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण ही कि प्रभाग में के सम्पन्ति का उचित बाबार बृस्य, ससके देश्यमान श्रीत्राल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-क्व निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त अन्तरण विविद्य में वास्त-विक रूप से वासित में वास्त-

- (क) अन्तर्य सं हुई किसी बार की बारत, उक्त अभिनियंश के अभीत कर दोने के बन्तर्यक की दावित्य में कजी करने या उन्ने बज्ज में बुविधा के लिए; अडि/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां करो, भिन्तुं भारतीत अध्यकर अधिनसम, 1922 (1922 कि 11) के उन्त अविनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तरिशी द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाता आहिए था ज्याने में सुविधा के किए;

वतः अत्र, ४५६ विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की प्रवक्षारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् क 6. श्री डी० डी० नागर, 124, थाप∵ नगर, भेरठ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमतीं शिमला देवी पत्नी श्री मुन्दरी लाल, ग्राबू लेन, मेरठ कैन्ट।

(श्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश क 45 दिन की जविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बृचना की तामीन से 30 दिन की अविश्व, वो भी जब्हीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति इनाय अभाहस्याक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म'हान नं० 140/1, गली नं० 2 एवं 3 **के बीच** स्थित, उत्तरी पटेल नगर, मेरिट।

एच० झार० दास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंग, कानपूर

तारीख: 6-8-1985

मोहुर, 🔞

प्रस्य बार्ड. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० एम०→225/85→86——प्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख सी अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० 140, गली नं० 2 है तथा जो पटेल नगर, मेरट में स्थित है (और इनमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण च्ल में विणित है), रिजस्ट्री इति श्रधिनारी के कार्यात्र्य, गेरट में, रिजस्ट्रो इरग श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिता) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (फ) बन्तरण से हुई किसो आय की बाबत, उक्त अभि किम के अभीत कर दोनें के अन्तरक के दाशित्य में कसी करने या उससे युषते में सुविभा के लिए; बार/बा
- (व्य) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने हों सुविभा के स्विए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि खित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—

श्री डी० डी० नागर,
 124, थापर नगर,
 मेरठ।

(ग्रन्तरक)

 श्री जवाहर लाल पुत्र श्री रामदास, श्राबू लेन, मेरठ कैन्ट।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(गह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पृत्राक्त सम्प्रान्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में श्रितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थं होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक मकान नं॰ 140/1 जो गली नं॰ 2 व 3 के बीच, उत्तरी पटेल नगर, में मेरठ स्थित है।

एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरउक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1985

प्रकथ सहर्षे भी एन् एल लाजन

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

माउठ चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० एम०-380/85-86---श्रतः मुझे, एच० श्रार**्वा**स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रोर जिसकी संख्या 28/67 है तथा जो पार्क रोड देहरादून में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद स्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख 4 दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास फरन का कारण है कि गदाप्तिक सम्परित का उचित बाजार मृन्य उसके रश्यमान इतिफल से पृति कामाण प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकार) और संतरिती (अतिरिनियो) के दीका एने अस्परण के लिए हम गए। यहा प्रतिक कत, निम्नलिकित उद्वर्षय से उक्त अस्तरण निम्नलिकत में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुई फिंबी बाय की बायस सक्त निध-निवस में अभीन कर दंशे के अन्तरक के शांधित्व में कामी कुडने या उत्तब बच्चने में सृष्टिभा के निष्; शांक्र/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तिबों का, बिन्हों बारतीय बायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या अक्त बिनियंत्र, मा ध्यु-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना धाहिए वा, कियाने में सविधा के लिए।

बंधः वधः उन्त वधिनियम की भाषा 269-म वी अनुमरण मो, मी, उन्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मूर्ति देवी पत्नी किश्नन चन्द,
 28/67 ए, पार्क रोड,
 देहरायुन।

(श्रन्तरक)

 श्री श्राया राम पुत्र बालचन्द, 63/118, पार्क रोड, देहरादुन।

(श्रन्तरिती)

3. भ्रम्नतरिती

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह स्कार जारी करके पर्योक्त उर्ध्योक्त के बद्ध के विश् कार्यशिक्षिये करता हो।

उनत् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, यो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, श्रे भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए का सकती।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

क्युस्की

सम्पत्ति संख्या 28/67 ए, पार्क रोड देहरादून।

ए**स० धार० दास,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

नारीख: 6-8-1985

मोहर

प्रकम नाहर् हो पुन् एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, तहायक भायकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्हा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विच्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार बूल्य 1,00,000/-रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 90/1 है तथा जो फेन्डम कालोनी देहरादून में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, सारीख 13 दिसम्बर, 1984

की प्रवेदित सम्पत्ति के उत्तित वाजार मृल्य से कम के रूल्यमान श्रीतफल के जिल् अस्थित की गई है और मुक्ते यह निश्वाच करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त संपत्ति का उत्तित बाबार मृल्य, उसके रूश्यमान प्रतिकान में एसे क्रयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्त-रिती (अन्तरितियाँ) में बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नानिवाद उद्योच्य से उद्या अन्तरण सिचित् में बास्तिक रूप से कवित नहीं विका वदा क्रयान मिच्या

- (क) अंतरण से हुन्दें किसी जाय की वाबत, उक्त विश्वतिम्म कें वृथीन कह देने के बुन्तरण क कार्तिक में कती अल्ले वा उन्हें वन्ने में बृहिन्ता के बिक्; कीर्ड/का
- (स) एची किसी बाज या किसी पन मा बच्च शक्तियों को, जिन्हों भारतीय जामकार विधिनसम, 1922 (1922 को 11) या सकत अधिनियम, या भवकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्वीजनार्थ बच्चरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किसा जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के बिए.

वह जह, उक्त जिथिभयम की भारा 269-व के बन्सरक में, में, उक्त सभिवियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वै वर्षील् मिक्न्सिविय व्यक्तिवर्षे अभित्र क्रम्स श्री बी० एस० चड्डा
 90/1, फ्रेन्डस कालोनी, बल्लारपुर,
देहरादून।

(भ्रन्तरक)

 श्री गजेन्द्र सिंह जस्माल, 1/221, चुखुवाला, देहरादून।

(ग्रन्सरिती)

3. श्रन्तरिती

(बह् व्यक्ति, जिसके श्र<mark>िधभोग</mark> में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में ६ क्रायन की तारीक से 45 दिन की अवधि या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्ष्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिलिक्ष में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में विया गवा हैं॥

अनुसूर्चा

सम्पत्ति सं० 90/1 फैन्डस कालोनी, बल्लुपुर, देहरादुन,

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1985

मोहर

प्रकृप मार्च दी एन एक .-----

आयकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 6 भ्रागस्त, 1985

निर्देश सं० एम०-38/85-86---श्रतः मुझे, एच० आर० दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति**, जिसका उचित बाजार मृल्य** 1,00,000/- रत. से अधिक **है**।

श्रीर जिसकी संख्या 12/1 है, तथा जो राजेन्द्र नगर, काला गढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादूत, में, रजिल्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप स किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अपीन कर दोने की अंतरक की वामित्य में कमी करने वा इससे बचने में सुविधा की लिए; **जरि/दा**
- (स) एंटी किसी काय या किसी धन वा अन्य शास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का पनकार अभिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणते में भाषिका की लिए:

अक्षः अव,, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमसदण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन . निम्निश्लिसित त्र्यक्तियाँ , अर्थात् ः---

1. श्री मन्दर वास गुप्ता पुत्र केवल राम गुप्ता 121, राजेन्द्र नगर, देहराधून।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार जैन पुन्न मुराली लाल जैन पीपल मण्डी, देहरादुन ।

(भन्तरिती)

3. धन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके एशेंकर सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उदस संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् स्वी

12/1, राजेन्द्र नगर, कालागढ़, देहरादून।

एच० श्रार**० दास,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 6-8-1985

मोहर 🖫

9-246G1/85

प्रकण साइ^६.ती. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ्रिंश्रजीन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

सं० एम/ 519/85-86:— प्रत मुझे, एष० प्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 8 ए उग्र रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-12-1984

को पूर्विति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के हरशमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वित लम्मिए का उदित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान भातफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीक एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित इक्षेचय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिविक रूप से कथित । ही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) एंसी किसी आग रा किसी धन या उत्त्य आस्तियों वर्रे, जिन्हों भारतीय आयवर रुपिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियग की धारा 269-ए की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखा जिक्तमों, अर्थात :— श्रीमती कुसुम चौपड़ा,
 विधवा विनय कृष्ण चौपड़ा,
 उग्र रोड, देहरादून।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रेम प्रकाश खन्ना पुत्र एम० एल० खन्ना, प्रभा खन्ना पत्नी प्रकाश खन्ना 14 अरिवन्द मार्ग, देहराद्रन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर टक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित 7 ए उग्र रोड, देहरादून।

एच० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज कानपूर

नारीख: 8-8-198**5**

मोद्रर :

प्रकृष बाइ", टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मभीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक अपयकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं० एम-520,85-86:--श्रतः, मृक्षे, एच० श्रार० वास, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रधाल 'उमत अधिनयम कहा गया हो, की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

कौर जिसकी संख्या 14,3 इस्माइलपुर है, तथा जा सहारम पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के वार्यालय, सहारमपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1984। को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल को प्रतिक्त से प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसं अन्तरण के लिए त्य पाया मया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है हि—

- [म्बुं) म्हलहम् ये हुई िक्सी बाय की वावल्, उन्तर अभिनित्त्व के स्थीन कर होने के बन्दरक को दासिल् में सभी अपने वा उन्हों स्थान को सुविधा के लिए; मीर/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी थन वा बन्न वास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्नियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा वी किए।

अक्ष अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अमृतद्रभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में स्थीन, निम्नलिकिस स्युक्तियों, अधित ह—

 श्री कृष्ण पाल पुत्र श्री श्रात्मा राम, ग्राम इस्माधनपुर, सहारनपुर।

(भन्तरक्)

2. श्री हरी राम पुत्र श्री ५रम चन्य, माडल टाउन, यमुना नगर, श्रम्थाला (हरियाणा)।

(भ्रन्तिनती)

क्कार्य बहु सुचना जारी करके गुर्थोक्त सम्पत्ति के गर्भन की लिए कार्यगाहियां करतः हो।

ज़क्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बड़ाँप 🖫

- (क) इस सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील य 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनंक्ष्य किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षर्य में पात सिवित में किए वा सकों ने ।

स्वाच्यीकरण :---इसमें प्रश्नुत सन्धाँ जीर धवाँ का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं", वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

खेती भूमि नं ० 14/3 इस्माइलपुर, सहारनपुर।

एच० आर० दास.
पक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

मोहर '

बक्त बाइं, दी_{न स्}र्वे प्रकारण

नामका प्रविश्वनम्, 1961 (1961 का 43) की पास 269-स (1), के व्यान सूत्रना

भारत बहुकात स्थानीसकः सङ्घयक सामकर नायुक्त (निर्दोक्षकः)

बर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 धगस्त, 1985

सं० एम-521,85-86:---श्रतः, मुझे, एच० श्रार धास, कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम श्राधिकारी कां., यह विश्वास करने का कारक है कि स्थापर संपरित जिसका उचित वाषात्र मृत्य ;

1,00,000/- रह. से अधिक **है**

और जिसकी संख्या 17 है तथा जो नेहरू रोड, मेरठ में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रींकृती अधिकारी के टार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण द्यधिनियम, 1908 (1908 इ. 16) के अधीन, तारींख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ताचार मृत्य से कम तो क्षयजान मृतिकल के लिए अन्तरित की नई है, और मृभ्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि यभापुर्वोक्त संपत्ति का उचित् वाधार मृत्य, उसके क्ष्याच प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्र शृतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिकों) के बीच एमें अन्तर्भ के लिए तब पाग नमा प्रतिकल, रिज्निजितित उद्देश्य से उक्ष बन्दर्स विश्विक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है अ

- (क) बनारक से हार किसी मार में शतक उन्त मधि-शिक्ष के बपीन कर वंत्र के अन्तरक के कादिए से कभी कहने ना उन्ते क्ष्म में सुनिमा के निष्कः बीद/ना
- (क) एथी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हों धारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधनियम या धनकर किशिनयम या धनकर किशिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्ध ब्रह्मितियों इवाय प्रकट वहीं किया नमा था या किया नाता चाहिए था, कियान में सुनिधा के निधु;

नत: नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, ननुसरण बो, मी, अवरा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधिन निम्मलिसित व्यक्तिस्टां क्यांति क्रि-- श्री भोषाल सिंह पुत्र स्व० श्री सात िह नेहरू रोड, मेरठ।

(भ्रन्तरक्)

2. श्री चौधरी रनबीर सिंह पुत्र श्री संप्राम सिंह निवासी प्राम खानपुर। तष्ठसील एवं जिला मेरठ।

(झन्तरितीं)

3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कें कर्जन के किए कार्यवाहिया सुरू करता हुं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है—

- श्रिक स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जमीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूषना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के वास विविद्ध में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, वो उस क्ष्याय में दिया ग्या है।

वन्स्ची

म० नं० 17 नेहरू रोड, मेरठ।

एव० म्राग्० धास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

प्रका बाहाँ, टौ. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत चहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां ह 8 धगस्त 1985

सं० एम० 522,85-86:---श्रतः, मुझे, एथ० श्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाबार मूल्य** 1,00,000/- क. से आधिक **है**

और जिल्हीं संख्या 3085 है तथा जो ग्राम खेकड़ा में स्वित है (और इसने उपाबढ़ धनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिनर्स्ट्री:सी अविशारी के कार्यालय, बागपत में, रजिएहों तरम अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन तारीक 7--12--1984

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास ₹ कारण कि यथापवा कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रीभत नहीं विधा गया है :---

- (क) अन्तरण मंहुई किशी नाम की दावता, हक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरफ को बाबिटक में कभी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए TO VETE
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह[ा] भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यः क्रिया जाना चाहिए भा किपान में सुनिधा औ लिए:

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग 🕊 अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1. भोपाल धर्म पाल, एवं अन्य श्चार,ओ खेउड़ा पट्टी मुडाला सहसील बागपत जिला मेरठ।

(क्रास्त्रकः)

2. श्री राम स्वरूप पुत्र छज्जू नि० ग्राम० खेकड़ा पट्टी मुहाला तहसील बागपत जिला मेरठ।

(श्रन्तरितीं)

3. ऋतागण

(बहु व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋेतागण

(बहु व्यक्ति, जिसमें बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यत्ति में हितबद्ध है)

का वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की मर्जन के निष कार्यवाहियां बुक् करता हुं।

उक्त कम्परित के अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ 🐠 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड न्यन्तियों में से किसी न्यन्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजयत्र में प्रकाशन की नारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यास नभां इस्ताक्षरी अं पास सिवित में किए आ सकेंगे 🗓

स्वव्यक्तिकाल ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है॥

अनुसूची

खेत नं∘ 3085 ग्राम खेकड़ा पर० व सह० झागपत जिला मेरठ।

> एच० झार० दास. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, कानपुर

वारींख: 8-8-1985

प्ररूप बाई. टी. एव. एस.----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं॰ एम॰ 523,85-86--अत, मुझे, एच॰ श्रार॰ षास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी संखा 142 है तथा जो रेलवे रोड, गणेश पुर में रियन है (और इन्से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजरट्री क्रिक्ती अधिकारी के वायित्य, रुड़की में, रिजरट्री क्रिण अधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के अधीन, तारीं 31-12-1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पतित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्ममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उत्तर अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय का आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बौर्या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्तिभा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भा, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री जयदेव शर्मा पुत्र श्री मंगत राम शर्मा 142 पूर्वी वाली गणेश पुर, पर व तहतीत रूड़की सहारत हुए।

(भ्रत्तरक)

श्रीं सूरेश कुमार जैन
पुत्र श्रीं राजाराम जैन
निवासीं नहटोर जिला बिजनौर
मैनेजर हिन्दुस्तान कमश्चियत बैंक
नहटीर।

(भ्रन्तरितीं)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरीं जानता **है** शिक वह सम्पत्ति में हितबद्ध **है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (ख) इस सूचना के जिजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिचबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकीं में 1

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🗷

वन्त्र्या

म० नं० 147, पूर्वी बली, रेलवे रोड, गणेशपुर सह रूड़की जिला सहारनपुर।

> एच० धार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० एम० 524/85-86--अतः मुझे, एच० आर दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 28, कमालपुर है तथा जो मे रठ में स्थित है (श्रीर इसमे उपावत अनुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिसित में मास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री जफर खान, नजीर अहमद व अत्य कम।लपुर मेरठ।

(अन्तरक)

 श्री राजवंश विहारी सहकारी आबास समिति द्वारा राजेन्द्र प्रसाद राजवंशी, भेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

खेत नं० 28, स्थित, कमालपुर, मेरठ।

एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

सारीख: 8-8-1985

प्ररूप माइ ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक ८ अगस्त, 1985 निर्देश सं० एम० 525,85—86—अतः मुझे, एच० आर दास.

कार कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या 325/1 है तथा जो हरीपुर कला हू स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकिर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 11 विसम्बर 1984

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर, ा कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्ति उप्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में भास्तिक स्प स के थित गद्दी किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा अनुसार अधिनियम, वा अनुसार अधिनियम, वा अनुसार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था था किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की अनुसर्भ में. में. उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श्री सतनाम धर्म प्रतिनिधि सभा पहाङ्पुर, नई दिल्ली, द्वारा गोस्वामी गिरधारी लाल (सचिव)।

(अन्तरक)

 अपर गैन्जेच सुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लि० द्वारा, मोहन लाल खड़ेलिया, सकोहरा, बिजनीर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्मूची

खेती भूमि नं० 325/1, हरीपुर कलां ज्वालापुर, सहारन-पुर।

> एच० आर० दास, सभम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 8-8-1985

मोहरः

प्रथम बाह्रील टील पुराल पुराल्य व्यवस्था

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-न (1) के नधीन स्पना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक ८ अगस्त 1985 निर्देश सं० एम-526/85-86-अतः मुझे, एच० आर.० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या म० नं० 29 है, प्रथा जो राजपुर रोड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और वंतरक (अंतरका) और मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत ,। उक्त विभीनयम के वभीन कर देने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बीर/धा
- (स) ऐसी फिसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर ऑधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उसरा अधिनियम. या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, स्त्रियन में मुल्लिया के निए:

भतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० दून उद्योग प्रा० लि०।
 59, गांधी रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

मैं० नरेन्द्र वेलफेयर ट्रस्ट,
 59, गांधी रोड,
 देहरादून।

(अन्तरिती)

3. केलागण

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का बहु कुचना कारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए का सकेंगे।

टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

म० न० 29, राजपुर रोड, देहरादून।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

शक्य बाइं..टी.एन..एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यांतर, तहारक वारकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 अगस्त 1985 निर्देश सं० एम० 527/85-86-अनः मुझे, ए**प**० आर दास,

बायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000 रू. से प्राधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 2/2294 है तथा जो टी० आर० श्रो० कम्पाउण्ड हफीकत, नगर, में स्थित है (और इसमे उपावख अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 10-12-1984

को पूर्णोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से क्रिशत नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय की बाबत, उन्तरा विधिनयम के वधीन कर दोने के अंतरक के शीयरच के कभी करने या उसने वचने में सुविधा के निष्; बौर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकार अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९२२ वा भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारः 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) वै विभीक, निम्निमिद्यत व्यक्तियों, वर्ष्मक्र--- श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री णम्भुदयाल गुप्ता, ्टी० आर० श्रो० कम्पाउण्ड, कोर्ट रोड, हकीकत नगर, सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, पुत्र श्री एस० जी० गुप्ता टी० आर० ग्री० कम्पाउण्ड सहारतपुर श्रांच मैनेजर, यूनियन बैंक आफ इण्डिया गाहगंज, जिला जीनपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

केन(गण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानतमों में से किसी स्थित इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यौक दण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ हाँगा जो उस अध्याय में दिया गक्ष है।

ग्रनुसूची

म० नं० 2/2269 टी० आर० म्रो० कम्पाउण्ड, हकीकत नगर, जिला सहारनपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 8 श्रगस्त, 1985

्निर्देश सं० एम० 528/85-86:---ग्रन मुझे,

एच० श्रार० दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 466 है तथा जो दुर्गा नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेरट में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-12-1984

को पुर्विकत रांपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अथित :-- चौधरी सनबीर सिंह पुत्र श्री संग्राम सिंह, निवासी खानपुर, भेरठ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजेश कुमार पुल रतन चन्द्र गुप्ता, श्रार०/म्रो दुर्गा नगर, कैलाश पुरी, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीफरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसुची

प्लाट नं० ४६६, स्थित दुर्गा नगर, कैलाश पुरी, मेरठ।

एच० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

मोहर

इक्न नाहुटी<u>, ए</u>न , एत_ा लनकरररर

बायकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

हारत सहस्वर् व्यवस्थित् तहायक नायक्ट नायुक्त (निडीक्क)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

सं० एम-529/85-86--- अतः मुझे, एच० आर० दास, जायकर जीधीनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्त्रात् (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खसरा नं० 2 है तथा जो कालागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5~12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, उथके क्रयंचान प्रतिफल से, एसे क्रयंमान प्रविफल का वन्त्र प्रतिखत से अधिक है जौर अंतरितीं (अंतरिक्ष) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नलिक्ति उद्दोश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण संधुदं किसी मान की मानत, उक्त अधिनियम को सभीन कर दोने के मन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे मचने में बुविधा के सिए; सरि/सा
- (क) ऐसी किसी आज या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस विभिनियम, या भन-क्रंट विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जम्बरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या वा वा किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में स्विभा के लिए।

बतः वय उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्हरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों अभीत् :--- श्री धर्मा नन्द भट्ट पुत्र श्री नारायन दास एवं श्रन्य डी० एन० 41 के बालूपुर रोड देहरादून।

(ग्रन्तरक)

 श्री नत्थी सिंह राना पुत्र बाटा सिंह राना एवं श्रन्य 31/7 विजय कालोनी, श्रार० एन० टी० मार्ग, देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

3. क्रेतागण

(बह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना चारी करके वृंबोंक्त सम्बक्ति के वर्धन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निकास में किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पर्दों का, जो अवस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मन्यूची

खसरा नं० 12 कालागढ़ सेन्ट्रलदून देहरादून।

्च० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आर्ह् .टी.एन.एस.----- 1. श्री टोकम पत्र खणहाल भिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

बार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं० एम- 530/85-86:--ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या 916 है तथा जो ग्राम हसनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण ख्य से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के

शधीन, तारीख 5-12-1984

वा पूर्वाका संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथिल नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।

अतः अद, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री टोकम पुत्र खुशहाल सिंह, ग्राम हसनपुर काला पर० किठार तहसील मवाना जिला मेरठ !

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

3 श्रेंतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ष्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहम्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खेत नं० 916 स्थित ग्राम हमनपुर काला पर० किठोर तहमील भवाना जिला मेरठ।

> एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

१स्य भार्, डी. एन. एस. ------

अध्यकार कांधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के बचीन सुचना

मारत देखार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानप्र, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० एम 531/85-86'--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकाड़ी की बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका संजित बाजार मुख्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 160 है तथा जो ग्राम० मराय घोसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान तिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तियक रूप से किजित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की आसत, कक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आप या किसी बन या बन्ध शास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कार ब्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या बन्क ब्रीधिनियम, मा बन-कार ब्रीधिनियम, मा बन-कार ब्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना चाहिए था, क्रियान मा धुर्गनिया के लिए:

गतः गम, रामत विभिनियम की भारा 269-ए के अनुतरण में, में उक्त विभिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मल्हों बेबा स्व०श्री खचेंडू निवासी ग्राम इज्ञाहीम पुर पा० व० ह० सिकन्दराबाद, जिला मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री तेजपाल सिंह पुत्र श्री गिरधर सिंह, निवासी ग्राम बहलीम पुर पा० वा तहसील दादरी, जिला गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

3. केतागण

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. ऋेतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रशेक्ष सम्परित के अर्जन को लिए कार्यशाहियां करता हूं।

बाबद संपर्देश के वर्षन के संबंध में काई भी नाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिस की वर्वीभ या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीभ, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींग।

लिक्टीकरनः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदी का, ओ अका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय नवा है।

अन<u>ुस</u>्ची

खेत नं० 160 स्थित ग्राम सराय घोसी, पर व तहसील सिकन्दराबाद, जिला मेरठ।

> एच० ग्रारं० दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

मांहर 🖫

प्ररूप आर्डः, टी., एन., एस.,≝======

ाविक र अपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्याच्या, सहास्यक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्सण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० एम 532/85-86— ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, नायकर अंधिनयम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उच्चित बाजार सृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या 66 है, तथा जो युसूफ्पुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृन्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में अम्तरिक कप में किश्वत नहीं किया गया है है—

- (ल) बन्तरण सं हुई किसीं बाव की बावता, अवत विधीनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/बा

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह

 श्री रवीन्द्र नाथ मिलक एवं भ्रन्य। हकीकत नगर सहारनपुर।

(अन्तरक)

 श्री केणव दास एवं ग्रन्य ग्राम जोणी वाड़ा कस्बा देबबन्द महारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारों करके एवेंक्स सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहां भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वामा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ कोगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नमुस्ची

कृषि भूमि नं० ६६ ग्राम युसुफपुर सहारनपुर।

एच० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 8-8-1985

मोहर

प्रसम्ब **साम्** क्ष्मी तुन् प्रसादननन

आप्राक्तर **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म (1) के बनीन स्परा**

शास्त चर्काह

र**ाजिस, सहाबक आयक्तर सम्बद्ध (निडम्बिन)** प्रजीन रोज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो जोभी वाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उत्तरकाशी में, रजिस्ट्रीकरणश्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य ते कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यूपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित जावार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एम्स द्यमभान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से जिथक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पावा कता प्रतिकान, निम्निसित उद्देश्य से उक्त वस्तरण विश्विस में वास्तिविक कम से कायत नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से शुर्ह किसी बाव की शावता, अवत क्षीप-नियम की वधीन कर दोने के अंतरक के दायिक्य के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (च) ऐसी किसी जान या किसी धन या बच्च क्षास्तियों को चिन्ह भारतीय जाएकर अधिनिवस, 1922 (1922 को 11) या उत्त विधिनियस, या धन-कर लिजियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया पत्रा था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अधीन ः— श्रीमती देवेश्वरी पुत्र ह्रीराम मोशी माडा उत्तरकाशी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बचन सिंह पुत्र सौद सिंह उत्तरकाशी।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को बहु बुक्ता बाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए आर्थक्रियों करता हो।

शक्त अव्यक्ति के कर्णन के सम्बन्ध में काह∙ा आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियां में किसी क्यां सा दका ता
- (ख) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लिक में किए आ सुमें के ॥,

स्वक्रीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी बौड पर्दो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

वन्स्ची

एक मकान ग्राम जोशीवाडा।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-8-1985

हर ॥

प्ररूप बार्ड , टी . एस . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-म (1) के बधीन स्मता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० कें-56/86-86:--श्रत: मुझे, एच० श्रार०दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इतके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा वया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उजित वाकार मूख्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी मं० 117/H2/1 है तथा जो पाँडू नगर कानपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिपत बाबार मूल्य से कम के दृष्यज्ञान प्रिस्तिक के लिए अंतरित की गई है और दुक्ते यह विश्वास इरने का कारक है कि यथापूर्वोक्स तम्पत्ति का उचित बाजार दृष्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एवं क्यबान प्रविक्रस के क्ष्मह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कायत नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाय की बाबत, उस्त मीं भीनयम के जभीन कर दोने को बन्तरक की दावित्य में कभी करने या उत्तसे बचवे में सुविधा के निष्ट; मारि/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य कास्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बं, बं, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) ५. अवार अस्तिकित व्यक्तियों, सर्भात् ह— श्री राज कुमार निगम, एडवोकेट
 117/एच 2/1, पान्ड् नगर
 कानपुर।
 श्रन्तरक)

श्री सुशील चन्द्र निगम,
 श्रीमती मधु निगम
 111/73 श्रशोक कुमार,
 कानपूर।

(भ्रन्तरिती)

3. केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करकं प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्स सम्मिरित के अर्जन के तत्र्यन्भ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सक्ता

स्पन्त करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पथों का, वो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

तमस्यो

म० नं० 117/ए 2/1 पान्छू नगर, कानपुर।

एच० श्राऱ० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखाः 7—8—1985

मोहर:

11--246GI/85

प्रकृप बाह्र . टी. एव एस. ********

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (१) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० के० 64/85~86—श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवन वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 109/14 बी है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-1984

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और क्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिकिंग उद्देश्य से उक्त बंतरण लिकित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) यर का मंहाइ किसी बाय की नाबत, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की रपथारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमती जगपति देवी पत्नी देओ शरण।
 117, एन ब्लाक 89 काका देव कानपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री सत्यदेव पाण्डे पुत्र सूर्य मणी पान्डे श्रीमती सीता देवी पान्डेय पत्नी सत्य देव पान्डे, 109/14 श्री, नेहरू नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।

4. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों चज्ज मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वी भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळाकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था है।

मन्त्रवी

म० नं 109/14, बी० नेहरू नगर, कानपुर।.

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-8-1985

भाहर:

प्रकृप बाह्यं, टी. एस एस 🔻 🗸 🖟

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १९०-४ (1) के अधीन मृष्या

नारत सरकार

कार्यावय, सहायक बायकार बाय्यस (निरक्षिय) अर्जन रेज, स्थानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० के--65/85--86----श्रतः मुझे, एच० श्रार० दाम, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 532 श्रार० एस० स्कीम-2 है तथा जो रतन लाल नगर में स्थित है (और इपंस उपावद श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्री सी श्रीष्ठारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्री एए श्रीष्ठितियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीष्ठीत, तारीक 1-10-1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का कारण है कि सथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का कारण है कि सथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का कारण है कि सथापूर्वीकत (अंतरकार्ति) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-दल निम्मलिकत उद्देश्य में उकत अन्तरण में लिकित वास्त्रीक कुप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) बन्धरण सं हुई कियाँ अस काँ अवस उवस बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क बाबिस्य में कमी करने या उससे वेचन में सुविधा के सिए; बार्ड/या
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी भन या अन्य कारिन्तयों को, जिन्ही भारतीय जाय-वार मिना नवण १८५७ (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति १८३१ (१७८८ १८८ १८८ १८) या या किया अना चाहिए या, छियाने हो सुन्धि के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (१) के अधीर, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री सरदार मान निंह, पृत्र अरदार रतन सिंह, आदि ग्रार०/ओ० 108/91, जीं० रोड, कानपुर।

(प्रन्तरक)

 श्री मुरली धर तलेजा एवं प्रताप चन्द क्वितिरोजा पुत्र श्री जंगल दास तलरेजा 111/352, श्रमीह नगर, कानप्र।

(ग्रन्तरिती)

3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जितके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक्क है)

को यह सूचना वारीं करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस ब्र्यना के रावपण में प्रकाशन की तारीय तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति से हितनक्ष फिली बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पाद निवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त अब्बों और पदों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित है, शही वर्ध होगा को उस क्थाम में विवा गया है।

न्त्र प्र

म् । नं । 532 श्राप्य एम् । निर्मात नं । 2, जार जाल नगर आनपुर।

> एच० आ४० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्राप्तकार आयुक्त (िरीक्षण) प्रजीन रीज, बानपुर

नारीख 11-8-1985 मोहर

प्रकृष नाहर् । हो । एनः । एषः :----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार्थ 269-प (1) के गर्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

बानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० के-66/85-86- अतः मुझे, एच० आर० दास, शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-कू के अभीन सक्षम शाभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिनकीं मंख्या 90/93 है तथा जो इफ्ताखाराबाद में स्थित हैं (और इनमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के वार्यालय, बानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 4-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मृतिफल के लिए अंतरित की गर्ध है और मूम्में यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ो अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति किमिनिलित उद्र ो उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक स्था से का गत नहीं किया गया है .--

- (क) वंश्वरण संहुई किसी अग् की शबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के धामित्य मो कामी करने या जससे अनने मों मुविधा के जिए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनिया स्थापित किसी भन का अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1987 (195" का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ब्राप्त बंब, उब्स विधिनियम की भारा 269-म के व्यन्तरक क्षेत्र बीहा उब्स विभिनियम की भारा 269-भ को उपधारा (). बैं वर्षीय, दिन्निविषट व्यक्तियों, नर्यात् श्रीमती हुण्नयानी विधवा उवेद भ्रल्ली खा उर्फ भ्रन्ते श्रादि।
 91/41 दलील पृखा कानपुर।

(ग्रन्तरकः)

 श्री सूरज प्रकाश, रमेश कुमार पुत्र श्री हंस राज 126/4, गोबिन्द नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिमके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्षित जिनके बारे में श्रयोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पंत्ति में हितबढ़ है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारींख म 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी की पास लिखिस मों किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धम्त्वी

म० नं० 90/93 इफ्तखाराबाद कानपुर।

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रोंज, हानपुर

तारीख: 7~8-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

नायकः निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्णाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दानप्र

कानपुर, दिनाक 7 अगस्त, 1985

मं० के-72/85-86- - अतः मुझे. एच० आर.० दाम, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिएकी संख्या 19/161/बी है, तथा जें पर गपुर कानपुर में स्थित हैं (जीर इसन उपाबड़ अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजर्द्रा नि प्रिष्ठारी के वार्यालय कानपुर में, रिजर्द्रा एण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रवीन, नारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्प्रित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मार अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं पाया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों आहु जिन्नी साम्तिय अध्यान्ति को कांचित्रिय । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया राजनिया सामित्या कांचित्या राजनिया सामित्या के विद्या सामित्या सामित

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 6. श्रीमतो राम जानकी पत्नी श्री सत्य नारायण गुप्ता,
 29/31 बेलदारी मोहाल
 बानपूर।

(भ्रन्तरक्)

 श्रीमती राज कुमारी गुप्ता पत्नी श्री बृज मोहन गुप्ता 19/161 बी० पटशापुर, झानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह् व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्रेतागण

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हित**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां ३-३० करता हंू।

उक्त सम्परि के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबधी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवें कित ज्योकतयों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय, बभोहस्ताक्षरी की पास निचित्त में किए वा सकेंगे।

स्मब्दीकरण: --- क्ष्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 19/161 बी० पटका पुर, कानपुर

एचं० श्रार० दास, सक्षम प्र∶धिकारी, सहाय⊖ श्रायकर श्रायुक्त, (स्रिनीक्षण) श्रर्जन रोज, कानपुर

तारींक 7-अ**-**1985

त्र**रूप शाइं.टी.एर**.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्भाजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज, धानपुर

कानपुर, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

सं० के-95/85-86 -- ग्रंतः मुझे, एच० ग्रार० दास, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.60.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो धर्मा एन्क्लेय में स्थित है (और इनते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 11-12-1984

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के सहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है बार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मंथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत अक्त जिम्मियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व मो कमी करने या उसस बचने में सुनिधा के लिए बार/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (195) का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिर्ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छियाने में सुविधा हो लिए;

बत् अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के उपधारा (३) के अभीन, तिम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत ३०००

 मैसर्स कविरा सह हारी श्रावास समिति लि० श्रागरा एम० जी० रोड, श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सोम नाथ बत्रा, हरी किशन बत्रा, पुत्र श्री राम नारायन बत्रा 1928/13. श्ररवन स्टेट करनाल एवं राम कुमार पुरी पुत्र स्व० परमानन्द पुरी, श्रार ओ० श्रशोक भवन, सदर कटरी, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4, ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिष् लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंग्रंब स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 विन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पक्तीकरण :---इसमे प्रयुक्त कव्यों आर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेमा हाँ।

प्रनुसूची

प्लाट धर्मा एन्कलेव एम० जी० रोड, श्रागरा ।

एच० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारी**ख:** 8-8-19**8**5 मोहर.

प्रकृष बाइ टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गाक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांवः 7 ग्रगस्त, 1985

सं० के०-103/85-86:---श्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (<mark>जिसे इसर्मे</mark> इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 127/792 डब्स्यू-1 है, तथा जो साकेत नगर में (स्थित है और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपूर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन, तारीख 19-12-1984 को पूर्वीवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यसमान प्रतिर्फल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विषय से उक्त अन्तरण लिसित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (य.) अन्तरण से हुई किसी आग की, बाबत, उकत र्शाधनियप्रक अधीन कर दोने को अंतरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन वा करण बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाबाकियाजाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) हो अधीन, निम्निसिसित न्यवित्यों, वर्धात् हा-

en la latanta en entretata de la companya de la comp 1. श्रीमती माया दीक्षित परनी ओ० पी० दीक्षित द्वारा मुख्तयार विपित कुमार सिंह, 127/792 डब्ल्यू0-1 साकेस नगर, क्षानपूर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शुभा सचान पत्नी श्री विपिन कुमार सचान 127/792 इब्ल्य0-1 साकेत नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरितीं)

ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति बुनारा;
- (च) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं० 127/792 डब्ल्यू →1 ज्रहींकला साकेत नगर कानपुर।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी; सहायक भायकर भायुक्त, (निरिक्षण) श्रजेंन रेंग, कानपुर

तारीख: 7-8-1985

मोहरः

प्ररूप बाईं, टी. एन. एस.-----

नायकह निर्माणयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269≈ (1) में मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बानपुर

कानपुर, दिनांक 7 धगस्त, 1985

सं० के ~ 104/85~86:— अत मुझे, एच० आर० दास, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अरि जिन्नी संख्या 127/1017-डब्ल्यू०-1 है तथा जो मांकेत नगर कानपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुस्वी में और पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्री तो प्रधिकारी के कार्यावय कानपुर में, रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख 20-12-1984

की पूर्वोक्त सम्परिस के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृझे यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथाप्तोंक्त गम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अर्तिरिक्षयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबस, उक्त अिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा देलिए, और/या
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 अस्ति को ।।) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निए;

 श्री पाम लाल 38/10, ब्लाइट नं ० 4, गंतिबन्ध नगर, धानपुर।

(ग्रन्तरक्)

 श्री मोहन लाल पुत्र श्री गगी लाल 43/73 चौत, शानपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केनागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रयाहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उन्त समाचि के अजन द गा। मा किटों भी आक्षप '--

- (क) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारी हैं वे 45 दिन की जनीव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील प 30 किन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमा अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए ना सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त कव्या और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-या की परिभाषित गया है।

अन<u>ुसूची</u>

म० त० 127/1017 डब्ल्यू०-1 माकेत नगर, कानपुर

ए १० आर० दास, 'क्षम प्राधिशारीं, सहायक प्रायक्षर श्रायुष्त निरी**क्षण** अर्जन रेंज, यान**पुर**

अत: अव, उघत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मा, मी, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थीन:——

नारीख: 7·8 ा 985

प्ररूप नाहरी, जी, प्रमु, प्रसुत -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-भ (1) **के अधीन स्वना**

भारत स्रक्ता

कार्यात्रमः, महायक आयकर <mark>वाय्क्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1985

सं० के-108/6/85-86--अनः मुद्दो एच० आर० दास, आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात जिल्ला किभिनयम' कहा गमा हु"), की भारा 269 के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्टा के किए जातार मूल्य 1,90,000/-रा. से अधिक ह"

स्रौर जिसकी संख्या , 124/6/63 है सथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (स्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ट्रिक्ट नामा मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिचत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे जंतरण के लिए तथ पाया एमा प्रतिफल निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

ज्ञातरण में हुइ कियासी काय का बाबस, उक्स आवानपाम के क्षीन कर दोन के **बन्सरक के** रामित्व मा कमा करण या एकने बचन मा **ब**निधा के लिख; कडि/बा

्सी फिसी जाय या किसी धम ए जन्य बास्तियाँ या, जिल्हां भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, ग्राप्तियम, या प्रन-श्रार अधिनियम, 1957 (1967 को 27 के प्रयाजनार्थ अन्तिरेती द्वारा प्रकट नहीं किया होता या या या किया वाना चाहिए था, छिपान म प्रविधार के चित्राः

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- . 12--246GI/85 श्री अवध बिहारी लाल पुत्र स्व०श्री बिण्वेण्वर दयाल 938-डी नार्दन रेलवे फालोनी कानपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती राज कुमारी देवी पत्नी श्री णिव गांकर लाल वर्मा 124/63 ई गोबिन्द नगर, कानपुर।

(अन्तरिती

3. केसागण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्बन्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाजेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवीभ या तत्सवधी व्यक्तिया पर क्ष्यमा की तानील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर नुवेकित स्विकार में में किसी व्यक्ति दुसारह,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

अनुसूची म० नं० 124/ई/63 गोविन्द नगर, कानपुर।

> एच आर० दास मक्षम क्रिप्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्स, (निरीक्षण ' अर्जन रेंज, कानाः ;ं

भारीख: 7-8-1985

प्रस्प बाहे. टी. एन. एव.------

नाणकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन मुख्या

नारत तरकार

कार्यास्त्र, सप्तानक नावकार वास्<mark>कत (निर्दासन)</mark>

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अगस्त, 1985

सं० जी० आई. आर० संख्या ए-175/एक्यू:--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनिवम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं .क प्रधानप सम्पन्ति जियका उवित बाजार मृन्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं । अपेर इसमें जपाबद जोत्ताल, पीली भीत में स्थित हैं (भ्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984 को प्रवेकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से का के श्वान

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाभार मूल्य से कब के श्ववजान प्रविकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एते श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई जिसी जाय की बाबत. उक्त विभिन्नित्र के बुधीन कर दोने के वंदरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, बर्गर्था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अक्षिण, निम्मीसिया स्थानितयों, वर्षात् रू--- (1) श्रीमती अन्नपूर्ण देवी।

(अन्तरक)

श्री अशोक कुमार अग्रवाल
 श्री हरी राम अग्रवाल

(अन्सरिती)

को सङ्ख्याना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि? कार्यवाहियां सुरू करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति क्रो अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बृद्ध किसी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्यक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में िया गया हैं।

अनुसूची

दो मंजिला भकान स्थित मोहल्ला डोरीलाल पीलीभीत जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी पीलीभीत के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 की किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 12-8-1985

प्रकथ बार्ड . टॉ : एम . एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनॐ

लखनऊ, दिनाँक 12 प्रगस्त 1985

निर्देण सं० जी० श्राई० आर ए० सं० - 176/एक्यू० मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें ६सके प्रचात् 'उक्त जिभिनियम' कहा नया है), की लिसे 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार 100,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अपूमि है, तथा जो रामापुरा तहसील मितार गंज, जिला नैनीताल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, सितार गंज रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख टिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथः पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात अभिक है और जन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के तैनए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचित के भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तित्व में कमी करने या उत्तर्ध क्वने में त्रिक्शा ≾ जिए; आर्/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग को जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अथित्:—

 श्रीगौरी शंकर द्वारा ग्रटानीं श्री बृज मोहन

(श्रन्तरक)

2. मैं० ग्रादित्य वौरेक्स प्रा० लि०, सितार गंज, नैनीताल

(श्रन्तरितीः)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के एाजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोड़ म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हिल-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरों के पास विविक्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

भूमि पैमाइशी 16 बीघा 9 बिस्वा स्थित रामापुरा तह० सितार गंज जिला---नैनोताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 1674 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सितार गंज जिला नैनीताल के कार्यालय में दिसम्बर, 84 की किया जा चुका है ।

> र्श्वामर्ताः यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनक्ठ

तारीख : 12-8-1985

अक्रम् आर्षः हो. एव. एस.

भावकर सीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-न (1) के स्थीन खूजना

बाइत सहस्राह

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० म्राई भार० संख्या ए-177/एक्यू०——म्रतः, मुझे,श्रीमती यु०कान्जी लाल,

बावकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) विक इक्षें इसके परचात् 'उनत मधिनियमं कहा गया है, की पार्य 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो हथमना, वरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि संवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके अवनान प्रतिफल से, एसे अवनान प्रतिफल का पंद्रह मृतिक्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बाँद अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गवा बीत्फल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुप्रतिबंध कम से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें क्वने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) धुंती किसी जान या किसी धन वा अस्य जास्तियां की, विल्हें भारतीय नाग-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर जीधनियम, वा धन-कर जीधनियम, वा धन-कर जीधनियम, वा धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के क्वोजनार्च जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए था, क्याने में सुनिधा के लिए:

आत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— 1. श्री हजरा सिंह

(ग्रन्तरक)

- 2. 1. श्री श्रमरीक सिंह
 - 2. श्री गुरमीत सिंह
 - 3. श्री पूरन सिंह

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के बर्धन कं जिल् कार्यवाहियां करता हुए।

उन्स संपरित के अर्थन के संघध में को हा भी आशोप :---

- (क) इस भूजना में प्राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अवधि, यो भी वर्षि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुदाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति भें हिठबक्ष किसी बन्स व्यक्ति द्वारा वभाइस्ताकरी के पास सिक्ति में किए वा वस्ते में।

स्वारक्षेत्रकाः स्वारं अयुक्त कम्को बाँउ पर्वो का, जो उन्ह अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, कही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा नमा हो।

वर्गमधी

भूमि पैमाईशी 13 बीघा 11 विस्ता 10 विस्त्रात्सी स्थित हथमना बरेली जिनका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी वरेली के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारों महायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. सरार पबिन्दर सिंह उर्फ भूपिन्दर सिंह

(भ्रन्तरक)

2. श्री बावू लाल महलका

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्वेण सं० जी० श्राई० श्रार० सं० बी/31/एक्यू०--यतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० मकान नं० 116/1 है, तथा जो न्यू महल बाजार, मुगलसराथ, जिला वाराणमी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रामनगर—वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

वर्शे भूवाँकत समपत्ति के उचित बाजार बृस्य से कब वो सम्बद्धान निरुद्धा के विष्यु रिक्टिकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण है कि सभापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य उसकी स्थवनान प्रतिफास से एके स्थवनान प्रविक्त का पत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता रित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकात, निम्मीकाबत उद्वादेश से उच्य अन्तरण कि लिए तक पामा गया प्रतिकात, निम्मीकाबत उद्वादेश से उच्य अन्तरण कि लिए तक पामा भ्या

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, तिम्नोलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

को मह सूचना आही करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

डक्ड दल्टीरट के वर्षात के श्रमक में को**द्दें भी वार्यप्**र—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि मार्थ में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सुकोंगे।

स्पब्दिकरण : इसमें प्रयुक्त सन्यों बाँड पर्यों का, भी उनके जिल्ला कि किया 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

मकान नं ० 116/1, सय भूमि हि मुगलसराय जिला—-बाराणसी (जैसा फार्म 37-जी सं ० 1523 में वर्णित हैं) सिका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वाराणसी के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-8-985

वक्य मार्चा टी एत्. एसं. ------

भागकार क्रिपिनियभ, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) को श्मीन सुम्बा

मारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश गं० जी० आई० आर० सं० डी-58/एक्यू--अतः, मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल.

प्रायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके परचात 'उस्त विभिन्नियम' कहा नवा हैं), की धार 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का धारण है कि स्थापर सम्मत्ति, विश्वका उणित वाचार बृत्व 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अपूमि है, तथा जो मौजा अजीजपुर असदपुर, नहसीत सम्भल जिला—मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सम्भल मुरादाबाद में रिजम्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 17 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान श्रीतफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने अरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत है अर्थे अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अंतरण लिखित में शास्तियक रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) शन्तका वे क्षार्थ विवादी साथ की बाबते, उकतः अधिनियम के अधीन कर बीने के अध्यासक के दायित्व में कामी के एने वा उत्तसे बचने में सुविका के निरम् परिर्मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, 'जन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्ध;

ो श्री मिश कुमार

(भ्रन्तरक)

2. देविका कोल्ड स्टोरेज एण्ड जनरल मिल्स प्रा० लि०, प्रजीजपुर असदपुर, सराय तरीन, सम्भल मुगदाबाद बारा श्री वीरेन्द्र कुमार आर्थ (डायरेक्टर)

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

का यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी त्राक्षेप :---

- (क) ६६ तृथवा के राष्प्रत में प्रकारत की हारीय से 45 दिन की नविभ ना सत्तंत्री व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविभ नाव में समान्त होती हो, के मीतर पूर्णीकर व्यक्तियों में से कि ती व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति भें हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास-विकित में किए या सकेंगे।

बनस्थी

भूमि पैमाङणी 3-13 डिपमिल स्थित मौजा ग्रजीजपुर भ्रसदपुर, तह । सम्भल जिला—मुरादाबाद, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सम्भल जिला—मुरादाबाद के कार्यालय में दिनाँक 17-12-1984 को किया जा खुका है ।

श्रीमती यू० कान्जी लाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लखनऊ

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्यास्त्र को, मी, जक्त अधिनियमं की धारा 269-श्र की प्रधारा (:) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 12-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

ਸੀਮੀਤਰਾਜ 1061 (1061 ਨਾ 42**) ਨ**ੀ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितिय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, नायनऊ

लखनंड, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० डी-59/श्रगस्त—यनः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है, तथा जो जैरामपुर, तह० सिधीली जिला—सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सीतापुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्री वचन सिह

(ग्रन्तरक)

2. 1. श्री दिग्विजय सिह

2. श्री विशम्भर सिंह

(श्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : ...

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम्य से 45 दिन की अविध या तस्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्र किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

त्पच्छीकरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ृ</u>स्ची

भूमि पैमाइणी 11 बीघा 16 बिस्वा स्थित जैरामपुर नहं० निधौली जिला-सीतापुर (जैसा फार्म 37-जी म० 1526 में विजित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सीतापुर के कार्यालय में दिसम्बर 84 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाज मक्षम प्राधिकारी महाथक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखन

नारीख : 12-8-1985

प्रकम बाह् हो एम एत . -----

बायकर बिविवियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बंबीन सुचना

भारत संस्कार

कामिलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 12 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी ० म्राई० म्रार० सं० डी-60/एक्यू०—यतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

भाष्यकर विधित्तवस्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'त्रक्त अधितियम' श्राह्म गया ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

स्रीर जिनकी सं० मञान है, तथा जो भो जपुर, धामपुर मुराबाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय

मुराजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विकत सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य ते कन के द्रायमान प्रतिकास के लिए अन्तरिसी की पर्दे और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसमें द्रायकान प्रतिकास से, एसे सम्पन्न प्रतिकास का पन्द्रह प्रकारण से मिणक है की सम्बन्ध (अन्तर्का) और सन्दर्भ (अन्तर्का) और सन्दर्भ (अन्तर्का) के सेण एसे सन्तर्म के लिए उप पाम गया प्रतिकास निम्मितिस्य उन्नर्भ से उच्या सन्तर्म लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (ल) अन्तरण से भूदि निक्सी आध की वाशत, उचत अभिनियस के बचीन कर दोने के वन्तरक के करियर में जभी करने या उकसे क्यने मी सुनिया के लिए: क्रीक्/क्रा
- (क) एकी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के किए:

महः अन्य, उनक विशिष्णिय की भारा 269-न के अनुबरन हो, में उन्नत विशिष्णिय की भारा 269-म की संपर्धारा (1) के अभीन, निस्नतिविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् ध--- 1. श्रीमती पुष्पा देवी

(भ्रन्तरक)

1 श्री दिलदार हुमैन
 श्री श्रब्दल जफ्हार

(भ्रन्तरितो)

को यह तुष्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन का अथ कार्यपाहियाँ करता हुं।

उक्त सञ्चरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई नी आखोप स---

- (क) इस तूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की अविध या तत्त्वस्थानि व्यक्तियाँ पर वृचना की दावील से 30 दिन की वयदि, यो भी वर्षाच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी अविस्त द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की शारीचा तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्मत्ति में हितक्य्थ किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधाहत्ताकारों के पास सिचित में किस जा सकोंगे।

स्यम्ब्रोक्टरम :--इसमें प्रयुक्त खब्दों भीर पर्कों का, वो उद्युक्त क्षेत्राय 20-क में परिभावितः हैं, कही अर्थ होगा, वो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित भोजपुर, धामपुर मुरादाबाद जिसका पजीकरण र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनाँक दिसम्बर 1984 को किया जा चुका है ।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल अज्ञम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रंज, लखनउ

तारीख : 12-8-1985

सोहर 🚁

प्रकृप साह^र.डी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (िरिक्षण) अर्जनरेंज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनाँक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं०जा-80/एक्यू०--यतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्यी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ो वारा करें कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

धीर जिन्नकी सं० भूमि है तथा जो महिबुल्लापुर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इस ने उपावद श्रनुभूजों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यौलय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1903 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख विसम्बर 1984

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक खप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अंद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अभा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनिष्ण भी धारा 269-१ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रपधारा (1) के अधीय. निम्निसित व्यक्तियों, गर्थात् :— श्री राज बनश सिंह द्वारा ग्रटानी श्री मो० सारिक

(ग्रन्तरक)

 सचिव, भोमती भादर्श सहकारी भाषास समिति लि०, लखनङ

(ग्रन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक व्य किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ संकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मुची

भूमि पैमाइशो एक बोबा स्थित महिबुल्लापुर लखनऊ, (जैसाफार्भ 37-जोर्स ० 10391 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 को किया जा चुका है ।

> श्रीमती यू० कान्जो लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज, जखनऊ

तारीख: 12-8-1985

मोहर:

13 -246GT/85

प्रक्ष आहे . टी . एन . एस . ----------

भावनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) भाजन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनाँक 12 स्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० मं०जी-६ 1/एवयू०--थतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल, में बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिनकी गं० भूमि हैं, तथा जो महिबुल्लापुर लखनऊ में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकर्रा ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के उदयंगान के लिए अन्तरित की गड्ड मुभी विश्वास करने का नगरण ह**ै कि यभा**≘ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके दृश्यमान प्रति-फेल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियॉ) के बीच एेसे र्वतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖰 🗝

- (क) जन्तरण से हुई किसी मान की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उसने बचने में श्रीक्रिश के लिख: औड़/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों नेते, किस्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लामा, या भय-कर विधिनियम, या भय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, कियाने में स्थिश वे निक;

जतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री राज बक्क सिह शरा अटार्नी श्री मो० तारिक

(भ्रन्तरक)

 सचिव, गोमती ध्रावर्ण सहकारी ध्रावास समिति लि॰, लखनऊ

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्मध्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त / वृद्धिनियम, के स्थ्याम 20 के में परिभाषित है, वहीं सर्थ होंगा जो उस अध्याम में जिसा गया है।

धनुसूची

भूमि पैमाष्टणी 5 बीया 10 बिस्या स्थित महिबुल्लापुर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी सं० 10392 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 की किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी साल सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-8-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० माई० मार० I-24/एक्यू०-मतः, मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी मं० श्राराजी है, तथा जो 5/ए/4-11 बी, रामपुर बाग, बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल वं लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्तः नंपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं विधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पागा गया प्रति-फान निम्निलिशत उद्देश्य सं उक्त अंतरण निश्वत में नास्तिक रूप सं कथित नहीं किया नया है :--

- (क) सन्तरण से हुई किसी आग को बाबत, उक्त स्वीवनिषय की बाबीय कर दोने के सन्तर्क के वायित्व में कभी करने या उससे न्यने में सुविवा के विष्; नौर/या
- िष्णे एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. 1. श्रीमतो कमलेश माथुर
 - 2. कु० माला माथुर
 - कु० मनो मायुर

(भन्तरक)

- 2. 1. डा० इकवाल सिंह तोमर
 - 2. श्रीमती डा० उपा तोमर

(अन्तरिती)

3. विकेता वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माझप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकादण की रार्शक से 45 विन् की जमिश या उत्सम्बन्धी स्मिक्टमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में स्मान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तमों में से किसी स्मिक्त द्वारा;
- (व) इस सूचना के रायप्त्र में प्रकायन की दारीय थे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विश्वत में किए जा सकने।

स्परविकरणः — इसमें प्रगुपत वन्धों और वर्ग का, जो उपत विभिन्नियम देश अध्याव 20 का में परिभाषिक ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विमाणमा ही।

कार करते

श्राराजी, कवर्ड एरिया 370 वर्ग गज स्थित 35/ए/4-11 बी, रामपुर बाग बरेली, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बरेली के कार्यालय में दिनाँक दिसम्बर, 1984 को किया जा कुका है।

> श्रीमती यू० काम्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. लखनउ

तारीखा: 12-8-1985

धक्य बार्ड, टी, एन. एस.--- ---

बायफर बीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सुधना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 भगस्त 1985

निर्देश सं० जी० माई० म्रार० सं० के०-156/एक्यू०--यतः मुझे, श्रीमसी यू० कान्जी लाल,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भूड, बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, दिनौंक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उण्यत बाबार मृस्य सं कम को स्वयमान अलफ को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफ सं सं, ऐसे स्वयमान प्रतिफ सं के पंद्रह प्रतिचात से अधिक है जोर अन्तरक (अंतरकों) ओर अतिरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफ सं निम्नलिहित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित अं बास्विक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) वृत्युद्रण से हुई किसी जार की वावतः, सक्छ अध्योनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक क ंट्य में कमी करने या उससे वचने में श्रीकथा के लिए; जॉर/मा
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

मतः नय उनत मिथिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सभीन, पिम्मिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रामती मना देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार जीहरी

(श्रन्तरिती)

3. विक्रोता

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पृथीसत सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करतः हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तिया में में किमी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष

स्पष्टीकरण :---इसमं प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में तिया गया है।

अनुसूची

मकान पैपाइणी 298 वर्ग-गज स्थित भूड, बरेली जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बरेली के कार्यालय में दिसम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राविकारी गहायक प्रायकर भ्रायुक्त . (निरोक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

1. श्री प्रताप नारायण

(मन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यावय, संहायक आयकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० के-157/-एम्यू० यत: मुझे, श्रीनती यू० कान्जी लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित आजार मृत्य 1.00,000/- का से अधिक हैं

स्रोर जिनकी संज्ञमकान है, तथा जो सक्जी मण्डी मिर्जापुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन, तारीख दिशम्बर, 1984 जो नर्नोक्स सफरिस के टिक्स सरस्य ग्रह्म

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिवत नाजार मृत्य सं कम के एश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निचिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरभ से हुई किसी बाय की बाबए, सबस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे वजने में धृतिभा के सिए; और /या
- (क) एमं फिसी जाय था किसी पन वा बन्य नारिसकों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या च्या कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविद्या के सिक्ट;

अतः अधः. उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— 2. 1. श्री कैलाश नाथ 2. श्री महेश चन्द्र

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्मांत के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवित्रों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः—इसमें प्रयुक्त कव्दों और पर्वो का, जो उक्स किभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यस है

अनुसूची

मकान स्थित सब्जी मण्डी मिर्जापुर (जैसा फार्म 37-जि सं ० 5537 में विणत है) जिसका पंजीकरण राजस्ट्रीक्ता प्रधिकारी मिर्जापुर के कार्यालय में दिसम्बर, 1984 को दिया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्ज न रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-8-1985

प्रक्य वार्ड, टी. एन. एस. - - - --

बायक र अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भार्(1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश ० संजी० म्राई० मार० सं०के०-158/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमतीयू० कान्जीलाल,

बायक र किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० मकान नं० 11 ए० बी० एफ/2122/32 है, तथा जी मोती लाल नेहरू रोड, इलाहाबाद में स्थि है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से क्षिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मत्राण से हुई किशी बाब की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीम कर दोने के अंतुरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाना वाहिए था, ज्याने में सूरिका के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मैं: जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अं अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् छ—

- कु० लवलीन गुत्ता द्वारा श्रीमती प्रेम कुमारी गुष्ता
- कमजोर वर्ग एवं कर्मचारो सहकारी गृह निर्माण
 समिति लि०, न्यू ममफोर्ड गंज इलाहाबाद

(भ्रन्तरिती)

3. विश्रेता (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।) कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षाप:----

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान नं० 11 ए वी एफ/2122/32 मय भूमि स्थित मोती लाल नेहरू रोड, इलाहाबाद, (जैसा फार्म 37-जी सं० 7349 में विणत है) जित्तका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिनाँक दिसम्बर, 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊर्धे

तारीख: 12-8-1985

मो**हर**ः

प्रकल बाह् . टीच वृत्र पुरु

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, लखनक

लखनक, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० के०ाँ-159!ए० क्यु०---यत:, मुक्को, श्रीमती यू० लान्जी लाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें कारण उद्यु अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ए के कोना नक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

भीर जिसकी सं० लाट है, तथा जो मझौला, लाइनपार मुरादाब में स्थित है (श्रीर इसरी उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रिएत्ति श्रिष्टिएर्रि के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख हस-बर, 1984

को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नीलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण सिचिक में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) करारण हे हुई किसी बाब की बाबत, उकत अभिनियक के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बंचने में सृविधा के लिए; बार/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री ठाकुर दास 2. नरेख कुमार
 - महेन्द्र कुमार
 श्रं हरीम कुमार

(श्रन्तरक)

(2) श्री किशन साल

(भ्रन्स।रती)

का वह सूचना जारी कारके पृथींक्य सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उच्च सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में ने किसी स्वित द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पर्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट पैमाइकी 434.68 वर्ग-भोटर स्थिन मझोला लाइन पार, मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1984 को किय जा चुका है।

> . श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राप्धे गरा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज, लखनऊ

परिंखाः 12-8-1985

मोहर 🛎

प्ररूप वार्षं. टी. एन. एस. -----

भायकार ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--म (1) के ग्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आगकर क्षाय्यक (निरीक्षण) भर्जन रेज, लखनक

लखनक, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० जी० आई० ग्रार० एल-49/ए क्यू--यतः, मझे, श्रीमती य० कान्जी लाल ,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (लिस इसमें उलके परधात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं). कर्ष धारा २६०-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का पार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित तालार मन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं भागन है, तथा जो ब्रह्मपुरा, बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रम् सूर्च में श्रीण पूर्ण एप से विधित है) रिजस्ट्रीयती अधिए। री के बायिलय, बरेली में रिजस्ट्रीय श्री श्रीमा, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

अने प्वॉब्स सपरित के उचित बाजार मुख्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास अपने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार ब्रुट्स, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिबक रूप से कथित वहीं किया क्या है:——

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त नौध-निमम के नभीन कार गाँन के नन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचरे में सुविधा के लिए; वीराया
- (क) एसी किसी शाम या किसी शाम मा अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबस अधिनियम या श्रम कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोध-मार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था वा किया जाना चाहिए था छिनाने से संविधा के किए;

कतः कः , उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के , मैं , अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपवादा (1) के अधीन, निम्निधिकित व्यक्तियों, कर्णाम हिल्ल 1. श्री/ राजा राम

(भन्तरक) 🖁

1. श्री लःमग दास
 2. श्री कृष्ण मुरारी

(ग्रन्सरितोः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्मिरित के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ब्रेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धनारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाञ्चन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभाहरताक्षरों के वास विविद्य में किए या सकों गें।

स्वय्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त कस्यों और वर्षे का, श्री खक्त स्विधिनयम के कश्याय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं कर्षे होगा, जो उस अध्याय में विस्थ नया हैं।

प्रभूकी

म हान पैमाइकी 540 वर्ग-गज स्थित ब्रह्मपुरा बरेली जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बरेली के नार्याक्षय में दिसम्बर 1984 को दिया जा चुका है ।

> श्रीमती यू० कारजी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक षायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजनरोज, सखनक

सारीख: 12-8-1985

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. । =====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के बचीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

भाजन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 12 **ध**गस्त 1985 निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० एम-224/ए क्यू०/---यतः मुक्षे, श्रीमती यु० कान्जी लाल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रील, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मान नं 5 है, तथा जो मीहल्ला श्रसालतपुरा मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपावब श्रम्भुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) ने श्रशीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वरेग से उक्त अन्तरण दिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहूद फिली साथ की वावल, खबल श्रीधिनियम् के बधीन कर दोने के बन्तरक को वायित्व के कमी करने या उद्यस वचने में सुविधा को सिएए; बॉर/या
- (क) एसं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा औं सिए हैं

कार: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन : नियमितिकात व्यक्तियों, अर्थात् :---14---246GI/85 1. श्री ग्रमर नाथ

(भन्तरक)

श्री मो० यामीन :
 श्रीमती जरीना खातून

(प्रन्तरिती)

3. श्री मो० स्रशरफ़ किराएदार । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घूळ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्मान्धीकरण :—हमर्म प्रयुक्त शक्यों आहेर पर्यों कर, **जो उक्त** अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मकान नं० 5 स्थित मोहल्ला श्रेप्त लतुरुरः, मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रजिरङ्गेंदर्जा श्रिधदारी मुणदाबाद के कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल संज्ञम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-, लखनऊ

तारीख : 12-8-1985

प्ररूप आहुरे. टी. एन . एस . ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्तः (निरीक्षणः) ग्रार्जनः रेजि, लखनक

लखनक, दिनांक 12 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० एत-96/एक्यू०—यसः मुझे, श्रीमती यू० नान्जी नाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि है, सथा जो श्र म----ामि गपुण उर्फ रिमिपुण, जिला---बरेली में स्थित हैं (श्रीर इसी उपावड़ श्रन्मुच में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्री तत्ती श्रिश्च से के वार्यालय बरेली में रिजस्ट्री रूपण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीत, साराख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दर्दमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझ यह दिश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरफ (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (भि) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीनाथुलाल

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री नरायन दास
 - 2. श्री बालक राम
 - 3. श्रो तेजपाल सिंह
 - 4. श्रो भूपर**म**

(म्रन्तिरती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिधोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम रैमाइको 13 बीघा 2 बिस्वा 16 बिस्वान्से स्थित ग्राम रिमागपुर उर्फ रिमागुर पर० तह० और जिला बरेलो जिसका पंजा हरण रिजिस्ट्रा लिशिकारो बरेलो के कार्यालय में दिसम्बर 1984 को हिया जा चुका है ।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रोंज, लखनऊ

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप् आहें.टी.एन.एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रेज, लखनऊ

लखनज, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या पी-138/एक्यू०--- झत: मुझे, श्रीमती यू० यान्जी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंदि जिसको सं प्रथमी बिल्डिंग हैं तथा जंतनं ही-3887 मकान कटोना, थाना, दणाश्वमध, बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विलत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के कार्यालय वाराणसी में रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब्क रूप सं कि अल नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

नतः सन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्पिन्तिनों, नमिन्नि

(1) डा० श्रमिया राय चौधरी

(भ्रन्तरकः)

(2) 1. श्री पारम नाथ 2. श्री स्नमर नाथ

(अन्तरिती)

(3) श्री मिठाई लाल घ अन्य (अंश कब्जे में)
(धह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यस्त्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पक्की बिल्डिंग पैमाईसी लगभग 3 कोठा प्रेमिसेज नं ब डी--38/7, मकान बटोरा, थाना, दशाश्वमेघ घाराणसी, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रींवर्ता अधिवारी वाराणसी के वार्यालय में दिसम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० वान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक: i2-8-1985

माहर:

प्रक्षम बाइ .टी. एन . एव . ------

(1) श्री भतर सिंह

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री राम विशेष

(भ्रन्तरिती)

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्पना

ब्राइट ब्रस्कर

कार्यानन, सञ्चासक जावकर वाय्क्त (निर्धिक्रण) प्रार्जन रेंज, लखनऊ

लखन , दिनांक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० म्नाई० म्नार० संख्या म्रार-250/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बित इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खतौनी नं० 3, खनरा नं० 43 है तथा जो पदारतपुर, तह० नक्षण, जिला-मुरादाबाद में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्ता अधि ारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीहरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घथीन, दिनौक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उकित बाजार मूल्य से कम के कावजाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उद्युक्ते कायमान प्रतिफल से, एोसे कावमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिविधा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रति-क्या निम्मीशिवित उद्विध्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त्विक क्या निम्मीशिवित उद्विध्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त्विक क्या से काथत नहीं किया नया है द

- (क्क) अन्धरण वं हुइं किसी बाव की वावकः, अलख अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में अभी करने वा उत्तवे दणने में सुन्तिया के किए; और/या
- (क) एती किसी आभ या किसी भन या अस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया मुबा जा का किया जाना चाहिए था, जियाने वें सुविशा के तिए;

शतः अथ उक्त निर्मितन की भारा 269-न भी ननुसरक में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग्य (1) के अधीन, निम्नुलिखित मेक्तियों, अर्थात :—— को यह सृजना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए या सकीगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा वहा है।

बन्स्ची

भूमि खतौनी नं० 3, खसरा नं० 43 पैमाईसी 7 एक इ 57 डिसमिल स्थित पदारतपुर तह० सम्भल जिला--मुराधाबाद जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1984 को विया जा चुना है।

> श्रीमती यू० लानजी लाल सक्षम प्राधिवारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, लक्षनऊ

विनोर्ज: 12-8-1985

मोहर 🖫

एक्य बाइ'.टां एन.एब.-----

बाध्कर जांधीनवज, 1961 (1961 का 43) की घाडा 269-ज (1) के अधीन सूचना

श्चारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, लखनक

लखनक, दिनां ह 12 प्रगरत 1985

निर्देश सं० जी० धाई० श्रार० संख्या धार--251/एक्यू०--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्याने प्रस्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 म के अधीन सक्षाम अधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 /- रा. से अधिक हैं और जिलकी संव भूमि हैं तथा जो ग्राम कुन्डरी, एतमाली तर्व व जिला-परेली में स्थित हैं (और इल्लेड्स्क्रिया अनुसूती में और पूर्ण रूप से विषत हैं), रिजस्ट्रीशर्ती अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजरट्रीशरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांश दिसम्बर 1984

को प्रवेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जारा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्में (1) श्री पंचमिंगरी चेला, श्री जैरामिंगरी

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री राम सहाय गर्ग
 - 2. श्री सत्यपाल गर्ग
 - 3. श्रो चन्दी प्रयाद गर्ग
 - 4. श्री चिनीद कुमार गर्ग
 - 5. श्रीमती सुशीला

(भ्रन्तरिती)

(3) वित्रेता (वह व्यक्ति जितके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्भी

भूमि पैमाईसी 40 बीधा 15 बिस्वा, स्थित ग्राम-कुन्डरी एतमाली तह० व जिला-बरेली, जिसका पंजीकरण रिजिन्द्रीकती भिक्षकारी बरेली के कार्यालय में धिक्षम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, लखन

षिनांज: 12--8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

सखनक, दिनांक 12 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एस-375/एक्यू०--यतः मुझे, श्रीमती यू० वान्जी लाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिन्नी सं० भूमि है तथा जो बिजईपुर, ज्खनऊ में स्थित है (और इन्ने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित

है (और इतन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविदारीं के वार्यालय तखनऊ में रजिस्ट्री-करण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, दिनांक दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कृष्ठे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्रोप्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भक्की जिया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ िकसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिशों अधित् ः—— (1) श्री एयाम लाल यादव

(भ्रन्तरक)

(2) शिवाजी नगर सह हारी गृह निर्माण समिति द्वारा सचिव श्री श्रार० एस० पाण्डे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

भूमि पैमाईसी 2 बीघा 10 विस्था स्थित बिजईपुर, लखनऊ जिपका पंजीक्षरण पित्रस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिसम्बर 1984 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्नी लाल संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 12-8-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 प्रगस्त 1985

निर्देश सं ० जी० श्राई० श्रार० संख्या यू - 42/एक्यू ० --- श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से गाधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो हथमना, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिवारी के वार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्भर 1984,

को पृत्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत में अधिक है और उन्तरिक (अन्तरिकार्त में अधिक है और उन्तरिक (अन्तरिकार्त) और अंतरिती (अन्तरितेयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्सिव कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (च्छ) अंतरण र हुई किसी भार की बाबता, उक्त जिंधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने दा उपयोगणने में मृतिधा के निए; कॉर/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियाने में मृतिया के लिए,

अत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री प्रतापीलाल सिंह 2. श्रीमती कुलवन्त कौर

(भ्रन्तरकः)

(2) 1. श्री उधम सिंह 2. श्रीमती बचन कौर

(भरवरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिध कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त सम्मल्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :--

- (का) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुमना के राजपत्र को प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उसर राजार राज्यां में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी से नास निस्ति में किसा का सकते ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भिम पैमाईसी 13 बीघा 1 बिरुषा 10 बिस्वान्सी रियत हयमना बरेली जिस्हा पंजी रण रजिस्ट्रीयों अधिर परी बरेली के कार्यातय में दिसम्बर 1984 को किया या चुड़ा है।

> श्रीमती यू० नान्जी लाल सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनक

दिनांक: 12-8-1985

मोहर 🕽

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

मार्थिकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं ० जीं० आई० आर० संख्या यू-43/ एक्यु०-झतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जित्तकी सं० भूमि मर बिल्डिंग नं० बी, 12/112, एफ तथा बी 12/112, है तथा जो गौरी गंज, बाराणसी में स्थित हैं (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजरिक्टी कि अधितारी के बार्यालय बाराणसी में रिजरिट्टी-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित वाजार मूल्य है कर क श्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में च्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत बिध-नियम की अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व भी कभी करणे या उससे भवने में सुविधा की निए; भीर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-इन्ट किसी अपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिधा के लिए;

(1) 1. श्री जगन्नाय रामनारायण मृत्युंदय सिंह

 श्री श्रलख नारायण वेंबटेश सिंह (ध्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं ऊषा सिष्ठ

(इन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पकाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा दया है।

अनुसूची

भूमि मय बिल्डंग प्रेमिसेंग नं बी, 12/112, एफ तथा बी 12/112 जो मय खुली भूमि दक्षिण और, और खुला गलिबू यारा पूरव और, पैमाईसी 3655 वर्ग-फिट, स्थित गौरी गंज, धाराणसी। जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीक्ती श्रिधिरारी धाराणसी के वार्यालय में दिनांक 17-12-1984 को किया जा चुना है।

श्रीमती यू० टान्जीं लाल सक्षम प्रविदारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनक

विनोह: 12-8-1985

मोहर:

बाद बंद, डक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के बन्यरण बी. भी, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग ी। बी बचीग, पनमानियम क्यांकितयों, कर्यात् कर्मा प्रकष बाहे . ही . एन . एवं . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पर 26% व (।) के अधील विकास

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंग, लखतक

लंबनऊ, दिनां र 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० मंख्या जी-82/एस्यू०-प्रतः मुझे, श्रीमती यू० लान्जी लाल

कारकार विधित्यमं 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकल क्रिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000 / रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कल्यानपुर, तहु काशीपुर, जिला नैनीतात में स्थित है (और इपसे उपात्रत म्रनुसूची में और पूर्ण रूप के विणित है), शिस्ट्रीक्ती ग्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रितस्ट्रीक्षण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांस दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अरिएफ के गंगि इद्यमान प्रतिफल का पदल प्रतिफल को पदल प्रतिफल के पदल प्रतिफल के पदल प्रतिफल के विश्वास प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्मिलिखित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-दिक रूप में कथित नहीं किया गया है क्ला

- हुँक) बन्तरस्थ से हुन्दं किसी नाम की वाबत सक्त जिथानियम को सभीन कार दोने की अन्तरक की वारिताल मों कमी करने वा उससे बचने मों सुविधा रूप अपित्राता
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1929 का 11) या उनत अधिनियम, या भर कर अधिनियम, या भर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया असी साहए था, कियाने में क्विभा के सिए;

अतः अवः अव्यः अभिनियम का धारा 269-म की जनसरण मों, मी, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित स्पन्तियों, अर्थात् ध—— 15—246GI/85 (1) श्री हजरा सिह

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री गुरुदेव गिह
 - 2. श्री दुःलवेन्दर सिंह
 - 3. श्री अमरीक सिंह

(ग्रन्तरितीं)

(3) क्रोता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

स्त्री वह वृष्यमा जारी करके प्रवॉक्त यन्यों तर सं अक्त से लिह कार्यवाहियां करता हुं।

बब्ब सम्मृतित के सर्जन के सम्मृश्य में ऋड़े भी आक्षेत्र 🗻

- (क) यस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकासन की तारी हु वं 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी जबाधि भाष में समाप्त होती हों, के मिश्र ध्योंक्त व्यक्तियों में से किसी का के दुन्हा,
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिस में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्थ्यकोकारण: -- इसमा प्रयासत शब्दा कार वदा का, जः उत्स्थ श्रीभीषयम, के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ्या है।

धनु सूची

भिम भैमाईमी 9 एकड़ स्थित कल्यानपुर तह० वाणीपुर जिला-नैनीताल जिसका पंजीकरण रिप्रिट्रीक्क्ती श्रिधकारी काशीपुर के कार्यालय में दिनांक दिनम्बर 1984 को क्यि। जा चुका है।

> श्रीपती यू० रान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर ब्रायुक्त (निरक्षिण) श्राप्त रेंज, लखनऊ

दिनात: 12-8-1985

मोहरः 🛚

प्रक्ष बार्ड, दी. एत. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

धार्यासय, सहायक नायकर नाव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, िरमांहा 8 प्रागस्त 1985

निर्देश सं अजि श्राई श्रारं संख्या 87/37 ई ई/एक्यू---यतः मुझे, श्रीमती यू अवान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्राफिस नं० 24 (बी) और (सी) है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीब उत्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री जी अधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि प्रजन क्षेत्र लखनऊ में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 9 जनवरीं 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और सभो यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अनकरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम को अधीन कर दोने की अन्तरक को बायिस्त को कभी करने या उससे अचने में सूजिधा को लिए; ऑप्टेश
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ

(ग्रन्तरक)

(2) 1. रति मिश्रा

2. शिखा मिश्रा

(লাশা৹)

वसुधा विश्वा

द्वारा पिता श्री बी० एन० मिश्रा

(ग्रन्तरिती)

को यह बूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्ववाहियां सुरू करता हुं।

ब यव बंपति के भवन के संबंध में कोई भी नाओंच प्र---

- (क) इत सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीभ मा तस्तबंभी व्यक्तियां पर सृष्या की तामील से 30-बिंदन की सविध, जो भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्यिष्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में फिए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नगुसूची

श्राफित नं० 24 (बी) और (सी) पांचवे और छठे तथा सातवें फ्लोर पर, पैमाईसी 192 वर्ग-फीट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीख उल्ला कम्पाउंड लखनऊ करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 102 पर विनांक 9-1-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० हान्जी लाल मक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, लखनऊ

दिनांक: 8~8~1985

प्ररूप गाई. टी. एन. एसं.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनक

लखन ६, दिनांक 8 भगस्त 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार०मख्या 88/37 ई० ई०/एसबी०—— य त: मझ, श्रीमिती य० कान्जी लाल,

शासकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० भ्राफ़िस नं० 14 भीर 15 है तथा जो
11, एम० जी० मार्ग, हबाबिउल्ला तम्पाउन्ड, लखनक में स्थित
है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित
है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि
अजन क्षेत्र, लखनक में आयकर श्रिधिनयम, 1961
के श्रिधीत, दिसांक 9 जनवरी, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पास के बिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की शावत, उपक् निवम को अभीन कर दोने को अंतरक को दायित्व को कभी करने या उससे बचने में स्विभा को लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः रूब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेजर्स हलकासिया प्रापरटीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनऊ ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 रित मिश्रा

2. शिखा मिश्रा

. - (नाबालिग)

3. वसुम्रामिश्रा

द्वारा पिता श्रो वी० एन० मिश्रा ।

(मन्तरितः)

को यह पूचना जारी भरके पूर्वक्ति सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यगोहमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रस्कृत शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपूची

श्राफ़िस नं० 14 श्रीर 15 पांचवें पलोर पर पैमाईशि। 550 वर्ग फिट काममं हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हवं(अउल्ला कम्पाउन्ड, लखनळ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 103 पर दिनांक 9-1-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनळ हारा पंजाकृत किया जा चुका है।

श्रीमतो यर्व कान्जी लाल तक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8~8~1985

मोह्नर 🖫

प्रकार बार्च ु टी. एवं. एक.-----

जाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्**य**ना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनां के 8 प्रगस्त 1985

निर्देश मं० जा० श्रार्ड० श्रार० संख्या 89/37 ई० ई०/एक्वी०---यत:, मुझे, श्रीमर्तः २० नाम्जं काल,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त आधिनियम' ऋहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सद्धान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकें। सं० श्राफिन नं० 1 श्रौर 24(ए) है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हर्बा बडल्ला सभ्याउन्छ, लखनक में स्थित है (श्रीर रायम उपावड श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रें की श्रीधारी के सार्यालय स्राध्नामा जो दि श्रीन क्षेत्र, लखनक में श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रीधीन दिनों 9 जनवरा, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के जोच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य, हैंनम्मिक चित उद्देवन से उक्त मन्तरण कि विष् से वास है कि स्पार्थ से कि स्पार्थ से विष्

- (क) अल्लरण से शुरू कियों नाम् की नामक समझ विक-नियम के भूगीय कर को से मुख्युक से सामित्य के कार्य भारते या समझे मूलने में सुविषा से सिन्हें; और ना/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-ला श्रीकृष्टिया, 1957 (1957 का 27) के, अस्ति ग्रीकृष्टिया, विश्वारा प्रकट नहीं किया गुजा भा वा किया जाना जाहिए था, ज्याने में युनिशा के जिए;

जतः, जन, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग कौ, जन्मरण घो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीत, निम्मीनिक्तर स्विक्तरों, ज्ञाति क्ष-र (1) मेसर्स हलत्रासिया प्रापरदीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र नाथ मिश्रा (एच० यू० एफ०). द्वारा कर्ता, श्री वीर एन० मिश्रा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्चन के लिख्न कार्यनाहियां शुरू करना हं।

उम्ब सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी बविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकास कारिए का में से फिसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी कन्य स्थावत स्थावर, जभोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए वा सर्कोंग।

लिक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्दों जीत पदों का, वो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, तहीं अर्थ होता को उन्न अध्याय में दिवा गया है।

अनुसुची

आफ़िस नं० 1 और 24(ए) चतुर्थ तल पर पैमाईशी 485 वर्ग-फ़िट कामसे हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबिबिजल्ला कम्पाउन्ड, लखनक। ररारनामा जीकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 104 पर दिनांक 9-1-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनक हारा पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल**खनऊ**

मोह्य 🗜

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बाधकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 घ (1) के अधीन सुचना

नारत संरक्तर

कामजिन, तहानक नामकार जान्नत (निराक्तक)

श्रजंन रेंज, जखनक

लखनऊ, दिनां रु 8 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० जीक ग्राई० ग्राए० गंख्या 90/37 ई० ई०/एस्वी०—— यतः, मुझे, श्रीमती यु० हान्जी लाल,

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 26)-च क अर्थान सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संव ग्राफिस नंव 24 (बी) ग्रौर (सी) है तथा जो 11, एमव जीव मार्ग, ह्वंग्वउल्ला क्रम्याउन्ड, लखनक में स्थित (ग्रीर इससे उपावढ़ श्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजिस्ट्रं इती ग्रोध हारी के जायिलय क्रारनामा जो कि श्रजन क्षेत्र, लखनक में ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 में ग्राधन, दिनांदा 9 जनवर्ग 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो के प्रश्निकान्य मणील का उचित बाजार मूल्य, उन्ने का कारण हो के प्रश्निकान्य मणील का उचित बाजार मूल्य, उन्ने का कारण हो के प्रश्निक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उच्चेष्य से सक्त बन्तरण किया गया है सन्तर करने के स्थित नहीं किया गया है सन्तर

- (क) मंतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधि। जान के अधीन कर दोने के अस्तरक वी दासित्व में उन्हों भद्दर सा उससे वचने में सुविधा क जिए, और/वा
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 को ११) ले उन्यत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1937 (1957 की 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा को सिए,

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धुनन (1) मेसर्स हुलवासिया प्रापरटोज (प्रा०) लि०, हुलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री वी० एन० मिश्रा (एच० यू० एफ०) द्वारा कर्ता श्रो वी० एन० मिश्रा ।

(मन्तरिती)

को वह स्वान जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्वन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी बुक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबररा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेशे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

जन्स्ची

श्राफिस नं० 24 (बी) श्रीर (सी) तीसरे श्रीर चौथे फ्लोर पर (3), (4) पैमाईशी 128 वर्ग-फिट कामर्स हाउम में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाइन्ह लखनक । करारनामा जोकि श्रजन क्षेत्र कम संख्या 105 पर दिनांक 9-1-1985 को गक्षम प्राधिकारी, लखनक द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती यू॰ कार्ना लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-8-1985

प्रकल नाही.टी.एन.एस.------

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बावकर (निराक्तक)

ग्रर्जन रेंज, लखनक

लखनक, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं जि काई० ग्रार० मंख्या 91/37 ई० ई०/एक्वी०— यतः, मुस्रो, श्रीमती यु० कार्न्जा लाल

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० धाफित नं० 13 है तथा जो 11, एम० जो० मार्ग, हबीबउल्ला रम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इयत उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय करारनामा जो कि ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ में, श्रीय कर श्रिधिनयम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक 9 जनवरी 1985

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य से काम के दश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह जिस्वास करने का कारण है कि मधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बामा गया प्रतिकल, निम्निलिव उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तिक में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किती आय की बाबत, उनक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती वृंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था कियाने में के विष्

अतः भव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेससं हलवासिया प्रापरटाज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनक ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर प्रनीत गर्ग द्वारा श्राः रिव गर्ग पिता श्रीर संरक्षक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित की कर्जन के निष् काम नाहिना करता हुएं।

उक्त संपत्ति के अर्थन संबंध में कोई भी जाओप हा----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, खों भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस त्थान के राजपण में प्रकासन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्यारा अधाहस्ताक्ष्री के पार्श निश्चित में किए वा सक्ति।

स्पद्धीकरणः ----इसमा प्रमुक्त शम्बी और नवी का, जो अन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, बहुी अर्थ होगा. जो जस शक्याय में दिया नया श्री।

ग्रनुमूची

श्राफ़िस नं० 13 मिक्स फ्लोर पर (6) पैमाईमी 275 वर्ग-फिट कामसं हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग, हबीब-उल्ला कम्पाउन्ड, लखनक करारनामा जो कि अर्जन क्षेत्र कम मंख्या 106 पर दिनां ह 9-1-85 को सक्षम प्राधिकारी, लखनक द्वारा पंजाञ्जत किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जो लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनक

दिनांक: 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० জी० श्राई० श्रार० संख्या 92/37 ई० ई०/एक्वी०—— यसः, मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल,

आयक र अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अभीन सक्षत्र प्रीभिकारी को नह विख्याद करने का कारण हैं कि स्थादर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव ग्राफिस नंव 12 है तथा जो 11, एमव जीव मार्ग, हबीब उल्ला कपाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुस्चित में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीयर्ता ग्रिधिकारी के प्रायम्पिय क्राप्तासा जो ि ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ में ग्रायक्षर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, निनांश 9 जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूसमाम प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्मतित का उचित बाजार मूल्य ससके दूश्य नान प्रतिकृत है, है। दूणनदान प्रतिकृत का परश्रह प्रतिकृत से अविक है और अन्तरक (अन्तरक)। और व्यवसारती (अन्तरितिवीं) के बीच ऐस अन्तरक (अन्तरक)। और व्यवसारती (अन्तरितिवीं) के बीच ऐस अन्तरक (अन्तरक)। स्वार्थ प्रया गया विकास (निम्नतिवित से स्था के प्रया व्यवस्थ किया का विकास कर से क्या का विकास कर से का विकास का का विकास कर से का विकास कर से का विकास कर से का विकास कर से का विकास का विकास का विकास का विकास कर से का विकास कर से का विकास का विकास कर से का विकास का विकास

- (क) अन्तरण संहुद्द किसी आय की शावत, उक्त आधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दासिस्य में कभी फरने या उत्तसं वचने में सुविधा को चिए; और/या
- (क) एमी किसी आय ए किसी कर राजन, किसी करों की जिन्हों भारतीय जाम-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, 1922 पा-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रसंखनार्थ जन्दीहरी ब्वारा अकट नथीं किया गया था वा किसा जाना चाहिए था, छिपाने में प्रक्रिया के किए:

बतः अब, उत्तर अभिनियम की भारा 269-ग के अन्भरण में, में उत्ता अभिनियम की भार 269-म की उपधारा (1) के अभीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभाव क्रिक्स (1) मेससं हलवासिया प्रापर्दः क (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरून गंज, लखनऊ

. ...

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीः हाशुमल नारायण दास
 - श्री स्थाम लाल
 - 3. श्र[ी] भगवान दास

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;----

- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की क्षत्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए पास नहीं।

स्थाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और यथां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

मन्त्री

श्राफ़िस नं० 12 प्राउन्ड फ्लोर पर पैमाईशि: 252 वर्ग फिट कामसं हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबुउस्ला कम्पाउन्ड, लखनक अरारनामा जो कि श्रजंन क्षेत्र कम संख्या 107 पर दिनां ह 9-1-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनक द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० तन्जी लाख सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायंकर स्नायुक्त (निरक्षिण) स्रजैन रैंज, लखनक

दिनां: : 8-8 1985

मोहरः 👍

इक्स बार्च . टी. एन. एवं : --:---

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

प्रारव धरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं बराबाद, बिनांक 14 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/ 37 ई० ई०/177---यत:, मझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रनेट है तथा जो श्रमूत श्रपार्टमेंट्स हैदराबाध में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०/एक्वि०, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पर्ति के अधिक शाकार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तिरित की गई है जार मूर्भ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रीकत सम्पत्ति का अधिक बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का क्लाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) जार बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे चन्तरम् के जिए तब बाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उन्त अंतर्भ शिक्त में बास्तिबक रूप से क्रिया नहीं किया गया है अ

- (क) अम्सरण से हुई फिली जाय की वाबरा, उक्त ६/भिनियम के अभीन कर दोने के अम्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य ज्ञान्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्था के नियः

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें में, उक्त अधिनियम की धारा-269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स धारत धार्यस्यम, 4-3-336, बक्त स्ट्रीट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ पो॰ एस॰ बी॰ एस॰ शर्मा धन्य, 12-2-37-8/2/1, मुरारीनगर रोड़, ऐहदीपटनम, हैदराबाद-28।

(प्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के सिए सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अव्धि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों नृद्द सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मन्धि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशित की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वर्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्बा है।

सन सची

प्लैट नं० 208, दूसरा मजला श्रीर गरीयज नं० 15, ग्राउंड प्लोर, ग्रम्त भ्रपार्टमेंट्स, जपाडीया लेन, सोमाजीगूडा, हैंदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नंज 834/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी श्राई० ए० सी० श्रक्वि० रेज, हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निर्दे**क्षण**) स्रर्जन रेंज, हैस्राबाद

दिनांक: 14-8-1985

महर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) से अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० मार० ए० मी० नं० माई० ए० सी०/एक्वि०/ 37 ई० ई०/178—यतः, मुझे एम० अगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मृत्ल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट है तथा जो श्रमृत श्रपार्टमेंट्स, हैदराबाद में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिलस्ट्रीटर्सा श्रीधियारी के नायिलय, श्राई० ए० सी०/एक्बि०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीटर्स श्रीधित्यम ∰1908 (1908 ा 16) के श्रावीत, श्रक्तुबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ष्य बीधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के शाबित्य में कामी कारने या उनमें बचने में सुविधा के मिए; बीर/बा
- (क) इसी किसी जाव वा किसी धूम या अन्य जास्तिका को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता मधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनित स्पवितयों, कर्यात :--16 —246GI/85

(1) मेलर्स प्रमृत प्रगादेमेंट्स्, 4-3-336, बैंक स्ट्रीट, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो मंगला ताताचारो पति वी० ६०के० ताताचारो, 7-1-48/1, ग्रमीरपेट, हैंदराबाद ।

(भन्तरितं।)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति वो वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाज़ेंच 🗫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीय से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयित इवार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पद्यों का, वो कवर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्स्पी

'अट नं० 203, प्रथम हल, ग्रम्त ग्रगार्टें टेस, सोम.जीगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रें क्रस विशेख नं० 835/84, रजिस्ट्रीन सी ग्राधिकारी ग्राई० ए० सीर० एक्सि० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारः सहायक मायकर म्रायुक्त (नरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-8-1985

मोहर: |

प्रथम आहाँ, टी, एन. एत. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत बर्कार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रीज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० म्राई० ए० सी०/एक्वि०/ 37 ई ई/179— यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्वित्त, विसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, है तथा जो धमड़ं/, रोड सिंडदरा-बाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुमूर्जः में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), बजिस्ट्रं/इसी ग्रिधिकर्त के कार्यालय, ग्राई० ए० मीर०/एक्थि०, हैंदराबाद में बजिस्ट्रं/वरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन, ग्रक्तुबर 1984

को पूर्वेदित सम्पन्ति के उचित नाषार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवदास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी क्षेर अंतरिती (अन्तरितिकों) के नीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया नवा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित वे पास्तिक कर से कथिस नहीं किया जार है कर्

- (क) अन्तरण दे झुद्द किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक के शामित्व में कामी करने वा उत्तर जवने में सुविधाः के विषए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जारितवां को, बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस या धनकर अधिनियस या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने हों सुविधा के सिक्ष;

णतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के दत्रसरक . मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधार् क्र— (1) मेसर्स यमराल्ड बिल्डर्स, 4-1-968, श्रबिद रोड, हैदराबाद।

(श्रन्तरङ्)

(2) श्रीमती टी० मिस्त्री पति लेट स्झा० लि० जाल, एम० शाह्य मेस्त्री, 115, मार्क लेल, सिकंदराबाद । (श्रन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सुव्यस्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काओंच :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाचनीक रण '---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याक में दिशा गया है।

मन संच

फ्लैट नं० 3, छटवामजला, यमरास्य हाऊस, एस० डी० रोड़, निकंदराबाद, रजोस्ट्रीफ़्त विलेख नं० 836/84, रजिस्ट्री-क्ती प्रधिकार। ग्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाध ।

> एम० जगन मोहन पक्षम प्राधि तरें सहायक **प्रा**यकर प्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनां ह: 14-8-1985

मोहर 🛚

अस्यत् आर्षः टरः, एस एसः -----

भागकर कांभीनयम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-स (1) को सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जनरेंज, हैंसराबाद

हैदराबाद, दिनां र 14 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/37 ईई/180—आतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शामकर शौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का गरण हैं। के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसका संर में मीमाजीखूगड़ा, हैं इसाबाद में स्थित हैं। और इसन उपाबद अनुसूर्व में श्रीर पूर्ण-

हैदराबाद में स्थित है (और इसन उपाबद्ध अनुसूर्व में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रावर्ता अधिकारी के कामिल्य, आई०ए०
सो०/एक्यू० हैंदराबादमें भारतीय रजिस्ट्रोकरण । नियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, अक्तूबर 1984
का पूर्वावत सपत्ति के उचित बाजार मूल्य स क्षम के द्रश्यमान
अतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास,
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रद प्रतिश्वत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
गृतिफल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में
वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जनसरण से हुई किसी बाम को बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोन क अन्तरक के वापित्य में क्रमी करने या उससे वजाने में सुविधा के लिए; बार्-या
- (ष) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां कां, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बाधिनियम, या धनकर बाधिनियम, या धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ कर्यारती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) भैसर्स कोसेंट टावर्स, मासाब टेन्फ, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रंग एम० फ़क्क्स्ट्रीन श्रीर यासीन फक्क्स्ट्रीन, फ्लेट नं० 1डी, श्रीसेंट टावर्स मासाब टेन्क, हैवराबाद।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना भारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिष् कायभाहिया करता हुं।

उक्त सम्पास्त क अर्जन के संतंत्र में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की गामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्तित युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींब।

न्यक्ष्मीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दी और गर्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1डी, क्रीसेंट टावसं, मासाब टेन्क, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 839/84 र्राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पाई० ए०सी०/एक्यू० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० चगन भोहन, सक्षम प्राधिकारी. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्राक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराक्षाद

तारीख: 14-8-1985

प्रक्ष्य गार्डः ही, एम. एस. *******

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सरकाडु

कार्यांक्य, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं॰ माई॰ ए॰ सीं॰/एनयू॰/37ईई/181—मतः मुझे, एम॰ जगन मोहन,

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिता । सं गैरायनं, है तथा जो कींग कोठा महावीर श्रारंमेंटस में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद श्रमुख्या में श्रीर पूर्ण रूप
से विजित हैं), रिजिस्ट्राकृति प्रधिकारी के वार्याक्षय, श्राई० ए०
सी०/एक्यू; हैवराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रावरण श्राई है।
1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख श्रक्तूवर 1984,
को भूनेंवा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
शांतरीक से लिए अन्तरित की गई है। और मुक्ते यह विश्वास
करने का हारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
बन्तह प्रतिषक से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के कभीन कर दोने के जतरक के दामित्व में कभी कर्दन वा उससे बचने में सुविधा के जिद्दा, बीर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना काहए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्त्रत अधिन्तमों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स नटपान बिल्डर्स.
 3-5-196, कींग कोठा रोड.
 हैवराबाद।

(भ्रन्तर₹)

(2) श्री पुर्गा प्रसाद लोयल्का पिता श्री जंगल किमोर लोयल्का, कंडलारोह विलेज, गदवाल पोस्ट, मेडचल, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिर्ता)

की ग्रह स्थान: जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति क अर्थन के लिए कार्यमाहिया शुरू करता हुं।

बक्त सम्परिए के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 जिन की अविधि पत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति प्राराः
- (क) इस सूचना ये राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मम्प्रित मो हिन्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरणाक्षरा का प्रम लिखित मों किए जा सकेगें।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग को उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्ची

गैरेज नं० 10, ग्राउन्ड पनोर, महानार भगर्टमेंटस, कींग-कोर्डा, रोड, हैवराबाद रजिस्ट्राइटत विलेख सं० 848/84, रजिस्ट्राक्ती प्रधिकारी, प्राई० ए० सी०/एक्यू० रेंज, हैदराबाद

> ृंएम० जगन मोह,न सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेंज, **है**वराबाद

तारीख : 14-8-1985

प्रकप् आई.टी.एन्.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 प्रगस्त 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी/०/एमपू०/37ईई/182—मातः महो, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्लकी सं० फ्लेट है, तथा जो की सेंट टावर्स, मासाब टेन्क में स्थित है (भ्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के वार्यालय, आई० ए० सी०/एवयू०, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, ताराख अक्तूबर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के सक्तमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारुप ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार म्ल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्नाह प्रतिश्वत से अभिक ही और संतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त विधिन्यम के अधीन कर देने के अंतरक की वादित्य में कभी करने वा उद्युध वचने में सुविधा कारण, करिर था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय जारवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के समानिय किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औ विद्युः;

बत: अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, भें अवत अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हे बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) नैसर्स क्रांसेंट टावर्स, मासाब टेन्क, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हारेन्द्र कुमार मजूमदार, 12-2-830/7, मेहदटनम, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक जिथानियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय जें दिया गया है।

बन्सूची

फ्लेट नं० 202, बो० कोसेंट टावसं, मासाब टेन्क, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 850/84 रिजस्ट्रीकर्ती भधिकारी भाई० ए० सी० एक्यू० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधि हारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

सारीखा: 14-8-1985

प्रकप् बाई. टी. एन , एव . ------

वायंकर वृधिनिय्व, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-्य (1) के वधीय सुचना

TIES STEEL

कार्थालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो० एन्यू०/37ईई/183—प्रतः मुझे, एमः> जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित् गजार पून्य, 1,00,000/- रह. से अधिक है

त्रीर जिलका सं० पलेट नं० 10, है तथा जी सोनं: बिल्ड सें हिम. ता तार, न हिंगत है (प्रार इतन उराबद अनुसूचा मं प्रार श्रीता कार, न हिंगत है (प्रार इतन उराबद अनुसूचा मं प्रार शिता कार्मिता है) र ने हुं इती प्रांध हारा के जार्यालय, प्राहेश हो कार्मिता है है हो स्वाध प्रमत्वर 1984, का प्रावित सम्पास्त के जिसत भाजार मृत्य स कम के दश्यमान भातिक न की लिए नत्रिस का गई है और मृत्य स्व कम का दश्यमान भातिक न की लिए नत्रिस का गई है और मृत्य स्व कम का नार्य स्व कम का व्यवस्थ करन का कार्य है कि गथापूर्वित संपास्त का जिल्ल का मृत्य स्व कि स्वगान प्रतिक के सेंग एस स्वयमान प्रतिक का मन्द्र प्रतिशत सं मिषक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अतिर्तिया) के नीच एस मित्रक का नय नय पाया नया प्रतिक निम्नोक्षित स्वयम्य से अन्तरक कार्म कि स्व से अन्तरक निम्नोक्षित स्वयम्य से अन्तरक कार्म कि स्व से कार्म कार्म का स्व से कार्म का

- (का) नासरण से हुई जिस्सी नाय को बाव्य, उक्क्य निधिनियन के अभीन कर दोने के जन्तरण के श्रीवश्य या धनी करने या उक्से बजुने को स्विधा में श्रिष्ट; बीक्य/का
- (अ) एसी किसी शाम था किसी भन मा जन्य आसित्यों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर ऑधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रांचनार्थ बन्ति द्वारा शुक्त नहीं किया युवा था वा किसी बाना शाहिए था, कियाने में मुखिभा के सिए।

बंधः बदा, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण त्रं, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ को उपभारा (१) अ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्ः— (1) मैं उस सोना बिल्डर्स, 3-6-399 हिमायत नगर, हैदराबाद।

(भ्रतस्∄)

(2) कुमारी नक्षीसा मोहस्मद और राकसा भोहस्मद, 22-4-474/1, कोटा श्रहीका, हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

तथत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षोप डू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायः;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी को पास सिखित में किए जा सकोंचे।

स्पव्यक्तिरण :— इसमें अयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त मुधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं ॥

अपूर्व है

फ्लेट नं 10, तीसरा मंजिला, सोनी बिल्डर्स, हिमायत-नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं 852/84, रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी, माई० ए० सी० एक्यू० रेंज, हैंदराबाद।

> एम॰ जगन मोहन, सक्षम प्राधि⊲ारा सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरं∵क्षण) भर्जन रें,ज, हैद√बाद

तारीखा: 14-8-1985

कोहर 🛎

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/37ईई/184-- ग्रतः मुझे, एग० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० फ्लेट है, तथा जो रैंड होल्स हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इपते उनावड़ अनुपूर्वा में बीर पूर्गस्त्र से विभिन्न है) रिजिन्द्रोकर्ता अभिकारों के कार्यालय, आई० ए० सो०/एक्यू० हैदराबाद में रिजिन्द्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984,

क प्रधान, ताराख अक्तूबर 1984, को पूर्विकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंड्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके इंड्यमान प्रतिफल से, एसे इंड्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स दापक कमस्याल कम्बाइन्त प्रावासक, स्त्राह्व का प्राह्म क्षाफ्त, स्ट्रांट, कसक्ता-700 001।
- (2) 1. श्री के०के० विलाई और श्रीमित विजया के० पिलाई, घरनं० 203, मीनार डेक्कन टावर्स, हैस्राबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगी।

स्थष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 415, 4यी मंजिल, ब्लाक बी०, घर नं० 11-4-656/1, रैंड हील्प, हैघराबाद, रिजस्ट्रीक्टन विलेख सं० 855/84, रिजस्ट्रीक्सी श्रिधकारी श्राई०ए०सी०/एक्यू० रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज्, हैदराखाव

तारीख: 14-8-1985

मोहर∶

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ को अधीन सुवना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनॉक 14 भगस्त, 1985

निर्देश सं० छाई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/185--- मतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्साह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के गधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो रैंड हील्स, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुष्यों में श्रीर पूर्णक्ष से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०/एक्यू, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, श्रक्तुबर 1984

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के जिंचत बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्रियमान प्रतिफल का पंद्रह उतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् 💬 (1) भाग्य नगर कन्स्ट्रम्थन्स को०, रैंड हीस्स, हैदराबाद।

(मन्तरक)

(2) श्रीमति नूरूनिशा बेगम, 4-5-98, महबूबाबाद।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वेंक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयूक्त इन्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्र<u>नुस</u>ूची

फ्लैट मं० 609, घर नं० 11-4-656/1, रैंड हीस्स, हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 856/84. रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, प्रार्द्धि ए० सी०/एक्यू० रेंज, हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 14-8-1985

पोहर व

प्रारूप बार्ड .टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक जायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाँक 14 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी. /एक्यू०37ईई/186-- आतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नाबकर लिभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त लिभीनयम' कहा गया है), की धारा 269- के लिभीन सक्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से लिभक है

भीर जिनकी सं० पर्लंट है, तथा जो रेड हील्स, हैयराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से विभित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाई० ए० सी०/एक्यू०/ हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान पितकास के जिए मन्तिरित की गई है और मुक्ते यह यिद्यास करने का कारण है कि स्थाप्कॉक्त सम्पत्ति का उमित बाजार गृह्य, उनको स्थ्यमान प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल के सम्पत्ति के स्थापान प्रतिकल का प्रतिकल के सम्पत्ति के स्थापान प्रतिकल की प्रतिकल के सम्पत्ति के स्थापान प्रतिकल की स्थापान के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कास्तिक स्थापान है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या नन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर निधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

(1) भाग्य नगर कन्स्ट्रवशन्प का० रैड होत्।हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री स्थाम सुन्दर श्रग्नवाल, हैदराबाद।

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी अवित इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अन्सुधी

ृप्लैट नं० 43, घर नं० 11-4-656/1,रेड हील्म, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 857/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्राई० ए० सी०/एक्यू०रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी म**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 14-8-1985

मोहरः

अस्य बाईं हु दी हु एवं हु एक हु -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) वे वधीन युवना

नारत शरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भावक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्ष्णबाद दिनौंक 14 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं ० भाई० ए० सी ०/एवयू०/37ईई/187-- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहनः

कावकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चामा 'उक्त सिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के के अभीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर खंबतित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैंट है तथा जो रेड हील्स, हैदराबाद में लिथत है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकर से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०/ एक्यू/हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्राधान, श्रक्तुवर 1984,

को प्रेमित तम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य ते कम के क्यमान प्रतिकत्व के लिए अन्तरित की गृही हो और मृश्वे यह विवशस करने का अपरण ही कि मधापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिखत वे अभिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाया गया प्रतिकत, निम्नतिकित उद्देश्य से जकत अन्तरण निरित्या में धाराधिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक में बादिएक में कमी करने या उसने नकने के जुनिका के निष्; और/या
- (ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अत्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिका के सिए;

बतः बन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निज्निसिब्द व्यक्तियों, कर्ला;—— (1) भाग्य नगर कन्स्ट्रक्यान्स को० रेड होल्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० विजयंद्रा कुमार डिप्टी कन्जजेवेटर श्राफ फोरेस्ट, बो०-3, एफ-6, एच० आई० जी० (6जी), बार्गालुगनल्लो, हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह सुवाना जारी कारके पृथिकत सम्पर्धना के ७ जी वं निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदरेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकर का विसयों में से किसी अविस्त द्वारा:
- [क] इस बुप्ता के राष्ट्र में प्रकारत की तारीय से
 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पर्तित में हितमधुष चित्री बन्य म्यक्ति द्वारा, अभाहस्याक्षरी के
 पाद सिवित में किए वा तकारों।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयास्त शस्यों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, यहीं अर्थ डारिंग, जा उस अध्याय में दिया भगा है।

श्रनमुत्री

पलैट नं० 707, 7वां मंजिला, घर नं० 11-4-656/1, रेड हील्म, हैदराबाद, रजिस्ट्रोक्कि विशेख नं० 858/84, रजिस्ट्रो-कर्ता प्रधिकारी आई० ए० सो०/एक्पूर्णज, हेदराबाद ।

> एम० जगत म[े].हत, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन ^{के} ज, हैदराबाद

तारीब: 14-8-1985

माहर:

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्**च**ना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोधाण)

श्वर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनश्क 14 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० मो ०/ए३पु०/37-ईई/188—अतः मुझे एम० जगन मोहन,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा.. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० प्लेट है तथा जो रेड होल्प हैदराबाद में स्थित है (प्रौर इपने उपाबद्ध अनुसूती में प्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिट्टोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० /एत्पु० हैइराबाद में रिजिस्ट्राकरण अधितिय 8 (1908 का 16) के अधीत अक्टबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को तिष्ठ वाजार मृन्य से कम के क्यामान अतिकल को लिए अंतरित की नह है और मक्षे यह विश्वास अरले का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसं ध्यमान प्रतिकल का पन्ध्रह्म अतिकात ने अधिक हो और बन्दरक (बन्दरकों) और अन्दरिती (अन्दरिशियों) के बीच एवं अन्दरक खे तिए तक वाजा नवा शांत्रफल, निम्नलिवित उद्देश्यों से उक्त अन्दरम विशेषत में बास्तीयक कथ से अधित नहीं किया नवा है :---

- (क) जम्मरण से हुइ किशों अप भी बाबस, जन्म के जभीन काइ दाने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने यह उससे बनाई भी मुन्तिधा के सिए; जोर/मा
- (क) एमें किसी बाय या किसी पन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, धा थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधाः के लिए।

अत: पब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्तिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) मेनर्स भाग्य नगर कन्सट्रक्शन कं० रेड हिल्म, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० के० बंडोनाध्याय,5-9-47/2, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्बन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

बबंत राम्परित के अर्जन के सर्थप में कार्क भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदबद्ध किसी व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल
 लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका स्या हैं।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 409, घर नं० 11-4-656/1, रेड हीत्स हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 859/84, रिजस्ट्रीकर्ती श्रिशिकारी श्राई०ए० मी० एस्यु० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनौक : 14-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 धगस्त 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०/37-ईई/189——प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रहः से अधिक हैं
श्रीर जिसकी में० पलेट हैं तथा जो रेड हील्स हैदराबाद
में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०/एक्यु०, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रवट्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृत्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) मेरार्स भाग्य नगर कन्यद्रक्शन का०, रेड हील्स, हैंदराबाध ।

(भ्रन्तरितो)

(2) श्री रमेश कुमार लालवानीः, 261/3, श्रार० टी० विजयनगर कालोनी, हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवद अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्म गया है।

अनुस्वी

फ्लेंट नं० 416, घर नं० 11-4-656/1, रेक होल्य, हैंदराबाद, रजिस्ट्राकृत विलेख नं० 860/84, रजिस्ट्राकृती स्रक्षिकारी स्राई ए० सी० एक्यु० रेंज, हैदराबाद।

एम० जयन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दनौंक : 14-8-1985

-भोहर :

प्रकप बार्च .टी .पून .एवं .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

काश्रासम, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनॉक 14 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/37-ईई/190---अतः सुक्षेर एम० जगन मोहन,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इतमें धसके पर्याशः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट हैं तथा जो रेड हीता, हैदराबाद में स्थित हैं (और इनले उपाबद अनुस्व) में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रित्रहील्दी पिधकारों के दायिलय आई० ए० सी०/एक्यु, हैदराबाद में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान नारीख अबत्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य संकाम के इत्रयभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और सको यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भार धितफ न, निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिकित मं चास्तिक रूप से कांध्रत नहीं किया गया है:---

- (क) कत्तरण ते हुई किसी बाय की वासत, खक्त अधिनियंत्र के बधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कवी करने या उसते वचने में बृविधा के सिष्ट; बार/वा
- (का) एरेसी किसी बाय वा किसी भन वा जन्य आस्तियाँ का, विषक्षे भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना काहिए था, छिपाने के ब्रीविभा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुम्बर्ध औ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की अपभारा (1) के अधीन, मिम्मीबिक्त स्थितसभा, अधीत :---

(1) मेनसं भाग्यतगर कन्सद्रक्शन को**ः** रेड होत्प, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बां० डी० प्रनाद 11-4-656/1, रेड होल्स, **हैस**राबाद । (ग्रन्तरिता)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

खनत ब्रमिति के वर्जन के संबंध में **कोई** भी वाओर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीय से 45 विन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 विन की अविधि, वो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, वो भीतर पूर्वीवक स्थितियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्थान के राजप्य में प्रकादन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ; अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोधे ।

स्थव्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त विश-नियम के अभ्याय 20-क को परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस व्यक्ताव में दिवा गया

अनुसूची

पलेट न० 504 घर न० 11-4-656/1 रेड होत्म, हैदराबाद, रजोम्ट्राकृत विलेख नं० 861/84, रजिस्ट्राकर्ता श्रिधकारो श्राई० ए० सी० एक्य रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त (</mark>निरीक्षण) श्र**र्जन रें**ज, हैडराबाद

विनक्षि : 14-8-1985

मांहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत संग्रहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रस्गत 1955

निवंश साथ आरथए० सी० नव ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 37-ईई/191--- प्रतः मुत्रे, एए० जगत मीहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनके सं० पलेंत है तथा जे अमृत ग्रमार्टमेंटत, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उताबह अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिल्ट्रोल्ती प्रधिकारों के कार्यात्रय, ग्राई० ए० सी०/एक्यू० हैदराबाद ों तिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 10) के ग्राचीत तारीख ग्रक्तबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित का गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिशियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई निज्ञी आप की बाबत, अक्ट विधिनियम के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/ ।
- (क) एमी जिली अथ या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तव अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के श्याजनार्थ जन्तीरती देवारा प्रकट वहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

(1) मेजर्स अमृत अगर्रमेंटन, बैंस स्ट्रीट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुल्ला पतुला कामेस्वरी, मार्फत पि० रामधनवंतरी, 1-8-522/22, चिक्तडपल्ली, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

क्यें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हाँ।

अनुसूची

पलॅट नं० 101, प्रथम तल, श्रमृत ग्रपार्टमेंटस, सोमजीगूडा, हैवराबाद, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 862/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्राई० ए० सी० एक्यू रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

कतः हव, उक्त अधिनयम का धारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की शारा १८० म में उपधार (दें के अधीत: कि में कि मानिकार्ग, अधीत:—

मोहर:

दिनांक: 14-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ऑक्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनाँक 14 म्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राइ० ए० सी०/एक्यु०/37ईई/192-- ग्रत: मझे एम अजगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिक्की सं० पत्रेट है तथा जो ग्रमृत ग्रणर्ट मेंटस, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984 को पूर्वीका संपत्ति के उचित वाबार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के । लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) मेसर्म ग्रम्त ग्रपार्टमेंटस वैक स्ट्रीट हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मिजी अजगर अली क्षां गं 6-3-611, स्नानन्द नगर है६राबाद ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेत नं ० 503, चौथा मजला, श्रम्त ग्रपार्टमेंटस, सीमाजी गुडा, हैदराबाद, र्रावस्ट्रापुत विलेख नं० 863/84, रजिस्ट्री-कर्ता म्रधिकारी माई० ए० मी० एक्यू० रेंज, हैदराबाद।

> एम > जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनौंच : 14-8-1985

भोहर:

श्ररूप आहु , ट्रा. एन . एन----

कायकर किंकिनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-थ (1) के अधीन स्चनः भारत सरकार

क्षायाँसब, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 14 श्रगस्त 1985

निदेश सं श्राई ०ए० सी ०/एवशु०/37ईई/193---श्रनः मुझे एम॰ जगन मोहन

कारकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), तो धारा 269-क के अधिन सक्स प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र जाजार पाय 1,00 000/- रह. से अधिक है

श्रीर निस्की सं० फ्लैट है तथा जे क्क्मणि श्रपाटमेंटन है प्राचाद में नियत है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व चम से बणित है) रिजिन्होक्ति श्रीधकारी वे लागिर शाई० ए० सो० एक्यु० हैदराबाद में रिजिन्होकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन श्रक्तुबर 1934

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पन्ति का उचित वाजार प्ल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेष्ण में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त्यिक कप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) विकारण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त विधिनियम के लधीन कर दोने के व्यक्तरक के दायित्य मों कमी धरनं या उसमें बक्त में मृतिधा के लिए: और/या
- (श) होंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों काने, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था राजिया जाना चाहिए था, छिपारे में मुनिधा के लिए;

कत अब प्रक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेनसं प्रकाश बिल्डसं5~8~611 अबिद्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता आरट ए० हुपरीकर,3-4-1013/3, बरकातपुरा,हैदराबाद ।

(भ्रन्तरितो)

को भह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है ^5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध श्रष्ट में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ के सिक्ती व्यक्ति त्वाराः
- (क) इत ब्रम्स के राज्यन में प्रकाश की तारीं है के 45 दिन ने मींगर बनत स्थावर कम्मित में हितबहुध किसी बन्द न्यक्ति वृतारा स्थाहरताकरी से शब विश्वत में किए वा क्योंने (3)

न्यक्तिकरण :--इसमें प्रमृक्त बन्धों और पर्धों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 204, इसरा मंजला, व्लमणि अपार्टमेंटम, रजीस्ट्रीकृत खिलेप नं० 365/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ब्राई० ए० सी० एक्यु० रेंज, हैदराबाद ।

> हम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैक्राबाद

विनौंक : 14-8-1985

भाहर:

प्ररूप कार्ड्, टी. एन. एस------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के लधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 14 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 323/85-86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आस्पकर इिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नौबरोजी रोड़, बाल्टीयर में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है) रिजरट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यातय बैसाम दों रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के स्वसमान प्रतिकान के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स संपर्तित का उपित बाजान मृल्य, उसके श्रवमान प्रतिकल से एसे श्रवमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के गैथ एसे बन्तरण के सिए वस पत्ता गया प्रतिकास, विज्ञानिषक स्वृद्देश्य से उस्त क्यारण निवात में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया बना है :——

- (b) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त जिम्मीनयम के बभीन कर देने के जम्मरक के दायित्व में केमी करवे या उससे क्वने में सुविधा के लिए; औद्द/बा
- (का) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्म बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविद्य व्यक्तियों, अधीत् क्रिक्त विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व व

(~) श्री मती ए० लक्ष्मी काँतम्मा, पनि बी० श्रार० एल० भूजंगराव, टी० एस० एन० कालोनी, वैशाम ।

(अन्तरक्)

(2) डा० जी० रामय्या चेट्टी, नौरोजी रोड, विशाखापटनम ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता जारी करके प्रवेक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) ६स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी अन्य पाकि द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में ज्या जा नकीं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्सची

खुली जमीन विस्तीर्ण नं० 591 चौ गज, वाल्टीयर वार्ड, नौरोजी रोड़, के बाज् विशाखापटनम, रजिंम्ट्रीकृत क्लिख नं० 15213/84, रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी, वैशाम ।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनौंक : 14-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याल्य. सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनौंक 16 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/4985/84-85--धतः मुझे पी० एन० दबे

नायकर जॉंभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मृत्य 1.00.000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

भोद्योगिक युनिट नं० 23, जो तल माला

धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 15-12-1984 की पर्नोक्श सम्पत्ति के उपित बाजार मन्य से कम के अवस्थान परितिकल के लिए अवर्वीरत की गर्ने ही। और संश्वेषह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया जया प्रतिफला, निम्नजिसित उद्वोषय से उस्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ड—

- (क) बन्तरण वे धुर्दाधनी जाव की बाबत उक्त विक-विषम के सभीन कर बोने के बंतरफ के बावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीर/वा
- (ब) एसी किसी अब यह किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नाय-कर निभनियम, 1923 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जारा चाहिए आर, क्रियाने कें त्तविधा भौतिए:

कक्षः वयः, उक्त सभिनियमं की भारा 269-ग के अनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्स चंदलाल एच० मेहता । (अन्तरिती)

को बहुसूचना वारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- '(क) इस समान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिपित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरुणः --- इसमे प्रयुक्त सब्दो और पूर्वे का, औ उक्द विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

श्रोद्योगिक यूनिट नं० 23, जो तलमाला, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, यन मिल रोड़, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित 書1

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ड-1/37ईई/4985/ 84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 15-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बर्ध

दिनौक : 16-8-1985

प्ररूप जाई, टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

अम्बद्दी, विनांक 16 श्रगस्त 1985

निदेश मं० प्राई-1/37जी/5161/84-85---प्रतः मुझे, पी०एन० दुवे

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पर्वे नं 111, भुलेश्वर, डिविजन, 49/51, द्रिनीटी म्ट्रिट, धांबी तलाब, त्यू सर्वे नं 58/273, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिपात करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 2695, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 विजित) के प्रयीन तारीख 18-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्तित में वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती हवाबाई हाजी मोहम्स हाजी, दाउद हाजी सौजी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रतीलाल मेघजी।

(अन्तरती)

(3) श्रन्तिं और भाडूत । (षह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० बाम्ब०--1092/84 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिन।क 18-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहाकय श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनाः : 16-8-1985

माहर :

प्रका नाइ. टी. एन. एव------

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के नधीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37-जी/5155/84-85--श्रतः मुझे पी० एन० दुवे

मानकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकें प्रकार प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन , जो, ओलीवर रोष्ट , त्लाट नं० 14, सी सर्वे नं० 7/385, जुलाबा डिविजन, श्रापीलो रेक्लमेशन इस्टेंट, इमारत के साथ, "मजू मनार", कुलाबा बम्बई-400005 में स्थित हैं (जीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजस्ट्रीवर्ती श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-12-1984

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेश के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिच्त में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 07) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञक्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उफ्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिनों, अधीत:--- (1) 1. नाजू पेशोतन कुवा, 2. श्रीमती मेहर मिनू मास्टर, 3. श्रीमती परीन अंडी माफातिया, और 4. पेशोतन मोराबजी कुटा।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री हिरानंद छबलदास नानानी (नाईन), (श्रन्तरितीं)
- (3) एन० पी० कुका, 2. एन० एन० सिध्या,
 3. हरजीकाका और अन्य ।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
 में सम्पति हैं)।

को यह स्वान जारी करके प्वक्ति सम्पर्शि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की सबीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य स्थिकत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गका है।

अनुसुची

भ्रनुसूची जैमा कि विलेख सं० बाम्ब०,1932/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7~12~1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे ्मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~I, बम्बई

दिसांक: 16-3-1935

मोहर ः

प्रकल बाई. टी. एन. एस

नाभकर नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बस्बई

बम्बई, दिनांकः 16 श्रगस्त 1985

निदेश सं० भ्रई--1/37ईई/4904/84--85---- अतः मुझे पीं० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छीजत बाजार म्स्य ४,00,000/-छ से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, जो, 3रीं मिजल घोषस इमारत, डांक्यार्ड रोड़, सीं० एस० नं० 8/13, माझगांव डिविजन, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूचीं में और पूर्ण कप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारीख 10-12-1984

को प्वोंक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्योंक्स सम्मित्य का उचित बाजा? मृत्य, ससके क्ष्यमान प्रतिफस से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीज एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्यिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजमार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया कारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- (1) जान फ्लेमिंग एण्ड कम्पनीं।

(अन्तरक)

(2) श्री अलींभाई मोहम्दश्रली अन्वर, और श्रीमती बिल्कींस श्रलींभाई श्रन्वर। (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स स्म्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्मिति के बजन के सम्बन्ध में काइं भी माक्षेप .--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी अपवित याँ पर सूचना की तांगील से 30 दिन की भ्रविद; को ी भ्रविध बाव में समाप्त होती हो; के मीतर पूर्वोंकर
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अभाहस्ताक्षरों के पार सिसित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इस में प्रयुक्त शक्तों और धवीं का, जो उक्क अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जफ्लैट नं० 32, जो 2रीं मिजिल, धोबल इमारत डाक्यार्ड रोड़, सीं० एस० नं० 8/138, मामगांच डिविजन, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/3/ईई/14903/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिलांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एतं० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायय श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनां : 6-8-1985

प्ररूप बाइ . टी. पुन, पुस----

काथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेण सं० अई-2/37जी /3727/विसम्बर 1984— द्रात मुझे लक्ष्मण दस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 43, सीं० टीं० एम० नं० 392/29, से 71, हिस्ता नं० 5, 6 से 10, मोग्रा विलेज, अंधेरी तालूरा अम्बई में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्याक्य बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन तारीं वा 13-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्त का उचित बाजार मुख्य उसके दूरममान प्रतिफल से, एसे दूरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उव्योध्य से उसत अन्त-रण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाय की बावत, उक्त अधिनयम के अभीन कर देने के बन्तरक के धायित्व में कमी करने मा उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य जास्तियाँ करें, जिल्ही भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त जीभनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए वर, जिलाने में स्विका के सिंहर

बत्ध बन, उपत विभिन्नियम की पाडा 269-ग के बनुसहर में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिवित स्पिन्समें, जभात ह

(1) श्री कान्तीलाल हरीभई प्टेर

(भ्रन्मेरक)

(2) मधुकर बिठल गरब।

(भ्रन्तरितीं)

(3) भ्रन्तरितीं ।

(वह व्यक्ति जिसके श्राधभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि चिलेख नं० एस०1066-84 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांक 13-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दम्बई

दिनांक 29-7-1985 -----

प्रकल आर्थः द्वी .पुन . पुस ...------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-2/37-जी/3733/84-दिसम्बर-अत. मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रापर्टी बेअरीग प्लाट नं 16, सर्वे नं 30, एम ए ए नं 7, बसीवा, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-112-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल सं, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) भी प्ररुण रचुनाय धोलकर,

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती कैलाश ए० दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 146/1981 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिमांक 11-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक . 12-8-1985

मोहर 🐞

प्ररूप आईं.टी.एन,एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिशांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15951/84-85—अत. मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302 नेम्टर-1 बान्द्रा बम्बई50 में स्थित है (श्रौर इसले उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य में बाँगत हैं) श्रौर जिंग हा करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29-12-84
को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दम्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी अप्र की बाबत, जक्त अधि-विवस के अधीन कर दोने के बंतरक के खबित्य में कमी करने वा उसके वचने में स्विधा के जिए? जीर/का
- (क) ऐसी किसी अब या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें नारतीय सावकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त स्थिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियान में मुलिक के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिं, अर्थातः :— (1) मेसर्स किर्ती एन्टरप्राइसस।

(अन्तरक)

(2) श्री रमनलाल मगनलाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 दिन की अविधि या तत्मान्त्रची क्राफिन्छों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिश वदा हैं।

जन्सू ची

प्लेंट नं० 302 नेम्टर ~1 सी० टी० एस० नं० 1437 आफ कार्टर रोड़- बान्द्रा बम्बई~50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/15951/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जीस रेंज-2 बस्बई

दिनांक : 14-8-1985

प्रस्तप आहाँ. हाँ एम. एस.-----

बायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काकांच्या, गहासक वासकार जासक (निरीक्षण)

अर्ज म रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-2/37**ईई**/15522/84~85—अत. मुझे लक्ष्मण दास

अगाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मृण्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, एम० एस० 3 चेंब्र, सी० टी० एस० नं० 1311, (स्ंघवाडी), सायम ट्राम्बे रोइ, चेंब्र, बम्बई -71 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

भी पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विद्यास को के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विद्यास कि के लिए अन्तरिस का प्रविक्त से, इसे क्यमान प्रतिफल के क्यमान प्रतिफल की, इसे क्यमान प्रतिफल का पन्कल प्रतिक्त के विद्यास प्रतिक्त की पन्कल प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्विदितों) के बीच एसे अंतरण के लिए सम पामा गया प्रतिक्त की निम्निलिस उद्विष्म से अक्त अन्तरण निचित में अस्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत अंक्त अधि-नियस के अधीन कर बोने की बन्तरक के दायित्व में कसी करने या उत्तर्व बचने में सविकार के लिए; बीप/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्विधा के लिए;

कतः अतः, अकत जाभिनियमः, कौ भारा 269-ग कौ बन्सरण माँ, मीँ उत्कत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ॐ अधीन, भिन्नोलिखित व्यक्तियोँ, अर्थोत् ह—— 19—246 ⊞85 (1) बितुकाम कार्पोरेशम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वेशदेत्री के० खन्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए घा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुक्ताम नं० 6, एस० एस० 4, चेंब्रूर, मी० टी० एस० नं० 1311 (मूंघवाडी), सायन-द्राम्बे रोड़, चेंब्रूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/15522/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढ़ारा दिनांक /1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिमांक . 14-8-1985 मोहर ा प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 14 अगस्त 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/15108/84-85--अत. मुझे ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 /- रह. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० दुकाम नं० 4, जो, तल माला, मंजू मिकेतन टोपीवाला के पास, गोरेगांव (प), बम्बई—62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिभियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एस० रामचन्द्रन ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामजीभाई एम० पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं० 4, जी तलमाला, मंजू निकेतन टोपीवाला के पास, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/15108/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

विनांक . 14-8-1985

मोहर .

प्रकृष आहु⁴.टी.एन.एस. -----

नायकडु नियमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक जायकार जायकत (निर्द्रोक्स)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/15523/84-85-- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रौद्योगिक यूनिट नं० 135, जो, 1 ली मंजिल इमारत गुरू गोविन्द इंडस्ट्रियल इस्टेट, सी०टी०एस० नं० 213 (श्रंग), 219 (श्रंग) श्रौर 222(श्रंग), वेस्टर्न एक्सप्रेस द्वाइवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिसत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में पास्तिविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुए किसी जास की बाबत, उपत जिमित्रम के अभीत कर येंगे की जन्तरक के स्वित्य में क्सी करने वा उससे बचने में सूबिया के जिए; बॉट/बा
- (क) एसी किसी बार्ग वा किसी भन या नन्य शास्तियों का, जिन्हें भारतीय शायकर श्रीभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर श्रीभिनयम, या भनकर श्रीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आया जाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

असः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नतिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1) श्री गफ्फार उमर सैयद।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स डी० एम० ग्रपारेस्स।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर करा करता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीका, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिका क्या है।

वम्बुची

श्रौद्योगिक यूनिट नं० 125, जो, 1 ली मंजिल, इमारत गुरू गोविन्द इंडस्ट्रियल इस्टेट, सी०टी० एस०नं० 213(श्रंग), 219(श्रंग), और 222('श्रंग), वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरे-गांव(पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/15523/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द,** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारी**ख**: 14-8-1985

प्रका नार्षे दी, एत., एस.,=-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाज 269-म (1) में सभीन सूचना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (हैनरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 मगस्त 1985

निदेश सं० भ्रई-3/37ईई/1,5113/84-85- भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, तल माला, ''श्रटलटा ए-विंग, व्हिलेज बालनाय, मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) बन्धरण चे हुई फिली नाव की नावत उच्छ निष-निवस के अभीम कर बोने के अन्धरक की बाबित्य में कामी करने या उस्ते बचने में सुविधा की लिये; शहर, या
- (क्) एंसी किसी बाब या किसी धन अन्य वास्तियों की, चिन्हुं भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था जिथाने में सुविका वे जिव्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन∍ निम्नलिकित व्यक्तियों, क्यांत ﷺ (1) आर० जी बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति श्ररूणा पी० महानी और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां काहता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ६---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

दुकान नं० 5, जो, तल माला, ''म्रटलांटा ए-विंग, व्हिलेज वालनाय, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची ऐसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/15113/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

तारीख: 14-8-1985

बायकर वृधिनन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के गधीन सुचना

धाउद वरकाइ

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (। नरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 प्रगस्त 1985 निदेश सं० प्रई-3/37ईई/15600/84-85--- श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन राक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वतास करने की शारा है। यह विश्वतास मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, और 4, जो, एकंबर पलेस, सोमवार बजार, बारबे टार्काज के कम्पाउन्ड के पीछे, भालाड (प), बरबई, 64 में स्थित हैं (और इसने उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणन हैं), श्रीरिजिसका करारतामा आवकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित को नए हैं आर मूम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एण स्थ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) को बीच एमं अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नोलिखित जबूद रहा से उक्त अन्तरण किखित मा बास्तविक हथ से कोथत अहाँ किया गया हैं:——

- (क) अन्तर्भ स हुई किसा आम को बाबत उनल जिल्ला जिया को अधीन कर दोने के अन्तर्भ को बाबित्य में अभी करने या उससे बजने मी स्वित्रा को लिए, बहि/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी अन का अन्य आसिया कारे, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण इ, इ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (के अधीर, निजनीक्षित व्यक्तियाः, सर्थात् :-- (1) मैं वारमाली इन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे०जे० खान ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थन। बारो करक पृष्ठायत सम्परित को अर्थन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनता सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

नन्स्ची

दुकाने नं० 3 श्रीर 4, जो एकंजा पलेस, सोमवार बाजार, बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/15600/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 1481985

प्रकथ आहे. टी. एन. एस.

(1) करमाली इन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० श्रार० शेख।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रनीन रेज-3 बम्बई, बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1985 निर्देण सं० आई-3/37-ईई/14986/84-85 भारत सराकार

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसकेंपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धासा 269 न्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, विसका उन्नित् वाकार मृस्य 100, क⊕ /- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-30.7, जो, रुकँया पैलेस, सोमवार बाजार, बी०टी०, कम्पाउन्ड के पीछे, सर्वे नं० 38.8/2, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 26.9क के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-12-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उधित नाकार मुख्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिकल से, इसे दक्यमान प्रतिफल का पुन्त प्रतिकल से किया गाम प्रतिफल का पुन्त प्रतिक्ति से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तें) और अन्तरिण के लिए तथ पाया गुमा प्रविकल, निम्निकिख्त ज्वुवरेश से उक्त अन्तरण सिक्त में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की गवत, उक्त अधि-निवम के अधीन क्षर वान की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उस्त्रसंबचने में सुविधा के निए; अपीर/या
- (क) ऐसी किसी आय यह किसी धन या अन्य आस्तिन्हों को रिज़िंकों भारतीय आयक्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 14957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहितुए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

शंहाः असं, उनस अधिनियम की धारा 269±ग के अनुसरण कों, मीं, उनक अधिनियम की धारा 269≠ग की उपधारा (1) को अभीन, निक्रमिल्चिका, व्यक्तियों, ्षर्थात् ६—— को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्वन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी क्यों कर ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस के किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुधी

प्लेट नं० बी-307, जो, रुकैया पैलेस, सोमवार बाजार, बी०टी० कम्पाउन्ड के पीछे, सर्वे नं० 388/2, मालाड(प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्घ-3/37ईई/14986/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 14ब8ब1985

मोहर 🔉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निर्वेश सं० श्राई-3/37-ई ई/15515/84-85-श्रत , मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं प्रलैट नं 6, जो, दूसरी मंजिल, श्रमृत इमारत,
साई बाबा पार्क, मित चौकी, मालाड प (है, तथा जो बम्बई-64
में स्थित है (औय इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रष्टि व्यक्त 1961
की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर, 1984 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे म्यिशा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1. मैसर्स झान्टीनेन्टल यापरिधन

(श्रन्तरक्)

2. श्री पी० निल्वेरिया

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, दूसरी मजिंल, ग्रमृत इसारत, साई बाबा पार्क, मित चौकी, मालड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची ऐंसा कि क० सं० श्राई-3/37-ई ई/15515/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारानांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गाया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब⊈

तारींख 14-8-1985

- ्र 🏾

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एत . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-ण (1) के अभीन सृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

भम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1985 निर्देग मं० ग्रई-3/37-ई ई/15548/84-85-श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभान प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थासर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः से मिक ही

और जिसकी मं० प्लाट नं० "ए", जो, सर्वे नं० 453, एच० नं० 1, मी० टीं एएन० नं० 931, सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसला करारनामा आयलर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खके श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्त्रक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्निचित उच्च हेया से उक्त अन्तरण निक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एका ग्रीक्षिका, घन तर अधिनियम, 1957 (1977 का प्रमोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्रीहरू था, खिपाने में सुविध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अस्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधान (;) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । श्री कें। जी। भ्हाने के बारिस

(श्रन्तरकः)

7- शी ओम सिद्धी को-प्राप्त० हाउमिंग मोसाइटी लिमिटेड (श्वन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई गाओप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृष्या की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिशा रुपा है।

मनुसूची

ण्लाट नं० "ए", जो, सर्थे नं० 453, एच० नं० 1, सी०टी० एस० नं० 931, योमनार बाजार रोड़, मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा ि कर सं० श्रई-3/37-ई ई/1558/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई बारा दिसांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० : प्रसाद सक्षम प्राधियारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

तारींख 14-8-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाइ

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 14 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ई ई/15547/84-85--ग्रत , मुझे, प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० "ए", जो, सर्वे नं ० 453, एच० नं ० 1, सी ० टी० एस० नं ० 931, से मचार बाणार रेड, मालाड (प) है, तथा जो बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसला लरारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 है ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तारी के लायीनय में रेजिस्ट्री है तारीख 1 दिनम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के हज्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को पन्छ उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित के बास्तिक रूप से विधन नहीं किया गया है:—

- (र) अन्तर्ण स हाइ किसी काय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा क लिए लॉप/यः
- (७) ्म किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

्बतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इत्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्राधीत विकास का क्यांकित्यमें. अर्थात :—— 20 —246GI/85

1. श्रोबी० जो० स्त्री

(अन्तरह)

2. ओमितिद्धी को-पाप० हार्जी ग सो गयटी निमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति ये अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में नाई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 31 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के गीतर ज़क्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इस्पें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिग्ग गया है।

-

प्लाट नं० "ए", जो अर्बे मं० 453, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 931, सोमवार बादार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैना कि क० सं० ग्रई 3/37-ईई/15547/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा दिनां : 1-12-84 को रिजस्टर्ड िया गया है ।

ए० प्रसाद, 'अंग पाबि ।री सहायः त्रावःर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रोज-३, बम्बई

तारीख 14-8-1985 मोहर

शक्य बार्ड . सी. धन . एशे . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भाग्र 269-व (1) के बभीन सूचना भारत सरकार

कार्यातय, तहायक आयकर बायक्त (निरीक्तक) ग्रर्जन रेंज-3 बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्राई-3/37-ई ई/15549/84-85-श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी नं प्लाट नं "ए", जो, सर्वे नं 453, एच नं 1 सी टी प्रिम्न नं 931, मोमबार बाजार रोड, मालाड (प) है, तथा जो बम्बाई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ धनुसूची, में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस मा तरारनामा आयकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 के ख अधींने, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारों के मर्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-84 को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रसिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्दहर्श्यातिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिसयो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भासतिक स्व से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की वावत, उक्त विभिन्नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्तिवधा हे लिए; बीर/फ
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) थे। उस्त प्रश्चितियम, की अत-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का में किया जाना काहिए बा, कियाने में पृथिस के लिए।

वतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रनिधित ऋक्तियों, सर्थात् ;—— 1. श्रीमतो एम० डी० म्हाले

(न्कश्चतर)

2. ओमसिद्धी को-ग्राप० हाउसिंग सायटी सोलिमिटेड (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पृथींक्य सम्पत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के राजन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की भवधि, जो भी सवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में दिखबद किसी सम्म स्थावित द्वारा, ब्रह्मोहस्ताक्षरी के पाम विश्विन में किये जा महोंगे।

श्यब्होकरण र---इसर्ने प्रपुक्त शब्दों प्रौर पदो का, जो उक्त श्र ध-ोनयम के अध्याय '०-७ में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा, जो जस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 'ए", सर्वे नं० 453, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 931, संद्धिवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसुची जैना ि कर संर आई-3/37-ई ई/15549/84-85 और जा सक्षम प्राधिआरी बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1984 की रजिस्टर्ड किया था है ।

> ए० प्रनाद अन प्राचित्रारी महायक्ष ग्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रोज 3, बस्बई

तारी**ख** : 14—8—1985

मोहर 🔞

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रोज-3, बम्बर्ध

वम्बई, दिनां ५ 1 4 श्रगस्त - 1985

निदेण सं ऋई-3/37ई $\frac{5}{1}$ 5107/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उकंत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301 जो उरी मंजिल ए-विग निलिगिरि श्रपार्टमेंट शांती नगर के सामने मिलाप थिएटर के पास एस० वि० रोड़ मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्नीक रूप से किया गया है..—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए प्राः, छिपान में सुविधा के लिए।

भतः अभ, उभते अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण तो. मी: उपा अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) र अकीर, जिल्लिकियन व्यक्तियों, अधार :— (1) नहार बिल्डर्स (इंडिया) ।

(भ्रन्तरक)

(2) ए. डब्ल्यु नाक्षिर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हो, वहीं अधे हागा का उस अध्याय में दिवा गया हो।

अन्स्पी

पलेटनं 301 जो 3री मंजिल ए-विंग निलगिरि श्रयार्टमेंट शांती नगर के सामने गिलान थिएटर के पास एस विं विं रोड मालांड (प) बस्बई-64 में स्थित है। श्रांतुमूची जैंग ि ऋस सं श्रांत्र-3/37ईई 15107/84-85 श्रंर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनांक 1-12-1984 को रिल्टई किया गया है।

ए० प्रशास ंतप गाविजासी सहायात प्राताल अल्युक्त (विर्ताक्षण) प्रजीत सीजन्त्र, बस्बई

ਜ਼ਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਹਰ 1985 ਦੁਰੂਕਾ ਹੈ प्रका बार'. टी. एन. एड.-----

बाधकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की श्रास 269-म (1) के अधीन स्वका

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनां : 30 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15601/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर शम्पत्ति, विश्वता उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 509 उर्मीला बिल्डिंग कोल डोंगरी सहार रोड़ ग्रंधेरी (ए) बम्बई-69 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित) है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्जित बाजार शृन्य के क्षत्र के स्वयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के धीय एसे अन्तर्ण के निए तय पाना गया प्रतिफल निम्निशिषित उष्टरिय से उक्त अंतरण शिवाय में वास्तिक क्ष्य से कार्यन में कार्यका में स्वाप्त में वास्तिक क्ष्य से कार्यन में स्वाप्त में वास्तिक क्ष्य से कार्यन महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत. उक्त बीधनियम के बधीन कर दने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औं निए; और/या
- (क) एको किला लाव का जि.सो बन मा अन्य जास्तामी कां, जिन्ही भारतीय बामकार शिमिनमम, 1922 (1922 का 11) या अवत सिमानमम, या अनकर सिमानमम, या अनकर सिमानमम, या अनकर सिमानमम, या अवता विद्या विद्या

नतः जब उन्त अधिनियम की भारा 269-न के जनसर्थ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) कमला कन्सट्रवशनस ।

(मन्तरक)

(2) भास्कर एन० पाताडे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त रम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी वाक्षप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी सदिध बाद में सत्राप्त होती हो, के शीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-वह्थ किसी बन्च व्यक्ति स्वारा, वधोहस्ताक्षरी वी पास लिखित में किस वा सकेंगे।

स्था के रण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याद में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लेट नं० 509 जो उमीला बिल्डिंग कोल डेंगरी सहार रोड़ श्रंधेर्रा (τ) बम्बई-69 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ई $\frac{15601}{84-85}$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनांक 18-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है:

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई।

दिनांक : 30-7-1985

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्राधीन स्वराग

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

वम्बई दिनांक 30 जुलाई 1985

निदेश सं $= \frac{1}{3} \sqrt{\frac{15690}{84-85-3}}$ सही लक्ष्मण दास

भायकर विधिनियम, 1001 (1961 का 43) (जिसी इसमें इसके प्रमान दिक के शिला के कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर महर्गत किया ही यह वाजार मृत्यू 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6 श्री स्वामी समर्थ ग्रपार्टमेंट प्लाट नं० 60 तरुण भारत को०ग्राप०हाउसिंग पोसायटी लिमिटेड सहार रोड़ ग्रंधेरी (प) बम्बई-93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 268 क ख के ग्रधीन बश्म्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-12-1984

को प्राविक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के **दश्यमान** प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण व

उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र पितशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त अधि-आंधानियम के लंधान कर दान के बन्तरक के दायिल्ब में कसी करने था उपसे बजने में मुख्या के िनम्
- ्य) एसी किसा आव या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों सारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 को अधिन्यम, 1922 को अधिनियम, १९५० को अधिनियम, १९५० वर्ग अधिनियम, १९५० वर्ग अधिनियम, १९५० को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा नौ निता ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधार (1) के अधिन, जिल्ली सिन क्यों किया की अर्थन :--

(1) मेसर्स विनय बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुदर्शन इंजीनियरिंग को०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के अर्चन् के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लेट नं० 6 श्री स्वामी समर्थ श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 60 तरुण भारत को० श्रप० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड सहार रोड़ श्रंधेरी(प) बम्बई-93 में स्थित है।

ग्रनुसूः। जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/15690/84-85 शौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

त्रक्ष्मण दास सक्षम प्राधि शारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2 बम्बई

दिनांक : 30-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2 बम्बर्ध

बम्बई दिनांक 30 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रर्ध $\sim 2/37$ ईई/15689/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रीर जिसकी सं० 8 श्री स्वामी समर्थ श्रपार्टमेंट तरुण भारत को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सहार रोड़ अंधेरी (पु) बम्बंई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आदे की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स विनय बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुवर्शन इंजीनियरिंग को० ।

(ग्रन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उसं अध्याय में दिया गया है।

धार धार्ची

भ्लेट नं 8 श्री स्वामी समर्थ श्रपार्टमेंट प्लाः नं 60 तरुण भारत को श्रोप हार्जीमग सोसायटी लिमिः इ सहार रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37ईई/15689हुं 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-1994 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक : 30~ 7~1985

प्रस्प कार्र , दी , एन , एवं ,-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन स्चना

1134 3540

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/15425/84-85—स्रतः मुक्को, लक्ष्मण दास

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, बिलिक्स श्रपार्टमेंट, महाकाली केव्हज रोड, अन्धेरी (प), बम्बई--400093 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), क्यौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन तारीख 14 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्ट सम्परित के उचित बाजार मूस्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुखे यह विश्वास कारने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्पत्ति का अविव बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया णया प्रतिकल का निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण व्यक्तित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्त वाँध-नियस के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; वरि/वा
- एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (१९७७ को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने जें सुविधा के सिए;

बतः अयः, उक्त जीभनियम की भारा 269-व के बन्सरम अं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, न्मिनीसचित व्यक्तिक्तें, वर्णात् उ— (1) मैससँ प्रवाड बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैय्यद श्रणराफ सैयद श्रहमद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्धि सै 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की प्रास लिखित में किए जा सकरों।

स्पाका करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्स अध्याय में दिया गया है।

ग्र**न्स्प**ि

पलैट नं० 4, जो पहली मंजिल, विलक्तिस ग्रयार्टमेंट, महाकाली केव्हज रोष्ठ, कोंडविटा विलेज, ग्रन्धरी (पू०), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/15425/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14 दिसम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास ्सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, **बम्बई**

दिनौंक : 31-7-1985

मोहर 🛭

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भागकार भौधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-अ (1) के भधीन गुम्बन

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जुलाई 1985

निदेण सं० म्राई०-2/37 ईई०/15586/84-85--म्रतः भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह पिक्कास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, चिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जसकी सं० यूनिट नं० 109, दी इमारत मा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, साकी नाका, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, तारीख 17-12-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमा। प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार अ्थ्य, उसके क्यमाण प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बौध ऐसे अन्तरण के सिए तम पाम गया प्रतिकृत का निम्निनिकित उच्चेषम से उक्त संतरण निम्निन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्प्तरण वे हुइ किसी बाद की शायत उपल जीवित्रज के नवींग कर वोगे के जम्मरक श्री शायित्य में कमी करने वा उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी आब या जिसी धन मा अन्य कार्कियाँ ने किसी आब या जिसी धन मा अन्य कार्कियाँ ने किसी आप प्राप्त कार्कियाँ में किसी प्राप्त कार्कियाँ में स्वाप्त कार्कियाँ में स्वाप्त कार्कियाँ कार्याँ कार्कियाँ कार्याँ कार्कियाँ कार्कियाँ कार्कियाँ कार्या कार्य कार्या कार्य

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपभारा (1) को स्रधीन निम्नतिस्तिक व्यक्तियों, अभीत :— (1) ग्रंमा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० फ्रिकोस्स रेफिल्लेणन इंडस्ट्रीज । (श्रन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हो।

जकरा सम्परिता को अर्जन को संगंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारोब म 45 विन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूपना की तामील सं 30 विन की अवधि, जो भी अधित बाद मों समाप्त होती हा, वे भीतर प्रयोक्ति व्यक्तियों मों सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति म हिल्कद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहरूतक्षरी के पाम लिसित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याप 20-क मी प्रोटिशीयत है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रकाय मी दिया गरा है.

अनुसूची

यूनिट नं० 109, जो पहलीं मंजिल, डी बिल्डिंग , श्रन्सा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, साकी नाका, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम संश्राई०-2/37 ईडिंग्/15586/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 17 दिसम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लंदनण दास सक्षम प्राधि पारो स**हाय**क आयाकर अप्युवन (निरोदाण) शर्मन रेंज-2, बस्बई

दिनौक : 30-7-1985

स्रोहर :

प्रस्य बाह् हो . एव . एक , वन्नाव वन्नवन्त्र

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्डेश सं० यूनिट नं० 137, एथ बिल्डिंग श्रंसा इंडस्ट्रियल ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपरित, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 137 एफ बिल्डिंग, अंमा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई— 400072 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि— नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधि— कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 3 दिसम्बर, 1984

ा पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कर निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुए किसी बान की बावत, खबस अधिनयम के बचीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी अन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हुं भारतीय आब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कार विधिनयम या धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासन के जिल्ला अस्ति स्वारा प्रकट नहीं किया गया का कि किया के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ी की उपधारा (1) प्रक्रीय नियमितिश्रत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 21—246 ⊞85 (1) मैं श्रमं बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स बेस इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समीस से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र जिल्लित में किए वा तकोंगे।

स्पर्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त केव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

भ्रनुसूची

यूनिट नं० 137, जो पहली मंजिल, एक बिहिंडग, म्नंसा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट साकी विहार साकी नाका बम्बई— 400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/15123/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3 विसम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन, एस.-----

काथकर अभिमियम, 1961 (1961 का 43) क्ली

भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जानुक्स (निन्दीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/15167/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मश्र दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). जं 269-क के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 हवा ग्रपार्टमेंट महाकाली केव्हज रोक्ड, ग्रन्धेरी (प्०) बम्बई-400093 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसकी करारनामा ग्रायकर ग्रधितियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 दिसम्बर 1984

को प्रेंक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए जन्त रित की गई है बार भाभे यह बिद्धाम करने का कारण है कि यथा प्रेंक्ति संपत्ति जा उचित कारण कर्या. उसके दृष्ट्यभान प्रेंतिपाल जा उचित कारण कर्या. उसके दृष्ट्यभान प्रेंतिपाल जा उधित कारण कर्या. उसके दृष्ट्यभान प्रेंतिपाल जे पन्द्रह प्रतिवात में अंश्वर अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्तिविस्त उद्विष्य में उन्तर अन्तरण सिकित में बास्तियिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कला जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन्यक्षर अधिनियम, या धन्यक्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जरा: जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जभान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० जहांगीर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा एस० रेड्डी।

(ग्रन्तरिती)

को कह कुमन जादी करके पूर्वनित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुस कुद्धा हूं।

सक्त संपत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्राचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किता में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ -किसी जन्म प्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के शर्स निभित्त में किश्रु जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनिजय, को अध्याद 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को जन अध्याद में दिया गया है।

अमृस्ची

फ्लैंट नं० 3, हवा अपार्टमेंटस, जो महाकाली केव्स रोड, श्रन्धेरी (पू) बम्बई-400093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/15167/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 7-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

दनाँ ह : 30-7-1985

माष्ठर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर जीधनिवन 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत बहकार

कार्यालय, सहायक आयंकर **आक्**कत (**निरीक्षण**)

ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जुलाई 1985

निदेश मं० ग्रई-2/37ईई/15645/84-85--- श्रतः - मुझे, लक्ष्मण दाय

लायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यमें इसक पश्चात् (उत्तव अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-न्न के अभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 16 देव दर्शन श्रोल्ड नगरदास रोड़: श्रंधरी (पू) बम्बई-69 में स्थित हैं (ग्रीर उससे उपाबढ़ श्रमुच्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रक्षितियम 1961 की धारा 269क ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 19-12-1984

का पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिक्षों) के बीच एक सन्तरण के निए तथ पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उच्य अन्तरण लिखिख वास्तियक हम से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) बन्तरण सं शुद्ध किसी नाय की नावत उक्त वाधि-ान्यम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व मां कर्मा करने या उससे बचने मीं सृत्रिधा के लिए; बार्/या
- (अ) एसा किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त आधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, रिमम्पीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सिको एन्टरप्राइसेग ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भारती भारत माह श्रीर दिनाँ प्रवीप णाह ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त सम्परिध के अर्थन के संबंध में कोड़ी भी काक्ष्मे :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों द सुभना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त द्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारोध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध बष्ध किसी जन्य क्यांल्स इवारा अधाहस्ताकार। इ पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात ११० के में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गका हैं।

अनुसूचा

शाप नं० 16 जो तल मंजिल देव दर्शन छोल्ड नगर दास रोड़ अन्धेरी (पू) बम्बई-69 में स्थित है।

श्रतुसूची जेसा कि ऋग सं० श्र $\hat{\xi}$ -2/37ई $\hat{\xi}$ /15645/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 19-12-1994 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम शाधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (1नरोक्षण) ग्रजन रेंज-2 बम्बई

दिनौंक : 30-7-1985

माहर 🖫

Called the statement to the same

अवन बाह्य हों. एत. एस. - - - ----

नावकर विधानिक्व, 1961 (1961 का 49) की बार 269-व (1) के अधीन मुचना

THE TANK

अार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ष

बम्बई दिनाँक 30 ज्लाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15296/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें इसमें प्रथम (उन्त विधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-म के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बक्ति , जिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 12 मखारीया इंडस्ट्रियल काम्पलेक्य महल इंडिस्ट्रियल इंस्टेट महाकाली केव्हज रोइ बम्बई 400093 में स्थित हैं (धौर इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से बिणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कन के द्रायमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान अतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का विद्यासान प्रतिफल के बीच एसे बन्तरण के लिए तय वामा मया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोच्य से उच्त वन्तरण लिखित में तास्तिवक क्य से कियार नहीं किना यथा है:---

- (का) बन्धरण वे हुई जिन्ही नाय सी बाधरा, धन्तः अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी भारते या उससे अभने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्स व्यक्तिकों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर मिश्रियम, 1922 (1922 का 11) या जनत विभिन्यम, या धनकर व्रधिनियम, या धनकर व्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) धन प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या विद्या प्रकट नहीं किया गया था या विद्या प्रकट नहीं किया क्या था या विद्या प्रकट नहीं किया क्या था या विद्या प्रकट नहीं किया की निए;

अंत: लग, उन्नंध कीभीनवम की भारा 269-म के अवृत्तरक वो, मी. उक्त अधिनियम की भारा 269-च को स्पभार्य (1) के अधीर निस्तिकिति व्यक्तियों, सर्कात मान्य (1) मेसर्स मन्त्रारीया बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल तपुभाई हरसोरा श्रीर श्रीमती उपा बाब्लाल हरसोरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के सूर्वन के हिन्दूर कार्यनाहियां कारता हों।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् से सम्बन्ध में कोई भी वासीय :---

- (क) इब सूचना के राजवत्र में प्रकाशन को तारीया से 45 दिन की सकीं या तत्सक्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी वविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी करीं कर दिन प्रवास
- (थ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्धा किसी अन्य स्वित ध्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदौं का, को उसत व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्त्भी

युनिट नं । 12, जो नल मंजिल, मखीया इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं । 27, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केन्हज रोड़, बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रतुमूची जैरा िक कम स० श्रई-2/37ईई/15296/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाँक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक : 30-7-1985

श्रुक्ष वार्ष**्टो . १५ . १५** . प्राप्त स्वरूपन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भाउत सरकाडु

श्वीयालिय, सहायक शायकर शायकत (निर्दाक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जुलाई 1985

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/15059/84-85--प्रतः मुझ लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्तत अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च की अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 10 ६मारत नं० 5 भवानी नगर मरोल मरोशी रोड़ श्रंधेरी (पू), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रीर इपने उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतियितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिनक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) दिपक बिल्डर्स प्राद्दवेट लिभिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश मनोहर परगुडें।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रियां अरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्थान की हामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी धें पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक श्रम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया ग्या है।

वस्तुची

पलेटनं 10 जो दूसरी मंजिल दमारत नं 5, भवानी नगर, प्लाटनं 8, मरील मरेशी रोइ, अधेरी (पू), बम्बई 59 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/15059 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ंदिर्नाक 30-7-1985 मो**हर** ध प्रकार बार्ड . टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 30 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15436/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० पलेट नं० 3, इमारत नं० 4, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़ श्रंधेरी (पू) बम्बई-59 में स्थित है (ओर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिधिनियम 1961 घी धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-12-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नीसीयत उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी कहने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाब या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सम, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-ग की जनुसरण हैं, मैं, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निस्नितिसित न्यक्ति में, नथ्रीत् :--

(1) दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सेवको व्याक्तरी के स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, के नी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारत
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकिये।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उपग अपकाण के दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लेंट नं० 3, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 4, भवानी नगर, मरोल नरोशी रोड़, प्लाट नं० 9, ग्रंधेरी (प्), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-2/37ईई/15436/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई हारा दिनाँक 14-12-1984 घोरजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बग्बई

दिनाँक : 30-7-1985

प्रकथ आहें टी सन एस :-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जंन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15731/84-85—-श्रतः मुङ्के लक्ष्मण, दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, इमारत नं० 4, भवानी नगर मरोल प्रयोशित रोड, अधेरी (पू), बम्बई—59 में स्थित है (आहेर इसरे उपाइड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जितका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22—12—1984

को पूर्वोक्त संपत्त के उिषत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वाब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ए कै बनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपक जी० मोसले।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलेट नं० 7, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 4, भवानी नगर, प्लोट नं 9, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (q), बम्बई 59 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋम सं० ग्रई-2/37ईई/15731/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दनाँक : 30 - 7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15310/84-85--श्रतः मुझ लक्ष्मण दास.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 1, इमारत नं० 1, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पू०), तम्बई-59 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धार 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय बम्ब में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ल्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया
गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धनकर अधिनियस या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिजाने में सविधा के लिए;

जर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिजित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मै० दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीरमेश भाऊताहेब दास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके प्योंक्त सम्पत्ति से सर्वत के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गमा है ॥

भन्सूची

फ्लेट नं० 1 जो तल मंजला इमारत नं० 1, भवानी नगर, प्लाट नं० 9, मरोल मरोर्णा रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-59 में स्थित हैं।

ग्रनुस्त्री जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/15310/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक स्राधकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, वस्बई

दिनौंक : 30-7-1985

सोहर:

प्ररूप आर्द्द . एत . एस . - - - -

, , , , ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरोक्षण) श्रातंत रेंज-2 बन्पई

वम्मई, दिनाँक 30 ज्ञाई 1985

निदेश सं० ऋई--2/37ईई/15233/34-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पसेट नं० 2, बि—िंदग, निर्मन बिहार-पंप हाउस श्रंधेरी (पू), बम्बई—93 में स्थित है (श्रीर इससे उपावज श्रनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रोर जिसका करारनामा श्रायक्ष श्रिष्टिनियम 1961 भी भारा 2095, ख के श्रिष्टीन बम्बई स्थित सक्षम शिथिकारी के वार्याज्य में रिजस्टी है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है अरेर अंतरक (अंतरका) ह्योर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के दीच एसे अन्तरण के निए तय पीया गया प्रतिक कता, निम्नांतिशत उद्देश्य से उदत अन्तरण निश्वत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण के मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के पक्षीत. जिल्लालिक व्यक्तियों, अर्थात् :—— 22—246 GI|85

(1) मेसर्स निर्मन कन्तद्रश्यन्त ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मंती डीसोजा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के भजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति की अर्थन की संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ंक में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

परेंट नं० 2, जो तल मंजिन, निर्मन विहार बि-विंग, पंप हाउस, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है। अनुतूबी जैसा की कम सं० श्रई-2/37ईई/15238/84-85 श्रोर जो सक्षम पाधिकारो, बम्बई हारा दिनौंक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण पास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बर्ड

विनोक : 30-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 30 जुलाई 1985

निदेश सं० म्राई-2/37ईई/15332/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401, विंग बी, निर्मेन विहार, पंप हाउम, भ्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रष्टिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-12-1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है र——

- (क) सन्तरण से हुए भिन्नी बाव की स्वयत , उत्थन सीमिनिया के सभीत कार दोने के सम्बद्ध के सामित्य को कामी कारने या उत्तरभी समाने की समित्रा मी सिस्हा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य लास्तिः कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिका वैशिका

भ्रुतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मेसर्स निर्मन कन्सट्रमणनस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परमेण्वर किटट् पुजारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति को वर्णन के सिए। कार्यवाहियां कारता हो।

सन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पलेट नं० 401, जो चौथी मंजिल, बि-विंग, निर्मन विहार; पंप हाजस, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/15532/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनौंक 15-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायचर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दर्नांक : 30-7-1985

मोहर 🗈

स्क्यू बार्स , दर्शे, युव, युव, -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) वे व्योग क्ष्या

बारत बरकार

कार्यालयः सहायक भागकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/15742/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार बृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक हैं

शौर जिसकी सं० शाप नं० 29वी, नेहर शापिंग एन्ड नेमीनाथ

श्रपार्टमेंटस सोसायटी, काम्बली वाखी, विले पार्ले, (पु०),

बम्बई-37 में स्थित है (शौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में शौर

पूर्ण रूप से विणित है) शौर जिसका करारनामा श्रायकर

श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकयरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-12-1984

को प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का

पक्ष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती
(असरित्तयों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिमक

रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) जन्तरण के हुई किसी जाय की बावत उपका की पून नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तसं वचने में सुविधा के लिए; जरि/म्य
- (आ) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए आ, स्थिपने में सुविभा के लिए;

जल: अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, मैं, इक्त अधिनियम की भारा 269--भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) श्री शान्तीलाल श्रानन्दजी गाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा एस० शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

च्यों यह तृष्णा बारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

क्या कृत्या से वर्षक से कृत्युम्य में कोई भी बासीप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बचिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवरा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए वा सकती।

स्पाक्षीकरणः --इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, को उक्त किंभिनयम के अध्याय 20-क में भीरभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका राष्ट्रा हैं।

वम्स्ची

गाप नं 29 मी, जो नेहर गापिंग एन्ड नेमीनाय अवार्टमेंट, सोसायटी, काम्बली वाडी, तेजनाल रोड़, विलेपार्ले (पु॰); बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/15742/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज~2, बस्बर्ष

दिनौंक : 6-8-1985

मोहर 🤢

- Paranter of Property Commence

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/15332/84-85—प्रतः मुझे, शक्मण दास,

कामकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्हास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, दिपक बिल्डिंग, जै० बी० नगर, अधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जितका करारनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के भिधीन बन्बई स्थित संअम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, सारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेर्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचन में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (श) एस किसी अप का किसी धन या अप्य आस्तियों सार, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबता आधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का एवं प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या या किया जाना चाहिए था, (छपाने में सविधा के लिए:

बतः संग, उक्त अधिनियम की धारा 269-्ग के, अन्सरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— (1) श्रीमती रगजीत कौर जी चनानी।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती धान्ताबेन मगनलाल ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्पना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति हुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों व क्षेत्र लिखित में किये जा सकर्गे।

स्पब्दीकरण: ---- इसमी प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विका गया **ह**ै।

अनुसूची

प्लेट नं० 15, जो तीनरी मंजिल, दिनक बिल्डिंग, प्लाट नं० 38, जे० बी० नगर, अंबेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37६६/15332/84-85 श्रीर जो सकम प्राधिकारी, बरुबई द्वारा दिनौंक 10-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रंज-2, बम्बई

विनोक : 6-8-1985

प्ररूप काइ'टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-४ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 प्रगरल 1985

निदेश सं॰ भ्रई-2/37ईई/15199/84-85--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० युनिट नं० 119, दामजी धामजी छंडिस्ट्रियल काम्पलेक्स, श्रंधेरी (पू), बल्बई-93 में स्थित हैं (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रिक्षित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रायत बल्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारांख 7-12-1985

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दाने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः मंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) पंकज चन्दूलाल रसानिया श्रार विम्म एस० रसानिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) यानेषा रामजीभाई रसानिया ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क धंगाहियां करता हो।

उसस रुमारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) (स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्याव्यत्या में सुन् एक स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निवास के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नधें द्वांग जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

युनिट नं 119, जी पहली मंजिल, दामजी मामजी इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, भ्राफ महाकाली केव्हीज रोड़, श्रंधेरी (पू), बम्बई-93 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/15199/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बल्बई द्वारा दिनाँक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बस्बई

दिनौंक: 6-8-1985

मोहर 🕫

प्रकम नाइ". टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकार भायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 प्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15735/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

प्रोटिश नहा रिश्वा से 29ए ने सारत प्रार्टिश प्रोदेनेहुइ गार्की ने हुइ रोड़, विते पार्ले, (पु), बध्बई - 57 में स्थित है (ग्रोर इसके उनावद्ध श्रनुसूचों में ग्रोर पूर्ण इस से विशित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बभ्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 22-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूम्में यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का निष्ह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उच्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आग की शावध, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; कीड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था, किया स्विया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशिक स्पिक्तियों, अधीन है—

(1) श्रीमती भारती भार० काम्बली।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्दन सुन्दरेसन।

(ब्रन्तरिती)

को नह बूजना पहरी करके पूर्वोक्त बुज्यस्ति के नर्शक हैं। सिए कार्यवाहियां करूता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूड सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जनभि बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस त्वा को उत्पर्ध में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस्त में किए जा सकोंगे।

नगृस्की

शाप नं ० 29-ए, जो नेमीनल्स श्रपार्टमेंट श्रौर नेहरु मार्कीट नेहरू रोड़, जिलेप्पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/15735/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास के सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-2, बम्बर्ध

दिनौंक : 6-8-1985

मोहर 🇯

प्रकम बाह्र . टी. एन. एस. . . - -

णायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकर वागुक्त (निर्शाक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० अर्घ-2/37ईई/15172/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् जिक्त अधिनियम' कहा गया हु"), औं धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शीर जिसकी सं० पलैट नं० 205, डी-1, बितिडग, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ मिल मंडल को० भाप० हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, काला, बम्बई 400099 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूणें रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-12-1984 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रव पावा गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्योग से उसत अन्तरक विम्न सम्परित का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रव पावा गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्योग से उसत अन्तरक विम्न स्थान प्रतिफल, निम्निस्तित उद्योग से उसत अन्तरक का पावा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्य हैं बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्वित्य के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजसार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) कें अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्रीमती कुलविन्दर कौर साहनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रंजलीना डीसोजा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, को भी क्षिण नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट क्यक्तियों में से तिसी स्पाप्त हवारा;
- (स) धम मुजना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्त बहुआ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास प्रतिकास सम्बद्धा

स्वष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शक्दों और पटों का, जा उसन् अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अधे होगा को उस अध्याय में व्यिष्टः गया हैं।

अन्स्की

पलैट नं० 205 जी० डी०-1, बिल्डिंग, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ मिल्ल मंडल को० श्राप० हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 53, 54, तरुण भारत मेरीया, चकाला, बम्बई 400099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/15172/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 6-8-1985

X 72 .

प्रस्य नाइ टी. एन. एस .-----

(1) श्री वामोवर पी० मोटटी

(भन्तरक)

(2) मैसर्स रेपीड इंडस्ट्रीज

(मन्तरिती)

भाषकर मिपिन्यस, 1961 (1961 का 43) की धार्य धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर अप्यूचत (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15241/84-85—श्रतः मुझे सक्ष्मण वास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० एफ-4, नन्दच्योत इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को० भ्राप० सोसायटी लिमिटेड, सम्बर्ध-400072 में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधि-नियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजिस्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मृक्षे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गित्तिक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) संस्था से हाई किथी साथ की धावत, जनक अधिनियम के अधीन कार दोने के अतरक के वामित्र में अभी कारने या समसे स्थाने में मृचिधा के तिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाम वा किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था सा या किया बाना याहिए था, खिराने में परिकार के लिए:

ब्तः बड, उक्त जीभिन्यम् की भारा 269-ग के बन्तरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को बाधीन विस्ति विविद्या विस्तियों, अर्थातः :— को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

रम्ष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा करें उस अध्याम में विधा गुमा है।

मन्स्या

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० एफ-4, जो नन्दज्योत इंडस्ट्रियल जिमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, भन्धेरी-कुर्ला, रोड, बम्बई 400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/15241/84-85, भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-8-1985

भूरूप् नार्ष¹.ट<u>ौ..</u>एन .एस्... -------

कासकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के क्भीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यालय , सहायक नायक:र नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37ईर्द/15687/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर निधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें । सके पदवात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, बन्दना बिलिंडग, जे० बी० नगर, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण घप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का फद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाथा बवा अतिफल निम्निचित उद्यंश्य में उक्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बर्जिनियम के नभीन कर दोने के बन्तरक वर्ष दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किस, कीर/धा
- (ण) एसी किसी काय या धन या जन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था. डिपाने में सुविधा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ल अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---23---246 GI|85

- (1) श्री नागेण जोणी और श्रीपी० सी० जोणी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रमाविनोद तिवारी

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी कारके पृशीकत संस्थित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

डक्त सम्मृतित् के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तपः--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या हत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविष् बाद में समाप्त होती हो, के शेंदर पृवांकित स्थानत स्थान होती हो, के शेंदर पृवांकित
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्व किसी अन्य स्थावित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयूक्त सम्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्स

प्लैट नं० 4, पहली मिणित, बन्दना बिलिडग, जे० बी० नगर, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/15687/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखाः 6-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नाय क्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15741/84-85---ग्रतः मुझे. सक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उण्वित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 212, बी० ब्लाक, हिन्द मोराप्ट्रा इंडिस्ट्रियल इस्टेंट, ग्रन्धेरी (पु), बम्बई 400059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) शौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मृत्य से कम के दृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मर्द हैं और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिफल के पन्तह प्रतिफल से अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्वाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्निनिशित उद्दोश्य मे उक्त अन्तरण निम्निनिशित उद्दोश्य मे उक्त अन्तरण निम्निनिशित उद्दोश्य मे उक्त अन्तरण निम्निकत में वास्तविक क्य में क्षीचत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रमोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

नतः नन, उन्त किपिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण के. में, उन्त किपिनियम की भारा 260 व की उपधारा (1) के अभीत, मिहन्तिकित काकितारों, संबंदि :---

- (1) मैसर्स ज्योती इनवेस्टमेंट कारपोरेशन (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उपा मधुसूबन मोडालिया (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती (यह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धे 45 दिन की मनीम के तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्थना के राजणा से प्रकासन का तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में जिए जा सकति।

स्पध्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और धदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 212, जो दूसरी मंजिल, बी ब्लाक, हिन्द सौराष्ट्रा इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रान्धेरी-कुर्ला रोड, प्रान्धेरी, (पु), बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कर तर श्रई-2/37ईई/15741/84-85श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, झम्बर्ड।

मारीखा: 6--8--1985

मोहर 🗄

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.------

नायकर निभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) क अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15475/84—85——ग्रतः मुझ लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-53, ग्रीर 54, नन्द भवन इंडिस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दार्थालय, बम्बई में रिकिन्ट्री है, तारीख 15-12-1984

कां पूर्वों कस सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिक्कस के लिए अन्दरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों क्स सम्मित्त का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्रियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिल्लीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा को लिए;

जता जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्यरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ----

- (1) अरीस श्रग्नांन्वेट इंडस्ट्रिज प्रायवेट लिमिटेड (म्रन्तरक)
- (2) मैसर्स असेन इलैक्ट्रोनीक्स (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानता पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अभ्याय 20-क में परिजालित है, वहीं अर्थ हांगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्या

त्रिमायमेम नं० बी-53 ग्रितेर 54 जो नन्द भवन इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केव्हज, रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ०सं० आई-2/37ईई/15479/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन स्वता

नारत वरकार कार्यालय, सहायक नायकर नायका (निद्धीनन)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/15695/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5/बी-1, बी० जम्बोदर्णन को० श्राप० हार्कांसग सोमायटी श्रिन्धेरी (पु), बम्बई 400069 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रशीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है गौर मूझे यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ■——

- (क) कश्वरण सं हुई किसी आम की बाबत, उथत शीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविका के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय नायकार निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सविधा के बिए;

(1) श्री मंगला ग्रार० मिश्रा

(ग्रन्तरक)

(2) होमी गैमर्द पन्थकी

(भन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके प्वांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-षाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के अध्यपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में दे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी के 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब लिखित में किए का सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वस्त्र ची

पलैट नं० 5/बी-1, जो तल मंजिल, बी० जम्बोदर्शन को• ग्रांपि० सोसायटी अन्धेरी (प), बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/15695/84-85, श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बस्बई

अन्तः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के बनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीय, निम्नलिबित स्यक्तियों, वर्षीत् ८—-

तारीख: 6-8-1985

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त, 1985

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/15600/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 505, क्लि-पार्ले संजीवनी को० श्रॉप० हाऊसिंग सोसायटी लिभिटेड, श्रुत्धेरी (पु), बम्बई 400069 में स्थित है श्रौर इससे उपावद श्रुत्सूनी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम को धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूला से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं दन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय नारायण मीसे

(श्रन्तरक)

(2) श्री मधुकर मोमा गावडे

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधि**भोग में सम्पत्ति** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां शृक्ष करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन भी प्रकाशन की तारीख में 45 दिए को अविध का नद्यांत्रंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- पद्ध किसी अन्य शाकित द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त जव्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, को अध्याः 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 505, जो पाचर्डी मंजिल, विले-पार्ले **संजी**वनी को० ग्राप० हाऊसिंग सोसायटी लिभिटेड, कोलडोंग**री, ग्रन्धेरी** (पु), बस्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंपा कि घ० सं० श्रई-2/37ईई/15600/84-85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, द्वारा दिनांक 18-12-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण क्षास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/15493/84-85---ग्रातः, मुझे, लक्ष्मण दास.

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें परपात 'उथ्दा अधिनियम' कहा गया हैं), को जारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-8, डिवाइन लाइट को० श्राय० हाऊसिंग सोमायटी लिमिटेड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रानुभू वी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के स्रवीत सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15-12-1984

को पूर्वेक्त सभ्यत्ति के उत्तित बाजार धूल्य में काम के दृश्यमाभ प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंचे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निकियात उद्दृश्य से उसत अन्तरण लिखित में जास्त-

- (क) जन्तरण से हाई किसी आप की बाबत उबत अहथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन मा सोचिया के निस्त, वरि/मा
- (क) एवी किसी काथ या किसी भग या अन्य आरिए याँ का, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वव-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाष्ट्रिया, कियाने में सुध्यधा के निए;

भतः सकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण औ. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) लें सधीन, निम्निलिक्षित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) श्री महेन्द्र कुमार चावला ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार भ्रगरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (बह् व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द के किसी अन्य किति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में ति हो है। इस किसी में

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० बी-8, जो पहली मंजिल, डिवाइन लाइट को० ग्राप० हाऊमिंग सोसायटी लिमिटेड, 137, ग्रन्धेरी-कूर्ली रोड, संगम सिनेमा के पास, प्रन्धेरी (पु), बम्बई 40093 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/15493/84~85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6~8-1985

प्रकथ् बार्षः टी. एव. एव ुन्यान्त्रयान्य

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

क्षारव सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जापारीज-2, वस्वई बस्बई, दियोग - 6 अगस्त, 1985

निदेश मं० अई- 2 37ईई 15554 84-85--प्रतः मुझे,• लक्षमण दास,

अध्यक्षर और निमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'छक्त अधिनियम' सक्त गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव परीय गंव की-1/14, राधा विजय कोव आपव हाऊ सिंग सोसायटी विविद्य, अधिरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है) श्रीर जिसका कराणनामा आयकण अविनियम की धारा 269 कार है करीर स्थार स्थी करी के उपालिस नम्बई में स्विस्ती है

क खारे अभी। अभि अभि अभी के अभीलय, बस्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीखा 17-12-1984

हां पूर्विका सम्माहित के उचित बाजार मूल्य में कम के क्रियमान प्रिकान के लिए अलिशित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रियमान प्रिकान से, एमें क्रियमान प्रिकाल का पन्द्रह प्रिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) कार अन्तरिती (अन्दरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्तिय में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-निषय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के मिल; बॉर/सा
- (क) एंसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधील; विस्तृतिविद्या स्थितमों, अर्थीक १००० (1) श्री दिलीय पांड्रंग मयेकर

(अन्तरक)

(2) चनकभचथ कृष्णकूट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

इक्ट सम्मरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इस सूचना के हाजपुत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्मल्ति में दिक-ग्रह्म किशी अन्य न्यंत्रित द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्होकरण -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और प्दों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजाविद हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूद्धी

पर्लंधनं रु डी-1/14, जो राघा विजयको० आप० हाऊ-सिंग संस्थायटी, लिमिटेड, मरोल, मरोसी रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

ानुसूची जैसा कि क्र० सं० अईह2/37िं15554/84-85 क्रींप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दि'तं र 17-12-1984 को प्रिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-2, **वम्बई**

तारी**ण**: 6-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेड-2, बस्बई

बम्बई, दिनां ए । 6 लगर १ १ १ १ १ १

मिदेश सं० अई-2/37ईई/15352/84-85--- अर: मझे ल**क्सण** दाग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उन्तर विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार भून्य 1,00,006/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तम्पार्ट मेंट नं० 26 से 107, सरील को० आप० इंडम्प्रियल इस्टेट विमिटेड, अन्धेरी, बम्बई 400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह अनुपूर्वी में श्रौर पूर्ण कर से बिजत है) श्रीर विरुक्त काल सामा आरुवा अधितियम की धारा 269 क ख के अधीर मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 11-12-1984

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का करण है कि प्रधायकोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य के उसके दश्यमान प्रतिफल में, एंसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एंसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल विश्वनिविद्य उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्टिविक स्थ के किया गया है :—

- (७) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर वंने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उत्तस बचने में सुविध. के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी ६न या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-तार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के निए;

जतः जब, उचन अधिनियम की धारा 269-ण को, अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री संहितलाल लाभचन्द अरोरा एती (अन्तरक)
- (2) वेर्धा इंडिया आर्ट लियो वर्कसपी० लिमिटेड (अन्हरिती)
- (3) अन्तरिती (बहु न्यसित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षक् के किल् कार्यपाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्नेद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

६-अनीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागिकत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

क्तम्पार्टमेंट नं० 26 श्रोर 107, जो प्लाट नं० 21, मरोल को० आय० इंडस्टियल इस्टेट लिमिटेड, मरोल बिलेज, सर मन० बी० ोड, अन्धेरी, बस्बई 400059 में स्थित ई।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/15352/84-85 क्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ढारा दिनांक 11-12-1984 को राजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**।

तारीख: 6-8-1985

प्रस्प बाह् रही. एन . एस . : :=========

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 अगस्त, 1985

निदेग मं० अई-2/37ईई/15165/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सौर जि तकी सं ० पर्नैट नं ० 25, राजकमल अपार्टमेंट, चर्च रोड, मरोज, पहनई 400059 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित हैं) स्रौर जिसका करारनामा अयक र अधितियम की धारा 269 क ख के अधीत सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 7-12-84 की पूर्विक्ष सम्पत्ति के उपाब वाचार सूस्य से का के कार्यालय सिए अन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास अपन अहं कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति को उपान बाजार मूल्य, उसके दहरमान प्रतिफल से एसे दहरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिहीं (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण के लिए क्य

- (६) अन्तरण में हुई किसी आय की गवत, उन्ह अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शायस्त्र मां कमी करने या उक्कर बचन मां साजधा के निष्; बाँड/बा
- (थ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना धा या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24--246 GI|85

(1) श्री हतीम गेख इज्ञाहीम रोनक श्रीर श्रीमती जोहरा एच० रोनक

(अन्तरक)

(2) श्री नुष्धीत शेख इक्राहीम सूरतवाला

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तस्सवंभी व्यक्तियों कर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, यो भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निक्ति में किए जा सकाँगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वाँ का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिशा भवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 25, जो पांचित्री मंजिल, राजकमल अपार्ट मेन्ट, व्हाइट हाऊस के सामने, चर्च रोड, मरोल, बम्बई-59 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/15165/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ढ्रारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख: 6-8-1985

सहर :

प्रकृष काह[†]. टी. एन. एस. ००० ००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२, बम्बई

बम्बई, दिनां : 5 अगस्य 1985

निदेश स्० अई-2/37ईई/15867/84-85--अत. मुझे लक्ष्मण दारा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उचन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत भग्गीता, जिस्ता अचित अच्छा गुन्त 1,00,000/- का से किला है

श्रीर जिसकी सं० प्रवेष्ट सं० 11, अनीरा अलाटंगेन्ट, एन्माप रोड, विले पार्ले (पू), बस्बई 400057 में स्थिए हैं (श्रीप इड़िं उपाबद अनुपूची में श्रीप पूर्ण का विष्णित हैं), श्रीप विलाप करायामा आप ता अधितियम की धारा 289 के खा के अधीत सक्षम प्राधितारी के अधीलम्, बस्बई में रिजर्ड़ी है, तारीड 29—12—1984

का पत्रोंकन पर्पात्त के तिचत बाजार सुल्य से कम के दश्यमान करन के स्तिए अन्तरित को गई हो भीर मुक्ते यह विषयात करन के स्थाप हो यि ध्याप्त्राच्य सम्पादत का उपभत्त बाबा पून्य अन्तर्भ दश्यमान परिकास में, एते क्ष्यात्रात के क्ष्या के पंद्रह प्रतिष्या से अधिक हो और संतरिक (अंगरिकों) को कि हि (अन्तरिक्ति) के भीच एसे अन्तरण के लिए हार पहले गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचन में सृविधा (किस) अकिए गा

तः भग, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरः में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (+) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

- (1) भी भी जिल्लाण सर्वे एक असोनिएट्स (अस्तरक)
- (2) श्रीमती कनवरवेक जेव जेश्वा ग्रीर श्री, हरकिशत जेव जेश्वा

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए मार्जन के अर्जन हों।

लक्त सम्मत्ति के अर्जन व भव्यन्थ में कीहाँ भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना की राजपात्र मा प्रकाशन का। तारांख्य सं कुछ दिन परि क्षां पर एका एका अधिकत्यां पर श्वात का सामाल सं 30 दिन की अविभि, जो भी मंबिकायां में स्थापक होती हो। की भीतर प्रवित्त साकितायां में मां किया प्रवित्त कराराः
- (स) इस मुख्या की राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की भीतर एवंद स्थायर सम्पत्ति मी हितबस्प रिकारी का निकार स्थाप स्थापन रोग का गर्म निकार में का राजा सामा सकता.

म्पद्धीकरणः -- इसमी प्रयोकत अन्दा और पदा का, जो उदत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तम भारती

पलैंटनं 11 जो तीनरी भंतिल, अनीय अपार्टमेंट, एफ पलीट नं 15 टी जी जिल्हा 5 विले पार्ले (पु) हनुमान रोट बम्बई 400067 में स्थित है।

अनुपूची जैंसा कि कर संर (वर्ज-५/37ईई/15867/84-85 फ्रोलजी अक्षम ब्राधि अभी वस्त्रई हाला क्लिंग (39-12-1894) को र्याजस्दर्ध क्रिया गया है।

> लक्ष्मण दास सन्धम श्राविकारी सहायक जापका शाणुत (भिरीक्षण) अर्जन रोज-2 बस्बई

नारीख: 5--8--1985

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

बम्बई दिनांक 5 अगस्त 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/15359/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०पलैंट ने० 301 रसीला अपार्टमेन्ट तेजपाल स्कोम रोड नं० 5 विले पार्ले (पु०) बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीप इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौप जिसका करारनामा आयकप अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सलम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 10-12-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल से एसे द्रश्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया भया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— 1. श्री रमेश सी० जैन

(अन्तरक)

 श्री नानालाल डी० वखारीया ग्रौर वीरेन्द्र एन० वखारिया।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल रसीला अपार्टमेंट, तेजपाल स्किमरोड, नं० 5, विलेपार्ले (पू०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई/15359/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास उपम प्राधिकारी सायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 5-8-1985 मोहर:

प्रकल नाहर् डी. एन. एक.----

नावराष्ट्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत तरकानु

्धार्याचय, तहायक भायकर भायकत (भिरीक्षण)

अर्जभ रेंजह 2, बम्बई

नम्बई, दिशांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/1534/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० काप तं० 6, कमल कुंज, सुभाष रोड, युनाईटेड ईंक फैक्टरी के सामने, विले पार्ले (पू०), बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर श्रीधिनियम की धारा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मंर्जिस्ट्री है दिनांक 3-12-1984

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से काम के खरमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का नम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतर-रिती (अर्तारित्यां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बतरक के दारियल में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को चिन्हुं भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विध्या गया वा का किया आना वाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए।

बत्तः वय, उक्त विधिनयम की भारा 269-न के. बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में बधीन कितिस्ता, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. एस० जे० कन्स्ट्रवशन ।

(अन्तरना)

 श्रीमती रतगदेवी एस० जैन, श्रौर सञ्जन मल बी० जैन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्तिः जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र मों प्रकाशन की लारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्मार किरणः — इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही तथें होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

शाप नं० 6 कमल कुंगं जो सुभाष रोड युशाइटेड ईंछ फैक्टरी के सामने, विले पार्ले (पु०), बम्बई-100057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० आई-2/37ईई/15134/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिमाक 3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक, 5-8-1985 मोहर: प्ररूपः बाह्ये, टी. एन्. एस्., - = - = -

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वता

ৰায়ত ব্যক্ষাত

भागालयः, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई दनांक 5 अगस्त 1985

नदेण र्मं० थाई-2/37ईई/15786/84त85—अत: मुझे, लक्षमण दाम.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 405 कमल कुंज, नुभाप रोड, विले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-12-1984

की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्वे) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुंइं किसी बाय की बाबल, उक्क अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अंतः **मय**, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, μ^2 , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एस० जे० कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

2. श्री योगेश छोटालाल पारेख, श्रांर श्री छोटा लाल बाबुभाई पारेख।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रीह्या अस्ता हो।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस अं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाट लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्द^{ें} और पत्नों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूचीं

फ्लैंट नं० 405, जो कमल ब्रंज, सुभाव रोड, युनाइटे इक फैक्टरी के सामने, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15786/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधाकारी बम्बई द्वारा दिमांक 26-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास स्वयम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बिको हा ह=8-1985 **मोहुर ध**

प्रक्ष बार . दी . एन . एव . -----

🕆 1. श्री धनेश एम० देयाई।

(अन्तरक)

2. गिरीराज कन्स्ट्रवशन को०।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वस्वरी

बम्बई, दिनां रु 5 जगस्त, 1985

निर्देश सं० आईत्2/37ईई/15414/84र85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट गिरीराज, अपार्टमेन्ट, मरोल पाइप लाइन, कदम वाडी के पास, ग्रंबेरी (पू०), वम्बई-400057 में स्थित है (ग्राँर इससे उपावड अनुमूची में ग्राँर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14-12-1084

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित का उपचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (यंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी अध्य को बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने था उससे बचने हें सविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखिट व्यक्तियों, अर्थातु :---

को यह सूचना जारी अबसे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूज्या के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर एवंत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

पलैट जो गिरीराज, अपार्टमेन्ट, मरोल पाइप लाइन , कदम, वाडी के पास, आफ सर एम० वि० रोड, ब्रंधेरी (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/15414/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिसां 14-12-84 को रिजस्टर्ड िन्या गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 5-8-1985 मो**हर**्: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/15717/84-85—- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 14, गिरीराज ग्रपार्टमेन्ट, कदम वाडी के पास, पंधेरी (पू०), वम्बई-400059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारतामा ग्रावकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-12-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हण से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तिसों, अर्थात् :— 1. गिरीराज कन्स्ट्रक्शन को०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नागदेव लाला पाटील।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पति है)

4. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 14, जो गिरीराज ग्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 176/ 1(पार्ट), कोंडविटा विलेज, कदम वाडी के पास, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/15717/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**यी** सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-8-1985

प्रकल नाह⁴, टी. एत_ा प्रवा_र अ = a ===

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीत सुमता

हाउत सहस्था

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज : 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15535/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 121, दामजी णाम जी इंडस्ट्रियल कम्पलैवस, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केंद्र्ज रोड, वम्बई-400093 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, की धारा 269 कथा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17-12-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नामार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्श्वेष्य से उक्त अन्तरण मिनिच में बास्तिबक रूप से किया गड़ी किया गड़ा है है—

- (का) अन्तरम में हुई कि बी आप की बायता, इयक अधिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अडि/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन वा बच्च जास्तिवी की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के बिरा

शक्ष: अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-न की जन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नस्थिकित स्यक्तियों अधीय स्र—— 1. श्री दिनकर केदरी कलम्बे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरविन्दर सिंह सूरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पृथांकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उस्ता सम्मत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी काकोए :----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय वशोहस्ताक्षरी के पाड शिक्ति में किए वा सर्कोंगे।

स्थळोकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

अनुसूची

यूनिट नं 121, जो पहली मंजिल, दामजी शाम जी इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स प्लाट नं 28, महल इंडस्ट्रियल, इस्टेट, महाकाली केव्हज रोड, बम्बई-400093में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15535/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 17-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (</mark>निरीक्षण) <mark>श्रर्जन रेंज-</mark>2, वम्बई

दिनांक : 5-8-1985

बोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/1510**7**/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 208-ए, तेजपाल इंडिस्ट्रियल बिल्डिंग, नं० 2, तेजपाल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, साभी नाका, श्रंधेरीकुर्ला रोड, बम्बई-400072 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से अध्येत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है हि—

- (कं) अन्तरण में हुई किमी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25-246 GI|85

1. श्री बशीर झीन्ना ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स पारेख प्लास्टीक इंडस्ट्रिज।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्ट्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 208-ए, जो दूसरी मंजिल, तेजपाल इंडस्ट्रियल बिल्डिंग नं० 2, प्रिमायसेस को-श्राप० सोसायटी लिमिटेड, तेजपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, अंधेरी कुर्ला रोड, बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूधी जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/15107/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-8-1985

एक्य आर्ड् टॉ. एन. एस्. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

मारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/15136/84-85--- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यास् 'उक्त अभिनियम' कहा नया है), की धारा 269-क के अभीव सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बक्ति, चिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 62, ग्रजय मिटटल को-ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, यूनिट 1, ग्रंधेरी कुर्ला रोड, मरोल, बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है दिनांक 4-12-1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कोर अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिचित उद्योदय से उद्यो बतरण कि विद्या से बास्तिक रूप से काँचित को वास्तिक रूप से काँचित नहीं किया गया हैं---

- (क) वन्तद्रण से हुइ किसी वास की मानता, उकत अभिनियम के जभीन कार दोने के लेतरक के वासित्य में कारी कारने या समस्ये स्वयः में स्वीवधा से सिए; बरि/दा
- (क्ष) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ नंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, क्रियन हों सुविधा हो सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯-- 1. श्री ग्रजीत लक्ष्मन ग्राठले।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लखी इसारदास खटवानी।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधस सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी बाक्षेप ध--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की हारीय से 45 विन की अवधि या तत्त्रम्थन्थी म्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की मर्वाभ, को भी बविथ बाद में स्थान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्याहा;
- (क) इस सूचना के राजपन में अकाधन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पक्कीकरण : — इसमें प्रयुक्त कुक्की और पदों का, जो उकत व्यक्तियम के अध्याग 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा को उस अध्याग से दिया

जन्स्ची

माला नं 62, जो दूसरी मंजिल, अज्जय मिटटल को-ग्राप सोमायटी लिमिटेड, यूनिट 1, ग्रंधेरी कुर्ला रोड, मरोल, बम्बई-400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/15136/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा, दिनांक 4-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-8-1985

प्ररूप जाध^र. टी. एन. एस., वन्यानगण्डना वायकाष्ट्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्**पना**

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2,

🕝 बम्बई, दिनाक 5 ग्रगम्त 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईर्र/15267/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्रिमायसेंस नं० 22, श्र, पुर्व इंडस्ट्रियल इस्टेट, मकवाना रोड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कखें अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयः

दिनांक 7-12-1984

की पूर्वित्त सम्पत्ति के उण्वत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास कारने का कारण है कि प्रथापृत्रीक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरक के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है ध-

- (कर्म) सन्धारका में शुद्धा किसी आह कर्म बाबता, उक्स क्षेत्रिकार के क्षीन कर वर्ष के शासका क्षे विकास के करते कार्यों के ससनों अवस्त्री का सुविधार के विकास करिया
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों अर एक्सी जातिय आयक्तर अधिनयण, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अधिनयम, या भनकार लिश्वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

श्रदः श्र्व, उत्तर निर्धानियम की भारत 269-ए की जनसरक् स्रो, भी, उत्तर अभिनियम की भारत 269-प की उपधार (1) के अभीत, जिम्लीलिखत व्यक्तियों, निर्धात ⊭— श्री महेन्द्र रामचन्द्र ठाकुर ग्रौर
 श्री भारत रामचन्द्र ठाकुर।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स नुर टेक्सटाईल्स।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए ाफ अरिया करका हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसनव्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

प्रिमायसेस नं० 22, जो तल मंजिल, श्रपूर्व इंडस्ट्रियल इस्टेट, मोडेला, इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, मकवाना रोड, श्राफ एम० वि० रोड, मरोल नाका, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० आई-2/37ईई/15267/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-12-1984 को रजिस्डटर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 5-8-1985 मोहर द

इक्ष्म् वार्ष*्टी <u>द्व एक</u> -----*

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-अ (1) के सुधीन सुखना

शाउन स्टब्स्ट

कार्यांशय, बहायक बायकर वायुक्त (निराक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र)

ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रर्श-2/37ईई/15129/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मश्र दास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्ने निधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी मं- पलैट नं० 1, बसंत भूपन, विलेपाल हें (पु०) बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 कल के ग्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 3-12-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में कास्तुविक रूप से किश्त नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाम की बाबत, उक्त ब्राधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाद्यवार्थ बन्तिहरी इवारा प्रकट वहीं किया व्या था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः वव, उक्त व्यक्तियमं की भारा 269-ग के वनुसरण को, बी, उक्त विभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) व वभीन, निम्निसिया व्यक्तियों, व्यक्ति क्र— 1. मैसर्स शिल्पी बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. विनोद महादेव शेटये

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वा में राज्यन में प्रकारत की तार्तीय में 45 दिव की जनतिय ना तत्सम्बर्धी म्यूनित्वों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी वर्षीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त म्यूनित्यों में वे किसी म्यूनित् द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास हिलाखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त जीनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गम्बद्धाः

फ्लैंट नं० 1, जो तल मंजिल, बसन्त भूषन, नंदा पाटकर रोड, टेलीफोन, एक्सचेंज, के पास, विले पार्ले (पू०) बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई-2/37ईई/15129/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा, दिनांक 3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मभ्र दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 8-8-1985

मोहर ∎

प्रकृष वार्ष**्टो** पुर्वा पुर्व क्रमान्यकार

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा, 269-म (1) के नभीन स्वना

नारत तरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर मायुक्त (निर्देशक)

सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 प्रगस्त 1985

निदेश सं० अर्ह-2/37ईई/15804/84-85—-श्रतः मुझे लक्ष्मश्र वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उक्ति बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 53, विन्दल इंडस्ट्रियल, इस्टेट साकी बाका, वम्बई-72 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण व्यसे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 27-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाग गणा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गणा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उपत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् ह— 1. मैसर्स बिन्दल एन्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्म सतगुरू भेटल इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्घन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति स्थितायों में से किसी व्यक्ति इवारा;
 - (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

माला नं० 53, जो पहली मंजिल, बिन्दल इंडस्ट्रिल इस्टेट, साकी प्नाका, घ्राफ घंधेरी, कुर्ला रोड, बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/15804/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा, दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः: 8-8-1985

मोर 🛮

प्रकार आहें औं पुरुष एवं व्यापना नाम

आयफर मिनिगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सुमा

भारत सरकाह

कार्यातम, शहायक मानका वान्यत (निर्याक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

. बम्बर्ड, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

निर्देण सं० ग्रार्ड- $\cdot 2/37$ ईई/15191/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सभाग प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि ल्यायर अम्पत्ति, जिसका उपित याजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेड, प्लॉट नं० 1-ए, कुर्ला श्रंधेरी रोड, श्रंधेरी, (पू०), बम्बई-59 में म्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिमका करारनामा शायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी है कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 6-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ज है और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नितित उद्देश से उक्त अन्तरक सिवित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया बचा है :——

- (क) मंतरण से हुए किसी जाम की बाबता, उन्हा दाभावतम के अधीन बार ६ने के जंगरक के दामित्य में कबी करने वा उससे वजने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 रि १९७२ का ११) या १३४० अधिनियम, ११८७ का १७७ की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। नया भारा विद्या जाना साहिए था छिपाने सा स्थिन से जिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण अर्भ, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती मुक्ताबेन, वल्लभ दास संघवी।
 (य्रन्तरक)
- श्री लोकराज ए० लिलाने, श्याम ए० लिलाने, नन्दलाल ए० लिलाने, बसंत ए० लिलाने श्रीर जयकिशन ए० लिलाने।

(अन्तरिती)

अगं यह कृष्या वारी करके पृत्रा कर सम्मति के वर्षण के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्य भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तिमों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिवास में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके प्रिक्षियम के जभ्याय 20-क यो परिभाषित दौ, बही अथ सोंगा जो जमा प्रध्याय में दिया वा है ।

धनुसूची

इंस्ट्रियल शैंड, जो प्लॉट नं० 1-ए, सी० टी० एस० नं० 83, एस० नं० 14, हिस्सा नं० 14 (पार्ट), श्रौर सी० टी० एस० नं० 34 श्रोर 58, हिस्सा, नं० 2, एस० नं० 59, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), जकाला विलेज, धीरज पेन कम्पाउन्ड, कुर्ला श्रंधेरी रोड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15191/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 6-12 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 8-8-1985 मोहर 🖫 aring the mark a figure of the control of the contr

प्रकृष् वार्षः की ह पुत्र ह वृक्ष हाराज्याताला

नायकर नुभिनियम्, 1961 (1961 🖦 43) की धार 269-व (1) के स्पीन स्पना

नारव वरकार कार्यारः म , सञ्चानक वाक्कर वायुक्त (मिरीक्षण)

सहायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० भाई-2/37ईई/15483/84-85--- प्रत: मुझे लक्ष्मण दास

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'टक्त अधिजियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काःण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, वीन स्मृति, इमारत, विल पार्ले (पू०), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा स्नायक 🟲 श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गर्द है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रनिशत से अभिक **है और अन्तरक (अन्तरकों) बार** अन्तरिती (शन्तरितियों) को नीच एसे जन्तरण के निष्याः पत वाया गया प्रतिफास, निम्मसिकित उनुवादेश से उन्हर अन्तरण लिखित में उत्स्तिबिक रूप ने काँचित वहीं किया गया है ---

- (क) मन्त्राप्य स्वरार्थ किसी साम की बास्ट, अस्पर अधिनियम के सधीन कर दोने के गरतकर सी अधियत्व में क्षत्री कारने या उत्तरी वषत्रे में अधिकः के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ा जिन्ही भारतीय अध्य-कर अधिनिरमा १० m (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या न-कार करिपनिथम, 1957 (1957 का 27) लं प्रयोजनार्थं अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया भवा वा का किया जाना था, कियाने मा शांविका की किल्ल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:---

1. मैसर्स वि० श्रार० एमोशिएटस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरविन्दर कौर ग्ररोरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वायक्त सम्पत्ति के अर्थन के जि कार्यवाहिक करता हो।

उन्त सम्पत्सि के नर्गन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भावना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दि की अवधि का तरसंबंधि व्यक्तियों पर मुखन को तामील में 30 दिन की नविध, जो भी स्मापि बाद मो सपाप्य होती हार, पा भीतर प्रतिकत पंकाय भा से जिसी व्यक्ति दुवारा;
- (▼) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति 🕆 हिनबद्दर्भ किसी बन्ध व्यक्ति व्यादा बनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गे।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा जो उस सम्याय में दिशा त्रधाः उ

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो पहली मंजिल, प्रवीन स्मृति , सी० एस० नं० 595, परांजपे स्कीम ए, विले पार्ले, (पू०), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० प्रार्ड-2/37ईई/15483/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

निदेश मं० भ्रर्ष-2/37ईई/15364/84-85—-भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिदा बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल गैंड कुर्ला ग्रंधेरी रोड, बम्वई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 10-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविव रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम। की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती मुक्ताबेन दल्लभदास संघवी।

(ग्रन्तरक)

2. मुन्दर धूमनलाल गोलानी ।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल, सेंड जो प्लाट नं० 1-ए, सी० टी० एम० नं० 83, एस० नं० 14, हिस्सा नं० 14 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 34, श्रीर 58, हिस्सा नं० 2, एस० नं० 59, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), चकाला, धीरज पेन कम्पाउन्ड, कुर्ली श्रंधेरी रोड, ग्रंधेरी (पू०), वम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/15364/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक $10\cdot12-1984$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 8-8-1085

मोहर 🛚

प्रकार वार्ड टी. एन्. एस्. ------वारत सरकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्र ξ - 2/37ईई/15629/84- 85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, प्रवीन स्मृती, विले पार्ले (पु) बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिता बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और सुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से लिएक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित की कारण हैं कि स्थाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से लिएक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उचत अन्तरक विधित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें समने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा विकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- 26—246 नि।85

1. मैसर्स वी० ब्रार० एसोलिएटस्।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती स्मीता आर० णाह श्रोंर श्री श्रशीत एम० णाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशक्तियां करता हुए।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आअंप .---

- (क) इस मुजना के राजपंत्र में प्रकाणन को तारीज स 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धंबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशिक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा
- (च) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरूनाधरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दो और बदों का. जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। नेपा है।

अनुसूची

पलैंट नं० 3 जो तीसरी मंजिल, प्रवीण रुमृती, सी० एस० नं० 595, विले पार्ले (पु), बस्बई-400057 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15629/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, ब्रारा दिनांक 18-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-8-1985

प्रस्प बाइं. टी. एव. एव.----

आषकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-भ (1) के अभीन म्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहारक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 भ्रागस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/15796/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (बिन्ने इसमें इसके पण्यान 'उक्न अधिनियम' कहा गया है). ही भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-4, तृष्ती अपार्टमेंट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वेदिन सम्मिन के उधित बाजार मना में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशाल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के वीच ऐसे अन्तरण के निए तय पत्मा गया परिफल, निस्तिलिखत उद्देश्य से उन्नत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कीचत नहीं किया गया है क्ष्र

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के जन्मरक के अधिरक में कमी करने का इससे बचने में स्विधा के लिए: बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था दिवान में स्वित्या सं किया

ज्ञतत कष ज्ञाकत विभिनियम की धारा 269-व के जनसरक में, में, लक्ष्म अधितियम की धारा 269-व की उपधारा क्षेत्रभीत, निम्मीनिकित व्यक्तियों, ज्ञानीत ह—— 1. मैसर्स दिप्ती बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रभय ग्रार० जांभेकर।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरब

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

का बहु मुचना जारी करके पृवांकित सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बद्धित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्थम। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वध्दोकरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिथियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी-4, जो तृप्ती भ्रपार्टमेंट, कोलडोंगरी रोड़ नं० 2, श्रंधेरी (\mathbf{q}) , बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा की ऋ० सं० श्रर्ह-2/37र्हर्ह/15796/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 27-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-8-1985

मोहरः

पाना पाई ही पुर, पुर

आयकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० प्र $\frac{1}{2}$ - 2/37 $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अस्ति अस्ति महान करा का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहत से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, निर्मित, नारीमन रोड़ विले पार्ले, (पु), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 28 विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि द्रश्यम्य सेवत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रनिश्नट में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के गांच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाम गया प्रतिफल, निम्मीलियत उद्देश्यम में अक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियरे को जिन्हों भारतीय जायकर भीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) विश्वोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा जी सिंग,

कतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में: उक्त अधिनियम का धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सुरेश कान्तीलाल जानी।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री मुकेण नान्जी शाह और गिरीश नान्जी शाह। (अन्तरिती)

व्यापह स्थान पारी करक प्राव्या सम्मारित के अजन के सिध कार्यवाहिया करता **ह**ै।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि मा तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदा स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्नैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, निर्मिट, फायनल प्लाट नं० 153, (पार्ट), टी०पी० एस० 2, नारीमन रोड़, बिले पार्ने (पु) बम्बई -400058में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/15817/ 84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आर्ह्न. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायलिय, सहायक आवकर जामुक्त (निरक्षिण)

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० अर्ड-2/37ईई/15290/84:85—म्ब्रतः **मु से** लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संव पलेट नंव 5, ए-2, श्रकाल कोव श्रापव हाउसिंग सोसायटी, अंधेरी (पृ), बम्बई-१६ में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रायमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रुरने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का द्राह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्षेक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविश्व के लिए:

श्रतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री सी० एस० चोप्रा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कृत्दनकौर ध्रतमसींग साव्हने भ्रौर श्री भ्रतमसींग हरनामसींग साव्हने।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सर्मित्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 5 जो दूसरी मंजिल, ए-2 इमरारत, ग्रकाल को० भ्राप० हार्जीसंग सोसायटी, बामनपूरी रोड़, जे० बी० नगर, भ्रंधेरी (पु) बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई- 2/37ईई/15290/84- 85, श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ताीख: 8-8-1985

श्रुक्य कार्युः, दी_ल सुन् तु स्ट_ल्लालका

नायकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सुधना

मार्क सरकार

कार्यां सद, सह।यक भावकर क्वतुक्त (विरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/15289/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके इसके पश्चात् 'उक्त कॉर्थनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्रीक्षिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मृत्य 1,00000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 212, बी-क्लोक, हिन्द सौराप्ट्रा इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 7 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के ष्टरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ध्सके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्येष्यों से उक्त अन्तरण निश्वित भे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिका के लिए; - और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भण या अन्य वास्तिकी को जिल्हों भारतीय काय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजनार्थ अन्यतियो वृत्तारा प्रकट नहीं किया । १६६ हा जिल्हों का जाना अहिए भा, खियाने में वृत्तिभा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् ह—- 1. श्रीमती उषा मधूसूदन गोंधालीया।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ज्योति इनवेस्टमेंट कोरपीरेशन।

(ऋन्तरिती)

का यह स्वान वारी करके प्यांतित संपर्ति के अवन के हिए। कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्परित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप?--

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर व्यक्ति की तासींस से 30 दिन की अवधि, को भी नमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पृथींक्ट व्यक्तियों में से किसी स्पृष्टित दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाइ निचित्त में किस् जा सकारे :

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

श्रन्युची

यूनिट नं० 212 जो दूतरी मंत्रिल, बो—ब्लोक, हिन्द सौराष्ट्रा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल नाका, अंदेरी—हर्ला रोड, अंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्चनसूची जैसा की कर पर श्रई-2/37ईई/15289/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 6-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनाँक 8 श्रगम्त, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/15604/84-85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लों सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 114, शिवाई इंडस्ट्रियल इन्टेट, ग्रंधेरी, कुर्ला रोड़, बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अबीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है नारीख 18 विनम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **स्ट्यमान** प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिवन्य में अभी करत पालस्मा रचन में ब्रीविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्शरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 6. मैसर्स मज्ञदा इंटरनेशनल प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्सरक)
- 2. श्री अवतार सिंह ए० अरोरा और रामचन्द जी० अविया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु लिसित मों किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो र ... अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

डंडस्ट्रियल यूनिट नं० 114 जो पहली मंजिल शिवाई इंडस्ट्रियल इस्टेट, साको नाका, ग्रंधरी कूर्लारीड, बम्बई-400059 में स्थित है।

स्रतुसूची जैना को कि० मै० स्रई-2/37ईई/15604/84-85, स्रोग जो सक्ष्म प्राधिकारी, अम्बई, द्वारा दिनौंक $18\cdot12\cdot198$ को रिजिन्ट है किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बईः

तारीख: 8-8-1985

मोहार प

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनाँक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15720/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 103, जो, हगारत तं० 2. 10वीं मंजिल, वर्मा तगर, विताई कालेज के पीछे, श्रंधेरी (पूर्व), बस्बई-69 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्गित है) श्रोर जिपका करारतामा श्रायकर श्रति-नियम की धारा 260 एख के श्रशीन सक्षद प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्रो है, तारीख 21 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूख, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तींवक रूप स किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क्षे लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी बाब या किसी धन या अन्ध आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

अतः उत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रीभती सुशिला चद्रकाँत डाक्टर।

ग्रन्तरक)

श्रीमती एम० एस० कोट श्रीचश्री सुर्यकाँत टी० कोठ।
 श्रिन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांद्र भी काम्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्यसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट न० 103, जो, इमारत नं० 2, 10वी मंजिल, वर्मा नगर, चिनाई कालेज के पीछ, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/15720/ 84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्राग दिनांक 21-12-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक प्राप्तुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, वस्बई

नारीख: 8-8-19**8**5

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वश्वई

वम्बई, दिनाँक 8 ग्रगस्त, 1985

निर्देश स० गई-2/37ईई/15343/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. मं अधिक हैं

स्रोर जित्तका लं े होंट नं वं/14, जो, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, चकाला रोह, स्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (स्रीर इससे उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिनका करारनामा स्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजेस्टी है, तारीख 10 दिनम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तब पाना स्वा प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उसत अस्तरण जिल्लिस विविधत को वास्तरिक रूप में किशात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी शय की वाबत, उक्त किंगिनियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचन में वृधिका के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी बाव वा किसी भव वा बच्च बास्तिवाँ का, जिन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. जिल्लाने में बुद्धिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियों अर्थातः 1. मैससं कैटेझसं इम्पेक्त प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कमलकुमार ग्रग्रवाल।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे सह सूचना चारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

हकत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेन्त्र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ज़िक् की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिथ, खो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स श्वादिताओं में से किसी व्यक्ति सुवारा?
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति स्वारा वधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकारण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबस क्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

ग्रनुस्ची

बेसमेंट न० बी/4, जो, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, चकाला रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है। अनूसूची जैसािक ऋ० सं० अई-2/37 ईई 15341/84 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 10-12-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्फ, दिनौक 8 भ्रगस्त, 1985

निर्देश मं० ग्रई-2/37ईई/15628/84-85—-ग्रनः मृष्ठे लक्ष्मण धाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक र इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 111, जो, ग्लाट नं० 33, न्यू इंडीया इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० मोसायटी लि०, महाकाली केव्ज रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18 दिसम्बर 1984

को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ 27-246 (1)85

1. श्री नथुभाई बी० पटला

(ग्रन्तरक)

2. श्री ज्योतिद्र द्वारकादास गहा।

(अन्तरिती)

3. प्रान्तरका

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन . के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

गाला नं 0 111, जो, प्लाट नं 0 33, न्यू इंडीया इंडस्ट्रियल इस्टेंट प्रिमापसेम को-श्राप० मोसाइटी लि०, महाकाली केठज रोड़, श्रंश्रेरी (पूर्व), वस्बई-93 में स्थित है।

श्रन्यूची जैसा की क्षं० सं० श्रर्ह-2/37 हेर्ह/15628/84-85, श्रीप जी सक्षम श्राधिकारी, बम्बई, हारा दिनाँक 18-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज-2, बस्बई

तारीख: 8-8-1985

मोहर ।

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिशांक 8 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई 2/37ईई/15833/84-85---अन: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 6, श्रीर-ए-पंजाब की-अपि० हाउमिंग सोसाइटी लि०, महाकाली केटज रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्गई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं 27 दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

श्रीमती णिवराजवती भ्रो० माणिताला।

(अन्तर्क)

2. श्री श्रीनिवास गुडडपा उचिल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लीट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 6, शेर-ए-पंजाब को-आप०, हाउसिंग सोसाइटी लि०, महाकाली बिन्ज रोड़, श्रंधेरी (पू) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० सं० अई-2/37ईई/15833/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई, द्वारा दिसांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण ।स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: **8-8-**1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई दिनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15806/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर विश्वितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त व्यथितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० आय/104, जो, विमान दर्शन, बहार के सामने, स्थाम नित्यानंद मार्ग, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 27 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिंसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बृच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में गिस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाव की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, छिनाने में सुरिक्श की प्रयोजना की स्वारं सुरिक्श की प्रयोजना की सुरिक्श की स्वारं सुरिक्श की स्वारं सुरिक्श की स्वारं सुरिक्श की सुरुक्त की सुरुक्त सुरुक

क्तः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध~~ 1. श्री ए० आर० कामथ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० घाटे।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वृचन से बिहु कार्यवाहियां करता हुए।

उन्य सम्बद्धि के क्यान के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध कियी वन्य व्यक्ति इंगरा, अभोहस्ताक्षरी के पाइ निवित्त में किये का सकेंगे।

अनुसूची

पलेट नं ० आय/104; जो, विमान दर्शन, बहार के सामी स्वामी नित्यानंद मार्ग, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/15806/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॅंज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 8-8-1985

प्रकृप आई. सी. एन. एस. -----

मैसर्स दिप्ती बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स फोट कनेमणन्स।

(अन्तरिती)

आस्थर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभन।

भारत' सरकार

क्ष्मांलय, सहायक लायकर नायुक्त (नियक्तिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15797/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्ष्माल् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/- रुः. सं अधिक हैं। ग्रीर जिसकी संबदुकान नंव 1 जी निर्मानाधीन इमारत ''तृष्पी अपार्टमें ट्स'' कोसङोंगरी रोड़ नं० 2 श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका फरारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 दिसम्बर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अप्म के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ह° कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल 4रयमान प्रतिकस के पन्द्रह अधिक हैं प्रतिशत से बाँद बंतरक (अंतरकाँ) बाँर भंतरिती (अंतरितियाँ) कि बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्मनिखिल उत्दोरय से उक्त जन्तरण लिखिश में बास्कविक रूप से करिशत नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण संह्यं किसी आज की याजत, उक्त अधिनिधन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्श बचने में सूबिधा के किए; और/जा
- (य) देशी किसी आप का फिली भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिवा;

गतः अव, उक्त अधिनियम की भारा के में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यजाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आस्त्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) क्षत्र स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में कि किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्वित में किए का सकेंगे।

स्पुष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गप्तुची

दुकान नं । जो, निर्मानाधीन इमारत, "तृष्ती आपार्ट-मेंटस", कोलडोंगरी रोड़ नं 2, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/15797/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बई

तारीख: 8=8-1985

मक्य बार्ड ्टॉ . यन . यस . --------

नामकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नृभीन सुकार

STATE STATE

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15799/84~85---अत: मुझे लक्ष्मण धास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्चाल 'उनस मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सावार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाप नं० 5 तृष्ती अपार्टमेंट श्रंधेरी (पू) में स्थित है (ग्राँर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

वस्वर्ध में रिजस्ट्री है, तारीख 27 दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जंतोरितियों) के बीच एसे बंतरूच के लिए तय पादा गया प्रतिक कब, निम्नुसिचित संब्देश्य से टक्त जन्तरूच मिन्नुसिचित में बास्तुविक क्य से किंग्स नहीं किंगा गया है दन्न

- (क) अन्तरण से हुई किया जाम की वाजत, उक्त अधिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के दरिबरण में कमी करने ना उक्त क्ष्मने में कृतिया के लिए; बॉड/ना
- (क) एची किसी बाय वा किसी धन या बस्य बास्तिकों को बिन्हों भारतीय बाय-कार बीधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धम्बार बहिंगीन्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्दिरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विका के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनयम की भारा 269-ए के अनुसन्दर्भ में, में, रूक निधिनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स दिप्ती बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वस्तिक ट्रेडोग को०।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया मुक्त करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ु-

- (क) वस सच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी सबिंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश्त में हिसबह्ध किसी जन्म स्थावत स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकों।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में विरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 5 जो तृष्ती अपार्टमेंट कोलडोंगरी रोड़ नं० 2 श्रंधेरी (पू) वस्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैमा की कि सं० अई-2/3.7ईई/15799/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बम्बई

नारीख: 8-8-1985

त्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में मधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15831/84-85—अतः मुझे, सक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-8, श्रोम वाइधाम को० आप० हाउसिंग सोसायटी, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आभक है और अंतरफ (अंतरकों) और वंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित् उद्विषय से उच्य अंतरण निचित में बालरित कर से किथा नहीं किया गया है

- (क) श्रांतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी काम मा किसी भन या अस्य कास्तिकों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के जभीन, निम्नीसचित स्थानतयों, अर्थात् :--- 1. श्री जामकी लालचन्द असरपोदा।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक आर० धनवानी और विजय आर० धन-वानी।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

फ्लेट नं० बी-8 जो श्रोम साइधाम को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 36 मोगल लेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा को कि० सं० अई-2/37ईई/15831/ 84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 29-7-1985

महर ह

प्रकृष बाष्ट्रं . हो . एव . एए .-----

बायकर वृत्तिनियव, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-व (1) के ज्योग वृत्त्वा

भारत बहुकार

कार्कासय, सहायक जायकर प्राय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 8 अगस्त 1985 निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/15501/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-व के अधीन सक्त प्राधिकारी की, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 11, जो, 5वी मंजिल, यजुर्वेद अपार्टमेंट राव बहादुर एम० के० बोले मार्ग, दादर एफ० पी० नं ० 291 टी० पी० एस० महीम डिवीजन है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, नभ ना निकारी के लायी नम, वम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 15 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार भूल्य से कम के क्यमाय प्रतिफास के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य उसके क्यमान प्रतिफास को, ऐसे, क्रयमान प्रतिफास का बन्ताइ प्रतिखत से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तब पाया गवा प्रतिकास, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक को लिए तो पाया गवा प्रतिकास, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक को लिए

- (क) अन्तरण सं क्षुष्ट्रं किसी आम की सामतः, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वै विषय; खोड/धा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी पून या बन्व बास्टिडी का, जिल्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सम्भ , उक्त अधिनियम कौ भारा 289-म कै अव्यक्तिम में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन , निम्नतिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. यजुर्वेद बिरुडर्स

(अन्तरक)

2. श्री नारायण रामकृष्ण वैद्य

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना थारी करके प्वाँक्त संपर्तित के वर्षन के निष् कार्यग्रहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सब्ध मां काई भी साक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पक्कोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मूची

पलैट नं 11, जो, पांचवीं न जेल, याजुर्वेद अपार्टमेंट, राव बहादुर एस व के व, बोले मार्ग, दादर, फायनल प्लाट नं 291, टी व्याव एस व, माहीम डिवीजन, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैमा कि क व सं अई-2/37-ई ई/15501/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिक री, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्ब**्**

तारीख : 8-8-1985

मोहरू अ

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 12, जो, 5वीं मंजिल, जमीन क हिस्सा, राव बहादुर एस० के० बोले मर्ग, टी० पी० एस० 4, माहीम बम्बई, तथा जो बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15 विसम्बर, 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. यजुर्वेद बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुष्मा नारायण वैद्या।

(अन्तिरिती)

को यह स्थन जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ्--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 12, जो, पांचवीं मंत्रिल, जमीन का हिस्सा, राव बहादुर एस० के बोले मार्ग, दादर, प्लाट नं 291, टी पी एस० 4, माहीम डिबीजन बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ई ई/15502/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई, द्वारादिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप बाहें.दी.एन.एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ई ई/15761/84-85-अत:, मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख 1,00,000 / -फ. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो, तिसरी मंजिल, "पेटरसिन होम, प्लाट नं ० 447, टी० पी० एस० 3, माहीम है, तथा जो बम्बई में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध श्रतुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम' की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्ट्री है, तारीख 22 विसम्बर, 1984

को प्रथान मन्पांस के उपचर गाजार मुस्य से कम के अध्यमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए प्रय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (भः) अन्तरण म अपूर्व किया आग की पावत उक्त करिए नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय अध-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनाथ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया एका था वा किया आना चाहिए था छिएने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--

1. मैसर्स कटीन्हों कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती अश्री फनोन्डीस श्रीर श्री पेड्डो बाप्टीस्टा फनोन्डीस

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी करकें पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्सप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी अधिकत्यों पर सुचना की सामील से 30 विन की मंगिय, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ग 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा, अभोइस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यक्तरणः---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, वो उधत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा 🌠

बन्स्की

प्लाट नं 021, जो, तीसरी मंजिल पेटरासन होम , प्लाट नं ० ४४क, टी ० पी ० एस ० 3, माही न, बम्बई-16 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/27-ई ई/15761/84-85-श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टर्डकियागया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वारीखा : 5-8-1985

मोहर:

28 --- 246G1/85

प्रकार बाह्री, स्त्री, एन्, एसं, --------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन बुचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1985 निर्देश सै० ग्रई-3/37-ई ई/15849/84-85-अतः मुझे, तक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं पस्तैट नं 13-ए, जो, जहांगीर बाग, 220, 222, वीर सावरकर मार्ग, माहीम, है, तथा जो बम्बई-16 वें स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीत, तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई हु रजिस्ट्री है, तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृज्य से कम के दक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दक्षमान प्रतिफल से एसे दक्षमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देद्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आपः की बाबसः, उक्त बीधनियम क बधीन कर दोन कं अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुबिध कें सिए; बौद्ध/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बचा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में व्याचा के जिद्दः

शतः शव, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भौ, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) को कभीर निम्निलिक्त व्यक्तियों, अथित :---- 1. श्रीवी० वी० देव

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारती आर० नाईक

(अन्त√रमी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवंतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किय वा सकोंगे।

भ्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित व हैं, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं०13-ए, जो, जहांगीर बाग, 220_/222, वीर सावरकर मार्ग,माहीम, बम्बई-16 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-2,37 ई ई,15849,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 5-8-198**5**

प्रस्य नाइं रही एन एस .-----

माथकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्कता

THE TENTS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 अगस्त 1985

निर्देश सं० ई-2/37 ई आ_/1586*5*/84-85---श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम विध्वारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, सखाराम की-रोड, माहीम है, तथा जो बम्बई-16 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से ल विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियमकी धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्थयान प्रतिफल से, एसे स्थयान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-कल निम्निस्थित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत उक्त श्रीध-निव्य के अधीय कांद्र दोने के बन्दरक के दावित्य में कभी करने या उब्से बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह आरतीय आयकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधीनयम, या धन-अर नीधीनयम, या धन-अर नीधीनयम, या धन-अर नीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रथाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन, निम्निणिवित अवित्यों, स्वीत् ः— 1. श्री शरद णिवराम पेडणेकर

(अन्तरक)

2. श्री मेघश्याम श्रीपाद फड़के

(अन्तरिती)

को वह सूचना कारी करका पूजांकत सम्मित्ति के गुर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में के ले भी वाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस्स जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, सखाराम कीर रोज, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/38 ई ई/15865/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्राराबिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास दिन जिल्लारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-8-1985

हरमो :

प्रकार बाह^र. ठी. एकः **एस**ः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) क अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक वायकर कायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई बम्णई, विनांक 2 अगस्त 1985 निर्देश सं० अई-2/37 ई ई/15599/84-85→-अतः, मुझे लक्ष्मण वास,

बायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को सक् विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 10, माहीम को आप हार्जीसंग सोसायटी, मोगल लेन, माहीम, है, सथा जो बम्बई-400016 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18 दिसम्बर, 1984

को पूर्वा कि तस्पत्ति के जीवत बाबार मूल्य से कम के दरवमान प्रित्तफल को लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नितिवित उत्वाह्य से उन्त अन्तरण मिवित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) वश्तरण हे हुई किसी आय की बावत, उक्त मधिनिक्ता के बधीन कर दोने कें अन्तरकः के दायित्व में कती करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वीट्र/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्या गाविस्य। ग्रामा व्यक्तियः प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्रामा व्यक्तियः श्रामा व्यक्तियः श्रामा व्यक्तियः व्यक्तियः व्यक्तियः व्यक्तियः व्यक्तिव्यक्तियः व्यक्तियः विवक्तियः विवक

वाद: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकतमों, अर्थात् :— श्री गोविंद विठ्ठल प्रम् देसाई

(अन्तरक)

 श्री मधुकर एस० राने और श्रीमती माधवी एम० राने

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितत्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्वयद्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही कर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैंट नं 10, जो, दूसरी मंजिल, माहीम को अॉप ब हाउसिंग सोमावटी लिमिटेड, माहीम हाउस, गोमल लेन, माहीम, बम्बई-400016 स्थत है ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37 ई ई/15599/8-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1के-1 2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

चक्का य.म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जन्युक्त (न्तरोजन) अर्जन रेंज-2 बस्ब**ई**ई

तारीख : 2-7-1985

मोहर 🕫

प्रकल बार्ड .टी . एन . एस . ------

ब्ह्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-2|37 ई ई|15942|84-85---यत:, मुक्षे लक्ष्मण दास,

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिम ही मं ० गाला नं ० 38, मत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेक्वरी (पू) है, तथा जो बम्बई-60 में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूकी में में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई हु रिजस्ट्री है तारीख 29 दिस-म्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान श्रीतकल के लिए अर्जारत को गई ही और मृत को करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से मैथिक है और मन्तरक (मंतरकाँ) और मंतरितीं (मंतरितियाँ) से बीच ऐसे मंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी आब की बाबत सम्प निषित्यम के अधीन कर दाने के बन्तरक के दायिस्व में कमी करने वा उत्तर्त बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में बृजिधा के सिह;

अतः ज्या, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल क्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स सत्यम बिल्डर्स

(अन्तरक)

2, मैमर्स मोना गारमेंटस

(अन्तरिती)

3, अन्तर्क

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीय ह---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षारी के पाझ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

ग्रनुसूची

गाला नं 38 जो दूसरी मिजिल, सत्म इंडस्ट्रियल इस्टेट जोगेश्वरी (पू),बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/17 ई ई/15942/84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई, द्वार(दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा : 1-8-1985

प्र**कल नार**्ड डी. एन. एस<u>.</u>.- - # #***

बावकर गींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के बंभीन स्वना

भारत भरकार

कार्यातय, तहायक भावकर नायुक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ई ई/15173/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० टी-5, गार्डन कालोनी, बी-विंग माहीस है, तथा जो बम्बई-400016 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वंणित है), श्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यूबान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रितो (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तिक रूप से कथिद नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तारण वे हुई किसी बाव की बावता, उपक मुधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तुरक के स्वित्य में कमी करने वा उससे नचने में बृविधा के सिए; और/वा
- (वा) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोगनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः वन, उन्त विभिन्नम की भारा 269-व के अनुसरभ में, बैं, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व की उपध्रम (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

1. श्रीमती सरस्वती खूबचन्द भाटिया

(अन्तरक)

2. श्री हस्तीमल गंगाराम छजेड भौर नागराज हस्तीमल छजेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्यः सम्पत्ति के सूर्यन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीख सं 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्सातु;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

अपूर्व की

फ्लैट नं ब्टी-5, जो गार्डन कालोनी, बी-विंग, लेडी जमशेद जी रोड़-2, माहीम , बम्बई-400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि । सं आई-2/3-ईई/15173/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 8-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 1-8-1985

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

धायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, विनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं ० श्राई-2/37 ई 5/15811/84-85—यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतमें इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पर्लेट नं ० 702, इमारत नं ० 18, श्रीणिवरा, जोगेश्वरी, (प) है, तथा जो बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्ये, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से विश्वक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिंदित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण सिचत में वास्तविक रूप से केंचित नह किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुई कि बी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इंग्रेडनार्च ब्लारियों इंचारा प्रकट वहीं किया यथा या वा किसा बाना वाहिए था किसाओं में सुविधा के सिए;

भवः स्थः, इस्त विधित्यम की भारा 269-म के वनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. श्री जयाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

2 श्री वय० एच० तेहिंसलदार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनहिन्न करका हूं।

उक्त सम्मिल के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष 🖫

- (क) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थानता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूकमा को राजपत्र मों प्रकाशित की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मों द्वित-बव्ध किसी जन्य स्वीत्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास मिसित में किए वा सकोंगे।

स्थाधतीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस ही।

भ्रनुसूची

प्लैट नं०ए02, जो, सातवीं किल, इमारत नं० 18, एस० नं० 41, श्रोविरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37 ईई/15811/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड, ढ्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख : 25-7-1985

प्रस्पु मार्थः, टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37 र्हर्ड/22013/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' यहा गया हैं), ंकी भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपक्षि, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, गुरू कृपा श्रपार्टमेंट, एन० सी० केलकर रोड़, दादर(प), है, तथा जो बम्बई-400028 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 15 दिसम्बर, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्य है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रवमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक ही और अंतरक (अंदरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकत, निम्निलिंकत चक्केष्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिन कप से वाधिन नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण सं हुई किछी नाय की शब्द, उक्त बिजिनियत के लगीन कर दोने के बन्दरक के बहिन्दल में कभी करने या उक्त क्यने में बृविभा के सिष्ट; बीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए मा, डिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, कर्धात् :--

1. मैसर्स बिलकोन कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती चन्दांबेन देव चन्द, छेडा ग्रीर श्री देव चन्द ग्रार० छेडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उनका संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत बुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तस्तेवंधी व्यक्तिमां १९ सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार।;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीं।

स्यष्ट्रीकरणः---क्स्नमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वस्य प्राप्ति

फ्लैट नं० 31 जो श्राठवीं मंजिल, शुरू कृपा श्रापर्टमेंट, एन० सी० केलकर रोड, दादर (प), बम्बई-400028 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/22013/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

प्ररूप आई .टी.एन.एस. -----

1. मैसर्स बिलकोन कार्पोरशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

 श्री काशीनाथ खंडोजी राव घनाटे श्रीर श्रीमती सरोजिनी काशीनाथ घनाटे

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० प्राई-2/37 ई ई/24797/84-85—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रऽ. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 34, गुरूकृपा श्रपार्टमेंट, एन० सी० केलकर दावर (प) है, तथा जो अम्बई-400028 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 7 विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं 64 जो नवमी मंजिल, गुरूक्कपा ग्रपार्टमेंट, एन० सी० केलकर रोड़, दावर (प), बम्बई-400028 में स्थित है। श्रमुसूत्री जैसा कि क० सं० श्राई-/37ईई/24797/84-85 श्रीर जो एक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बर्ड

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

माहर 🛭

तारीख: 31-7-1985

23 - 21531/85

प्ररूप बाहैं ही एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक बायकर आयुक्त (निजीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्राई-2/37 ई \$/24798/84-85—-यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 36, गुरूकृपा ग्रपार्टमेंट, एन० सी० केलकर रोड़, दादर (प), बम्बई-400028 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 7 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निचितित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं कया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त बचने में स्विधा वायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अद्योगितमा, स्वा क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन जिम्मिलिकत व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. मेसर्स बिलकोन कार्पीरेशन

(ग्रन्तरक)

 श्री दत्तात्रय खांडोजी राव धनाटे श्रौर श्रीमती श्राणा दत्तात्रय धनाटे

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत तस्पीत को वर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित- क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्पी

प्लैट नं० 36 जो नत्रीं मंजिल गुरूकृपा श्रपार्टमेंट, एन० सी० केलकर रोड़, वादर (प), बम्बई-400028।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं०भ्राई-2/37 ई ई/24798/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

ोहर :

प्रारूप आई टी एन एत .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 भ्रगस्त 1985

िर्देश सं० प्राई०-2/37 ई० ई०/15207/8 4-85—-प्रांत मुझे, लक्षमण दास

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उनत निधिनयम' कहा गया हैं) की नाउउ 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निकास करने का कारण है कि स्नावर सम्योग, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर्स के साथ, जो, हन्नाग्रली टैंक रोड़ श्रौर युलन मिल्स लेन का जंक्शन, सी० एस० नं० 233 (श्रंश), माहिम डिविजन, टी० पी० एस० 3, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

स्त्रे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाधार मूक्य सं कम के स्वयंत्राव वितिष्ठम के निए जन्तिरत की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाधार भूत्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे स्वयंत्रान प्रतिफल का पंचर प्रतिख्त सं विध्य सं विद्या प्रतिख्त के विध्य है और वस्त्राप्त (वस्त्रह्वा) बाँड वंदिखा (जन्तिरतिया) के बीच एसे वस्तरण के लिए तम पाना पना प्रतिक्र का निम्मासिष्ठ उपयोग से वस्त अस्तरण कि विद्या में वस्त्रहिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावतः, उक्त विधिनियम को जभीन कर दोने को अंतरक को दायिक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को जिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य वास्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाद्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भें सुन्धा के सिद्द;

शतः वयः उत्तर् वीर्णानयम् की पारा 269-त के अनुसरम वो, ती, अक्त विधितवस की धारा 269-व की उपभारा (1) वो अपीर्क, निज्यमिविय व्यक्तिवृत्ती, वर्षाकु क्षान्त (1) श्री चंद्रकांत शंकर दलवी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीनाथ एंड कंपनी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडूत । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारींस के 45 दिन की नवींच या तत्स्वकान्धी व्यक्तियों कर सूचना की तात्रीस से 30 दिन की नवींच, को भी नवींच नाय में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते निक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सर्गे और पदों का को उक्त, अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा स्ट्रक्चर्स के साथ, जो, हन्नाध्यली टैंक रोड़ श्रौर बुलन मिल्स लेन का जंक्शन, सी० एस० नं० 233 (श्रंश), माहीम डिविजन श्रौर फाईनल प्लाट नं० 12 (श्रंश), टी० पी० एस० 3, माहीम, बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/15207/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 6-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण **वास** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श्रजैन रें**ज-2, **बम्बई**

दिनांक . 2-8-1985

मोहर 🗓

प्ररूप कार्ड, टी. एन. एस. ------- (1) श्री

(1) श्री जियाउद्दीन बूखारी

(भ्रन्तरक)

नायफर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के जभीत सुपना

(2) श्री गजानन हरीशचन्द्र पूराव

(भ्रन्तरिती)

बारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

ंबम्बई, विनांक 25 जुलाई 1985

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार भूरूव 1,00,000/- रह. ते अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, इमारत नं० 14, ओशिवरा, जोगेयवरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है दे—

- (क) बंतरण सं हुए किसी बाब की बाबत, अक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिभा के सिए; जौर/वा
- (क) श्रेती किसी जाव या किसी वन वा कम्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए;

का बहु सूचना बारी कारके पूर्वक्ति सम्प्रीति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

इक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी नास्तेय हा-

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वाना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में सभाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवाद;
- (च) इत स्कान के ज्वपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के वाड सिंखित में किये जा सकतेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जीभनियमः के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जुर्थ होया को उस जभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लैट नं० 101 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 14, एस० नं० 41, श्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/15667/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नतत नव. उन्त निधनियम की भारा 269-न की जनुबरण वो, मी, उन्त निधनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के सभीत, निस्तिवित स्वित्वयों, संबंधि ५-॥

दिनांक: 25-7-1985

मोहर ः

शक्षम् , बार्षः , दोः एतः, एवः, -----

आथकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अधीन स्वया

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भागकर बाबुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई 1985

जावकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनते अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, जिसका अधित बाजार मुक्न 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, इमारत नं० 13, श्रीशिषरा, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, विनांक 10 दिसम्बर 1984

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने कक्ष्में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिंग्ती (अन्तरितमों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पावा गंदा प्रतिफस, निम्नितिखित उद्योचय से उक्त जन्तरण सिखित में बास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई फिजी बाब की बावत उपल अधि-नियम की अधीन कर बोर्न की अस्तरक की वायित्व में कमी करन या उपसे उचने में स्विधा के लिए बीर/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारितवाँ को, जिन्हों भारतीय व्यव-कर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, वा धन-कर बीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के विष्

(1) श्री जियाउद्दीन यूखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वजीनूहीन हुसैन पारकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहिकां करता हुं।

- (क) इत स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षण की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी क्षणि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त जिथिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही कर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया। गवा ही।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 604 जो छठी मंजिल, इमारत नं० 13, एस० नं० 41, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम क्षाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई०-2/37 ई० ई०/15336/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 10-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त मधिनियम की धारा 269∾ग की उपभारा (1) हे बधीन, निञ्लीसिमत व्यक्तियां, वर्षाच ४-~

दिनांक: 25-7-1985

मोहुरु 🔳

प्ररूप आहें, टी. एन. एस्।-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/15328/84-85--- म्रत: म्हो, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, इमारत नं० 14, श्रोणिवरा, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 7 दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री जियाउद्दीन बूखारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संयोदा एम० म्रतटाफ दानावाला (भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रय्नत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 104 जो पहली मंजिल, इमारत नं० 14 एस० नं० 41, भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/15328/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विनांक 7-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः उवः, उवःत अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं मैं, में, उवःत अधिनियमं की धारा 269-भं की उपभारा (1) के मधीन, निम्नति वित व्यक्तियां, अर्थात् क्ष्रे

दिनांक: 25-7-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-2/37 ई ई/15893/84-85--यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तस्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, इमारत नं० 4, ओणियरा, जोगोध्यरीं (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयुक्र अधिन्यम की धारा 269 के छ के छधीन सक्षम प्राधिकारी के वायलिय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28 विसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रूपमान श्रीक्षण के लिए अन्तरित की गई है और स्कृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्त्रों का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक एप में कथित नहीं किया गया है :---

- (को जन्तरण संहर्ष्ट विक्ती जात की वावत , उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यरक औ दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा जी सिए; औह/वा
- (ध्र) ऐसी फिमी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों न्यें, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनवन्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मा, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीन, :--- (1) श्री झीयाउदीन बूखारी

(भ्रन्सरक)

(2) श्री खवाजा निजामुद्दीन ।

(भ्रन्तरिनीं)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचन की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त भायकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 201 जो दूारी मंजिल, इमारत नं० 4, एन० नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), अम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई---2/37 ईई/15893/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा*स* संक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बस्बई**

दिनां :: 25 · 7-· 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

ग. एस. ----- (1) श्री जियाउद्दीन बूखारी

(श्रन्मरक)

(2) श्रीकमल जलाल खान

(भ्रन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्र $\xi - 7/37$ ईई/15363/84 - 85 - -यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी सं० फ्लैट नं० 501, इमारत नं० 11, ओणिषरा, जोगेश्वरीं (10), बस्बई 400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप ने विणित है), और जिला करारनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधि गरी के आर्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, दिनांक [18] दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार ःतरित की गई डिंकोर स्भेते यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बण्डह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण शिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुस्रण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म को उपधारा (1) को यधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ॥ को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4! दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किये अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित र से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 501 जो पांचवीं मंजिल, इमारत नं० 11, एस० नं० 41, ओशिषरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि कि सं० श्रई—2/37 ई ई/15363/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, हारा दिनंद 18-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोत: 26-7-1985

प्रस्प बार्ड टी.एन.एस.

(1) श्रीं झियाउद्दीन ब्खारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जफरलम अमी

(अन्तरिती)

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय पङ्गायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांए 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई---2/37 ई ई/15184/84-85--यतः मुझे, लक्ष्मण दास्,

हायकर बिधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'टंक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1-00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 206, इमारत नं० 4, ओशिवरा, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धसुरा 26 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

- ं(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीती का ने अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी अपने का उन्नसे बचने में समिधा के लिए, और/या
 - (ख) ग्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था डिपाने में स्विधः के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ ो उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए——
30—246 GI[85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 खिखित में जिए जा जिंदें।

स्पद्धीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हों. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 201 जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 2, एस० नं० 41, ओणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई—-2/37 ई ई/15184/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 6-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है!

लक्ष्मण ६ःः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनां ३ 26-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 है० \$/15441/84-85—यत मुसे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी संव पनैट तंव 201, इमारत तंव 12, ओणिवरा, जोनेश्वरीं (पव), बम्बई 400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और ितका करारतामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 व ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 19 दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक है) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आदः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निर्म्शतिकत व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री झीयाउदीन ब्खारी।

(अन्तरकः)

(2) महमद इक्षाल महमद अभीन

(ग्रन्तिशती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैंट मं० 201 जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 12, एस० नं० 41, ओशिघरा विलेज, बेहराम आग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रमुम्बी जैसा कि कि० से० श्रई— 2/37 ई ई/15441/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास 🌭 गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

दिनांक 29--7--1985

मोहरः

प्रस्य बार् टी. एन्. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्चना

भारत धरकार

कार्यासम, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ईई/15668/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाचा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उद्यित बह्वार म्स्व 1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 504, इमारत नं० 2, ओशिवरा, जोगेष्वरीं (प०), अम्बई-400058 में स्थित है (और इसमे ंउपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय, बम्बई में ग्जीस्ट्री है, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लि**ए त**ब् पाना गमा प्रतिफास, निम्न**िलक्तिक उन्द**ोदय से उ**नक बंसरक** सिचित में बास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया गया है ए---

- (क) जन्तरण से हुई किसी अस्य की बाबसः, अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक बादित्व वें ककी करने वा उत्तरे बचने हें तुनिधा के सिए: और/या
- (भ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 **दा**र 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयाथाबा कियाजानाचाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः जव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीं जियाउद्दींन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सबमरा ग्रहमद सिद्दौकी

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के बर्बन के सिष्ट कार्यवाद्वियां करता हूं 1

जनव सम्पन्ति के नर्वन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशना की तारी**स से** 45 दिन की व्यविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीद से 30 विन की भविष, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकर **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वनाक राज्यक में प्रकादन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सुप्र किसी बन्य व्यक्ति वृदारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास म दिया गया है ।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 504 जो पाचवी मंजिल, इमारत नं० 2, एस० नं० 41, ओशियरा चिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरीं (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

- ग्रनुमुचीं जैसा कि ऋ० मं० ग्राई—2/37 ई ई/15668/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बाई द्वारा दिनांक 20-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, धम्बई

दिनांक : 26-7-19**85**

प्ररूप बाइ टी एन् एक ----

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्ज. रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनां र 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०--2/37 ईई/15819,84--85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दानः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिनकी मं० फ्लैट नं० 104, इमारन नं० 12, ओजिजरा, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है (और डम्से उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है (और जिनका करारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिदारी के ार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 27 दिलम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दरममल बित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सक्तर मृत्य उसके दरमान प्रतिक्त है और वित्रका प्रतिक्त की किए वर्ष प्रतिक्त अधिक है और वंतरक (अंतरकों) व्यौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए वर्ष वाचा अवा प्रतिक्त, निम्निस्थित उद्वर्षम से उसत अंतरक निरिश्त में वास्त्रित के कप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी नाय की वाबस, उक्त जीवित्यर के अधीन कार दोने के अन्तरक के दावित्य के कमी करने या उससे वचने के सृतिथा के सिर्दृह और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन, वा अन्य कारिकर्यों को जिन्हें भारतीय आयकतः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर किथिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. जियाने में सुविधर के किए।

नतः नव, उक्त निधितियम की भारा 269-ग के अनुतरक ने, ने, उक्त निधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निध्निमित्त स्वित्यों, जर्थात् :--- (1) श्री क्षिंगाउद्दींन बूखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री शेख मूनीर श्रहमद ।

(ग्रन्तिरती)

को यह ब्रुचना आरी करके पृथोंक्त सम्पर्गेत के अर्थन के छित्र कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्बन्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षोब :---

- (क) इत स्थना के राजपत्र मों प्रकाशन की दारींच चैं 45 दिन-को सत्रीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो चौं अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीख है 45 दिन के भीशर अन्तर स्थावर सपारत में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा संकंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राणित है, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूदी

फ्लैंट नं 104 जो पहनी बीजिन, इमारत नं 12, एमर्नं 46, ओजिया दिलें।, केंग्राम बाग के पीछे, जोगेक्वरी (पर), क्ष्वई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा ि नार कि क्रिंश-2/37 ईई/15819/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्राप्का (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 26-7-19**8**5

मोहर 🖟

प्ररूप आइ². टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई, 15088/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 304, इमारस नं० 15, ओशियरा, जोगेण्वरीं (प०), बम्बई 400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वींगत है), और जिसका करारनामा श्रायवार श्रिधिनियम की धारा 269 वा, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारीं के कार्याला, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 1 दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिचल के लिए अन्तरित को गर्ह है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण डै

ंक यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को अधिक एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्दिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उत्तसे शबने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एोमी किसी आम या किसी धन या जन्य जास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

अतः अतः अवः अविधिनियमं की धारा 260-मं के अनुसरणं में में, पक्त अधिनियमं की धारा 260-मं की प्रधारा (1) के अधिन, निम्नीनीस्त व्यक्तियमों, अर्थात् :— (1) श्रीं क्षिमाउद्दींन बूखारीं

(भ्रन्तरक)

(2) मरीयम बी०

(भ्रन्तरिती)

नते यह तृचना जान्दी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के कर्चन के प्रेसक् कार्यवाहियां करता हुं।

उनका संब्रीत को अर्ज्जन को संबंध में कोई भी आक्रोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति को हिदान बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जधोहरताक्षणी के पास्त्र तिकिस को किस जा सकींगे।

स्पष्टीकस्ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विमा गमा है।

नगर्जा

फ्लैट नं० 309 जो तीमरी मंजिल, इमारत नं० 15, एस० नं० 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पिछे; जोगेस्वरी (प०), बम्बई 400058 सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि मं० ग्रई०-2/37 ई ई,15088/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, **वस्ब**ई

दिनांक 29-7-1985 मोहर <u>:</u> प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-7. बम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०--2/37 ईई/15639/84--85---- प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भइनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- रहा से अधिक हैं और जिसकी संव पर्लंड नंव 304, इमारत नंव 14, अधिवरा, जोगेश्वरी (पव), बम्बई 400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायक्षर अधिनियम की धारा 269 वा ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, दिनांका 18 दिसम्बर 1984।

को पूर्विक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एांसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक क्ष्म से कीथर नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयाग्रर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसर्णे जों, मीं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) मुं अभीन, निम्निस्चित्तं व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीं जियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) बाका साहब मुल्तान साहब यवेरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैट नं० 304 जो तींबरीं मंजिल, क्षमारत नं० 14, ओशिवरा धिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरीं (प०), अम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ति करु संरु अई०-2/37/ई०ई० $_115639/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई, द्वारा दिनांक 18-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनांच 31-7-19**85**

मोहर 🖫

(अन्तरक)

बक्य बाई. टी. एन. एस.: -----

भागकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

मार्थत वरणाव

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (मिर्सिन)

श्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्ब ई दिनांक 31 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई-2/3कईई/15556/84-85— ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसकों परचात् 'उदस अभिनियम' कहा नया हाँ), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित. जिसका जीवत बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. पे अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, इमारत नं० 3, ऑशीबरा, जोरे-श्वरीं (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं और इससे उपाधड़ श्रनुसूची में और पूर्णरूप ने घणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में स्थित है तारीख़ 15-12-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल है, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरफ (अंतरकों) और अंतरित (ब्लारितियों) के बीच ऐसे बन्धरन के निए तब पाया ग्या प्रति-क्य विश्वासित उद्दर्भ के उक्त बन्दर्भ कि बित में बास्त्यिक का से अधिक स्त्री कि बात स्तर्भ के बित से बास्त्यिक का से अधिक स्त्री कि बात स्त्री के साम का स्त्री के साम का स्त्री के साम सम्तर्भ के स्त्री का स्त्री क

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय का बानता, जक्त जीविक्य के बंबीन कार बाने के अन्तरक के राविस्थ में बाबी कारचे या कासके क्याने में कृतिया के जिल्हा कोंग्रीका
- (ह) एरेरी किसी अप वा किसी धन या वन्य कारिस्ता को, विक् आरसीय वाच-कर विधिनियम, 1922 (1522 का 11) या उक्त विधिनियम, सः वच-कर विधिनियम, सः वच-कर विधिनियम, सः वच-कर विधिनियम, विधिन्यम, विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) व अधिकार्ण विदिश्ती द्वादा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक्।

थयः वय, उयत अधिनियम की भारा 269-न के अवृत्तरण को, भी, उयत अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीं जियाउद्दीन बुलारी ।

(2) श्रीं ग्रनवरी महमूद नवी खा.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो ।

उनत रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इस सुचना के राचपत्र में प्रकाशन की उत्तरीए हैं 45 दिन की जबिंध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बंबीध, को भी बबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वभा के राज्यन में प्रकाबन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात हैनीबत में किए का सकेंगे।

स्वयक्तिरणः -- इसमें प्रवृत्तः सक्तां वृति पद्यो का, वो सक्त प्रदिश्वतक्, के स्थाय 20-क वो पृत्तिस्तिक्त हाँ। वहीं वृत्तं द्वोगा को उस वध्याय में दिशा वया हो।

भनुत्त्वी

पलैट नं० 407, जो 4थीं मंजिल, इमारत नं० 3, एस० 41, ओशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरींप), वस्बई-400059 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/3क्ईई/15559/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, कम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम अक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर आयुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बस्बई

तारी**ष** 31-7-1**98**5

. . .

प्ररूप आर्द्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जनरें ज-2. बम्बई

बम्बई दिनांक 30 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्रई-2/3क्रईई/15555/89-85---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सच्यत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, इमारत नं० 3, ओशियरा, जोगंभ्यरीं (प), बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रनुसूचीं में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भायकर भ्रधिनियम 1961 की घारा 269 कुछ के भ्रधींन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 15-12-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के डप्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित कावार मस्य, उसके दर्यमान प्रतिकल से, एसे दर्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्दोष्य से उक्त अंतरण निक्ति भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वानत, उक्त अधिनियस के बधीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी काय या किसी भन या कन्य वास्तियों का, जिन्हीं भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विभिन्तियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धावाकिया जाना चाहिए भा, स्थिपने में स्विधा क्**विधा के लिए**।

ब्रह्म: अव:, सक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बनीत, निस्तीयविक व्यक्तियों, वर्णात् 🖫

(1) श्री जियाउद्दींन बुखारी।

(अन्तरक्)

(2) ग्राबिदा धानु ग्रमीनुन्ल्ला खिलजीं।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हूं।

ब क्या सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कि) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बनारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित्तबदध कि ती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिषित में किए जा सकरें।

ल्पच्यकिरणः---वसमें प्रयुक्त सच्यों और पदी का की उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 702, जो 7वीं मंजिल, इमारत नं 3, एस नं 41, ओशिचार विलेज, भेंहराम बाग के पीछे, जोगश्वरी, (प) बम्बई-400058 में स्थित हैं।

भनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-2/3कईई/15555/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, धम्बई द्वारा विनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गयाय।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रें ज-7, सम्बई

तारीख 30-7-1985

महिर:

प्रकप नाइ .टी. एन. एस. -----

कारकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासम् , सहायक भावकर भावक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई विनोत्त 30 जुनाई। 1985

निवेश सं॰ अई-2/37ईई/15538/84-85→- **अत** मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिल्ली सं० फ्लैंट नं० 102, इमारत नं० 12, ओशिषरा, जोगेक्वरी (प), बाल्क्ट-400058 में स्थित है और इपसे उपाबक अनुसूत्रों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिल्ला गरार-नामा आयार अधिकियम 1961 की धारा 269 एक के अधीत, बन्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीब 15-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान कितफः के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार अल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी आध की, कावत, सन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म जास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्म रिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के जनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्रणीन ज्यानित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 31 --- 236GI|85

- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारीं।
- (भग्तरक)
- (2) श्रीं शेखा जुम्मन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्वीत के अर्चन के चिए कार्यनाहियां शुरू करता हो।

उक्त तस्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अल्लेम :---

- (क) इस सूचना के राज्यक तो प्रक्रासम की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृद्दारा;
- (क) इसत्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएजक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच सिसिशत में किए जा सकरेंगे।

स्मक्किरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याव 20 के में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में विका पत्रा हैं है

अनुसूची

प्लैट नं 102, जो 1 लीं मंजिल, इमारत नं 17, एस नं 41, ओशिषरा विलेज, मेंहराम आग के पीछे, जो गेश्वरी (प), अम्बर्ध-4000058 में स्थित है।

शनुसूची जैसा कि कि सं कि हाई-7/3 हैई/15538/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनाक 15-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीय 3--7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई दिनां र 29 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/15484/84-85-- अत मृद्ये, लक्ष्मण दास,

नायकर लिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उद्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 601, इमारत नं० 15, ओणिवरा
विलेग, जोगेश्वरीं, (बम्बई-400058 में स्थित हैं (और
इससे उपाबद्ध श्रमुन्दी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और
जिसका करारनामा श्रायक्त श्रिधिनयम 1961 की धारा 269
कद्ध के श्रधींन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारीं के वार्यालय में
रजिस्ट्रीं हैं तारीख 15-12-1984,

को पूर्वीक्द संम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्मिसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; करेर/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम ्ही धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सियाउदीन बुखारी।

(भ्रन्तरङ)

(2) श्री झिल्लूर रहमान भ्रब्दुल रहमान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना कोरी करक पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना हो राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में नमाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त क्यकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूचरा की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ... 45 दिन को भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकेगे।

स्थव्योक्तरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 601, जो 6ठवी मंजिल, इमारत नं० 15, एस० नं० 41, ओशिवारा विलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैता हि कि० सं० ध्रई-2/37ईई/15484/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि गरी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ध

तारीख: 29-7-1985

मोहर 🏻

इक्प नाइ. दी. एन. एस. -----

काभकर बॉफिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत चरकार

कार्यानय, सहायक भागकर बायुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/15821/84-85— श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हु"), धर्त भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंधि, जिसका कियत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 102, जो, इमारत नं० 102, 91 बहराम बाग के पीछे, जोगेण्यरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-12-1984

कर्त पृजीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में क्रम के क्ष्यपार हिनक्ति के लिए जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को पन्यह प्रतिकृत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक कन से किंचल नहीं किया गया हैं .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्स में कमी करने या उसस बचने में धुरिशन के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बभीम, निम्नसिचित व्यक्तिस्यों, बच्चति ह— (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शहीद जमील।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उन्त नम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , धों औं अविध शांध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दवादा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थल्बीकरण : -- इसमां प्रश्वत शब्दों और पतां का, जो सक् किंचिन्यम के कथ्याय 20-क में परिमापित है, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में तिका

अनुसुखी

पसूट नं 102, एो, इमारत नं 19, 1ली मंजिल, एस० नं 4, श्रोशिवरा विलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई 2/37ईई/15821/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन नुषमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेश सं॰ ग्रई-2/37ईई/15378/84-85— ग्रतः मुझे लक्ष्मण वास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाड़ा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उजित आजार न्रूच 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 701, इमारत नं० 10, भोशिवरा, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (धौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 13-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कक् के स्थ्यमान शिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल् से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल् का पन्तर प्रतिस्त से भूभिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पाया गया प्रतिक्ष का निम्निनिश्वत उद्वादेश से उसत संतर्ज सिश्वत में पास्विक स्थान स्थान

- (क) बन्धरण वे हुए कियी जाव की वांबंध, डेंब्स विधिनयम के कथीन कर देने के अन्तरक की वामित्य में कमी करने या अससे कमने में अनिशा के विष्: ब्रोड/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वयः, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग कै वनुसर्णः वो, वो, कवर विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन् निम्निविधिय व्यक्तियों, वधीत् डि— (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भोख प्रजीज ग्रहमद श्रम्युल हमीद। (धन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के किस कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

प्रवद बुम्पति के वृत्ति के बुम्युम्य में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीं हैं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार !
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितककृथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा स्केंगे।

स्वाहित्यः -- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उस्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभ्राधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्वाही।

यन्स्ची

पसैंट नं २०१, जो ७वीं मंजिल, इमारत नं २ १०, एस० नं ४१, भोगिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेंश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं कि मई-2/37ईई/15378-84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख: 29-7-198**5

प्ररूप जार्द . टी. एन . एस------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 31जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15891/84-85- श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' अस्ता गया हैं), अर्थे अपि 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, इमारत नं० 16, श्रोशि-वरा, ग्रांधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख धधीन, बम्बई स्थिप सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 28-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल सं, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में भास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ंध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आसिकां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यापने में सुविधा के लिए;

कतः अय, उकत अधिनियम की गरा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन :—

(2) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति शरफुन्निसा बेगम।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सूक्ष करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वांक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

घनुसूची

पक्षेट नं० 204, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 16, भोशि-बरा विलेज, एस० नं० 41, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि के सं० झई-2/37ईई/15891/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 31-12-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/15374/84-85--- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, 2री मंजिल, "खार पूनम को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 67-ए, लिकिंग रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध श्रन-सूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के स्वयंभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का मृन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निश्चित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बनने में स्विधा के रिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मनमोहन सिंह कीर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार टीकम दास परवानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

प्लैट नं० 3, जो, 2री मंजिल, "खार पूनम को-माप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 67-ए, लिकिंग रोड, खार बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/15374/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बर्ध

ा रीख: 7-8-1985

मांहर ब

प्ररूप बाह : टी . एन : एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-व (1) के बधीद क्षवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाँक 7 अगस्त 1985

निदेश स॰ ग्रई-2/37ईई/15710/84-85 — ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य को पर्वोक्त सम्पत्ति के लिवत बाजार मृल्य से कम के इश्यमान 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० पलेट न० 22, मृन ऋषिट को०-श्राप० हाउभिंग सोमाइटी, लि०, श्राफ कार्टर रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण्रूष्ट्र से विणत है), श्रौर जिनका करारनामा श्रायंकर 1961 श्रधिनियम की धारा 269क के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है। तारीख 22-12-1984,

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय का वाबत. उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ्मि किम्सी आर का किमसी धन का कम्य क्राम्तियां को, जिन्ही भारतीय वायकर किमसियां, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के एसोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, कियाने में साविधा की जिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अजसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

(1) श्री दिनेश कपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित विनोद कुमारी ग्रौर श्रीमित रेनु कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के मम्बन्ध में कोई भी काक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकारों।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

फ्लेट न० 22, जो 4थी मजिल, मृन क्राफ्ट को०-म्राप० हाउतिग सोताइटो लि०, म्राफ कार्टर रोड, बाद्रा, बज्बई- 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैता ि क० स० अई-2/37ईई/15710/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनाँक 22-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लब्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बज्बई

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसं. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग भाग 269-व (1) के व्यक्षित सूचना

अर्रुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 धगस्त 1985

निवेध सं० ऋई-2/37ईई/15569/84-85-- प्रतः मुझे, लदमग वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 6, बांद्रा णिय स्मृति की-आप० हाउँ सिंग सो प्राइटी लि०, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णक्ष्प से बांगत है), और जिसका करारतामा आयकर अधितिमय 1961 की धारा 269 कख के भन्नेत बन्बई स्थित सभा प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 15-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्नृ सिन्धूमल टाकुर।

(भन्तरक)

(2) श्री विधा पेपर मिल्स लि०।

(ग्रन्सरिती)

(3) भन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्थना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हुं।

खनत् संपृतित् के वर्जन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की बर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं सं-45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिचित् में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका सवाही।

अनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो, 2री मंजिल, बोद्या शिव स्मृति को०-ग्राप० हाउसिंग सोशाइटी लि०, यूनियन पार्क, बोद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

भनुसूवी जैना कि कि से धर्म-2/37ईई/15569/84-85 भीर जो सञ्जम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा विनांक 15-12 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मग धास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रॅज-2, बस्ब**र्ष**

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप बार्ष. टी. एस. एस., -------

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूच्ना

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक नायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रैंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15863/84-85---ग्रतः, मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं पर्लंट नं 10, रैजिलैंग्ड को ०-श्राप ० हाउपिंग मोधायती लिमिटेड, प्लाट नं 93, बान्द्रा, बंग्बई-400050 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित हैं), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 29-12-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में मृषिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना न्यहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए:

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व', मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ले अधीत जिल्लालिखत व्यक्तियों, अधीत रंक विश्वित व्यक्तियों, अधीत रंक विश्वित व्यक्तियों, अधीत रंक विश्वित व्यक्तियों, अधीत रंक

(1) श्री जोसेफ पीटर बैंप्टीस्ट क्रगेंजा श्रीर श्रीमती कलेटा हरिएट श्रोल्गा क्रगेंजा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फिरोज अलीमहमद रफीक।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना बारी कर्क पूर्वेक्श सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सन्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सब्यां और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

"फ्लैट नं 10, जो दूसरी मंजिल, रेजीलैम्ड की० द्याप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, फ्लाट न० 93, चौथा रोड, टी० पी० एस० 4, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

थनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37-ईई/15863/ 84-85 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 29-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई।

दिनौंक: 7-8-1985

प्रकृष कार्ड, टी. एन. एस.-----

भायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के विभीन स्वना

भारत मरकार

रार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्तण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनौंक 7 श्चगम्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15900/84-85—श्रतः, मुझे, लक्षमण दास,

आयव श्वाधिनियम, 1961 , (961 का 43) (जिसे इसमें धमके पर्णात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट न 602, वेस्ट विंड प्रिमायसेस को अ-श्राँप सो सायटी लि। मेटेड. बी जे जे रोड, बान्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंत है), श्रीर जिसवा करारनामा

श्राय हर श्रिधितियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 29-12-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान श्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास भरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य जसके दृग्यमान प्रतिफल सं, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ष (अन्तरितियों) के बीच एंडे अन्तरण के लिए तय पामा यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई जिस्सी बाब की बाबत सकत अधिनिधम के अधीन कर दान के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा क भएं बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अभ्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने बें सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण क्रं, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे जधीन . निम्नजिकित व्यक्तियों, सर्वात् स्≃ - (1) श्री णामजी खीमजी शाह ग्रौर कुमारी भारतीय शामजी शाह

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती श्राक्षा पोदार श्रौर कुमारश्रामीश पीदार। (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तुरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को बहु सुचना **बारी करके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध नाद में राजपत्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकोंने।

वन्त्र्या

पलैट नं० 602 जो छठवीं मंजिल, वैस्ट विंड प्रिमाय-सेंस को० श्राप० सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 210/ ए, बि० जे० रोड, बान्डा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/15900/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 29-12-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 7-8-1985

मोहर 🗉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15384/84- 85:--श्रनः मुझे, लक्ष्मण दास.

नावकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त जिल्हा नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जभीन सक्षन प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिल्हा उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1, न्य जागृति को-श्राप हाउसिंग सोमायटी, स्वामी विवेकानन्द रोड, बान्द्रा, बम्बई- 400050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृस्य ते कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत खब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नसः अवः, उन्तं निधिनियम की भारा 269-ग के जन्दरण ने, ने, उन्तं अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्निधित न्यन्तिवीं, वर्षात् क्— श्रीमती दोरोशी डीसोजा और श्रीमती मरीयन रोड्रिक्स ।

(भ्रन्तरक)

2. मेजर ६० एल० वि. राव।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिस श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को नेह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यत्ति के अर्जन के सि कार्यग्राहिकां करता हुं।

उनत सम्मिद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 15 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ग्रूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति हवारा;
- (चा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भर्पात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्पब्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त छन्दों और पदों का जा उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं ा. जो तल मंजील, न्यू जागृति को-प्राप**्हा उतिग** सोसायटी, स्वामी विवेदानस्य रोड, वास्त्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रन्यूची जैंसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/15384/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई, द्वारा दिनाँक 14-12-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेजिक्क2, बम्बर्झ

नारीख: 7~8-1985

मोहरः

वस्य बाह् हो. एवं पुर्व ु-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिन^{हें}क 7 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्नई-2/37ईई/15317/84-85:—ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या पर्नेट नं 0 10, यनिवर्सल को-श्राप० हाउसिंग सोपायटी, बान्द्रा, वस्बई-50 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबत्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ लिगिनलिखित उच्चेदय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के उन्तरक व दायित्व में कसी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(अ) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षाण प्रकट नहीं किया गया था या किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भी, भी अवत अधिनियम की भारा 269-ग की अपभारा (1) के अभीत, निम्नतिचिक व्यक्तियों, अर्थात् :→ 1. श्रीमती कमला एस० भट्टाचार्य ।

(यात्रक)

- श्री अब्दुल हफीज खान भौर अर्शी बेगम।
 (भ्रन्सिरिती)
- अन्त(रती)

(बह व्यक्ति, जिस ग्रिधिनोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटिकरण: --- इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

बनसची

फ्लैंट नं० 10, जो बीथो मंजिल, युनिवर्सल को-ग्राप० हाउसिंग सोतायटो, सेंट बच्टोस्ट रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-2/37ईई/15317/84-85 और जो एक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ढ़ारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 7-8-1985

ं प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

यम्बई, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15728/84-85:--अत: मुझे. लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रींग जिनको संख्या फ्लैंट नं० 2, जो, तल माला, तिलीयन अपार्टमेंटन को-प्राप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, प्लाट नं० 1126-1127, डा० श्रम्बेडकर रोड खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रींग इससे उपाबढ़ श्रमुमूची में श्रींग पूर्ण चप से वर्णित है), श्रींग जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ी बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती हरदेवी डी० कट

(श्रत रक)

 श्रीमती हरदेवी रामचःव ग्रहुजा ग्रीर श्रीग्रमीत रामचःद ग्रहुजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैंट न० 2, जो, तल माला, लिलीयन अपार्टभेंट्स, को-आप० हाउसिंग सोक्षाइटी लि०, लाट नं० 1126-1127 डा० श्रम्बेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अरु सं० श्रई-2/37/15728/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बभ्बई, हारा दिनांक 21-12-1984 को रजिस्टाई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 8-8-1985

प्रकम बाह्र हो. एन. एस.-----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्चना

धारत ब्रह्माड

कार्यान्य, सहायक अध्यक्तर वाम्क्त (निरीक्षक)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15183/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बावार मृन्यू 1,90,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं० 14, दौलत बाग, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपौरत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसं अन्तरण के निए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उस्त अन्तर्ण निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ ते हुइ किसी बान की शवत, उक्त वीधीन्यम् के स्थीन कर बोने के मुन्तरक के सामित्य में कनी करने मा उससे ब्याने में सुनिधा के निए; बौर/मा
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या या वा किया वाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा के निए;

ज्तः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अपूक्रथ ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१३ क अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, नर्थात् ः—

 श्री प्रनिल रामचन्द लाला ग्रोर श्री हरेश मोहन लाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगत राय के० बहीरवानी, श्री गोबित राम के० बहीरवानी, श्रीर श्री भगवान दाग के० बहीरवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह शुक्रना बारी करके पूर्वासिक संपत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विक की अविभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायर;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्र सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकेंदी

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो दीलत राम, को-म्राय० हाउमिग सोसायटी लिमिटेड, छह्तोसवा रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/15183/84-85 ग्रौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुवन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 7-8-1985

मुक्क वार्ष <u>. सी . सुब</u> . प्रतानननननन

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

सं० अई-2/37ईई₎ 15210/83-84:--अतः मुमे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसमें प्रश्वात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बम्पसि, जिसका उचित बाजर मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० डी/4, मेट्रोपोलीटन को० आप० हाउसिंग सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयजान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सम्मूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे अवकान प्रतिफल का स्वयू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया इतिफल, निम्नितिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जेलिनत में वास्तिक रूप से गरियत नहीं किया नवा है :—

- (क) बन्तरम् संधूर्यं किसी वाय की बाबल, उपस् स्थितियम सी स्थीन कर योगे के बन्तरफ के शायित्य में कभी कर्तने ना उत्तर बचने में सूचिया के सिद्धः सौर्/मा
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिशी को, जिन्ही भारतीन अन्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्सा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिए था छिपाने में रिकंधा की सिए;

बतः अब, उक्त सिधिनबमं की धारा 269-ग के अन्सरक कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिकित व्यक्तियों. अर्थातः :— 1. श्रीमनी राज सूरी।

(अत्वरह)

2. श्रीमती हिम्ह बी० बलानी श्रीर श्री भगवान पी० जलानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की वनिष्या बल्बम्बन्धी क्लीक्तकों पर सूचना की तायील से 30 दिन की सर्वाभ, को भी सर्वाभ बाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्षितकों में से किसी स्थानित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा तकोंगे।

अनुसुची

फ्लैंट नं० डी $_{\parallel}4$, जो मैंट्रोपोलीटन को आप० हाउसिंग सोमायटी, 20 पाल हिल, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/15210/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास,
सक्षम प्राधिकारो
सहायक आयंकर आयुक्त, अधिकारी
अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 7-8-1985

प्ररूप भाष्ट्र, टी. एन_ु एस_ु-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्द वस्बर्द, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० अर्घ-2/37 ईर्घ, 15063, 84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्भति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्नेट नं० 121, जो कीसेंट इमारत, प्लॉट नं० 318, पाली हिल रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 260 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

कर्ग पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यभाम प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिषात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बजने में मुजिश्व कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्लियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निरुधा के लिया.

अतः जबः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-व के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री हरेश एम० मालानी, श्री किशोर एम० मालानी,
 और श्री रमेश एम० मालानी।

(अन्तरक)

2. मास्टर संजीव कुमार कौल।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं 121, जो, क्रीसेंट इमारत, फ्लॉट नं 318, पाली हिल रोड, खार, वम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ई1/15063/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारोख: 7-8-1985

प्ररूप वार्ड .टी .एन .एस .------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त् 1985

सं० अहै-2₁ 3 7ईई₁ 1 5 2 0 9₁ 8 4-- 8 5:---अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 604, जो, डाफफोडिल्स, 6ठीं मंजिल, 107, पारी हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है, भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्रीमती लाज छात्रा,

(अन्तरक)

2. श्रीमती फरहाना सैयद।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से.
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त बाब्वों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुनी

फ्लैंट नं 604, जो, डाफफोडिल्स, 6ठीं मंजिल, 107, पाल हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/15209/84-85 झौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज-2, ब म्बई

बतः वया, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उसत अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1)

<table-of-contents> अधीन निप्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗝

सा**रीख**: 7-8-1985

मोहर:

33---246 GI[85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

बाह्य सुरकार

कार्यां जय, सहायक भायक र आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 अगस्त 1985

सं० अर्ह-2/37ईई/15339/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 1 जो 1ली मंजिल पार्कलीन को-आप हाउसिंग सोसाइटी लिं , प्लाट नं 26/26 ए यूनियन पार्क खार (प०), बम्बई-52 में स्थित हैं ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकार्य) को नम्ति ऐसे अंतरिका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्परण में धूर्य किसी आवः को बाबच, क्षण को अनिवस को अभीत कर दोने को बलास्क को दासिस्थ को कभी करने या उससे क्षणने थे सुविधा के लिए। बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1972 । १९७० के ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपाने में मितिधा के विकास

अतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अस्याप्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिलियित व्यक्तियों, अर्थात :--- . 1. श्रीमती सुदर्शन एस० मल्होत्रा

(अन्तरक)

 श्री राज कुमार टी जेक्का, श्रीर श्रीमती मोना राज कुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षाव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पना हैं।

वन्स्ची

प्लैट नं० 1, जो 1ली मंजिल, पार्क लीन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 26/26 ए, यूनियन पार्क, खार (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अf-2/37ff/15339/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्द, द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज--2, बम्बई

सारीख: 7-8-1985

प्रकृत कार्युं हो , एस . एस , -----

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नचीन सूचना भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, हिनांव 7 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15563/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

काक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-आ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 31, ग्रामोक श्रपार्टमेन्ट, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाग्रत ग्रामुन्दिमें श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्याक्य बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-12-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करन का कारण है

कि यथा पुर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जनतरण से हुई किया काम की बायत, उथस जिथानियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के बावित्व में कबी करने या उत्तर बचाने में सूविशा को सिद; बार/या
- (भ) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः, अय, उक्त अधिनियम को धारा 269- व के जन्मरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निकलिसित अक्तिमणों, अधीन :—- कन लोकूमल मनसुखानी श्रीर कुमारी कौशी गंगाराम जंगीयानी ।

(म्रन्तरक)

2. किशान, गंगा विशन दास अहूजा।

(भ्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्का :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर नृथन की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका कारिकार में से किसी व्यक्ति कुन्सए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थध्द्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाविक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 31, जो तीसरी मंजिल, श्रणोक श्रपार्टमेन्ट बंदा हिल, होरायजोन, को-श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, 8 यूनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि सं० स्रई-2/37ईई/15563/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, बाग, दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, बस्वई

दिनांक 7-8-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

,नर्देश स० श्रई-2/37ईई/15912/84-85- अतः मुझ्, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, चित्रका उचित्र वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भी जिनकी सं प्रलैट नं 41-बी, लैण्ड बिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा न और पूण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्टा है दिनांक 28-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को करयमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह निष्कास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पति का उपित काजार ब्स्य, उथके क्यमान प्रतिफल से, होसे व्यथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्क्षविक रूप से कर्षिक कहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी भव या बन्यू बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जाभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, था भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था किया बाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री प्रेम जे० उत्तमवादानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रं जनक कुमार जीव दावर ग्रीर श्रीमती निर्मल जेव दावर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बादी करके वृत्तीयत् स्थ्यति के अनंन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायः
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीचं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पाइ सिचित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दाकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित ही, अक्षी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनसूची

प्लैंट नं० 41-बी, जो लैंण्ड, ब्रिज, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 52, पाली हिल बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/15912/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधि तरी बम्बई द्वारा, दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड विधा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 1 7-8-1985

प्रकल बाही, टी. एन., एवं.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) न्ही भारा 269-च (1) के अचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकार आधुकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/15300/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कह्य गया हैं), की भाख 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसको संव पति तंव 302, शेल्टर, 20 सेन्ट फान्सीस रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 वर्ष के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रा है दिनांक 7-12-1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्नुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यो) के बीच एगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जिथीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे अपने मा सुविधा क लिए: आर/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्याजनार्थ यंत्रिशी हवारा प्रकट नहीं विद्या रामा को किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै किह:

जतः अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक में, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, अर्थात् :---

मुहेल कन्स्ट्रक्शन।

(भ्रन्तरक)

- श्रीमतो जुडाथ लजार श्रौर श्रायसँक लजार । (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती मार्गारेट डिसोजा, (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाह्यपे 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

फ्लैंट नं० 302, जो तोसरी मंजिल, शेल्टर 20, सेन्ट फार्न्स रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसालि करु सं० अई-2/37ईई/15300/84-8 5 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रास, दिसांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक *1*-8-1985 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/15755/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पर्लंट नं० 7, कांताबाडी, रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 24-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

मैसर्स रोहीत बिल्डर्स एण्ड कान्टैक्टर्स ।

(अन्तरह)

2. श्री पीटर, डीसोजा ग्रीर श्रीमतो प्रेती पी० डीसोजा ।

(अन्नःरेनो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो दूसरी मंजित, कल्लावाडी रोड, वान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/15755/84-35 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक: 7-8-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आमकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के लधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निवेण सं० ग्रई-2/37ईई/15733/84-85—-ग्रतः मुझे, नक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' नहा गवा है), की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स जायक हु ग्रीर (सकी सं० फ्लैंट नं० जी० एफ़-1, णैलेजा, को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि। पटेड, बन्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपख्छ प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिलहा अरारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 268 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है, दिनांक 22-12-1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरुवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वात करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्मिरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में तृतिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नस्तिसिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रोतीता राय श्रौर श्रोमर्ता शान्दा राजपूता
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बीरेन्द्र माधयलाल ।

(भ्रन्त(स्त))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तुम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृमना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में द्वित- बक्थ किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं॰ जी॰ एफ॰-1 जो तल मंजिल, गैलेजा को, भ्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 50 पाली हिल रोड बान्ब्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनसूची जसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/15733/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-8-1985 मो**हर**ः प्ररूप आईं.टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० आहै-2/37ईई/15709/84-85--अतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

बावकर विभिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षांस् 'उक्त किवीनमन' कहा गया है) की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 4-बी, कोलवाड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 21-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तीरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्प्रीत का उचित्र बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकास से जिथक है और जन्तरक (जनसरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व को कभी करने वा उससे वचने में सृष्टिशा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्ल अधिनियम, बा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिक्षी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः स्वयः, उस्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरण हो, ही, उस्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) है सधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री स्टीफ मानसालवीस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बू० झुबेदाई ।

(अन्त(रती)

3. माडोली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना आर्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करदा हुं।

उक्त सम्मति के अर्थन के तंबंध में कोई भी जाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींच के 45 दिन कर्त्र जुनिए सा तत्त्वस्थन्थी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अवधि नाद में तमाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यक्तिः;
- (क) इस क्षण के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीवार उसत स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म न्यक्ति ब्वारा नभोहस्ताक्षरी के शत तिविक्त में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:----ध्तमें प्रवृक्त कव्यों और वयों का, को उक्क जीभीनयम, को अभ्याय 20-क में परिभाषिक ह^त, वहीं जर्भ होगा जो उस अभ्याय में क्रिया गया है।

धन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी० एस० नं० ए/740-बी (पार्ट), म्युनिसिपल नं० 531, एच० वार्ड, 4-बी, कोलवाड, बाजार कोस रोड, बान्ब्रा, बम्बई-5० में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं०अई-2/37ईई/15709/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 21-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-8-1985 मोहरः

त्ररूप बाइ .टी. एन. एस ..-----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

जारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकार मायुक्त (निर्धिक)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निवेण सं० अई-2/37ईई/15708/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी दो, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० बी/44, वरीडा रोड बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूची श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी आय की बाबत, उक्क औधनियम के अधीन कर वोने के बन्तरूक वे ग्रीयरण में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए बॉर/बा
- (क) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: इस, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, कें जनत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीत, निम्निलिखिश व्यक्तियों, अर्थात :—— 34—246 GI/85 1. श्रीमती जोनी माँन्सालबीस डर्फ जेन, परेरा।

(अन्दरक)

 श्री माजीद एम० बाटलीवाला ग्रीर श्री शाँन एम० बाटलीवाला

(अन्तरिती)

3. माडोब्री ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को बहु स्वना बारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के वर्षत के किय

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत को हिस्सा जीसका सीटीएस नं० बी/44, हाऊस नं० एच-775, बरोडा, रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कल संल अई-2/37ईई/15708/84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 21-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-8-1985 मोहर ३ प्रस्थ बार्च. टी. एन. एस् प्रस्ताननन्तरन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 16 85

निदेश सं० अ।ई-2/37ईई/15564/84-85--- अतः मुझे लक्ष्मण दास

भागकर थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके ''एगात् 'उक्त अधिनियम' वज्रा गया हैं), की भारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि अधीन समास्ति, जिल्ला उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रुट से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं सी एस वं 876, पाली हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विज्ञत है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरती (अंतरितियाँ) के बीच एमं अतरण के लिए तय गया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- किं संतरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दांत के बंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा व ११३०, अर्थ, अ
- (क) एसी किसी नाय मा किसी धन या उन्य जास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ल्या था का किया जाना चाहिए था, जिल्लाने मी

अतः कथा, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अस्तीम, विकासिकीसम्बाजीसमार्थी, अस्तिहरू श्रीं गिरधर लाल सिंह,

(भ्रन्तरक)

2. श्रीं सतीम धानुका

(ग्रन्तरितींक)

भाडोती

(वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्बेसि हैं)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूजना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वश्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

जमीन का हिस्सा जो ली० टी० सर्वे न० 876, सी० **वार्ड,** स्ट्रीट, नं० 4क, पाली हिल, रोड, बाल्द्रा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋ० सं० आई-2/37ईई/15564/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांट 15-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहाययः आयशर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 7-8-1985

प्रकार बाहुर ही, एम, एम, -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक बारकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई-2,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्ट 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/15232/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का स्वाप्त हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से भौधक हैं

म्रोर जिनकी सं० आफित तं० 701, ते 702, माधवा, ई-व्या छ, बात्व्रा, कुर्ला कमरियात अफरनैना (पू०), बनाई-400050 में स्थित है (भ्रीर इतने उपावड़ अनुभूत्री में और जो पूर्ण कप सं वर्णित है) भ्रोर जिलका करारवामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 कख के अधीत जवम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिवाक 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य सं कम के क्यमान प्रिक्कल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत सं, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिय्क रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त ब्रिजियम के अधीर यह कि के अधरक र बायित्व में क्ष्मी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और क
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्विनों में मृविभा वी सिद्

बर: ग्रेब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को बनसरण को, मी, उक्त त्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे बगीन, निम्तिनिक्त व्यक्तियों, वर्षात :—

- मैसर्स माधवा युत्ताइटेड, होटेल्स, ईंटरनेशनल, लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. त्रिमियर इन्स्ट्रूमेस्टस, एण्ड कन्ट्रोफस लिमिटेउ । (अन्तरिती)

करें यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के वर्षन के तिहा कार्यनाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान को तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ल ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वायः;
- (च) इस सृष्मा को राजवत्र में प्रकाशन की तारोध में 40 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सवृष् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहरताक्षरी को पास सिवित के किए वा सकोंगे।

"पर्वेकरण :---इसमा प्रयुक्त कब्दों और पदो का, वा उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषितः ह¹, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

अनुसूची

आफिस नं० 701 रें। 702 जें: सादवी मंधित, माधवा , प्लाट सी-4, बलाऊ बान्द्रा, कुर्ला कर्माण्यल काम्पलैक्स, बान्द्रा, (पू०), बस्वई-400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-2/37ईई/15232/84-85 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बस्तई द्वारा, दियांक 7-12-1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जनरोज-2, बस्बर्ड

दिनांक 7-8-1985

श्रमन मार्"ं टी. एवं. व्यः न त - ----

मायकर जिथानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन मुखना

STORE WATER

कार्याज्य, बहायक नायकर वायुक्त (शिराँकाण)

अर्जनरोंज अम्बई: 2,

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेश सं० आई: 2/37ईई/15416/84-85—अतः **मुझ** नक्ष्मण दास

नायकूर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निभित्तिमन' कहा गया है), की भाष 269-स से अभीन तक्षत्र प्रतिभागी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्वति, जन्मका उचित्र वासार मृस्व 1,00,000/- रा. से अभिक है

भ्राँर जिसकी मं० यूभिट नं० 85, रत्न-ज्योत ई हिस्ट्रियल इस्टट, विले पार्लो, (प०), बम्बई। 400056 में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप में विणित हैं) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 13-12-1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित गाणार मूल्य से कम के इक्तमान पितफन के निष् जन्तिएत की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपन्ति का उचित गाजार भूल्य, उसके दरभगन प्रतिकल सं एते दर्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफन, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिवित भे गास्त्रिक कप से कियत नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उपत अभिनिवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दक्षियल में कामी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; आंद्र/वा
- (ब) एसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा किस क्या गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः वर्ग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण क्रां, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) क्रिक्शन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्णात्

1. मैंसर्स प्रगती, कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. में ससं फोटो वर्ल्ड ।

(अन्तरिती)

का वह शुक्तक अद्धारी कालके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिध् कार्यकाहियां काल्या हो ।

इन्द्र सम्मरित के वर्णन के संबंध में कोई शी नाक्षेत्र ⊪---

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तहरीय ते 45 दिन की संगीध या तहरीयंथी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर क्वेंकिंड व्यक्तियों में से किसी स्वनित द्वारा;
- (क) इत बुक्त के राज्यन में प्रकाशक की तारीज के 45 किन के भीतर उनत स्थानर सम्मति के हितबक्ष किकी जन्म व्यक्ति वृदारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में निष्णु पा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इत्रमें प्रयुक्त वश्यों और पर्वो का, को उत्तर व्यक्तिकाम, के वश्याच 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्यू ची

यूनिट नं० 85, जो तीसरी मंजिल, रस्त ज्योत ईडस्ट्रियल इस्टेट, सी० टी० एस० नं० 744 (पार्ट), ईर्ला, गावयम, विले पार्ले, (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आईब2/37ईई/15416/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 13-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंजस्2, बम्बई

दिनोक 12-8-1985

प्ररूप बाई . टी. एन . एस . ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयु त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/15150/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इकके पहचाद 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

म्रीटिजिसकी सं० यूनिट नं० 12, जो श्री बालाजी दर्शन विलक रोड, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीट इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीट जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीट जिसका करारनामा आयक र अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 1-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्गेक्त सम्पत्ति का उभित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ क्री उपधारा (1) को अधीनः निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधितः :— 1. मैसर्स भगवती बिल्टर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री क्षरणजीत एम० साब्हने।

(अर्द्धारती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाधिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मां परिभाजित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 0 12, जो तीमरी मंजिल, श्री बालाजी दर्शन, तिलक रोड, सान्ताकूज, (५०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/15150/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलांक 3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-2, बम्बई

दिनांक 12-7-1985

भाहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० आईस्2/37ईई/15098/84त85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

भ्राँत जिसकी सं० शाप नं० 10, मुमीला बाग सान्ताकूज, (५०), बम्बई-400054 में स्थित है। (भ्राँग इससे उप् बद्ध अनुसूची में भ्राँग जो पूर्ण कार से विणित है) भ्राँत जिसका कर रिताम आयकर अधि यम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांज 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया की या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा की थिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती शिरीतवाई गाले भाई बंदूरुवाला, श्रीमती खदीज फिरोज, बंदूरवाला और श्रीमती झुबेदा इक्षाहीस पीप्रवालाः।

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर बी० देसाई

(अन्दरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :—
 (क) हरः सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से
 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधं हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमे प्रय्वत कट्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो खस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

शाप नं 10, जो सुशीला बाग, को-आप० हाउसिंग सोसायटो 53,ए, एम्स्विति होड, सान्ताश्रुज, (प०),बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/15098/84-85 फ्रोर जो सक्षम प्राविहारी बम्बई द्वारा, दिताल 1-12-1984 को रक्षिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिभांक 12-8-1985 मोहर: प्रस्प नाइ^र, टी. एन. एस_{.,}-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाह

कायालयः, महायवः अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

'सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

वस्बई दिनाँक 12 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० आई 2/37ईई/15124/8485— स्रतः मृझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्व के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्मानि, जिसका जीवत बाजार मत्य 1,00,000 /- रा. से शिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, प्रनव बिल्डिंग सान्ताकृज, (प०) बम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उदाबद श्रन्सूची में श्रीर जो पूर्ण, क्ष्म से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्रिधकारी कार्यालय बम्बई में रजिस्टा है दिनौंक 3 12 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उत्थित ग्राजाः गुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुम्ने यह विद्यास कारने का कारण ही कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित ग्राजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म ग्रास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया ही:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के ताति अर दन के अन्तरक के द्राप्तिच में क्षी काने शालयमें उसने में व्यापा के सिए; और/शा
- (७) णसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या अन-सर आंशिनियम, 1957 (1957 को 27) की अन्यार्थ अन्तिका देवान एक जुला क्या गाया गाया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निमनसिंखता व्यक्तयों, अर्थात् :— 1. श्रीमतो निर्मला सावलाराम बर्से।

(श्रन्तरक)

- 2. मनोज मूल चैनानी, श्रीर मु^{ने}श मूलाबराय श्रडवानी (श्रन्तरिती)
- 3 ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभाँग में सम्पत्ति है)

को यह मुखना आरी करके पृथीन्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यधाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अजन के संबंध मी कीई भी आक्षीर . ---

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिन या नत्ता वन्धी व्यक्ति पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में सजारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त खासिनयों में में किमी जिल्हे द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर इतत रक्षा कर सम्पत्ति में हिलाबयुध (क.स) अन्य का ना दुकार अपात अपात कर कर के ए.स निविध्त मों किए का सकेंगी।

स्थर्धाकरण: ---इसमें प्रस्तुकन कर्दा त्रीर पदी का., र उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं 4 जो पनव विल्डिंग जुटू गार्डन को श्राप० हाउसिंग सोमायटी, मान्यकूज (प० (, बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर मंत्र आई 2/37ईई/15124/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारो बरबई हारा, दिनौंक 3 12 1984 क, रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल**ंभग दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बस्बई

िताँक 12 8 1985 मोहर ध अस्य आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 भ्रगस्त 1985

निदेश मं श्राई-2/37ईई/15474/84-85--ग्रनः मुझे, नक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं नन्दवन , चौथा रोड, सान्ताकूज, (पु०), वस्वर्ड-400055 में स्थित हैं (स्रोर इसमें उपाबद श्रनुस्ची में ग्रीर जी पूर्ण रूप ने विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा ग्राथकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के क्रायिलय बस्बई में रजिस्टी है दिनौंक 14-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्सि से उपित बाजार मृत्य से कम कै इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रुप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिच है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंव में बास्तिक रूप से किया गया है 3—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किती धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आता जीतिय या, किया में सुविधा वे सिद्र,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीक, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मनोहर निलक्ष्य श्रमांसकर श्रौर श्रीमती कौमुदी काणीनाथ भरने।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती शोभा मेडींका ।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके प्रॉक्ट सम्परित के वर्जन के निए कार्यनाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो थे। अविधि बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब वी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिशाबिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्यास में विशा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० नन्दवन, चौथा गोड, टी० पी० एस० 3, सान्ताऋूज (पु०). बम्बई-400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-2/37ईई/15474/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-8-1985

महर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आरुकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं० न्नाई-2/37ईई/15596/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11. रिशी दयानन्द भवन, विले पार्ले पैंप०), ब्रम्बई-400056 में स्थित हैं (ग्रोर इसने उराबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर जो पूर्ग का से वॉगत है) ग्रोर जिस्हा करा तामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के बे के ग्रिधीन सजस प्राधि-कारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्रो हैं। र्नॉक 15-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एंसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिल्ला में गस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए।

त्र× अत्र, उसन अिंग्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के तभीन निम्नलिकित व्यक्तिरों, अधीत् :----35.--246 ⊞85 श्रोमतो सन्तः श्रात्मप्रकाश प्रापृतिकः

(अन्दरक्ष)

2. श्रो राजेन्द्र जशवस्तराय जोगी।

(ग्रन्ति।)

अन्तरिती ।

(बहुव्यक्ति जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिः वे अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी हो पाम लिबित मों कि ये जा सकी।

रपध्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची:

फ्लैंट नं० 11, जें। नंथी मंजिल, रिणी दयानस्व शवन, 231/11/0, ईर्वी साध्यत्र, दादाभाई, धाप रोड, न० 3, तिले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संब्याई 2/37ईई/15596/84-85 श्रीर जो अक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा, विश्वंक 15-12-198। की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण आप सक्षम पाधिकारो सहायक आयागर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक : 12-8-1985

बोहर 🛭

प्रस्प आहें, टी. एम्. एस . ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक भागकर जागुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, डिनॉंक 12 भ्रगस्त 1985 निदेश मं० श्रई-2/37-ईई/15106/84-85--श्रतः मुझे, सक्ष्मण डास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की स० काप नं० 9, बिन हेनत 2, जुहू दौरा रेकि, बंबई--400049 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है,) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मून्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार बून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उदल बन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियन, के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या बन्य वास्तियां को, जिन्हीं भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्रीधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकाट नहीं किया

भनः अन्न, सक्त निधिनियम की धारा 269-य की बनुसरभ भी, मी उक्त विधिनियम को धारा 269-व की उपभाषा (1) भी अधीन, निक्तिलिक्त काकितवाँ, अधीत् अस्स

- श्री लक्ष्मी एम० ठक्कर,
 श्रीमती जयश्री एम० ठक्कर,
 श्रीर कुमारी श्रारती एम० ठक्कर।
- ग्राण् माटोर एष्ड जनरल फायनान्म (प०) लिमिटेड।

(भ्रन्तिरती)

(भ्रन्तरक)

की यह मूचना बारी करके पूर्वीनत् क्रम्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोड़" भी वाक्षेप ----

- (क) इस सूचना को हाजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वता के राजवण में शकायन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवस्थ किती बन्द कहित स्वारा वशोहस्ताक्षण के शब्द ज़िवित में किए का सकों गे।

स्यष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, से बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका एमा है।

ग्रनुस्वी

हाप नं० 9, जो बिच हेवन 2, बिच हेवन को-ग्राप० हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, जुटू तारा रोट, बस्बई— 400049 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्राह्मै -2/37 – हिंहै /15106/84 – 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बाबई हारा दिनौंक 1-12-1984 को रिज़्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण).≯ श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

हारीख: 12-8-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 12 भ्रगस्त, 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/15478/84--85-- -भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 4, त्रिवेनी, सी०-विल्डिंग, सान्ताश्रुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम को धारा 269 उख के श्रिधीन सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-12-84

को पूर्वोवत सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते गह विक्तास करने का कारण है कि सथापूर्वोवस सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्योच्य से उक्त अंतरण निविक्ष में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बावत, आयंकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए:

अत: आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यिक्तियों, अर्थात्:— श्री एच० सी० कोशिक श्रीर श्रीमती के० एच० कोशिक।

(श्रनगढ)

 श्री श्रश्ण एन० माह श्रीर श्रोमतो ए० ए० गाह।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क), इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पञ्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में प्ररिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कासची

फ्लैट नं० 4, जो, तिबेनी, सी-बिल्डिंग, गुस० वी० रोड़, मान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37—ईई/15478/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अन्बर्ष

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-अ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीत रज-२, बार३ई

बम्बई, दिनांक 12 ध्रगरत 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईडी/15477/85-85--ग्रान: मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), को धार 269 के ती वाचीन संभाग पाधिकारों को यह विश्वास करने का शारण है कि संभार सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 201, तलाटी: ग्रापार्टमेंट विले पानें (१०. बम्हाई-400056 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाजह श्रनसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269क ख के ग्राधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में र्जन्टों है, तारीख 14-12-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतिन्ती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में साविश्व के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्विभा के लिए;

अत: अह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) ➡ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- 1. श्री शेख ग्रदम सब्जू।

(भ्रन्तरक)

श्री लंबकलाल प्राणजीवन मेहता,
 श्रीमती भानूमित ग्रमंतरी मेहता,
 श्रीर श्री विजय दुर्लभजी मेहता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स्र 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरेर पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट न० 201, जो, हुपरी मजिल, तलाटी श्रपार्टमेंट, एस० बी० ें ें विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूती जैसा कि कर सर ग्राई-2/37–ईई/15477/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलौंक 14–12–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण ात्मै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

A CONTROL OF THE PROPERTY OF T

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बरबई दिनांक 12 ग्रगम्न 1985

निदेश मं० श्राई-2/37-ईई/15057/84-85--श्रतः मुझं, लक्ष्मण दासः

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 103 डिलाइट छेन विते पार्ले (प०) बम्पई में स्थित है (स्रीर इससे उपाद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण कर ने पणि है) स्रीर जिसका करारतामा स्रायक्तर स्रिवियम की धारा 269क ख के स्रधीन बन्धई स्थित मक्तम प्राधिकारी के आर्यालय सम्बई में रजिस्ट्री है तार्शक 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्सि में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करन या उससं चचन में सुविधा क लिए, और/या
- (स) एसं फिली आय या फिली धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11, का उद्या अर्थितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बत्तर ताच जनम किशितियम की भाग 260-स के अजसरक में में जबत विश्वित्रम की भाग 260-स की प्राथ्यत (+) के वर्षाय विश्वतिविधित व्यक्तियों अर्थात् ह—- 1. श्री रूपा एस० पजाबो।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती रीना विनाय गोश।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाण लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 103 जो डिलाइट डेन सब-प्लाट नं० 9 'लाट नं० 3 इर्ला ताला विले पार्ले (प०) जें० बी० पो० डों० स्कंनि बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि कि में श्रई-2/37-ईई/15057/ 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 की रजिस्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्य म प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रंज-2, बम्बई

12-8-1985

माहर :

For the same of th

अरूप बाइ'. टी. एण. एस.-----

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० अई--2/37-ईई/15666/84--85---अतः मझे,

लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 196; (1961 का 43) (जिंहे इसमें इसके प्रदात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), जी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 7, कोठारी को-आप० हाउसिंग संधायटी लिमिटेड, विले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर िएका रागरभामा नायकर विधित्तम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के जार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 20-12-1984 को पूर्वेंदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरते का कारण है कि यथापूर्वोंदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरते का कारण है कि यथापूर्वोंदत सम्पत्ति का उचित बाजार नृष्य अवस्ति का स्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित गी और बन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तथ पामा गया प्रतिफल कि जिल्ला मन्तिकार के लिए तथ पामा गया प्रतिफल कि जिल्ला मन्तिकार के लिए तथ पामा गया प्रतिफल कि जिल्ला मन्तिकार के लिए तथ पामा गया प्रतिफल के बिकत नहीं कि जाना है ।--

- (का) अन्तरण त हुई किसी साम की वाबस, अकस अधिनियम के सभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या जससे वचने में भृषिधा के लिए; ब्रांड/या
- (अ) एस किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपान में सविधा के लिए; और/या

लत. मव, उक्त कॉभॉनयम की भाग 269-ग र अनुसरण भं, माँ उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की ०२४०० (1) हो अभी , निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अभीत् ह— श्रीमती रसीलाबेन खूशलदास मेहता।

(अन्तरक)

 श्रीमती ज्योत्सना महेन्द्रकुमार शेठ ग्रार श्रीमती कुमुम रजनीकांत शेठ।

(अन्दर्भिती)

3. अन्तरिसी

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तिनती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

टक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बास चिकित में किए का सकेंगे।

स्पटीकरण:—इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, भो जनक विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भूध होगा थो उस मध्याय में दिया कवा है।

बन्स्पी

पलैष्ट नं० 7, जो, दूतरी मंजिल, कोठारी को-आय० हाउसिंग सोजाउटी लिमिटेड, प्लाट नं० 29, टी० पी० एस० 6, विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं० अई-2/37—ईई/15666/84–85 प्रोर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकारी आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

हारीख: 12-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिशांह 12 अगस्त 1985

तिदेश सं० (१-४)) 7-११(15) 32 3 1→35 → अ∴ मुर्जे, लक्ष्मण हास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० शाप नं० 7, रामीदर भुक्त की० आए० हाउँ मिन मोतायटी निमिटेड, किले पार्ले (ए०), बम्बई— 400057 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण हुए से इणित है), ग्रीर जिसका करणपामा आया कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख वे अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, रारीख 18-12-1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः इ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी जिप्त एप० रैथाथा और कुमारी हेटल एप० रैथाथा।

(अन्ह:रक)

2. श्री मुनील भक्ष्मल मनर्शिघानी।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्रनुमूची

शाः गं० 7, जो ात्र मंत्रिल, हामोदर भुवत को० आए० हाइपिम सोसायटी विमिटेड, 45, दल्लभभाई एटेल रोड़ विले पार्ले (ए०), बम्बई-400057 में स्थित है। अनुपूर्वा जैसा कि क० मं० अई-2/37-ईई/15662/34-85 और जो मक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दितांक 18-12-1984 को पितस्टिड किया गया है।

नक्ष्मण दास पदाम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बस्बई

हारी**द**ः 12-8-1985

मःहर:

प्ररूप आद्दे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

मार्च सरकार

कार्यालय, महायक आयगर अ क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिसांक 12 अगस्त 1985

मिदेण सं० अई—2/37—ईई/15086/84—85——अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चित् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंध तं० ए-51, जो, 5वी मंजिल, ''सांताश्रुज रामेश्वर प्रिमायमेन'' को०-आप० हाइसिंग सोसा-यटी लि०, एम० बी० रोड़, सांताश्रुज (५०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर जिसका करारकामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अबील, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, टारीख 4-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती झेब्झिसा गुल्लान खान।

(अन्तरक)

2 श्री लिया इतजली ए० गफूर खोकर।

(अन्तरिती)

अन्दरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में कम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह[ू]।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनब्द्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पर्नेष्ट ग० ए 51, जो, 53) मंजिल, 'क्षांत्पकुज रानेप्रवर प्रिमायसेस'' को०-आप० हाउपिंग सोसायटी लि०, एस० वी० रोड, सांताकुज (प०), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई 2/37 ईई/15086/ 84 ·85 ग्राट जो सजम अधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 4-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, बम्बई

भारीख: 12-8-1985

मोहरः

प्रकल् बार्यं हो हो एक एक हान्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

मारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० अर्घ 2/37 ईई/15255/84 85—अत: मुर्झे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी में ० फ्लैट नें ० ए/1, इमारत ए०, चन्द को० आप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, बम्बई-400049 में स्थित हैं (ग्रीर इममें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, [1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, स्थित मक्षम भाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-12-84 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (ग्रीरकों) और जंतरिती (ग्रीरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जबक जिथितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक वं दाणित्व मो कमी कारने या उससे राजने में सुविध्य को ग्लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी भग या अध्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गकी चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म कं अन्सर्भः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।ः—— 36—246GI[85

 श्रीमती रेचल डेनियल श्रौर जोन डेनियल।

(अन्तरक)

2. डा० रोहीत कोन्धनदास सूचक श्रौर डा० (श्रीमती) सूर्भी रोहीत सूचक

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(बहु ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुन्।]

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी अपित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितकक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्यूची

पलैंट नं० ए/1, जो, तल मंजिल, इमारत ए०, चन्ध को०-आप० हाउसिंग मोसारटी लिमिटेंड, जुहू रोड़, बम्बई⊷ 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/15255/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

तारीखा: 12—8—1985

मोहर 🗄

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 श्रगम्त 1985

निदेश सं ० श्रई-2/37-ईई/15104/84-85--श्रतः, मूझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, ग्रंल-हसनत चेपल लेन, सान्ताकृज (प०), बम्बई-400054 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मभ्तेयह विश्वास करने का

कारण है कि यभाप्नोंक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिसत से बिभक है बाह बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त बन्तरण सिखित वे बास्टिविक रूप से क्षित नहीं किया बना है मू

- (क) जलारण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-धिवन की स्थीन कर दोने के जलारक में दाबित्य में स्थी करने वा उक्के दुर्चने में नृद्धिया के विकः और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना चाहिए थान क्रियाने में स्विधा औ सिए।

बतः वय, उत्थत वीधीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों. अधीत 🖳

6. श्री हुसेनीभाई अस्दूलगाई संख्वाला।

(श्रन्तरक)

2 श्री श्रदीट हकीमुदीन कपाडिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करवा हूं।

उन्त बम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖦

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बनीध साद में तबाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपन्ति में हिल-बच्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा जथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकत्रे।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिना वृंदा ही।

अनु**स्**ची

क्लैट नं० 7 जो बी० ब्लाक, ग्रल-हसनत डयसर को०-ग्राप० हाउसिंग गोमायटी लिमिटेड, चेपल लेन, सान्ता-कुज (प०), बस्बई--4000 54 में स्थित है।

श्रत्मूची जैसा कि कि सं श्रह्म 2/37 – हैई 15104/84 – 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

ब्रह्म बार्, टी.यन.पुर . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के संधीन सूचना

मादुत सरकार

श्चार्यालय, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

- श्रजेन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनॉक 12 ग्रगम्स 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15475/84-85-- श्रनः, मुझे, लक्ष्मण दास.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- व के वधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वशंध करने का कारण ह" कि स्थादर संपरित विसका उचित बाबार शृश्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं
और जिसकी सं० शाँप नं० 9, श्रम्नपाली शाँपित सेंटर;
जुह, बम्बई ~400049 में स्थित है (श्रौर उससे उपाबड़
श्रदुसूची मे श्रौर पूर्ण हैं। से विणित हैं), श्रौर जिसका
करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269,क
ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय
में रजिस्द्री है. तारीख 14-12-1984

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त का शंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरम के निए तय पामा ज्या प्रतिप्त-फल निम्निविद्य सक्ष्यम में उन्तर सम्बद्ध निविद्य में कार्य-विक रूप से क्ष्रित नहीं किया गया है है—

- (क) कल्परण ने हुए जिली बान की बानक कला प्रतिप्रियम के सभीत कर दोने के बलाएक दावित्य में करी करने वा उदसे बचने में सुविधा के सिए; मोड/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जधिनियम, या धन कव जधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ जन्तरिती क्वाड़ा प्रकट नहीं किया जवा था कि का जाना आहिए था, जिपान में सुन्तिया से लिए;

क्रतः शव, स्वतं विधिवनमं की भारा 269-न को वन्तरण में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री जयिकशन नारायनदास रामचन्दानी। (श्रन्तरक)
- श्रीमती पुष्पा स्रो० रोड़े स्रीर श्री दीपक स्रो० रोडे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी नारके पूर्वोक्त संपरि के वर्षक के किस कार्यवाहियां करता हो।

वक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की संबंधि, को और अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (व) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितनव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताकरी के पास दिवासत थें किए या बच्चेंगे 1/

श्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा भया है।

अनुसूची

र्शांप नं० 9, जो अपम्राली र्शापग सैंटर, वैकुंठभाई महना रोड़, जुह विले पार्ले (प०), बम्बई-100054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि में श्रह्म-2/37-हेह/15475/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई ढारा दिनौंक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख़: 12−8−1985

मक्य वार्च हो . एव . एवं . ------

मायकर विचित्रक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1), के नेपीन सुक्रका

भारक श्रूरकार

कार्याजब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15860/84-85---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति विसका उचित्र बाजाह मूक्त्र 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिस्ति मं० पलैट नं० 3, गूलनार अपार्टमेट, जे० वी० पी० डी० स्कीम. बम्बई-400 049 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत् के लिए : अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एको क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से व्यक्तिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (अंतरितयाँ) के बीच एसे जंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्चित स्कृतिक से उस्त अंतरण निक्ति में नास्तिक कप से कवित बहुत कि गया हैं:----

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी बाय की बायस, जक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तस ब्लूने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी नाय ना किसी धन ना अन्य नास्तिमों को चिन्हों भारतीय सान्कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के तक्कानाचे क्लाहिटती कुनारा मुख्य नहीं किसा गुना का शिक्ष भा किसाने में सुनिया के शिक्ष;

शतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए अ जनुसरण वी, वी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्षी उपधारा (1) हो सुधीन ने निम्नसिम्बल व्यक्तिस्त्रें, अधीत् क्र--- 1. श्रीमती फातिमाभाई कर्माली जमल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती डायना मार्गरेट फौजदार

(श्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग मे सम्पत्ति है)

को वह सूचना भारी करके पूर्वोमल सम्पृतिल से बुर्जन के जिल्हे कार्यवाहिया करता हू"।

क्या सम्पन्ति से अर्थन के तकाल के कोई भी नार्थन :---

- (क) इस स्वारा के राज्यक माँ मकालक की राज्येश स 45 विन् की व्यवित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी व्यक्ति व्यक्ति को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवर्गी में से दिवसी व्यक्तित् कृतारा;
- (क) इस सूचना के राध्यपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीत्र उक्त स्थानह संपत्ति में दित-बक्ष किसी अन्य स्थानत क्रमान अभोहरवाक्षणी के बास दिनाय में किए का स्कों ने 1.

स्थानेकाम ६--इसमें प्रमुक्त कृष्यों गृहि वृद्यों का, को स्थान वृद्धिनिवृद्ध के अध्यान 20-क में परिशासिक हैं, वृद्धी अर्थ होना वो उस् अध्यास में द्विस नगा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो तल मंजिल, गुलनार श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 5, जे० पी० बी० पी० डी० स्कीम, ब्रम्बई ~ 400049 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० स०ं श्रई-2/37–ईई/15860/84–85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 28–12–1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

मोहर 🖫

वक्य वादौ, टी. एन . १४ . ------

वाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1), के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकर अप्युक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निवंश मं० ग्रई-2/37—ईई/15208/84—85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर अभावजन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उन्त अभिनियन' कहा गमा हैं), की धाय 269-स के अभीन तक्षण प्राधिकारी को वह निक्यात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 14, रीजबी नगर, सालाकुज (प०). बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका बारार-नामा श्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिदारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-12-1984

को पूर्नोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रिक्षण्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्रवेषित सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, विस्तिविस्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचाने में सुविधा के सिद्; और/या
- (ध) होती किसी काय या किसी धन या जन्म आस्सियों की, चिन्हें भारतीय सामक्ट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अस्तरिती द्वारों प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना जातिए था, खिनाने में स्ट्रीयभ के निक्द;

काश धन, उन्त मीर्गीननम की पाना 269-न के अनुंकरण अ. वें, उक्त निर्मानम की भाग 269-न की उपवाद्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती नीता सखालकर श्रौर श्रीमती फरीदा श्रहमद गेखा

(भ्रन्तरक)

मै० अल्फा एन्टरप्राईजेस

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध ना तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से विक्री व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यभ में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिटकक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

शाप नं० 14, जो, रीजवी नगर, सबवे रोड, सान्ता- कृज, बम्बई (प०) बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि कि के सं श्राह्म-2/37-ईई/15208/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 7-12-198र्स की राजेस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-8-1985

मोहरः

त्रसम् नाइ_{ति} दी, दन्, दस_{ी, नन्न-}

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के अधीन सुजना**

श्राप्त उच्चार

कार्यानय, श्रहायक जामकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15719/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पूनिट नं 30, रत्नज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21-12-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के डिपत बाबार बृत्य में कब के खबनान प्रतिक म के निए बंतरित की नई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि संभापवाँकत रुम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक में, एसे स्थमान प्रतिक का पन्त्र श्रितक से सीमक है और बन्तरक (सन्तर्कों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरम् से बिए तय पाया क्या श्रितकन, विस्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरम् से स्थित सम्पत्ति जन्तरम् विद्या स्थान प्रतिक रूप से विष्ट तय पाया क्या श्रितकन, विस्तरित उच्चेक्स से उचक सम्तर्क विद्या पाया स्थित वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्त्रूष्ण् स इन्हाँ सिक्षी बाव की वावस्त, उनक विधितिस्त्र के व्योग कर दोने के मन्त्रुक के साधित्य में कनी झरुने वा सक्से वचने में स्विधा के लिए; भौर/ना
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्ह भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नया था सा किया बाना था, कियाने में सुनिधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती सरला के० भयानी।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्म सप्रा एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनतः संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के स्थापन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत व्वास अभाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए या सकेंगे।

स्वाहित्वा क्या प्रमुक्त कथ्यों भीर पर्यों का, वो उनके विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं क्यों होगा जो उस क्थाय में दिया प्रा है।

अनुसूची

यूनिट नं० 30, जो पहली मंजिल, रत्नज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, इर्ला गात्रथन, विले पार्ले (प०), बम्त्रई-400056 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37–ईई/15719/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21–12–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप थाइ. टी. एन. एस. -----

नापक ও পৰিনিয়ম, 1961 (1961 का 43) ছী भাउर 269-म (1) से बचीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्य, स्हायक भागकर भागकत (निद्रक्षिण)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निदेण सं० ग्राई-2/37-ईई/15338/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो कींग्स श्रपार्टमेंट, जुह रोड़, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इमसे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है; नारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्रयमान प्रतिक्ष से, एसे ख्रयमान प्रतिक्ष का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष किन निकासित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में वास्तिविक ख्या से कथित नहीं किया क्या है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मित्रधा के तिए; और/मा
- (क) एनी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के सिए:

भतः सन, उक्त विभिनियम की थारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री कासिम एफ० पेधीवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रवीनकान्ता श्रार० जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए आ सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, कींग्स श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 1, सब प्लाट नं० 15, एस० नं० 70, जुहू रोड़, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/15338/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

इक्त बार्ड टी. एन्, एक्,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाष 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

क्थर्यासय, सहायक बायकर बाब्बत (निर्देशका) श्रर्जन रेंज-2, बस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निदेण सं० प्रई-2/37—ईई/15295/84–85—-ध्रत: मुझे, लक्ष्मण बाम,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारण 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित दाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 3, पलोरा को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण घप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्व हैं और मृत्ये यह विश्वम सहसम श्रीतफल के लिए बन्तरित की गर्व हैं और मृत्ये यह विश्वम स्थान श्रीतफल का प्रतिफल से सिए बन्तरित की गर्व हैं और मृत्ये वह विश्वम प्रतिफल का प्रतिफल से सिए श्रीर वंतरक (वंतरकों) जोर वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच हो बेच का वंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावक, अक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरण के वायित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्क) एंनी किसी नाव मा किसी पन या जन्म आस्तियों नहें नहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरी पुनारा प्रकट नहीं किया विद्या प्राप्ति का 1 किया कामा कामा था, किया में जिला के जीवना के जिला कामा कामा था, किया में जिला के जीवना के जिला के जिला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधितयाँ, अर्थात् :--- श्री शेख मुक्तियार
 श्रीर श्री श्रब्दल मत्तार!

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती इंद्रा श्रर्जन रोहेरा श्रीर श्रीमती णाकू इंदर रोहेरा।

(श्रन्तरिती)

को यह अनुवा बारों करके प्वॉक्त सम्परित के नवीन के सिव कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त बम्मरित के बर्बन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बाजेंच :--

- (क) इत ब्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिव की अवीच या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रानिद्य व्यक्तियाँ में से विस्ती व्यक्तित हुआत:
- (क) इस बुक्त के रावपन में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के मोतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाई सिवित में किए वा बकोंगे ।

स्वाकरणः - इतने प्रयुक्त बुक्ते बृद्धि व्यो का वा वर्ष अधिवित्वकः के बुध्याक 20-क में प्रिशावित हैं, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

णाप नं० 3, जो, तल मंजिल, फ्लोरा को०-म्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 153, मेंट्रल एवेन्यू, टी० पी० एम०-4, मान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\frac{\xi}{2}$ 37- $\frac{\xi}{2}$ $\frac{15295}{84-85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढ़ारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1985

मोहरः

शरूम बार्द टी. **एन. एस**. ज + ∈

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का पार 269-च (1) के अधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालयं, सहायक भाषकर वायुक्त (निर्देशण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं ० श्रई-2/37-ईई/15570/84~85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजनर मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पसैट नं० 101, ग्रमर टावर, जुह, बम्बई-400049 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण निचित्त में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कॉर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द: धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोषनार्ध अन्तिस्ती ब्वारो प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के किस

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन. क्रिक्किलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---37---246GJ[85 1. मेसर्स ग्रमर कनस्ट्रक्ष्शन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रेखा एन० पारेखा।

(भ्रन्तरिती)

को यह शुक्ता वारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के शर्वत के विद्र कार्यवाहियां भुक्त करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की स्वीध, जो भी अवीध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्यां करणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं 🎚

त्रन्यूची

पलैट नं॰ 101, जो, पहली मंजिल, ग्रमर टाबर; बन्दन सिनेमा के पास, जुहू, अम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{37}$ $-\frac{1}{2}$ $-\frac{1}{37}$ $-\frac{1}{37}$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-8-1985

१७५ वाइ^{*}. टी. एन . एस . -----

बाबकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के बिधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्माक्त)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रगस्त 1985

निदेश सं ० श्रर्थ-2/37-ईई/15077/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, श्रीनाथ को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी, सान्ताकुज, (पू०), बम्बई-400055 में
स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम,
1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मून्य से कम के द्वस्मान
ग्रीतफल के सिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके द्वस्मान प्रतिफल से, श्रीसे द्वस्मान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती
(अंतरितया) के बीच एसे अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती
(अंतरितया) के बीच एसे अंतरक (अंतरकार) सीर अंतरिती
(अंतरितया) के बीच एसे अंतरक (अंतरकार) सिंग स्वास्तिक हम से किस नहीं किया नवा है।

- (क) बन्तुड्रम वे हुई किसी बाब की बाबक्त करक ब्रिज़िन्दक के बधीन कर के के बन्तुड्रक को बाबिस्त में कनी करने वा उबसे बचने में सुविधा के विष्कृत्वीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिने था, कियाने में सुनिधा भी तिए;

नतः शव, उन्त अधिनियमं कौ भारा 269-म में अनुसरण में में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) स्थीम, निम्निविधित स्यक्तिमों, स्थान् :--- 1. श्री रामवास मट्टी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज बी० दोशी।

(अन्तरिती)

का नह भूषना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित हो धर्चन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संगीत के नर्गन के संबंध में कोई भी बाजीए :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकोंने।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, जो, श्रीनाथ को०-आप० हार्जीसग सोसायटी, पांचवा रोड, सांताऋज (पू०), बम्बई-400055 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37–ईई/15077/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

भोइए :

अक्ष कार्द<u>्री, एन . एस ..=-=</u>---

बायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

बाह्रत संस्कृत

शर्वातय, बंशायक धायकर बायुक्त (विरीक्रम)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देण सं० म्राई 2/37 ई ई/15824/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इतनें इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, चित्रका उचित वाचार भूज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, ए-विंग फिरेवास प्रपार्टमेंट, विले पार्ले (प), है, तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के असमाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त संपरित का अभित बाबार मृत्य, उसके असमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अभिक है और जंतरक (बंतरका) जोड़ अंतरिती (बन्तरितियाँ) से बीच एसे बन्तरण के खिल तब बाब बवा प्रदि-क्य निम्नितियाँ उद्योक्त से उक्त बन्तरण किवाब में वास्त्-विक कम ने समित मही किना क्या है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-प्रियद में ब्योप कड़ दोने के बन्दरक के दावित्व के कार्य कड़ने या सबसे क्यने के बृद्धिका के किए; बहि/या
- (क) एती किसी बाव वा किसी धन वा बन्य आस्तिनों की, जिल्हों भारतीय बाव-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ नौपनियम, मा धन कर नौपनियम, मा धन कर नौपनियम, मा धन कर नौपनियम, मा धन कर नौपनियम, वा 27) के प्रवोधनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के बिहु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को, अनुसरण जो, गी, एक्त अधिनियम की भारा 269-व की अध्भारा (1) के मुखीन, निस्निश्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् के—— 1. श्री भञ्डुला चूनावाला

(ग्रन्तरक)

2. श्रीगुलामहमद वजीदली शेख

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के तिय कर्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्त राम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीण ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की सारीच सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में द्वित-वव्ध किसी मन्य व्यक्ति व्यारा मधोहस्ताक्षरी के शह निविद्य में किस वा सकींचे।

हमकाकिरण:--इसमें प्रगृक्त शब्दों और पदों का, को सकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्थी

फ्लैट नं० 301, जो तीमरी मठिक, एबिया फिरदोस भ्रापार्टमेंट, सी०टी० एस० नं० 482, इर्ला, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-/37 ई ई/15824/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकाबी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-8-1985

प्रकर ्वार्क्य टी., पुन् ु पुन् ≡ व व व व

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन क्षना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन र्घेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मगस्त 1985 निर्देश संब्राई-2/37 ईई/15823/84-85---यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार् मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, ए-विंग, फिरवोस श्रपार्टमेंट विले पार्ले (प), तथा जो बम्बई-400056 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त तम्बित् के अचित बाजार मूज्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए बन्धरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त संगरित का उन्तित् बाजार मूज्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (बन्तरका) जोर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल निक्तिक के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल निक्तिक के बीच पहीं किया ववा है अन्तरण निक्ति में वास्त्रिक क्या के बीचन वहीं किया ववा है अन्तरण

- (का) जनतम्या संकृष्टं निक्की आस कती बायत उक्क। विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्व भी कभी करने या उससे वचने में सुविधा को निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या ब्रन्य बास्तियों की. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः वव, उपत विभिनियम की भारा 269-ए की बनुसरण में, में, उपत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात :--- श्री ग्रजीज ग्रब्दुल चूनावाला

(धन्तरक)

 श्री श्रब्दुल हुसैन कादरभाई साकारवाला और श्री मुस्ताफा कादरभाई साकारवाला

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्बद्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की रारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तासील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौद पदों का, वो उक्क कृषिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा को उस कथ्याय में दिया वृता हैं 🏻

नगरा

फ्लैट नं० 501, जो ए-विंग, फिरदोस श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 482, इर्ला, बिले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्र० सं० श्राई-2/37 ई ई/15823/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

प्रकृप बार्ड . टी. एन., एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई-2, 37 ईई /15417/84-85—यतः मुझे, लक्ष्मग्र वास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं यूनिट नं 86, रत्न-ज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, इर्ला, गावधन, विले पार्ले, है, तथा जो बम्बई-400056 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 13 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वरेय से उक्त अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार√या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंति रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, डिमाने में सुविधा से किए;

वत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- 1. मैसर्स प्रगती कार्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स फोटो वर्ल्ड

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षंहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमें प्रयानत शब्दों और पक्षों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं ० 86, जो तीमरी मंजिल, रत्न-ज्यो**त इंडस्ट्रियल** इस्टेट, सी०टी० एम नं ० 744 (पार्ट, ईलो, गावधन, विले पार्ले (प), बम्बई 400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37 ई ई/15417/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, दिनांक 13-12-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-8-1985

प्रकप नाइ". टी. एन. एत. ----

भायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मधीन सुमना

शास्त्र बालवार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ई ई/15898/84-85—-यतः मुझे, लक्ष्मण वास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० ३, स्वीट हो म, बेस्ट एष्ट्रेन्यू, सान्ताकुज (प) है, तथा जो बम्बई-400054 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रंजिस्ट्री है तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (जन्तरितियों) के नीच एसे बन्तरम् के निए तय नाया चना प्रतिफल. निम्नसिचित उद्वेषमों से उच्त कन्तरण कि दल्ल के वास्तिक रूप से किंचित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जन्तरण से धूर किसी बाब की बाबल, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाह्र/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य वास्तियों का जिल्ही भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत व्यधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

कतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिसिस व्यक्तियों, बचात ह— 1. श्री बजरंग लाल प्रप्रवाल

(भन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम एस० गराफ भौर श्री सुनील पी० शराफ

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यपाहियां करुता हुं।

उक्त सम्बक्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध मा तत्सें वंधी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाद्य निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्षित्रण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके किपिनयभ के कृष्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा को उस कृष्याय में विवा वया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो दूसरी मंजिल, स्वीट होम, पास्म भिज को-श्राप० हार्जिसग सोसायटी, टी०पी० एस० 4, वेस्ट एव्हेन्यू सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्राई-2/37ई ई/15898/84-85 भ्रीर जो सक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 128-1985

मोद्वर :

प्रकृप नाही, दी, एन्. एक. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सुभवा

नारत करकार

कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (विरोधाण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985 निर्देश मं० अई-2/37ईई/15503/84-85—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पन्तै ट नं ० ४ पालमित्र जिल्ला को ० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सान्तकुज (प) जो बम्बई ४०००५४ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 14 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाबार मून्य से कम के स्थवान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह किस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिबत्त से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया कथा अतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त के बास्तिवक रूप से किस्त नहीं किया गया है द—

- (क) मन्त्रारम वे हुए फिली बाम की वानस्त, क्या विधिनवम के नवीन कर योगे के मन्तरक की क्षित्र में कमी करने वा उपसे क्या में स्त्रीवश्य के बिए; स्त्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिएनो में सुविधा के लिए;

श्रतः सन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) क सभीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ⊈—— 1. श्री बमारसी लाल अग्रवाल।

(अन्तरक)

 श्री संदीपपी० सराफ श्रीमती अनुसूयापी० सराफ भौर श्रीमती णान्सी देवी एस० सराफ।

(अन्तरिती)

 ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी ध्ववितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीच से 45 दिन के मीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वाय स्थाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंने।

स्वयतीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो अवस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिवा वहां हैं।

अन्सूची

पलैट नं ० 4 जो दूसरी मंजिल, पाल्म क्रिज को -म्राप० हार्जिस सोसायटी लिमिटेड, टी० पी० एस० 4, वेस्ट एवेन्यू, सान्ताकुज, (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ई ई/15503/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई, द्वारा दिमांक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष) अर्जन रेंज-2 **यम्ब**ई

मारीख: 12-8-1985

मोहर ः

प्रकल आहें, टी. एवं .एस ..-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक सायकर सायुक्त (विरोधक)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं ॰ आई- 2/37 ई ई/15936/84-85—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाबार मृख्य 1,09,000/-छ. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1207, जो 12वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (प), है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित), है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियण की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28 दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, ससके क्यमान प्रतिफल से, वृषे क्यमान प्रतिफल कम पंद्र प्रतिकत से मिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्नसिवित संस्थित वहाँ किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साईवरच में कजी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए.

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (†) के अधीन, निम्निसिया स्थानितमों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस

(भ्रन्तरक)

2. श्री भंबरलाल वर्दीचन्द जैन

(अन्तरिती)

की यह स्वान वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू----

- (क) इंड सूचना के प्राचपन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी स्थितत तुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरीं के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तु ची

फ्लैंट नं ० 1207, जो, बारहवी मंजिल, इबरेस्ट इमारत जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीवा,श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं०आई-2/37ईई/15936/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

सारीखा : 12-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अभीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालमः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंजस्क, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ई ई/15853/84—85—यतः मुझें, लक्ष्मण दास.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

फ्लैंट नं ० 1309 (ई-2), जो, तेरहवी मंजिल, "एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प), है, तथा जो वस्वई-61 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूषी ग्रीर पूर्ण कप मे वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की बारा 269 कख के अधीम मक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्थिपाने में सुविधा के लिइ;

अक्षः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाष (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 38 -- 246 GI|85

- मैससँ नहार गोठ एण्ड जोगःनी एसोसिएट्स
 - (अन्तर ह)
- 2. श्री रत्तन आर० मल्होता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यदिल द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—हसमं प्रयावन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं ०1309 (ई-2) जो. नेरहवो मंजिल, "एवरेस्ट" इसारत, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37 ई ई/15853/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई,ढारा दिनां उ 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर् शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बस्ब**र्द**

भारीख : 12-8-1985

प्रकप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर नावृत्रत (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ई ई/15929/84-85, यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'टक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकां उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 506, जो, पांचवी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्मोवा, अंधेरी (प) है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर, इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका कारनामा आयकर अधियिम की धारा 269 क ख के अधीम, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री में तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब्लजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से आध्य है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्मतिवित उद्देश्य से उन्त अंतरण सिखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की शाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; आर्थ/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिक व्यक्तिस्यों, अर्थात :—— 1. में सर्स नहार शेठ श्रीर जोगनी एसोसिए ट्स

(अन्तरक)

2. श्री झरवेमल जी जी० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वगाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्लंड र्न ०/०६, जो, पांचवी मीजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाम सारायण रोड़' वर्सीवा, श्रंधेरी (प) बम्बई-६३ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37-ईई/15929/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई,द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नेक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजेंस्2, वस्बई

नारीख: 12-8-1985

प्रस्प मार्ड, टा, एन एस. ----

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) में अभीन स्वता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक शामकार कामूका (निर्**का**)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 12 अगस्स 1985

निर्देश सं० आईर 2_/ 3क ई ई_/ 15937/84-85---यतः मुझ, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इत्तर्ग इसके पश्यात 'उक्त जिम्मिनयम' कहा गया है।, की धारा 269-का या अभाग गक्षम भागपन्हारा करा, पर विकास करना का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 806, जो आठवीं मंजिल एवरेस्ट इम।रत जय प्रकाण नारःयण रोड़, वार्सोबा, शंधेरी (प) है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुचची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीरिजिसका करानामा अ। यकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2 दिसम्बर,

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यभान प्रतिकेल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नावार भूत्य, उसके इध्यमान प्रतिकास से, एमे इस्यमान प्रतिकाल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिर्ती (अलार्गका) व अन धर्म अंतरण के लिए तर पाना गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- किंद्रे अंतरन स है हैं किसी कार्य की बावत, उन्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के मंतरक से वामित्व में कमी कारत या तसमे बचन में सुविधा च् िका, भीर/धा
- 📳 ्सी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हा भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ जन्तरिती द्थारा प्रकट नहीं किया ्या था या किया जाता चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए,

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क क्षां: विकासित व्यक्तिमाँ, वर्षा करू

1. मैं सर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस

(अन्तरक)

2. मैं मर्स सोहिनी एजेंन्सी

(अन्सरिती)

भी बहु पुष्टमा बहुदी करके प्राप्तित सम्पत्ति के स्थान के विश् कायभाहियां करता 🐒 :

उनल सम्परित को कर्णन को सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्रेप हुनन

- (क) इस स्थना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस के 45 दिन की संबंधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जा भी अविभि बाव में समाप्त हाती हैं।, रहे जीतर प्यांक्स व्यक्तियों में सं किनी स्यक्ति द्या।;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्क्यूथ किसी जन्य व्यक्ति युवारा अमोहस्तकारी के पास **लिखिस म**ें किए जा राकेगा।

अधिनियम के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, यही जर्भ होगा जो उद्याग में हिल्ल गया हिन

पलैट नं ० 806, जो, आठवीं मंजिल, एवरेस्ट इमारस, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित

अनुसूची जैसा कि फ० स० आई-2/37-ई ई/1593/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारादिनांक 27-12- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

सारीख: 12-8-1985

मोहरः

प्रसम् बार्ड, टी, एन, एस्,-------

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

मारत बरकार

कार्बासय, सहायक शायकर जायक्स (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक के अगस्त 1985

जिनदेश सं ० आई-2/3क ईई/15932/84-85— यसः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर जैधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मून्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 1304 (सी), एवरेस्ट, संधेरी (प), है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुचनी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर िसका कारनामा आयकर अधिनियम की थारा 269 के, ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी के कार्यलय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वावत संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफाल से, एसे दूरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिस्ता से आधिक ही और अंतरक (अंतरकार्ते) और मूल्तिरती (अन्तरित्वार्ते) के बीच एसे अन्तरण के किए तय दाया भवा प्रतिपत्त , निम्समिति उद्देश्य से उथत अन्तर्ण सिकार में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है ध—

- हैंका) बन्तारण से एकं किसी नाम की नामक्त उक्त अधिनियम के कवीन कड़ दोने के जन्तरक की दार्शियम में कामी कड़में या उससे क्वाने में सुविधा के लिए; सार्ट/या
- एसी किसी जान या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त ऑधनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गे की उपधारा (१) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् :--- 1. मैं सर्स नहार शेठ एण्ड जोगनी एसोसिएटस

(अन्तरक)

2. श्री परसमल बाबुलाल

(अन्सरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त समस्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस पं 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाराः;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष य 45 दिन के भीतर जनत स्थाबर संपृत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरूनाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्चा

फ्लैंट नं ा 304(सी), जो नेरहवीं मंजिल, एवरेस्ट, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के० सं० आई-2/37 ईई/15932/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टडं किया गया है ।

> लक्ष्मण द:स संक्षम प्राधिकारी -सहायक आयकर अव्यक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-2, बम्बई

तारीच : 8-8-1985

मोहर .

प्रकृप काइ टी एन. एस. -----

आयकर मिर्भितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्य 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/15851/84-85--यतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1211, जो 12वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारन, जथ प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीया, ग्रंधेरी (प०), है, तथा जो वम्नई-61 मं स्थिन है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 की क ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजर्स्ट्री है नार्याख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय पर धन या अन्य जासिसा करों. फिल्ल भारतीय भारतीय करों. फिल्ल भारतीय भारतीय करें के कार्यक्रम, 1922 र 1926 के 15 ए उपता अधिनियम, या ननकर जाजीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनसरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था का किया जाना चाहिए था, ज्यान में सुभावा के विष्ट,

असः अवा, उपास विधिनियम की भारा 269 मा के अनुसरण भों, भीं उबत पश्चिमियम की भारा 269 में की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

- 1. मैंसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस (अन्सरक)
- 2. श्रीमती ए० सी० खन्ना और अन्य (अन्तर्राती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रास्ट;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीगर उसत स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनग्रम, के अभ्याम 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अभ्याम में दिया राषा ह

अनुसूचो

फ्लैंट नं० 1211, जो, वाण्ह्वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नार(यण रोड़, वसीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-61 स्थित है ।

अनुचची जैसा कि क० सं० अई-2/3क ई ई/15851/8 4-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख : 9-8-1985

प्रकप जाई . टो . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कन 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अवयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/15847/84-85---श्रतः भृष्ठो लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 507, जो, पांचवीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्राक्रण नारायण रोड़, वर्सीवा, भ्रंधेरी (प), है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद अनुमुची में ् 5है) , ऋौर्ीजसका करारनामां आयक र **फ्रौरपुर्ण** रूपसे वर्णित अधि निवमकीधार(269 कल के अधीन, नंतर गश्चिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्री है, तारीख 27 दंशम्बर, 1984 कर पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्धित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने **का** क्तरण है कि यथा पूर्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल अरिधक ह° दश्यकान प्रतिकल के पन्द्रह प्रसिक्ततः से भीर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिएस्याँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल , निम्नलिसित उद्योषय से उक्त अम्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अग्र की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीर कर दोने के उम्सरक के वासित्स में कमी करने या उससे अवने में सुदिशा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी भाग वा किसी भन वा अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अत्, उक्त ष्रीधनियम की धारा 269-ग के बन्सरा मों, मों, इका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर रिप्तिलिक्षित व्यक्तिका, अर्थास् :---

- 1. मैसर्स नहार घेठ एण्ड जोगानी एसोमिएटस (अन्सरक)
- 2. र्था के० सी० जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्प्रीस के अर्थन के बिए कार्यवाहिकां करता हूं।

इक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिकित में किए जा सकोंगे।

स्थलकोकरण:----प्रसमें प्रयुक्त कल्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूची

पलैट नं 507, जो, पांचवीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सीका, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/15847/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-12-1984 को राजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मम दाप् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-8-1985

प्रकृष्ट अपूर्ण क्या अपूर्ण प्राप्त प्राप्त

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाक 269-व (1) के वाकी क्षाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 12 श्रगस्त 1985 निर्देश में ० श्रई-2/37 ई ई/15854/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 वर्ष 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिस्रका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1303 (बी2), जो, 1 तेरहवीं मंजिल एवरेस्ट' इसारत, जय प्रकाण नारायण रोड, अधेरी (प), है, तया जो बम्बई 61 में स्थित है श्रीर इसमे उपाबढ श्रन मुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क खके अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान जीतका को नित्य अन्तरित जी गर्दी में भीत अपने यह निश्यास करने का बारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बन्य, सबाने दश्यमान प्रतिफल से एंसे ब्रह्ममान प्रतिफल कर पंत्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तर्क (अग्तरकों) औप प्रतिरित्ति (अन्तरित्तियों) के बीध एसे अन्तर्क में नित्य तम पामा गया प्रतिफल, निम्ननिधित सब्देश्य में उभत सन्तर्क निवित्त में वास्कृतिक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है हिन्स्य

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त सिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के दायित्य मे ककी करने का अकर्ष अध्यने में सुविधा क सिष्टं और/वा
- (क) इसी किसी लाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय अग्रकार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) मा उनक्त अधिनियस, या अनकार अधिनियस, या अनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को अवोजनार्थ अनतीरती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिल था जिल्लाने में इविधा को कुँचवा;

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-य को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अध्यास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैशर्म नहार लेड एण्ड जोगानी एसोसिएटस (धन्तरक)
- 2. श्री देवीलाल ग्रार० जोशी

(भ्रन्तरिती)

का यह सुकाना अन्त्री करके वर्षीकन समित के राजीत के सिष्ट् आर्माक अस्ति । जा ।

जनत मन्यत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यवितयों पर स्वान की रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि वाद की समस्त होती हो, के भीतर प्रकेषत कारितयों में से किसी स्विक्त ब्यक्तिया;
- (७) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थायर सम्मन्ति में द्वित-वद्ध किसी मन्य स्थापत व्यास स्थापताकारी औ पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्क्बरीकरण क्लामां प्राप्तन शब्दों आरे प्रवी का वा स्वर अधिनियम के अध्याय 20-क में स्वापिशाविक इं, पही पर्य होगा. यो उस अध्याय में दिया नक्षा ही।

मन्त्रकी

पलैट नं ० 1303 (बी-2), जो तेरहंबी मंजिल, "एवरेस्ट" इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

श्रन्सुची जैमा कि० मं० श्रई-2/37 ई ई/15854/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> नक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

पारी**ख** : 12-8-1985

=== . ಈ ರವೀದಾವಾಗವನ್ನು ಸಾಯು ಮಾಧಾರ ಕವಾ ಹಾಗಿ ಗಳ ಗಳವುದರಾಗ

त्रक्ष् बार्ड दी . इन् . एड

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

THE STATE

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निर्दाशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रर्क-2/37 ई ई/15850/84-85——श्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिधकारी की, यह विषवास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, चिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 1308 (ई-1), जो, तरह्वीं मंजिल, "एवरेस्ट" इसारन, जय प्रकाश नारायण रोड़, श्रंधे री (प), है, तथा जो बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रन सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम की धारा 269 क ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारी ख 27 दिसम्बर, 1984 को पूर्वों वत संपर्तित के उचित गांचार मूल्य से कब के ख्रंसमान श्रीतफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गमा प्रतिफल का, बिम्नीलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्दरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है अल्ल

- (क) जन्तरण सं हुई फिसी भाग की प्राथत, उक्त अधिकियद के अधीन कार दोने के अन्यूरक को दासित्य में कानी कारने वा अवने वचने में कृतिचा के विद्यु: न्योर/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 की १३) या उपल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया बाना चाहिए था, स्थिपाने में कविया के किया के किया

अतः अतः, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-न के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् एक मैं अर्स नहार पोट एक्ड जोकानी एगं। तिएट न

(प्रत्यक्त)

2. श्रीमती रित् श्रार० मल्होसा

(भ्रन्तरिनी)

न्त्री सह सूचना जारी करके वृक्षाँक्त अध्यक्ति अ अर्धन के क्तिए कार्यवाहियां करता हो ।

क्षकत कुम्परित को कार्यन के सम्भग्न हो अपके हो अध्यक्ष

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्विश्व व्यक्ति ब्रांस में से किसी व्यक्ति ब्रांस;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वार। अधीहरूनाक्षरी के पास निश्चित में कियू जा सकेंगे।

न्यक्रीकरणः - इस्या प्रत्ये शक्का आहा आहे. जो स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, यही अर्थ क्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसुची

फ्लैट नं० 1308/ई-1. जो 13वीं मंलि, एवरेस्ट" इमारत वर्सोवा संघेरी (प), बस्वई-61 में स्थित है। अनुसूचो जैसा कि क०सं० म्राई-2/37ईई/15850/84,85 भ्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनाक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुवत (निरीक्षण) ब्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12-8-985 मांसर ३ प्रभप बाह् - टी. एम. एस. ५ - - जन्म

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के संधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरोक्षक)

स्रर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, विनांक 12 मगस्त 1985

निवण सं० म्रई-2/37 ई ई/15931/84-85--- यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), क. भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जितकी मं० फजैट नं० 1007, जो, दसवीं मंजिल, "एवरेस्ट" इमारत, जय प्रकाण नारायण रोड़ श्रंधरी (प) है, तथा जो बाबई 61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), है श्रीर जिसका करारनामा ग्राथकर श्रिधितियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालम, बम्बई में रिजस्ट्री है, तरीख 27 दिसम्बर 1984 को पूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम को दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तर्रिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत-, उन्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसं बचने हैं हुविधा के निष्
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जियाने की सुदिशा के लिए।

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ले अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों स्वादित डिल् 39-246 GI[85 6. मैंसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस

(भन्तरक)

2. श्रीगोपट लाल चुन्नी लाल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सियु कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त ग्रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अयिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह[‡]।

भनुसूची

फ्लैंट नं ० 1007, जो दमवीं मंजिल, एवरेस्ट हमारस, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्मोवा, श्रधेरी (प) हम्बई-61 स्थिस है।

भनुसूची जैसाकि १० सं० श्रई 2/37ईई/15931/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 27 12-1984 को रजिस्टर्स किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 2 सम्बद्ध

तारीख: 1281985

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दितांक 9 श्रगस्त 1985 निर्पेण सं० श्रई-2/37 ई ई/15458/84-85----स्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1209, जो, बारहवी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्मोवा, ग्रंधेरी (प), है, तथा जो बम्बई- 61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), श्रीर जसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम द्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीखा 14 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण के लिए तम के स्वत्त में वास्तिवक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कौलए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमें, अर्थातः

1. मसर्से नहार शेटएण्ड जोगानी एसोसिएटस

(भ्रन्तरक)

2. श्री ० घार० मल्होला

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य कि दिस दशरा कथाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरें।

जन्स्वी

पत्तैटनं ० 1209, जो, बारहत्रीं मंजिल, एवरेस्ट इसारत, जय प्रकाण नारायण रोड़, वसींवा, घधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

प्रानुसूची जैसा कि ऋ० मं० प्रई-/37 ईई/15458/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनौंक 14 दिसम्बर 84 को रजिस्टर्श किया गया है।

> लक्ष्मण दास ू सक्षम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, सम्बर्द

तारीख: 9-8-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुचना

जारत बरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायकर (तिरक्तिक)

अर्जनरेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 9 अगस्त, 1985

निवेश सं० अई-2/37 ईई/15457/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण वास,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें पश्चात् 'उस्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिन्नकी सं० फ्लंट नं० 1210, जो, 12वी मंजिल, एव रेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड वर्सोवा झंधेरी (प) बम्बई 61 में स्थित हैं (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय, बम्बई में रजिस्स्ट्री हैं, तारीख 14-12-1984

क कायालय, बम्बह म राजस्स्ट्रा ह, ताराख 14-12-1984 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपलित बाजार दृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे बन्तरण के निए तम दावा गया प्रतिफल, निम्निलिति उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है उ—

- (क) बन्तरण ते हुद किसी शाव की शावत, क्यार विधिनियन से अधीन कर दोने के अस्तरफ को दायित्व में कमी करने या उत्तर्थ क्याने में कृषिका के सिए; बीर या/
- (क) एंसी फिसी जाव वा किसी धन वा बंग्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्लाने के स्विया के लिए;

बतः वन, उन्त विभिनियमं की भारा 269-ण के वन्तरण को, को, उन्त विभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के बभीन निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) मैसर्स नाहर सेठ एण्ड जोगानी आसोसिएटस। (अन्तरक)
- (2) श्री आर० डी० मल्होता।

(अन्सरिती)

को वह कृषना धारी कार्ये पूर्वोक्त संपत्ति से सर्चन से जिल्ला कार्यवाहिमा करता हुई।

उक्त सम्मित्त के वर्षन के संबंध में कोई भी बाशंप हुन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की जनभि, को भी जनभि बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त क्यक्तिमों में से किसी स्मन्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा जभोहस्साक्षरों के पास निवित में किए वा सकने।

स्मष्टि जिंदा -- इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, यो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

गगस्त्री

फ्लंट नं० 1210, जो, 12वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा, झंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/15457/8485 फ़र जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई, ब्रारा विनांक 14/12/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बस्बई

विनांभ: 9-8-1985

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. =-----

कामक द विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवा

ALTE STAIL

कार्याचन, सहायक नायकर कायूक्त (रिट्रांकिक)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त, 1985

निदेश सं अई 2/37ईई/15849/84 85—अत: मुझे, सक्षेमण दास,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके प्रकाद 'उन्ने अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अभीन सकान प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का आरम हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका स्थित नाकार नृज्य 1,00,000/- रह. से जिथक हैं

भीर जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 407, जो, 4थी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड, वर्सावा, धंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इससे उपावण अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 12 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिया बाबार मूल्य से कन के सम्मान प्रतिपत्तन को एक बन्ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अभित बाजार मूल्य, इसके कारणाव प्रतिकास के, एसे क्रम्यान प्रतिकास का कंक्यू प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिकात निम्मिलिखित उत्वेदिय से उक्त अंतरण जिल्लिक में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ननारण वे हुई किवीं नाम की नानतः, जनव प्रचित्रिक से नधीन कर दोने से नंतरक के कांगित्य में कभी नारने या उत्तर्ध नचने में सुविधा से निए; नौर/वा
- (व) एंची किसी नाम या किसी वन या सन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, वा भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था सा किया जाना आहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

नक नव; उनत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसदक ने, ने, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11 के अधीन, निम्नसिश्चिल व्यक्तियों, अधीत ु—

- (1) मैससं नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएट्स। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रोहिनो जी० जैन। (अन्दरिती)

को यह सूचना बारी कराने पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्का बंदरित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षयं:--

- (क) इस स्थल से राजपन में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वाम्तः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त गृथावर सम्पत्ति में दिन-बहुभ किसी मन्य स्परित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसने प्रयुक्त स्था और प्रयो का, था उक्त ब्राणिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्सूची '

"फ्लैंट ने० 407, जो, 4थी मंजिल, एकरेस्ट इमारत, जय प्रकाश पहरायण रोड, वर्सोवा, ग्रंघेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं 2/37ईई/15849/ 84 85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनोक विनांक 27-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दासः संसम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, बम्बई

विनोक्तं: 9 8-1985

माहरः

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/15845/84-85—अतः **मुझे**, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ए कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

शौर जितकी सं० फ्लैंट नं० 308, जी, 3री मंजिल, एबरेस्ट इमारत, जय प्रकाण भारायण रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जितका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, विभाक 27 दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त भी सामतिक की बातरित करा पर किया पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त भी बाततिक क्षेप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से शुद्ध किती आयु की बाब्द, उक्ट वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने वा उक्की द्वाने में बृद्धिना के सिए; और/या
- [क] ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहर था छिपान में का बभा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स अहार शेठ एण्ड जीगानी आसोसिएधस। (अन्सरक)
- (2) श्री सी० पी० जैन०

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्वन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षेप 🎞 ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्वितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्की

"फ्लैट नं० 308, जो तीयरी मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश भारायण रोड़, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), सम्बर्ध-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-2/37-ईई/ 15845/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर 1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दांस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 9-8-1985

श्रुप्त बाह् , की , एक् , एक , ********

भावकार मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सुभूमा

BEST SEPTE

कार्यात्रय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/ 15848/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का प्रचिद्ध वाषा भूल्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

भार जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 201 जो दूसरी मंजिल, एक्ट्रेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोइ, वसींवा, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद अनु सूची में भार पूर्ण रूप से वर्णित हैं), प्रौर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिल्द्री हैं दिनांक 27 दिसम्बर 1984

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुद्ध, उसके दूपमान प्रतिफल से, ऐसे दूपमान प्रतिफल का बुद्ध, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) कार बातार विपत्ति (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बागां नमा प्रतिफल, प्रिम्मिष्टि उद्वरेस के उक्त बन्तरम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उसत विभिन्नियम के विभीन कर दोने के अन्तरफ को काबित्य में केनी करने वा उच्चे स्पूर्व के दृष्टिका के लिए; ब्राइ/या
- (भा) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिये था, जिनाने में कृषिया के तिए;

अतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थाट् हि—

- (1) मैसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिए दस । (अन्तरक)
- (2) मास्टर जयंतीलाल एम० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यथाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंझिल, एववेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारारण रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (प), अम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैताकी क॰ सं॰ अई-2/37-ईई/15848/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 27 दिसम्बर 1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक : 9-8-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायभर मिनियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985 निदेश सं अई-2/37-ईई/15846/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, अजिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 208, जो द्रारो मंति ल एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नार यण रोड, वसीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 27 दिसम्बर 1984

को पवाँ वित सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वीं वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथल नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिएई

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बभोन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मैंसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोशिएट्र (अन्तरक)
- (2) श्री सी॰ बी॰ जैन । (अन्तरिती)

की वह स्थना आरी करके प्वेबित सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्थ होगा, जो उम्र अध्याय में विका वदा है।

अमृस्ची

पलट नं० 208 जो दूसरी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड वर्सीया, ग्रंधेरी (प), अस्वई-61 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकी किं सं अई-2/37—ईई/2/37—ईई/2/37—हई/2/37—हई/2/37—हई/2/37—हैं /2/37—हैं /2/37

लक्ष्मण घप्स सक्षम प्राधिक,री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **ब**म्ब**ई**

दिनौक : 9-8-1985

त्रक्य बाह्यं. हो. एन. व्या. ------

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>.दीक्षण)</u> जारत सरकार

अर्जैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोंक 9 अगस्त, 1985 निदेश सं०अई-2/37ईई/15937/84-85---अतः मुझे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूल्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पर्लंट नं 1206, जो, 12वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड, बर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका कर रनामा अत्यकर अधिनियम की धारा 269 एख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तिरीख 28-12-1984

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफस के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जृत्य, इसके द्रियमान प्रतिफल को गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अंतरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जब्द इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नलिखित

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं इस्टिंग्ड में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा वे जिए; बरि/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म वास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नया था किया थाना बाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण वै*, मैं, अक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) देवधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वर्धात (----

- (1) मैंसर्स नहार शेठ श्रीर जोगानी एसी संस्टस। (अन्तरक)
- (2) श्री भुरेश कुमार बी० बोहरा। (अन्तिरिती)

का यह स्वना बारी करके पृत्रों कर संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

बक्त संपरित के अर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त स्थानित यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बड्डी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गडा विश्वी

प्रनुसूची

"फ्लैट नं० 1206, जो, 12वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश नारायण रोड, वर्तीवा, श्रंधेरी (प), अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2,37ईई 15939, 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक] 28 दिसम्बर 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, **बम्बई**

दिमौक : 9-8-198**5**

माहर 🛭

प्ररूप साइ ुटी, एन , एस., -ननन नक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्घायक आयकार आयुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985 निदेश सं० अई-2/37-ईई/15938/84-85--अतः मझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज फ्लैंट नंज 1205 जो 12वीं मंजिल एवरेस्ट इमारत, जय प्ररकाण नारायण रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28 दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जितः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 40—246 GI[85

- (1) मैं सर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएट्स । (अन्तरः)
- (2) श्री आर॰ एच॰ वानीगौटटा । (সলক্রো

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्भिको कर्जन को संबंध में कोई भी नाकोप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्योवित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दतारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी कि पास निस्ति में किए जा सक्तेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लखा. बाधिनियम के अध्याय 20-क मीं पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मीं दिया गण हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं 1205, जो 12वीं मंजिल, एवरेस्ट इसारत वर्सोवा, जय प्रकाश न(रायण रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई— 61 में स्थित है ।

अनुतूची जैसा की कि० सं० अई-2/37 ईई/ 15938/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 9-8-19885

दिसम्बर 1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अ: यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1985 निदेश सं० अई-2/37—ईई/15934/84—85—अतः मुसे, लक्ष्मण दास

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बागार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 109, जो पहली, मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सीवा, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उप:बद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उसमे बचने मो सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तितयों, अर्थात् :--

- (1) मैंससं नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस (अन्तरक)
- (2) श्री जी० के० दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, लो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 109, जो, 1ली मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश नाराया रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बइ-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/16934/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण द≀स.⁴ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-8-1985

प्ररूप काइ . टॉ. एन. एस. - - -

भाराकार भाषानियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के सभीन सुबना

भारत सन्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिलां स् । १ अगस्त, 1985 निदेश मं० अई-2/37ईई/15933/84-85---अनः मुझे नक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ठक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् भाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संजपलैंड तंज 901, जो, 9वा मंजिल, एव-रेस्ट इमारत, जय प्रजाश नारायण रोड, वसीवा, संयेरी (प) बम्बई 61 में स्थित ई (स्रोर इसरी उपायद अनुसूची में स्रोर, पूर्ण रूप से (वणित है), स्रार जिल्ला करारतामा आय-कर अधिनियम की धारा 269 इ.स. के अधीन रक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजन्ट्री है दारीख 28-12-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्थ हैं अर मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप क्ष्म में कांच्यत नहीं किया एका है ---

> (क) अन्तरण स हाई जिसी आय की बाबत उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व जो कभी करन या उपस बचन में सुविधा के लिए; भीर/या

एसा किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्हा भारतीय जायकार आधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर आधिनयम, पा धन-कर आधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मैं तर्स नहार शेठ एण्ड जोनारनी एसोसिएट्स। (अन्दरक)
- (2) श्री अमोक कुमार टी० बोहरा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख् से 45 दिन की अवीय या तहन्यत्यां ज्याकायों पर प्रति का का ताराख्या ने पर प्रति का का का का मी अविधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मी स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हित-धर्ध किसी अन्य -वाका वृतारा रक्षणाक्षणी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धाकरण :---असमा प्रापुत्त शब्द अन्य का नवा ।), ता जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हो, वहा अधि हाजार, ता उन्नात का दिया गया है ।

नन्त्रवी

पर्लैष्ठ नं० 901. 9वो मंजिल, ऐवरेस्ट इमारक, जब प्रकास भारायण रोड, वर्सीया, अंधेरी (५०), बम्बई-61 में स्थित ई।

अनुसूची जैसा जि कि के सं० अई-2/37ईई/15933/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 की रजिस्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

दिशांक: 9-8-1985

माहर.

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अगस्त, 1985 निवेश सं० अई-2/37ईई/15928/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियय' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राध्विकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1212 जो, 12 वी मंजिल, एबरेस्ट इमारत जय प्रकाश नारायण रोड़, बर्सोवा, श्रंधेरी (प). बम्बई—61 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के उपालिय, बम्बई हु रेजिस्ट्री हैं दिनांक 28 दिसम्बर 1984

को ध्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्यममान गइर है *अन्त*रित की प्रतिकल के लिए का विष्वास मुभ्ते यह करन कारण कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अभ्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम सं शुर्द किसी भाग की वागत , समत महिपनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के शिक्ष; आदि/या
- (स) ऐसी किसी जाव वा किसी भन वा अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीभनियम, भा अनकार जीभनियम, 1957 (1957 का 27) से अयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वास प्रसट नहीं किया वश था किया जाना शाहिए था कियाने भी स्विभा के सिद्ध:

जतः उप, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ अ, में, ध्यक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) मैसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्री सी० एम० व्होरा (अन्तरिती)

को वह बुचना वारी कारके पृश्नीवत संपृत्ति से वर्षन से विद कार्यमाहियां कारता हुई।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासन ह---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वधि, जो भी नवधि नास में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर स्थानित में में किसी स्थानित सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हितवह्रभ किसी अन्य स्थित द्वारा नथेहस्ताक्षरी के पाद चिचित में किए वा सुकेंगे।

स्वक्रीकरण:-इतमे प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, वो सब्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, बही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

गमृत्युची

"फ्लैट नं० 1212, जो 12वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सोवा ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-2/37ईई/15928/ 84-85 ब्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कम्ब

दिनांतः :- 9-8-1985 मोहर :-

प्ररूप् बार्ड.टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बई

बम्बई, दिशांक 9 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/15927/84-85—अतः मुक्ते लक्षयण दास, लक्षयण दास, लक्षयण दास, लक्षयण दास, लक्षयण दास, किर्मानिस किर्मानिस

श्रांद जिसकी संव पत्तेय नंव 1307, जो, 13वी मीज एवरेस्ट इमारत, जय प्रवाश नागरण रोख, वसींबा, श्रंधेर (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रांद इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांद पूर्ण रूपम विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयार आधिनियम की धारा 269 कि खंक अध सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिल्ट्री है, तारी 28-12-1984

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की नद्दं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके ध्रथमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्ति जिंदित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-

- (क) अन्तरण संहुर्क किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक कं शामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा अर्ध निए;

च्धाः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मैंसर्स नहार गोठ एण्ड जोगानी एमोसिएट्स । (अन्तरक)
- (2) श्री पोपटलाल कुन्दनमल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाका करणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

फ्लैंट नं० 1307, जो, 13वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाण भारायण रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (६), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क० वं० अई-2/37ईई/15927/ 84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, हारा दिनाक 28-12-1984 को रिनिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास मक्षम प्राधिशाणी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-2, फिर्डि।

दिनांक: 9-8-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/ 15910/84-85-- श्रतः मुझे लक्ष्मण दान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्शास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसझी सं० प्लैट नं० वा-102 जो, कैलाश प्रपार्ट मेंट, जुह गावठाम जुह विहलेज रोड़, बम्बई--49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में शीर पूर्ण रूप में विजत है) ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिन्होंक 18 दिसम्बर 1984

का पृथोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है क्या

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, येः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः वा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधः है किए:

तत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण - , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खत व्यक्तियों , अथित् :-- (1) मैसर्स केतन बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो माधुरी मुरेंद्रकुमार श्राफ । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सभ्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र मां प्रकाशन का ताराख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्याक्तथा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ण्ड्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रक्र हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं बं(-102) जो, कैलाया श्रार्टमेंट, जुह गाव-टाण जुह व्हिलेज रं।इ बम्बई -49 में स्थित है । श्रमुसूची जैमार्क। कि मं श्रई-2/27ईई/15910/84-85 श्रोर जो सक्षम गाधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 28-12-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-8-1985

माप्टर ः

प्रक्रम बाह्र टी. एन्. एस. --

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) को अधीन मुचना

हारत भरकार

क्यवित्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-2 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 अगस्त 1985

निर्देश मं० ग्राई-2/37ईई/15855/84-85--ग्रातः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 196: (1961 का 43) 'जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारण को यह विधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पर्नेट नं० 907, जो 9वी संजिल, एवरेस्ट इसारन, जय प्रकाश नारायण रोड, वसीवा, अंधेरी (प), वस्बई-61 में स्थित है (और इपसे उपाबद स्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिपका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम वी धारा 269 क ख के स्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रिजिस्ट्री है दिनौंक 27 दिसम्बर 1984

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, तसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्स्विक स्प से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने ना उसने नमने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अत्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसिस स्थितसर्थों, अधात :---

- (1) मैशमी नहार और आंश अंशानी एमोसिएटस । (अस्तरक)
- (2) कुमारी एस० एस० मेहता । (श्रन्तरित्र)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्गीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) ६स सूचना कें राष्क्राः पा प्रकाशन की नारांख्य स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पद्यों का जो उथल अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा तो उस अध्यान में दिया गया है।

स्रम्भ

"फ्लैंट नं० 907 जो 9धी मंत्रिल, एवरेस्ट इमारत. जय श्रकाश नारायण रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई— 61 में स्थित हैं ।

श्रनुसूत्रो जैसाकी कर गंर ग्रई-2/37ईई/15855/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाँक 27 दिसप्बर 1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ड

दिनौंक : 9-8-1985

भोहर :

प्रक्रम सार्घ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यक्षप्, सहायक गायकर नाय्कत (निराधन)

ग्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37—ईई/15935/84—85——श्रनः म्झे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उवत अधिनियम' कहा एषा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिपकी संव फ्लैट नंव 102 जो, पहली संजिल, एवरेस्ट इमारत, जब पकाश नारायण रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुस्ती में क्षोर पूर्ण वन से यणित है), श्रीर जिसका करा नामा स्रायकर अधिनियम के स्रधोन स्थम पाधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्हों ही दिनाँक 28 दिसम्बर 1984

को पूर्वा क्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेम्ने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अदरक (जंतरकाँ) और बंसरिती रिती (अन्सरितियों) के बीच एेम्ने अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्दृश्य में उक्त अन्तरण निविद्र में वास्तविक कप से कि भन्न नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरक मं हुई किथी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (१) एसी । कसी बाय या किसी बन या अन्य आस्सियों की . जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती देवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया राज्य चाहिए भा कियाने में सुविभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की समीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थात् रू—

- (1) मैसर्स नहार केठ ए॰ड जोगानी एसीसिएटस । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एन० ए० मर्चन्ट। (ग्रन्त

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी काकीप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्शेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

"फ्लैट नं० 102 जो 2री मंजिल, एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश नारायण रोड़, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), वस्बई 61 में स्थितहै ।

अनुमूची जैसाकी कर संर अई-2/37ईई/15935 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 28 दिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मः दाम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 9-8-1985 मोहर : प्रकृप बाइं. टी. एन. एस.-----

जासकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जामकरु नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2_, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 9-श्चगस्त 1985

निदेश सं० अई--2/27-ईई/ 15852/84--85---श्रतः म्जे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कह्म गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी संव पत्नैट नंव 1302 (बी-1), जो 13वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय पकाश नारायण रोह वर्सीया श्रंधेरी (प), वस्वई-61 में स्थित है और इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम की धारा 269क खके श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 27 िपम्बर 1984 को

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जैन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृथिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सविधा के किए;

कतः वब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

- (1) नैसर्स नहार शेठ ए॰ड जोगानी एसोस्एटस। (श्रन्तर क)
- (2) श्रीमती भगवती ी० जोशी । (ग्र-सरिती) भौ यह सूचना बारी करके पूर्वेक्स, संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पर्तंद नं० 1302 (बी-1) जो 13वी मंजिल; एवरेस्ट इमारस, जय पकाश नारायण रोड़, वर्सोवा अंधरी (प), बम्बई-61 में स्थित है!

श्रनमूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-2/37 ईई/ 15852/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक सम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुन्त (निरीक्षण) श्रजन-रेंज 2, सम्बर्ष

दिनांक: 9-8-1985

म्रोहर क

प्रक्ष गाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) कें अधीन स्वामा

भारत **भरकार**

कार्यासव, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/ 15401/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उकत अधिनिएप' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं गाँप नं 18 रोधनलाल भाषींग स्रारकेड. ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इस्मे उपाबद्ध स्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम शिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 14 दिसम्बर 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मन्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, गंसं क्यमान प्रतिफल के बन्दि प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरिनियों) के बीच एमें अंतरण के लिए नम्म परण गया प्रतिफल निम्नलिखिए उब्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में गस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंदरण सं हुई किसी आब की बावत, उपनी अधिनेक्स के अधीन की जाने के अस्तरक क वारितक सो कासी कार्य, 19 प्रमुख क्साल के नुद्रक्ष्य के निष्ण, और सा
- (ण) एसी किसी बाब या किसी धन या कन्य बास्तियाँ अग्रे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लि-कार अधिकियम, या लि-कार अधिकियम, या लि-कार अधिकियम, विश्वास अकट नहीं किया गया था था या दिवस जाना चाहिए था, छिपान क सुविधा से किया

कतः अब उक्त अधिनियम का भारा 269-ग के अनुगरण बो, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ;—- (1) मैसर्स धार० एन० ए० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स महेश एन्टरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यव्यक्तियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहें भी नाओं। '--

- (क) इस सुमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की दाबील है 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकर क्वीबरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सुकना को राजधन माँ प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दबहुए किसी जन्म व्यक्ति वृद्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकीने।

स्पादिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को लग लग्याय में दिन गया है।

वयस्य

शॉप नं० 18 जो तल मंजील, रोशनलाल श्रगरवाल शापींग आरकेड, एस नं० 41 (पार्ट) श्रोशिवरा, श्रपना घर के पाम वर्सों वा अंधेरी, (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

ग्रन्मूची जैसाकी कर्ला० ग्राई-2/37-ईई/15401/84-85, श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनॉक 14 दिसम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-8-1985

मोहर अ

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

1 मैंसर्स श्रार० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2 श्री प्रब्दुल शकूर रणीव करडान्स।

(श्रन्तरिती)

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15398/83-84-श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ५3) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या शॉप नं० 31, रोशनलाल श्रगरताल शॉपिंग श्रारकेड, श्रन्धरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम की शॉरा 269 कुछ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसि दश्यमान प्रतिफल से, एसि दश्यमान प्रतिफल के पल्यह प्रतिशत से अध्या, अगर अंतरिक (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण संसूर्क किसी आय की आधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभनिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्डीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गिरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

शॉप नं० 31, जो तल मंजिल, रोशनमाल भ्रगरवाल शांपिंग श्रारकेड, स्रोणिवरा एस० नं० 41 (पार्ट), श्रपना घर के पास, वर्मींका, श्रन्थकी (प०), वस्करी-400058 में स्थिन है।

अनुसुची जैसा ि के मं० अई-2/37ईई/15398/84-85, और जो प्रथम प्राधिशारी, बम्बई, द्वारा दिनांए 14-12 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राविकारो, सहायक प्राविक्त प्रायुक्त, निरक्षण प्रजन रेज-2, बम्बई

वारीख: 12-8-1985

माहर:

प्रकप नार्वा.टी.एन.एस 🖯 ------

भागकर जिभिनियम, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

बारत बहुबाड

कार्यालय. सहायक भायकर नायक (निर्वाणक) ग्रर्जन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 मणस्त, 1985 निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/15399/84-85:--मत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विधवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मुस्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० गाँव नं० 32, रोमनलाल भगरवाल जाँविंग आरकेड, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूर्वी में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसके, एरारवामा आयकर अधिनियम की धारा 269 एख के अधीन सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्टी है, तारीख 14-12-1984।

को पूर्वीविध सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यान भितिफ से के लिए जन्तरित की गर्म है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से, एसे प्रथमान प्रतिफ ल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिखत उद्देश्य से सकत अन्तरण लिखित के बास्तिधिक कप से कथित नहीं किया गया है द्व--

- (क) कन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत उक्त सिभनियम के सभीय कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तस बचने में सुविभा के निए? बाँड/या
- (थ) एसी किसी काय या किसी धन का बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के जिए।

बतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के बन्सरक कों, मीं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-में की उपधारा (1) को सभीन निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात १ (1) मैसर्स भार० एन० ए० बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(2) श्री सैयद सूबरे फकड

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्रीत से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्विस्त स्थितत्यों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (ण) इस सूचना के ,ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्पब्यकिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

शॉप नं० 32 जो तल मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शॉपिंग कारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, श्रपना घर के पास श्रन्धेरं। (प०) बम्बई 400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋसं० श्रई-2/37/ईई/15399/84-85, श्रीर जो सजम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 14-12-1984 को रजिस्टई विस्या गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राध्यकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

नार्रीख: 12--8-1985

मोहर

ध्रा

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बर्ड, दिनां रु. 12 श्रगस्त, 1985 सं० ग्रई--2/37ईई/15644/84--85:---अत: मुझे

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्ति, वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० प्रविट तं० 2, सी-3, सारंगा टावर, रोजनलाल स्रगरकाल ठाम्बठेन्छ, श्रन्धेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित हैं (श्रोर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधानयम की धारा 269 कुछ के स्रवीत सक्षम प्राधिकारी के बम्बई में रॉजस्ट्री तारीख 19-12-1985।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्ति किया कर से के किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुन्तिश के सिए; बारू/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी बन या बन्य शास्त्रक्षे को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः कथा, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैनर्स आए० एन० ए० बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2 श्री सूरम सिंह एल० ठाकुर श्रीर सत्रेश एस० ठाकुर

(अन्तरिती)

को यह भूषना जारी करके प्रशंक्त सम्मस्ति के अर्जन के निष् कार्यमाहिमां वारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप ु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इब त्या के रायपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन के भीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उन्हरं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहुी अर्थ होगा. यो उस अध्याय में दिस गया हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 2 जी सी-3, सारगा बगलो रोशनलाल अगरवाल काम्पलेक्स, एस० २० ४१ (पार्ट), ओशियरा, अपना ६२ के पास वर्शोवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/15644/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रारा दिनांक 19-12984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त,(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-8-1985

माहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रगस्त, 1985

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी संख्या गाप वं० 17, रोशनलाल, श्रगरवाल गांपिंग ग्रारकेड, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षानियम की धारा 269 क ख के श्रद्धीन सक्षम श्रीक्षकारी के कार्यालय, बम्बई रजिस्ट्री है, तारीख 29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वोद्य से उक्त अन्तरण सिचित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के। लए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— 1. मैसर्स प्राप्त एन ए० विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता भीण कोटचा

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययादियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य हाती हों, की भीतर पृविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिंग्यन में किए जा सकीय।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

णाप नं० 17, जो तल मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शापिंग श्रारकेड, एस० नं० 42, (पार्ट), श्रपना घर क पास, ओशिवरा वर्कोवा, श्रन्धेरी (प०), वम्बई-400058 में स्थित है।

प्रमुखो जैना कि किश्मिक श्रई-2/37-ईई/15876/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 29-12-1984 को र्राजस्क दिकारा गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रासुक्त, (निरीक्षण) ग्रुप्तेन रेंज-2, बस्बई

तारीव 12-8-1985 भो**ड**र • प्ररूप बाइ . टी. एम. एस. .----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-व (1) के मुधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5825—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण धास,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या णाप नं० 26, रोणनलात अगरवाल णापि आरफेड, पन्त्रेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है। श्रीर जिसका करारतामा आयहर अधितियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-12-1984।

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्मजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिसित उच्चेस से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइं किसी शाय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कसी करने या उससे व्याने में स्विधा के लिए: और/ग्रा
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या उत्य आहितयां करो, जिन्ह्रं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ निर्देश

जल: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलिंखल अधिकतमों, अधारा ॥—— 1. मैसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह सरन सिंग ठुकराल। (अन्तरिती)

को यह)सूचना जारी करके पृत्रींकत तंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस भूचना के राचपन में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशी स से 30 दिन की अवधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुपेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

शाप नं० 26, जो तल मंजिल, रोशनलाल अगरवाल आरकेर्त, श्रोशिवरा, एस० एन नं० 41 (पार्ट), अपना घर के पास, वर्सेवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अमुसूची जैसा कि क सं० अई-2ह37ईई/15880/9 84-85, ग्रींर जो प्रक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीखा: 12-8-1985

मांहर 🖫

प्ररूप नाहाँ ुटी ु एत ु एस . ------

नायकर विधितिसन, 1961 (1961 का 43) की धा<u>रा</u> 269-ज (1) के नचीन सूचना

प्रमुख बहुत्वर

कार्यासय, सहायक आवकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15882/84-85:—-अत मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उसत अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या णाप नं० 35, रोशनलाल अगर्वाल गापिंग आरकेड, अन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपवज्ज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 29—12—1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार ब्रुश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे, एंचे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से बिधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- णे एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा अर्थ लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, सर्वात् क्ष्र--- 1. मौसर्स आए० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

 श्रीमती घनी बाई एम० पंजाबी और श्रीमती गीता एन० पंजाबी और श्रीमती हर्षा एन० पंजाबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क्ष्य सम्पत्ति के वर्षान् के सम्बन्ध में कोई ही बार्क्य--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल के विकास में किए का सकते।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 35, जो तल मंजिल, रोग्रामलाल अगरवाल शापिंग आरकेड, एम० नंगं41 (पार्ट), श्रोणिवरा, अपना घर के पास, वर्सोवा, अन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई15852/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-29-12-1985 को रजिस्जर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 बस्बई

तारीख 12-8-1985 मॉहर : प्ररूप बाई. ट. एन्. एस. - - ---

करवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासम, सहायक नायकर नायक्त (निराक्तक) अर्जन रोंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनोंक 9 अगस्त, 1985

सं० अई-2/37ईई/15395/84-85:—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जित्तती संख्या रूम नं० 33, रोसनलाल अगरवाल शारिंग जारकेष्ठ, श्रम्बेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिन्ना करारपामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 कख के अबीज सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-12-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रयमान ब्रांतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया ही

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) एते किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट प्रहीं किया गया वा ना किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-म को बन्तरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निरातिस्थित व्यक्तियों, अधार्त ह— 42--246 GI|85 1. मैससं आर० एन० ए० बिल्डसं

(अन्सरक)

2. श्री थॉंग बहेज चुंग उर्फ फिलिप होंग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विष्ण नया है।

प्रवस्त्र स

सम नं० 33, जो पहली मंजिल, रोशनलाल अगरवाल शापिंग आरकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), अपना घर के पास, वर्सोवा अन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/15395/84-85, श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म **क्टु दास,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 बम्ब

तारीख: 9-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकार जीभीनयम्, 1961 (1961 का 43) कीं पास 269-स (1) के अधीय सुमुखा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक खायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जिन रेंज-2, बम्बई

बभ्नई, दिनांक 9 अगस्त, 1985

सं॰ अई-2/37ईई/15400/84-85:---अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की भारा 269-स के अधीन महाम प्राधिकारी को चह ित्रवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 1,09,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या रूम नं० 34, रोणनलाल अगरवाल शौषिम आरकेड अन्धेरी (प०), बम्बई – 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-12-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनले अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुतरण ४, टीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मैसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री बॉग हेन चुंग उर्फ फिलिप बॉग

(अन्तरिती)

की यह स्वना कारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

संक्त सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकारी।

स्पन्नीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

रूम नं० 43 जो पहली मंजिल रोशनलाल अगरवाल शापिंग आरकेड एस० नं० 41 (पार्ट), अपना घर के पास, भ्रोशिवरा वर्सोवा, अन्धेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/15400/84-85, श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 14-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मक्क दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-8-1985

प्ररूप बाईं.टी. एत. एस. ------

माथकार मांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

सं ॰ ग्राई-2/37ईई/15085/84-85:----श्रत मुर्झे, लक्ष्मण बास,

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-का के निधीन सक्षम प्राधिकारों को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान न० 1, जो, प्लाट नं० 7, 8 श्रीर श्रीर 9 जे० पी० रोड, श्रन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिप् अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया प्रतिफल, निम्मिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या कन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग कें अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जभीत् ह—— श्री श्रहमद जनमोहमद बाटलीवाला,
 श्री इकबाल जनमोहमद बाटलीवाला, श्रीर इस्माईल जनमोहमद बाटलीवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो लक्ष्मीचन्द पोपटलाल गोगारी।

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरकों

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्ध में कोई भी वास्टेन ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्यच फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पक्षों का, जो उनक् जिथितिसम के जध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं नधें होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसुची

दुकान मं० 1, जो मनीष नगर शापिंग सेन्टर प्लाट नं ० 7, 8, भौर 9 जे० पी० रोड, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/15085/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिका उ, बम्बई, द्वारा विनाँक 1-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षमप्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, यम्बई

तारीख: 13-8-198**5**

मोहरः

इक्स बाइ". दी. एनं. एतं. -----

नतमकः र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अंधीन सूचना

शारुत संद्रकार कार्यासद, सहायक सायकर नाम्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बर्स

बम्बई, दिनाँक 13 ग्रगस्त, 1985

सं **अई**-2/37ईई/15312/84-85:---श्रत: मुझे, लक्ष्मण सास,

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या दुकान नं० 3/बी, जो, कविता भ्रपार्टभेंटस यारी रोड, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है), श्रीर इससे उपाबढ़ भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह व्हिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उचके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच सय पाया गया प्रति-चन्न किस उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक कम से कृथित नहीं किया गया है :—

- (च) बस्तरण संहूइ' किसी बाय की बाबस , उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक कें स्वियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिरा; बीर/सा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य भास्तिनों कारे, जिन्हों भारतीय जाय-कर मंभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया चाना जाहिए भा कियाने में सुविधा के निए;

वत् अव, अवत जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अथात् ह— 1. श्री रमाकांत मिश्रा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती ई फर्नान्डीस श्रीर श्री झेवियर फर्नान्डीस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह—-

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षें कथ व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में जिला बगा है।

अनुसूची

दुकान नं० 3/बी, जो, कविता ग्रपार्टमेंटस, यारी रोड, वसींवा, ग्रन्थेरी (प०), वस्बई-61 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं क स्रई-2/37ईई/15312/84-85 थीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनौंक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक **ग्रा**यकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजैन रंज-2, बस्ब<u>र्</u>क्ष

तारीख: 13-8-198**5**

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त, 1985

सं॰ श्रई-2/37ईई/15283/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. में अधिक है

स्रोर जिक्का संका दुकार नं 43, जो, मिनिय मार्निय सेंटर जे व्याव रोड, श्रन्धेरो (प०), बब्बई में स्थित है (स्रीर, इससे उपाबक्क श्रमुस्ता में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बब्बई में रजिस्द्री है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मोहमद बली मोहमद नबी।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रशरक ग्रसिझ मास्टर श्रौर श्री मृशायर श्रली श्रसिझ मास्टर।

(भग्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि विकास की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितस्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 43, जो, मनिष शापिंग सेन्टर, जे० पी० रोड; धन्धेरी (प०), बस्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० घ्रई-2/37 ई/15283/84-85, श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनौंक 7-12-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लहमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1985

प्रका बाइ. टी. एम. एत. -----

1. श्रीमती लता जी ग्रगीचा।

(भन्तरक)

2. श्री एल० एन० गुप्ता।

(प्रन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्शक्तिय) भूजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 धगस्त, 1985

सं० भ्रई-2/37ईई/15706/84-85:-- मतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जितको संख्या दुकान न० 1, "बूड रोझ", प्लाट नं० 320, सर्बे० नं० 41 (श्रंथा), 4 बंगला, वर्सोवा, ध्रन्धंशी (प०), बम्बई—58 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रो में भ्रोर पूर्ण रूप से विजित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22—12—1984

कां पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्य प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिख्त में बास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपय की वासत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीड़/वा
- (ता) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा वौ लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निष् कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित में अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्यी

दुकान ने॰ 1, जो, "बूड रोक्ष" प्लाट नं॰ 320, सर्वे नं. 41 (ग्रंथ), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प॰), बस्बई 58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० मई-2/37ईई/15706/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 22-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रॅज-2, बम्बई

सारीख: 13-8-1985

मोहरः

प्रकार वार्षे . सी . एव . एस् . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्श्यांस्य, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

न रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 13 भगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15621/84-8[हें श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या साप न० 4, कमल श्रपार्टमेंटस, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्सूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बाजित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यामान अन्तरित की ਜਿए गष्ठ≛ विष्वास करने का कारण है यह यथापवींक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके रूज्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दुष्टेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६ —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत. जन्म अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी बन या अस्य जारित्यां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गण्यन-कर अधिनियम, गण्यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अन्त: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स भगत एण्ड कपूर हाउतिंग डेवलपर्नेट प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रमीत जैन।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकांगे।

न्यच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुयची

शाप नं० 4, जो कमल श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 68 चार बंगलीज, वर्सीवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-100058 में स्थित है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1985

योहर 🖫

(श्रन्तरक)

प्ररूपः नाइं्टीः एनः एस्, चल च==

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूच्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनॉक 13 श्रगस्त 1985

निर्देशसं० म्रई-2/37ईई/15251/84-85-म्बतः मुझे, जश्मण धास,

नायकर अिश्वियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या दुकान नं 15, जी, तल माला, कास्मेट प्लाट नं 334, नर्वे नं 41 (अंत), 4 बंगला, वर्सीवा, भ्रन्वेरी (प०), व्यवई—58 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रवितियम को धारा 269 कख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को पृष्टिंग्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिका से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तीरात्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीम कर दोने के बन्तरक औं दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

1. मैसर्स एकता दूस्ट ग्रोर स्वेता दूस्ट।

 श्री मंघनलाल श्रार० पंजाबी श्रीर श्राय। (श्रन्तरिती)

को यह सम्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की गामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में मं विगी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

दुकान नं० 15, जो लल माला, काम गेट. प्लाट नं० 334 सर्वे० नं० 431 (श्रंण), 4 बंगना. वर्मीवा श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैना कि क सं० श्रई-2/37ईई/15261/84-85 श्रोरजो। सम्भ प्राधिकारी, वस्पई, हारा दिनाँक <math>7-121984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण यास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

बतः मन् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

1. राहुल ट्रस्ट।

(मन्तरक)

2. नन्द मंघनलाल पजाबी धौर धन्य।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 13 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15252/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें पहस्रात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की भारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 16, जो, तल माला, कास गेट, प्लाट नं 334, सर्वे नं 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्राधेरी (ग०), वम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), श्रीर जिस का करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यीलय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरगमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवां प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे धचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए।

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---43--246 @1|85 को बहु सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखु कार्यवाहियां केरता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस बैं 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, या भीं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उन्नत स्थानर तम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य क्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकोंने।

स्वक्यक्रिक्ण: -- इसमें प्रकृतत सम्बां और पदीं का, वा उनक अधिनियम, के अध्यास 20-क में यथा परिभा-हैं, यहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्सूची

दुकान नं० 16, जो, तल माला, कासगेट, प्लाट नं० 334, सर्वे नं० 41 (झंश), 4 बंगला, वर्सोवा, झन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋसं० अई-2/37 ईई/15252/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिमौक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सन्नम प्राधिकारी, स**हायक मायकर मायुक्**त, (निरीक्षण) **म**र्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1985

प्रका नाह", टी., एव., एवं

बाधकड गीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के जधीन स्थान

भारत चरकार

कार्याच्या, सहायक जायकर वायुक्त (रियर्डक्रिक)

धर्जन रेंज-- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 प्रगस्त 1985

निदेश स॰ प्रई-2/37ईई/15676/84-85—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बानकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर संवति, जिसका अधित बाचार स्रूप्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या दुकान नं० 2. "प्रेरणा", श्राधिवरा श्राफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, श्रम्धेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दब्यमान प्रतिकल से ऐसे दक्षमान प्रतिकल का क्ष्मध्र प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंहरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पावा चवा प्रतिकल निम्तिलिक उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तारण वेहुप्र किता बाव की बावत, बावह वीपनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में बृधिधा के बिए; ब्राह्म/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा से खिड़;

अतः अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को बधीन, निम्नसियित व्यक्तियों, अधीत् के--

- श्रीमती दिपा भार० चौप्रा प्रौर चित्रा पी० मेहता (मन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला बाई भेरूमल परवानी ग्रौर कुमारी बिमला देवी भेरूमल परवानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिष् कार्यमाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिथ ना तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अवधि, को भी समिथ नास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर क्यें क्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के औतर उक्त स्थाधार संप्रित में हितवस्थ कि सी सन्य काकित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिकाय में किए या सकाने।

स्पद्धीकारणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उसत निर्धीनवम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ह नहीं वर्ष होंगा को उस बच्चाय में दिवा पया है।

मन्त्रची

दुकान नं० 2, "प्रेरणा", फ्रोशिवरा, स्राफ जे० पी० रोड वर्सीवा, मन्धेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-2/37ईई/15676/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनौंक 20-12-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज-2,बम्बई

सारीख: 9-8-1985

नाइए:

प्ररूप आई. टी.एन.एस. ------

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, विनांक 9 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई; 15637/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

षौर जिसकी संख्या दुकान नं० 2, जो, तल माला, इमारत कलन फील्ड, प्लाट नं० 15/9, सर्वे० नं० 41. (श्रंण), 4 अंगला, श्रोधिवरा, वर्सीवा अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौज एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री हसन ग्रली मिर्झा।

(भ्रन्तरक)

 श्री धनजी बिरम खाहा भौर श्री हसमुख के० गाडा।

(भन्तरिती)

को यह सुकता जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति को वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

दुकान नं० 2, जो तल माला, इमारत क्सनिफील्ड, प्लाट नं० 15/9 सर्वे नं० 4 (ग्रंक), 4 बंगला, ग्रोशियरा, वर्सोवा, ग्राधीरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-2/37ईई/15637/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधकारी, बम्बई, द्वारा दिनाँक 28-12-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षमप्राधिकारी, सहामक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-8-1985

माहर ३

THE RIPLEMENT OF THE PERSON AND P

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का A3) की धारा 268-प (19 के समीय शूचका

भारत तरकार

कायुनियः सह्यक् भायकर मृत्युक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बद्भई, दिनाँक 9 प्रसन्त 1985

निवेश सं व प्रई-2/37ईई/15117/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रवाद (उक्त अधिनियम) कहा प्या हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बावार बृत्य 1,00,000/- रा. से सिका है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 4, जो, ज्युबिली, श्रपार्टमेंट, यारी रोड, यसींवा, श्रन्थोरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क. ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजिस्ट्री है, सारीख 03-12-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उमित बाजार मृह्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए संत्रित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभावनींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से, ऐसे क्यमान प्रतिकाल का प्रमूह प्रतिकात से प्रक्रिक है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिति (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तब पाना बना प्रति-क्ष निश्वनिक्ति उद्देश से उन्तर सन्तरक लिखित में बाजतिक क्रम्म से क्रियत नहीं किया गया हैं—

- (क) अंतरण से हुई कियी बाय की समझ, ह्रक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; बीद/बा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी थन वा नन्य नास्त्यों को; जिन्हें पारतीय सायकर समितियम, 1922 (1922 का 11) या प्रश्त समितियम; या सन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ नन्तिरिती कृवाता प्रमाद नहीं निमा भया का या किया बाना काहिए वा, कियाने में स्विता के बिक्

बतः नव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म में मन्बरण मैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभास (1) में विधीन, निम्मीसविद्य व्यक्तियाँ । जमादि में च्य 1. श्रीमती हरबन्य कौर साय।

(अन्तरक)

 श्री कृष्णा कादरवेल नायडू श्रीर श्रीमती बेबी कृष्णा नायडू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्संत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, वो भी जनिथ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त विश्विद्यम, के वश्याय 20-क में यथा परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उत्त वश्याय में दिया पदा ही।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, ज्युविली श्रपार्टमेंट, यारी रोष्ट, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/15117/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनाँक 3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-8-1985

प्रकल आहे, दी, एन, एस, क्रान्ट्रक

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15322/84-85--म्रतः मुझे; सक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या तुकान नं० 7 जो, तल माला, एवर-शाईन न० 2, को० क्राप० हाउसिस सोसाइटी खि०, जे० पी० रोड, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत्त है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायंकर श्रीधनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 7-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का आरण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूप, उसके स्वमान प्रतिफल से एसे स्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वल से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में सास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथीत :--- ा. श्रीमती मोभा पी० कोटीयन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जसवन्त तुकाराम धोंगडी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस गृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुव्ह शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 7, जो, एथरणाईन नं० 2, की० श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, जय प्रकाश रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं श्रई-2/37ईई/15322/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्वई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ध**

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आहें. टी. एत. एस. -----

बावकार जिथितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत चर्डनार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 धगस्त 1985

निवेश स० श्रई-2/37ईई/15616/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास

नामकर निधित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परकार 'उसत निधित्सम' कहा गया है), की धारा 269-का के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रह से विधिक है

भीर जिसकी सख्या भाप न० 1, कमल भ्रपार्टमेंट, अन्धेरी (प०), बम्बई—58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम को धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17—12—1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से श्रेते दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिदात ते अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच श्रेस अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल, निम्मतिबित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निवित्त यो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभारण ते हुइ किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उत्तर वचने में सुविधा के लिए: वौर/या
- (कः एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, भी तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थान,

 मैसर्स भगत एण्ड कपूर हाउसिंग देवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

2. तरून जैन।

(मन्तरिती)

को धह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

दक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीं से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वापन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्मि बाद में सजाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (क) इत सङ्गना के उपअपन में प्रकाशन की वादीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाच अभोहरताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों जीर पदों का, को उक्त विश्वनियम् को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वया है।

मनुसूची

भाप नं० 1, जो ाल मंजिल, कमल अपार्टमेंट, प्लाट नं० 68, भोशिवरा, चार बंगलौज, वसीवा, अन्धेरी (प०), बस्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैस कि क सं० श्रई-2/37ईई/15616/84-85, ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 17-12-1984 को रजिस्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-8-1985

मोहुर 🛭

वस्त वार्वे ही एवं एक न्यास्त्रास्त्रा

नायकर निपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन क्षमा

सार्व बहुक्तर

कार्यातय, सञ्चायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 अगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/15408/84-85'--- प्रतः मुखे, लक्ष्मण दास,

बायकर निभागित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उकत वाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संखा पलैट नं० 305, शैल्टर, प्रन्धेरीं (प०), ध्रम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाद्य भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, की धारा 26 व, ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारीं के कार्यालय, वस्वई में रिजस्ट्रीं है, तारींख 13-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पर्सित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यवान शिकाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के चन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरितीं (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए सय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण निकत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हें विधिनियल के बधीन कर दोने के मन्तरक के बायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिष्ट: कीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के विद्धा

लतः जव, उठ त विधिनियम की भारा 269-न के अन्सरण में, मैं, उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमतीं यस्मीन लाल दादलाने और श्री कथवमजीं सोराबजीं बागपूरवाला।

(भ्रन्तरकः)

- 2. मुकत टेंबन एण्ड वेसल्स प्राइवेट तिमिटेड (अन्तरितीं)
- 3. भ्रन्तरितीं

वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।

का नह सूचना बारी करके पूर्वों का सन्ति के सूचन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

बन्ध बन्दरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की सविध मा तत्संबंधी स्थवितयों परु सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शब जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ----इसम् प्रमुवत शब्दो और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

पर्लंडि नं० 305, जो, तींसरी मंजिल, शैंस्टर, प्लाट नं एम-2, वीरा देशाई रोड, अन्धेरीं (प०), सम्बई 400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं० भई-2/3-ईई/15408/84-85 और जो सक्स प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 13-12 1984 की रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारींख ' 9-8-1985

मोहर 🦠

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त, 1985

निदेश सं० ग्राई~ 2/37ईई/15883/84-85'---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या रूम नं० 77, रोशन लाल श्रगरवाल शापिंग श्रारकेड, अन्धेरी (प०), अम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है, तारींख 28-12-1984।

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिक की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुकिधा के किए; कीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. मैनर्स श्रार० एन० ए० बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहल प्रभाकर नाडकणी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणं; --- इसमें प्रय्थतः शब्दों और पर्वी का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, बही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गमा है।

annual to the same

रूम नं० 77, जो पहलीं मंजिल, रोशन लाल ग्रगरवाल शार्षिगं ग्रारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा, ग्रपनां घर के पास, वर्सोवा, ग्रन्धेरीं (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि क0 सं० श्रई-2/37ईई/15883/84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड िया गया हैं।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रापकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, अम्बई

नारीख: 9-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

111 -114 1211 July

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांतय, सहायक जावकर वाब्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० श्र $\xi-2/37$ ईई/15641/84-85'—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

लाशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थानर नम्पत्ति, जितका उचित बाजार अस्व 1,00,000/- गा. से अधिक हैं

और जिसकीं संख्या कम नं० 59. रोशनलाल अगरवाल शापिंग आरकेड, अन्धेरीं प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वणित हैं), और जिसा करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिनारीं के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीं है, तारींख 18~12-1984

को प्योंकत सम्मिति के उचित वाचार मूल वे कन के समयान शितफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार सम्य ससके स्वमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल का वन्स्रह शितकत से विभक्त है और अन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक से लिए स्व वाचा वदा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक १०० में क्थित नहीं किया नवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियस्य में कमी करने या अससे नवने में सुधिधा के किए; करेंग,/पा
- (क) असी किया आप आ फिसी भन पा अस्य आगैस्तर्या को जिन्हें भारतीय आयक्तर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मिनिया जी किए।

थप: ७०, ७०म विभिन्निया का भाग 269-म के अन्सरण को, मैं, उनक कविनिया की भारा 269-म की उपधारा (1) के अर्थान, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखन व्यक्तियों,

1. मैसर्म श्रार० एन० ए० बिल्डमी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीं एम० ग्रार० गागर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के वास निस्तिस में किए जा सकोंगे।

नन्त्रची

रूम नं० 59 जो पहलीं मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शापिंग श्राप्तेड, एस० नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा, श्रपना घर के पास वर्सोवा, श्रन्धेरीं (प०), बम्बई--400058 में स्थित है।

भ्रमुम् जै-साहि क सं ० श्रई--2/3 हर्डई/15641/84-85, और जो सक्षम प्राधितारी, वस्वर्ड, द्वारा दिनां र 18--12 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधितारी. सहायण आगण्य आगुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बस्बई

तारींख · 9-8-1985

प्रकम नाइं.टी.एव.रस.-----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

क्राच्या चलकार कार्यात्वे । सहायक गायकार जायक्ता (निरक्षिण)

ध्रजीन रोज 2, बम्बई

थम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15748/84-85'--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ह" कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक ह"

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 32, ओम निकेतन, श्राधेरी (प०), बम्बई-58 सें स्थित हैं (और इससे उपाद्यद्ध ध्रनुसूचीं भी और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनाम ध्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 22-12-1984

को पूर्वोक्त सम्बंधित को अधिक बाजार मूल्य से कह के क्यामान प्रतिफल को लिए अंतरित की गएं है और बूमों यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्प्रीस का उधित बाजार बूल्य, उसके दश्यान प्रतिफल से, ऐसे दश्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपास से अधिक है और अंतरक जंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उम्रस अंतरण निष्धित में पस्तीवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के क्यीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में क्यी करने वा उत्तत बचने में सुविधा के लिए; श्रीप
- (य) एसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आवकर की धीनवव, 102? (1922 का 11) वा उक्त की धीनयम, वा धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिवाने वे स्विधा के सिक:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत— 1. ओम बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

 श्री भगवान दास बेहरूमल रामचन्दानी और श्रीमती सोनिया बीं० रामचन्दानी।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्क्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जणीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्क्रमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायत इवारा;
- (क) इस स्वाना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितबक्ष किशी जन्म स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बहु क्यें होगा जो उस सध्याम में दिया गरा है।

मन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 32 जो, निसरीं मंजिल, ओम निकेतन, 314, पालीं राम रोड, श्रन्धेरीं (प०), ब्रम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा ि क सं० श्रह-2/37ई श/15748/84-85, और जो तक्षम प्राधिमारी, बम्बई, द्वारा दिनांः 22-12-1984 को रजिस्टई भिया गया है।

> ाक्षाण दार, स्थम प्राधिः गरी, सहाय इ श्रायक्षर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजीत रोज-2, बस्बई

तारीख : 13-8-1985

मोहर 😲

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-म (1) में नवीन स्वामा

भारत सरकार

कार्याजम, तहावक वाक्कर बाबुक्त (निर्काण)

श्रर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्राई० 2/37ईई/15276/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दाप,

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-स के वधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं मं० दुमान नं० 6, जो, स्रनुराधा इमारत, इला क्रिज, एस० दि० रोड, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबड़ श्रन्मुची में और प्र्ण रूप से वर्णित है) और जिस्ता अरारनामाम प्रायकर प्रधिनियम की धारय 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्री है, तारींख 7-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य हं कम के क्यसान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रूपमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिश्वत सं बौर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अंतरितियाँ) बीज एसे जन्तरण के लिए तय पाया गंबा प्रतिकल, निम्नसिक्ति उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- ्रें का अन्तरण से हुई किसी जाग की बाजता, उपत अभिनिय्त्र के अभीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया भा ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिहरू

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमतीं नयाना डीं छेडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रींमती मिनल राजींद्र मिक्षा और कुमारी ममना ग्रजीनदेश चंदन । (श्रन्तरितीं)

का बहु सूचना जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिक क्षेत्रका हूं।

उपन संपर्क के वर्षन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अवित का तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तानीस से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (व) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी कम्म स्थानत स्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास किसिया में किस वा सकींचे।

स्वक्षीकरनः -- इसमें प्रयुक्त संबंधों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया व्या ही।

वृक्तान नं. 6, जो प्रानुराधा इमारत, इर्लाक्रिज, एस० वि० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में थित है।

अनुमूची जैमा कि कि स० अई-2/37 ईई/15276 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 वस्बर्ध

तारींख 13-8-1985 मोहर : प्ररूप नाइ. टी. एव. एस. ------

बाधकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

भागते संधानक्

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० श्रार्ड-2/37ईई/15161/84-85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को, वह विश्वाह करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00、200/- रू. से अधिक हैं

और जिसकों सं० शाप नं० 27 नंदन त्रिपा अनेक्स शापिंग मेंटर, अन्धेरीं (प). बम्बई 58 में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकार अधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधींन सक्षम शिधिवारीं के लायीलया बम्बई में रिजस्ट्रीं है, तारीख 3-12-1984

को पूर्णेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्णमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्त्रीक रूप से कृथिन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइरा, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; को लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को धिनहाँ भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्ता अधिनियम, या वनकर निभिनयम, या वनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्निरीती वृवास प्रकट नहीं किया नया या किया जाना नाहिए ना, किनाने जें सुविभा के लिए;

मतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं. उक्त जीधीनवस की वारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों, प्रथीत :--- (1) मेसर्स बिल कनस्ट्रवशन्स

(भ्रन्तरक

(2) श्री महमद इन्डबाल

(ग्रन्तरितीं)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए लासकेंगे।

स्मध्यीक रूप :---इसमें प्रयक्त कट्टों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

अनस्त्री

णाप नं० 17 जो तल मंजिल, नंद किया अनेक्स शार्षिग सेंटर, चार बंगला रोड, अंधेरीं (प), बम्मई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि स० श्रई-2/37 ईई/15161/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई, हारा दिनात 3-3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारींखः : 13-8-1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अम्बर्ष

अभ्बई, दिनांक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई-2/37ईई/15355/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अश्वीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० णाप न० 15, वि-विग, पींक श्रपार्टमेंट, अस्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ प्रनूस्चीं में और पूर्ण रूप से व्रणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधींन सक्षम श्राधिकारीं के ार्याल्य, बस्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 10-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तस् प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चिस में वास्तविक इप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दलें के अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा वागित्व के सिए; और/था
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा में सिक्;

कतः बज, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म के अनुसरण में,, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मेंसर्स वर्धान इस्टेटस प्राईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अन्दुल शाबीर ईस्मालइ पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ज"शाप नं० 15 जो तल मंजिल, बि-विग, पीक श्रपार्टमेंन्ट, वसौवा, सात बंगलोज, गार्डन, बम्बई 400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/15355/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई, द्वारा दिनंक 10-12-12-84 को रजिस्टडे किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण,) श्रजैन रोज-2, **बस्बई**

तारीखा : 13-8-1985

माहर:

प्रकथ जाही टी एन एवं ----

(1) विमलं वानस्ट्रमणन्स

(अन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

नाहरू नरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/15945/84-85--- ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दाप्त,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 2, नंद किया श्रनेवसशापींग सैंटर अधेरी बम्बई-58 मेरचन्व स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका कारनाम। श्राबकर श्रधिनियम, की धारा 269 क खके श्रधीन समक्षप्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 29-12-1984

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापृथंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिफल से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) ब्रुक्तरण वे हुई किसी बाब की बाबता, क्या विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कती करने या उत्तते वजने में ब्रुक्तिश के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सृविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जों, जां, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सभीत, निकासियस व्यक्तियों, अविद् क्र— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

(2) श्रीमती कौंगल्या श्रनंड्रम चासवानी

जनत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबिध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में ड्रिंस बद्ध किकी अन्य व्यक्ति द्वारा, अ्थोह्स्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पायकीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा को उस अध्याक में दिया गया है।

मन्त्र्यी

"शाप नं० 2 जो तल मंजील, नन्द क्रीपा अनेक्स शापींग सेंटर, चारबंगला रोड, अंधेरी (प), बंबई-400058 में स्थित है।

श्रानुसूची जैला कि कि के संश श्रई-2/37 ईई/15945/ 84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रार्थन रेंज-2, वस्बर्ध

तारींख : 7-12-1985

मोहर 🧟

प्रक्रम शार्चः दीः एनः **एत**्न----

बायकर रुपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत रहिनाड

कार्यासय, महाबक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां⊙ 13 ग्रगस्त 1985

निर्देण सं० ई-2/3 ७ईई/15372/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

याग्रकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी संव जाए नव 14, वि-विंग, पीक प्रपार्टमेंन्ट, ज्यम्बई 61, में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्य ने वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 के ख के प्रधीन सक्षम प्राधिनगरी के कार्यालय बम्बई में एजींस्ट्री है तारीख 10-12-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्ववमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्यंख्य से उक्त अन्तरण जिचित में शास्तिक कप से कथिक नहीं किया गया है ।

- 'को अन्तरण सं हुई किसी साय का यायत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दार्थिक के केशी करने या उससे उचले में सृष्टिशा के लिए; और√यो
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीण अध्यक र अप्यानियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र अप्यान्तिय या विशेषी बुकार प्रकृति नहीं किया गर था या विशेषा अनी चाहिए पा किया सिम्मिन के सिए;

क्रमा अस्य , त्यस्त निधिनियम की धारा 269-ग **के बन्सरण** में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) से एकीन जिस्सिलिश्वित व्यक्तियों, **संधीत ह**—

- (1) मेनर्स वर्धन इस्टेटन प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) श्रनीलकुमार श्रार० गांधी, भुरेन्द्र श्रार० गांधीं और श्रीमती सावित्रीं श्रार० गांधीं (अन्तरिती)

कां यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क अजन क सबय में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी न्यवित्तयों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निर्मिश्त में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

रगर्स की

"शाप नं । 14 जो तल मजींल बि-विंग, पीक श्रापर्टमेंन्ट सात बंगलीज, गार्डन के पास, वसींवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-23/47 ईई/15372/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई, ब्रांग दिनांक 10-12-1984 को रजींस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन रोंज-2, बम्बई

तारीख: 13-8-1985 मोहर: प्रकर बाह्", टी. एन. एस'.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-च (1) के **नभीन स्थना**

भारत शरकार

कार्यासय, सहायक अग्यकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० ब्राई-2/37 ईं5/15254/84-85—म्ब्रे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिस्त निर्मानय' कहा गया है), की भाष 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/~ रह. से अधिक है

और जिलको सं० भाष नं० 5, मिरा भ्रपार्टमेंन्ट, बसौंपा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसकी करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, की धारा 269 क खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई 9 रजीस्ट्री मे, तारीख 7-12-1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति हो गई है और मूर्फ यह जिस्सास करने का कारण है कि अधार्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकार में अस्मित कर ए के कित नहीं किया गया है क्न

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्लाप; बॉर/बा
- ्से। फिसी लाग या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धक- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ही निग्रः

बत: जब, उबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, बैं, ठक्त अधिनियम की धारा 269-म की सम्भाग (1) के अधीन निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मिरा बिल्डर्भ

(श्रन्तरक)

(2) सूधीर बी० देभाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचला जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री है वै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (प) इस सूचना में हास्पून में प्रकाबन की तारीय ने 45 दिन के भीतर जनत स्थावर मंपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्क विधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

"शाप न० 5 जो तल मजींल मिरा अपार्टमेंन्ट, सीं० टीं० ए.स० नं० 1311, बर्मीबा, अंधेरीं (प). बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कर संर श्राई 2/37 ईई/15254/ 84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई, हारा दिनांक 7-12-1984 को एजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः सक्षम रे प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्द्ध

नारीख 13-8-1985

मोट्टा

प्रकप. बार्ड : दा. एन. एव. - न - न न

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीय मुखना

HITT EVENT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2 बम्बई

बम्मई, दिनांव 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/15486/84-85—म्म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० शाप नं० 3, सुन्दर पार्क, ए० विल्डिंग, अंधेरीं (प), बम्बई 58 में स्थित है (अंद इससे उपाबढ़ अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करनारामा आयकर अधिनियम की बारा 269 द ख के अधीन सक्षम प्राधिनारीं के लार्यालय, बम्बई में रजींस्ट्रीं है, तारींख 14-12-1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षित निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिवृक्ष हम्म से किथत नहीं किया नहां है

- दिक) दन्तर वे हुई किसी बाय की बाबत, सकत जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के सामित्य में अपने जायने या सहामे समाने में सुरिया भे निष्, जीर/मा

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, भर्ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---45-246 GI|85

(1) मेसर्स सुन्दर अनस्ट्रक्शन क०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुराम नवीं सिद्दीकी

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन् है मंबंध में कोई भी बाह्मेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र तें प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी स्वक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारोज सं 45 विन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी वन्य म्यांकर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी में कि ए सा कि किसी में कि ए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"शाप नं० 3 जो तल मंजिल, सुन्दर पार्क, ए- बिल्डिंग स्रांफ वींरा देसाई रोड, अधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37/ |15486/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-12 1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी महायक स्रायतार स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज 2 वस्बई

तारींख · 13-8-1985 मोहर २ प्राप्त स्वाप्ति प्रति । सुन्द्रः स्वतः । अस्ति । अस्

सायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत ब्रक्त

कार्यासय सहायक जायकर वायकत (निराक्षण)

भ्रजीत रेंज-2, बंग्बई बम्बई, दिनॉट 13 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० ग्राई-2/37ईई/15487/84-85----- प्रतः मुझे, लक्ष्मण क्षास,

शासकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'लकः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिपकी सं० णाप नं० 11, सृद्दर पार्क, ए-बिहिड्स अंधेरी (प०, बम्बई 58 के में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रुप से बणित है) और पि देश करा होमा शाम पर गिविनियम की धारा 269 है ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 14-12-1984

को प्रशेवित सम्पत्ति के उत्तिन नाजार मृत्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके स्थमान पंतफल से, एमें सम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-क्य निम्मिन्चित स्वयंत्य से उत्तर कराइण निष्यित में बास्तिवृत्व क्या में कारित नहीं किया गया है है—

- (का) कलारक संश्रुष्ठ' क्रिक्श काम का शावस, उपस् व्यथितिकुत को वादील कर दोने को सम्बद्धा की दामित्व मी कमी करने या उत्तरों कर्न में सुविधा ओ स्थित; बॉर/बा
- (ण) ऐसी किसी आम मा किसी अन या अन्य लास्तियां करं, जिन्हें भारतीय आय-कर बांधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, पा अवकर अधिनियम, पा अवकर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरक्षी ध्वारा प्रकट नहीं लिखा स्वा था मा किया जाना चाहिए था, छिपानं जं विश्वा से विष्टः

वर्षः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क जन्मरण वा, वी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अधीत है— (1) मेरार्स सुन्दर यनस्ट्रमशन को०

(अन्तर्भ)

(2) श्री अञ्चल रहमान अञ्चल कादर

(भ्रन्तरिती)

को मह स्वनं वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्छ कम्परित के वर्षन के तकारण में नाहों भी नाहोंए अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, अंभी
 बन्धि बाद में नमाप्त हांती हो। विशेष विशेष विशेष स्थान
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर संपक्षित में हितवद्रथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयात शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

"शाप न० 11, जो तल मंजिल, सुन्दर पार्क, ए-बिल्डिंग श्राफ वीरा देशाई रोड, अंधेरीं (प), बंग्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई 2/37ईई/15487/ 84-85 और जो लक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 14-12-1984 को रजिस्ट्रिं किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधि । री महायक ग्रायकर श्रायुष्त (निरीक्षण), श्राजन रीज-2, बम्बई

तारीख 13-8-985

मोहर 🛚

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/15128/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसके इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिन्हीं संव लाप नव ए.7 सिहायर बोंच क्विन, हिंगू (प), बम्बई 61 में स्थित हैं (और इनमें जापबद्ध अनसूचीं म और एणं रूप से वर्णिन हैं) और जिसका करारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जायिन्य, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारींख 3-12-1984

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे, यह चिक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, एसे रहस्मान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त क्तरण लिखित में वास्तिक रूप स किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ विधीनवस के बधीन कर दोने की धन्तरक की दासित्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीड़/बा
- (क) इसी किसी भाव वा किसी धन वा अन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-बार विधिनवम, 1922 (1922 का :!! दे देवत अधिनियम, 1927 का 27! के प्रयोगनार्थ भूसरिती द्वारा प्रसंद नहीं चिथा वसा वा वा किया भाग जाहिए वा, कियाने में स्थित के किया के किए;

श्रांतः अध्यः अस्त अधिनियम की धारा ∠७७-भ के अनुभरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलि<u>षित स्यक्तियों, अर्थान</u> :——

- (1) मेसर्स स्विपर शतस्ट्रक्णन क०, प्रो० लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीं महमद युसूफ ग्रब्दुल सलाम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चा के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्तर बन्गरित के वर्षन के तस्त्राभ में कोई भी बाह्ये :---

- (क) इस स्था के सामप्त में प्रकारण की ताही वं वे 45 दिन की वनिया तत्त्वकारणी काही समूच स्था की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर काहिया की तामी की समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर काहिया की किसी स्था कर होती हो, के शीतर पूर्वों कर काहिया काहिया हो से किसी स्था कर हुवाराष्ट्र
- (क) इस ब्रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किस के बाद कार्य कार्य कार्य द्वारा अभाक्त स्थावन वे वाद विकास में किए वा ब्योंने।

स्वष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत जिल्लामम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया दका हैं।

अनुस्ची

"शाप नं० 7-ए, जो नल मंजित, स्टिपर बींच क्विन, जयप्रशाम रोष्ट, वर्मीया, वस्बई 400061 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37 ईई/15128 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वाई द्वारा दिनांव: 3-12-1984 की रजिस्-ई दिया गया है।

नक्ष्मण वास सक्षम प्राधितारी सहायक स्रायकर स्र**युक्त (**निरीक्षण) **स्रजैन रॉज-**2 बस्बई

नारींख : 13-8-19**8**5

मोहर 🖫

प्रेक्षपः बाह्रपः टी. एतः एसः - - - -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

. **कार्यांचय , सङ्गायक अध्य**क्त आध्यक्त (निर्माक्तक) अर्जन रेजिन्य, बस्बई

बम्बई, दिनां र 13 श्रगस्त 1985

निर्देण सं० प्राई-2/37 र्ष्टी/15223/84-85—--अतः महो, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप न० 13, मिनू मिनाए, अंधेरी (ए). बस्बई 58 में स्थित हैं (और इन्से उपाबब अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं) और जिन्हा हराजनामा भायतर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं के सार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री हैं, सारींख 7-12-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मुभापूर्विक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उनके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के निए त्य पामा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से क्षिक नहीं किया वना है :—

- [क] त्राच्छल वे हुइ किसी बाव वर्ती कावस, उपस त्रीपनियम के अपीत कार देने के बलाइक के द्रावित्य में सूची कड़ने या उपसे बलाई में सूचिया के सिए; कॉर/ना
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के सुविधा के लिए;

बत्ध वंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बे, में , उक्त विधिनियम की भारा 269-च की ज्यभारा (1) के अधीन : निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में नर्स मिन् बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) अंडवर्ड अंस्क्रीत और पील अंस्क्रीय

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्द्र भी आक्षेप**ः—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से सं निकारी व्यक्ति स्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के संस्थित के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पद्धिकरण :---इसमा प्रभूत्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधितिक्षत ते अन्यता (१० का मा परिभाषित ही, बहा अथ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची '

"णाप नं 15 जो तल मंजींत, मिन विशार, विशा देसाई रोड, अंधेरी (प), वभ्बई 400058 में स्थित है। अनुसूची जैना कि कर नं आई-2/37ईई/15223/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, बरवाई हारा दिनांक 7-12-1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-2, बम्बई

तारींख : 13-8-1985

प्रका आहें. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2. अस्थर्ड

बम्बई, दिलो : 18 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/15885/84-85---श्रतः मुझे. लक्ष्मण वास्

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकीं सें० कम नं० 1, रोशतलाल अगरवाल शापिंग आरकेड अंधेरीं (प), बबई 58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और . जिसका करारतामाम आप र श्रविनियम की धारा 269 ख के अधीन वासम पाधि गरी के गरीलाय वासई में रजीस्ट्रीं हैं, तारीक 28-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क जिल्ल बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिक को निए अन्तरित की गई हैं और युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वास्त सम्मत्ति का उपित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से एसे दश्यमान प्रतिफास के पन्तह प्रतिशत सं आधिक है अन्तर कन्तरण (अन्तरणों) जोर बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय श्वा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक स्व से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई कि ती आप की बायक, उपके कि कि नियम के अभीन कार पने के जन्तरक की वासिस्य भी कमी कारने या उसले अधने में मुजिए। को लए, को र/दा।
- (भ) एसं किसी या किसी घन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11; का किसीनियम, या धन-कर अधिनियम, १ १२५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै किए;

कतः अब, उक्त अधिनियम को एका 260-ए के अनुमन्त्र भी, मी, उदल अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर निस्ति अत व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स ग्रारः एतः ए० बिल्डसं

(भ्रन्तर्हः)

(2) श्री ओमप्रकाण बीं० सिहल

(भ्रन्तिनि)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परिक के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

राज्य सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किये जा सकने।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बीधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगाः. जो उस अध्याय में दिया मना हाँ।

मन्स्ची

"रूम नं० 1 जो पहली मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल श्राप्याल श्रिपम श्राप्तेड एस० नं० 4) (पार्ट, ओणिवरा, अपना घर के पास, वसीवा, अंधेरी (प), बम्बई 400058में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि मह श्रई-2/37 ईई/15885/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बस्बई, द्वारा दिनाक 28-12-1984 को रिजस्टर्ड सिया गया है।

> लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीं 🗵 : 13-8-1985

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37 ईई/15298/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० णाप नं० 13, टिघन टावर, श्राफ जेंपी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और प्णे रूप से विणित हैं) और जिल्ला करारामा श्रायकर शिंधनियम की धारी 269क के हैं इसीर सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 6-12-1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानसम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नी लिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) इंदराजीत प्रोपरिटन प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) लक्ष्मण रामजी पटेल, धनजी घेला पटेल आर मंजी वाघजी पटेल ।

(अन्तरितीं)

कां यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 13 जो तल मंजिल, टिचन टावर, प्लोट 8 ए और 8बी, सर्वे नं० 41 (पार्ट, श्रिशिवरा विलेज, चार बंगलोश, ग्राफ जे० पी० रोड, वसौंबा, अंधेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कर्नमं श्रई-2/37 ईह/15298/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-1984 को रजीस-ई किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2**, बम्बई**

तारीख 13-8-1985 मो**हर** : **রক্ত লাহ**ঁ, হী. মুখ, মুখ, ১০০ জন্ত লাহ

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय , सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्म 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/15504/84-85—-अंतः मुक्को, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलैंट नंव 203, निर्मन कोटेज, श्रंधेरी (प), बम्बई 61 में हिथत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं। जीन मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापओंक्त मध्यित का अध्यत नावार बुस्य, एक दिस्सान प्रतिफल हो ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्तह गतिकत में बीच एक बातरिक (पंतरका) और अंतरिती (वंतिपतिकों) के बीच एक बन्दर के पिए तब गवा गता प्रति-क्व पिक्नीविक उद्योग्य में उपल बंदरण मिनिवत में मान्तिक क्य पत्र नहीं किया गया है है—

- क्षित्र व स्थाप के सुद्ध किया नाथ की वाधत करवा निध-नियम के नधीन कर दोने के नंतरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए क्षेप्र-वा
- (कः एंबी विकार भाव ना जिली घट मा बच्च जातिस्त्रीं की, विनद्दे साम्बोद अधिनामक, 1922 (1922 का 5) मा उपत अधिनियक, मा धन-बार विधियक, 1957 (1957 का 27) के अधिवामक बन्दरिती प्वारा प्रकट महीं किया मुख्य का वा विकास नामा का हिए वा, कियानं को गुणिया की लिए;

अतः त्रवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) महेन्द्रकुमार ताराचन्द ग्रोव ।

(अन्तरक)

(2) पूष्पा मनेकराव पनकूले ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिद्ध कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बहुरि की तोना की उस अध्याय हों विवा सवा ही।

अनुसूची

पर्नेट तं० 203, जो निर्मन कौटेज, यारी रोड, वर्सोवा रोड, श्रंधेरी (प), तम्बई 400061 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/15504/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायात्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, **बम्ब**ई

तारीख 13-8-1985 मोहर : असप् आहाँ . टी ., एस् ., एस् .,------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

बारत सरकार

काबोस्तर, महाराक्त नायकर शायकर (निरक्तिक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/15607/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अग्रेयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उकत अभिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-बा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं। कि स्थाप संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,00/- का से अभिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 306, निर्मंन कोटेज, श्रंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूचवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 17-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके उप्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्यद्य से उथ्य अन्तरण निवित में वास्तविक स्प से किंगत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की वावत उक्त जीध-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/सा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों की, रिन्हें भारतीय अवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने ये स्विधा के लिए:

अत: अव, उक्त आँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) . हे उचीत, निम्नलिमित अपेक्तियों, अधीत् अ—

- (1) श्री श्रोम प्रसत्व स्रौरश्रीमती राजकुमारी श्रोमप्रसाद (अन्यरक)
- (2) श्रीमती रत्न। शेवकराम मनसूखानी (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसका अधिभोग सम्पति है

को यह स्वना जारी करके पृथाँकर सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हों।

ज्याक सम्परित के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी बाक्सेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी व से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की हामील से 30 दिस की बविध, का भी अवधि वाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से सिक्की ध्वांतर द्वांतर
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसम्बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लियित में किस का सर्वोगे।

स्वच्यीकारण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और प्रवा का, यो जनते विधिनियम, वो अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होता जो उन अध्याय में विया भग्ना हो।

अन्स्ची

"फ्लैंट नं० 306 जो निसरी मंजिल, निर्मन कोटे सीटी एस० 1036, यारी रोड, आफ जे० पी० रोड, वसींबा, ग्रंधरी (प), बम्बई 400061, में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं प्राई-2/37 ईई/15607/ 84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्राया दिनांक 17-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राप्तकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 बम्बई

्तारीख 13-8-1985 बो**दर** १ प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 प्रमस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/15410/84-85---अत मुझे, सक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 53, आराधना, श्रंश्रेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम शाधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 13-12-1984

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उत्त , उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, रियन्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—
46—246 GI 85

(1) श्री नारायन सिवाराम पिलाई

(अन्तरक्)

(2) श्री सूहास प्रभाकर सहानी दाउंकर ग्रीर श्रीमती कमलीनी प्रभाकर दाउँकर

(अस्तरती)

को यह सूचनः आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्भी

"फ्लैंट नं० 53, जो पाचित्री मंजिल, आराधना, जैन मंदिर के सामने, जुहू लेन, सी० जी० बर्फीलाबा लेन, श्रंधेरी (प), बम्बई 40005के में स्थितहै।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37 ईई, 15410 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मम नाम सक्षम प्राधिकाणी सहायण श्रादणर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रर्जन रोज-3, दम्बर्ध

तारीख: 31-8-85

प्रकम् भार्दः टी. एन. **एव**ं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बास 269-व (1) के अधीन सुपना

नारत सरकार

कार्यासन, बहारक वायकर नागुनत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ई\$/15698/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ते इसमें इसमें परणात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को, यह विकास करने का आरण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी रू० फ्लैट नं० 34, बी, बिल्डिंग, गूलमोहर को० आप० हाउभिंग सोनायटी, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 22-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अस्वज्ञान वितकत के लिए अन्तरित की गर्द है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का बोचत बाजार मृत्य, उसके अस्ममान प्रतिकल सं, एके अवव्यान वितक्त का पंद्रश्र प्रतिकत से मिश्र है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए बय पावा गया प्रतिकल निम्नितिबत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्तित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६२ धन-कर अधिनियम, १९७७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट तहीं किया क्या जा किया जाना काहिए था कियाने में स्विधा के विद्या ।

लतः तथ, एकत अधिनियम की धारा 269-ग से अनुसरक थे, ने, उकत अधिनियम की धारा 269-ग एपधारा (1) ने अधीन, निश्नितिवित त्योक्तयों, तथीत्।:---- (1) श्रीमती कुतूमबेन बाब्भाई शाह

(अन्तरक)

(2) प्रदीप बाब्भाई णाह

(अन्तिरिती)

(3) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्पित्समाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में सम्पाद होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पित्समाँ में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्थान के राष्प्रत्र में प्रकाशन की नारी के ने 45 विन के भीतर उन्तर स्थापर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य अवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रमुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त काँभीनयम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होता जो उस अध्याद में दिया गया है।

भ्रनुस्ची

फ्लैट नं० 34 जो बी० बिलींडन ग्रंधेरी गुलमोहर की० आप हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड सी० डी० वर्फी वाला मार्ग, बम्बई 400058 में स्थित है।

अतुभूची जैसा कि कि सं आई-2/37 ईई/15698 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आमुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 13-8-1985 मोहर: प्ररूप_ा बार्ड. टी. **ए**न*ा* एत_ा------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-न (1) के अधीन मुखना

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई अम्बई दिनांक 13 अगस्त 1985

तिर्देश मं० आई- 2/37/ईई/15212/84-85---अनः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से क्षीयक हैं

प्रौरणिसकी सं ० फ्लैंट न ० 505, अस्तफ मह्ल, प्रधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है प्रौर इससे उपाबंड अनूसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रौर जिसका कराएनामा आयकर अधितियम की धारा 269 क ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीखं 7-12-1984 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिकृत से विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिकृत से विश्वास करने का कारण है की विश्वास करने का अन्तरका (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पामा बबा प्रतिकृत निम्नितियत स्वास्य से बन्ध बंतरण सिविव् में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है उ—

- (क) बन्दरण हे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधितियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के द्वियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. बाँगांत्रः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिक्स जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण वं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व अधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, अधित ध—

(1) दिपक अमुनलाल देसाई

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री महमद सिदीक एस० छप्रा स्रारशी अञ्जूल गफूर एस० छप्रा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के कर्णन के निए कार्यवाहिया सूफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हानन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मां हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए आ क्षेत्रेगे।

स्युक्त करण:---इसमें प्रयुक्त कर्नों और पर्दो का, जा सकत जिभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

त्रनुसूची <mark>;</mark>

"फ्लैंट नं० 505 जो पाचवी मंजिल अग्रक महल, 105 जे० पी० रोड, प्रधेरी (प), बम्बई 400053 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० आई-2/37 ईई/15212/84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजीस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख 13-8-1985 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिलांख 13 अगस्त 1985

निर्देश मं० आई-2/37 ईई/15512/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास.

अपनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक है

स्रोर शिक्षकी सं० पलैट नं० 601 बी, जो, 6 ठी मंजिल,, "जी" विग, जिला अदार्टमेंन्ट, गुलमोहर गार्डन के सामने वर्मोबा, संधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध जनुपूर्वा में सार पूर्ण रुपये विज्ञत हैं) स्रोर जिसका जगारणामा आयर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन जक्षम प्राधिकारी के आर्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीखा 15-12-1984

को पूर्विकः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्यानान प्रांतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार भूदय, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्यानान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्म-रिशी (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल निम्मिलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरण निम्मिलिखित उद्देश से उन्त जन्तरण निम्मिलिखित जन्या निम्मिलिखित जन्तरण निम्मिलिखित जन्तरण निम्मिलिखित जन्तरण निम्मिलिखित जन्तरण निम्मिलिखित जन्ति जन्ति

- (२०) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उंकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आधियन धनस्ट्रमणन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री ६० एम० रेनीसन।

(अन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जव के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तासीस ते 45 विन की जनिध ना तर्सनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशास;
- (क) इस त्याना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोग।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में बधा परिभा-वित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(पलैट नं० 601-बी, जो०, 6 ठी मंजिल, "बी" बिंग, लिला आर्टिमेंटस, गुलमोहर गार्डन के सामने, वींसवा, श्रंधेरी, (प), ाम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि आई-2/37ईई/15512/84₹85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विमांक 15-12-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजट2, बम्बई

सारीख: 13-8-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

वासकर व्योधियम, 1961 (1951 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दितांछ 13 अगस्य 1985

निर्देण मं० आई-2/37/ईई/15413/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

ष्ट्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंग्र नं० 201, जो, 1 ली मंजिल, आराधना इमारत, प्लाट नं० सीटी एस० 256, वर्फीबाला लेन, जुहू लेन, संधेरी (प), वस्बई 58 में स्थित है (स्रोर इससे जापबद्ध अनूसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है स्रोर जिसका करारनामा आयरूर अग्नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 13-12-1984

कों प्रशास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गढ़ हैं आर मूक्त यह जिल्लाय का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके वश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंदह प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रामित्य में कमी करने मा उससे बणने में सूचिथ. के तिए; आद्र/भा
- (ग) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 1) गा उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विता के किया;

जतः अब, उन्त जिभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) च अधान ानम्नीनिश्चित व्यक्तिया । व्यक्ति ह—— (1) मेसर्स आर० के० बिल्डर्स ।

(अन्सरक)

(2) श्री एन० बी० शाहा **और श्रीम**ती ए० एन० शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों (वह व्यक्ति जिसका अधिभोग में सम्पति हैं

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्क्रकाधी व्यक्तियाँ एर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की टारोस से 45 दिन के भीषर उसत स्थायष्ट्र सम्पत्ति में हिन्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास हिला खत गें किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त करों और पूर्वों का, जा उससे नियम, के अध्याय 2 के के में परिभाविषय हैं, वहीं वर्ष होंगा को उद्धा अक्षात में दिश्य गरा हैं।

धनुसूची

"फ्लैट नं० 201, जो, 1 ली मजिल प्लाट बेअरीम सी०टी० एग० ने० 266, बर्फीबाला लेत, जुहु सेन, डायना काफ्ट के पास, ग्रंबेरी (प), बज्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ आई-2/(37 ईई/15413 1984-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई, द्वारा दिनांक 13-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख 13-8-1985

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा अक्षय-भ (1) को अभीत भूचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक बायकार बायकत (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-2, बम्बई

बमबई, दिशां र 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/36 ईई/15588/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास, अआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पर्धि, जिल्हा उचित बजार मृख्य

1,00,000/- रह. से अक्षिक **है**

ग्राँग जिल्ली में फ्लैंट मंं 19, नाथां फ्लैंग, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (ग्रींग इससे उपबद्ध अनूसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रींग जिसका करायनामा आयकर अधित्यम की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 17-12-1984

को पूर्वक्ति सम्परित के उपित बाजार मृत्य स कन्न के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रीत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एक सन्तरण के मिए तब पामा नया प्रतिक्षक कि विश्वतिक बढ़रोग्य से उन्तर अन्तरण कि भिए तब पामा नया प्रतिक्षक कि विश्वतिक के कि कि से वास्तिक क्ष्य के कि कि स्वार्थिक के कि कि से वास्तिक क्ष्य के कि कि स्वार्थिक के कि कि से वास्तिक क्ष्य के कि कि से वास्तिक के कि कि से कि कि से वास्तिक के कि कि से कि से

- (क) अन्तरण से हुई कियी नाय की बाबल उनल अधि-नियम के अधीन कर वोने की अन्तरक के दायित्व में अभी करने जा उसकी बलने में वृतिका के विए; और/या
- (क) एंकी किसी जान या किसी धन मा अन्य जालिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धन- अद विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती यूवारा प्रकट नहीं किया गना वा किया जाता वाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अथातः— (1) मेसर्स गिरीयाज कलस्ट्रक्शन्स

(अन्₃रक)

(2) श्री निकुंत्र जयमूखलाल मजीयीया

(अन्तरिती)

न्धे यह ब्रुचना बारी करके प्रतिमत सम्मात्त के अर्थन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्बत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाप --

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का में 45 दिन की जबिध या तत्मच्यन्थी व्यक्तियों पर स्वनः की धामील से 30 दिन की बबिध, भो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति प्रवाहता
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील जै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळाकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पन्ने का, जा उत्तर विधिनियम के सध्याय 2.3-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याम में दिसा द्वा हैं.

अन्सची

'''क्लैंप्र तं० 19, (गाउथ वेस्ट), जो पाचवी मंजिल माथा पलेम, सी टी एम० तं० 385/बी, आफ जय भवानी माता मार्ग, श्रंबोली विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर आई-2/37 ईई/15588/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1984 को रजीस्टर्ड किया ग्या है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीखा: 13-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस., ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्धकाण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांस 13 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई-2/37 हैई/15280/84-85—अतः मुक्षे, लक्ष्मण दास,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रूट. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 502, जो 5 वी मंजित, गुरू कीपा अपार्टमेंट, बीरा देसाई रोड, सर्वे नं० 19, एच० नं० 2, सी० एम० नं० 80, श्रंबेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है, श्रोर इससे उपाबध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षममं प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 7-12-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती अध्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्व के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी आय की बावत , इन्क अधिपियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में अभी करने या एससे अचने में सुविधा के निए; बीए/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय स्थायकर कांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान या नृतिथा के निए,

भनः अवः, जन्न वीभीनवम की भारा 269-न वी वन्तरण वो, जी, क्ष्मत व्याधीनवज्ञ की भारा 269-च को उपचारा (1) को अभीन, निम्मिटिवित व्यक्तियों, जर्थात् :---- (1) मेसर्स वैभव बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरीण विनोदमाई अभिन।

(अन्तरिती)

(३) अन्तरमः।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का शह स्वता चारी करके प्याँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मतिन के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाअंप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की हारी व से 45 दिन की जमिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जमिश, जो भी अविध शत में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवंकत मानित में से किसी व्यक्ति होता हो।
- (क) इक सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकोंगे।

बनुसूची

"फ्लैंट नं० 503, जो, 5 वी मंजिल, गुरू कीपा अपार्टमेंट, बीरा देगाई रोड, सर्वे नं० 19 एच० नं० 2 सी० एम० नं० 80, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुचची जैंसा कि कि० सं० आई-2 $_{1}$ 37 ईई/1528084-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई, द्वारा दिनांक 7-12-1985 को रज़ीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

तारी**ख 13-**8-1985

प्रकम आहें, टी. एन. एस.

भागकर बहुँपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 में (1), के मुनीन सुन्ता

भारत बरकार

काशासक, सहायक सामकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

वम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० अर् ξ -2 $_{l}$ 37/ईई/15746/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लोट नं० भारदा वाडी, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर एणं रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयका अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिक री के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री, है, तारीख 22-12-1984

को प्रांक्त सम्पति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को सिस् अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य न्या के स्वमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिक्तित से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस्मिकिकित उद्विक्य से उक्त अन्तरण मिनित में गस्तिक के स्व से अधित नहीं किया गया है: --

- (क) जन्तरक मं हुए किसी आय की बाबत, उक्त जिल्हा को अधीन कर दोने के अन्तरक के जायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, 1999
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकेटनार्थ अन्तरिती द्यारा पकट नहीं किया सवा भा किया के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-न में अनुसरक में, में, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) में अधीन: निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) मिथिली बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती अभिवनी एस० प्रधान

(अन्तरिती)

का गृह सूचना कारी कारक प्रविक्त संपत्ति के बाजन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्मरित में अर्थन के सम्बन्ध में कोई मी नाक्षेत्र--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अवधिया नत्यं तंथी का कित्यों पर
 स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि थो भी
 अवधि का में बनान होती हो, के जीतर पूर्वों कर
 का कित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निकित् में किस् वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

नर्सिंग होम ग्राउंड फ्लोर "प्लोट नं० 9 जो भारदा वाडी, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि के० सं० अई-2/37 ईई/157.46/84-85 स्रोर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-19.84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सा**रीख-** 13-8-1985

पोष्ट्रर :

प्रस्थ बाह'. टी. एन. एवं.-----

बायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र, सञ्चयक बायकर आयुक्त (निरीलण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985 निर्देश ्रैसं० अई-2/37 ईई/15406/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास.

बायकर बाँधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों पश्चात् 'उक्त बाँधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थापित, जिसका उपित बाबार बृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, जो, 3 री मंजिल, "एवरेस्ट" इमारत, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रंघेरी (प), वम्बई 61, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैतारीख 13-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य म कम के इरम्मान प्रितक्क के लिए बन्तरित की गई है और मुझे वह विज्ञास करने का कारण है कि गणपूर्वोक्त संगित्त का उचित बाबार मूल्य, उन्छे इरममान प्रतिफल से, एसे इरबमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा स्था नित्कल, विक्शितिक क्ष में किया नहीं किया चवा है :—

- हैंको अभ्यारण में हुई किसी आब की बाबत उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उससे बचने मी सुविधा है किस् और/बा
- (म) एंसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों हों, जिल्हों भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 1922 का 11) या उक्त लिंधिनियम, का शन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

मतः प्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म. में प्रका अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वर्धीन, निस्तिवित व्यक्तियों, स्थान प्र 47.–246 GI|85 (1) मसर्स दिनेण इंटरपायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिंगस् वेंतरेण वारखडी।

(अन्त(रती)

को वह सूचना जारा करले पर्योक्त मम्मित्त के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां शृष्ट करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के कर्डन के सफ्त-५ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के शक्यव हो प्रकाशन की तार्रीय हैं
 45 दिव की अविधि श अरमाजनों व्यक्तियों पर
 स्वना की तार्वील हो 30 दिल की अविधि, जो भी
 बविध बाद में समाद होती हो, को भीतर प्रवॉक्त
 व्यक्तियों हो हो कि महत्त्र
- (क) इस स्थान के शबपन न पक्कान को तारी हैं 45 दिन के भीतर उस्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्धे किसी जन्म व्यक्ति त्यास अनेहस्ताक्षरी के नास जिस्ति को किस पासकीन

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रश्वन शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होंग जा तम अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"फ्लैंट नं० 303, जो, 3री मजिल, "एवरेस्ट" इमारत, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बस्वई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/15406/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिक री, बम्बई द्वारा दिनांक 13-12-1985 को रजीस्टर्ड किया ग्या है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर अ:युक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 12-8-1984

प्रास्था बार्षः टी. एनं. एसं.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1985

बम्ब६,।वनाक 12 अगस्त 1985 निर्देश सं० अई-2/37/ईई/15511/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मानकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैंगको इसको विकास परिवाद अपिनियम अपूर्ण नवा ही), की भाक् 269-क में अभीन राजन प्राधिकारी को वह विश्वाद करने का काइन ही कि स्थानर संपरित, विश्वका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- छ. से अधिक हा

सौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो, 6 टी मंजिल, "बी" विंग, लिला आपर्टमेंन्टस, गुलमोहर गार्डन्स के सामने, वसींबा, शंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबक्ष अनूसूची में ग्रीर पूण रूप से विंगत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 15-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि वधावूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार नृत्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एते क्षयमान प्रतिकल का चन्त्र प्रतिकत के चन्त्र ते जिथा है और अन्तरक (अंतरकों) बौर अंत्वरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्त की निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिक्त की निम्नितियों विश्वरेग से उस्त अन्तरण निम्नित में बास्त्र विश्व कम से किथा नहीं किया भवा है:——

- किं सन्तरक चंडुई किसी बाब की अवता, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बानित्व के कन्तरक के बानित्व के कनी करने वा उन्नड वक्त के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा वा या किया वाना चाहिए वा जियाने में ब्रिशन वे विद्या

भतः सम, तभत निभिनियम की भारा 269-न के, जनसरम नै, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) से अभीत निम्नतिस्ति स्मिक्तयों अर्थात हु— (1) आशियन कन्स्ट्रक्शन कंम्पनी।

(अन्सरक)

(2) विकास प्रेम साहू, कुमारी स्मिता विपांजली साहू भ्रौर कुमारी सुचित्रा नलिनी साहु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 602, जो, 6 ठी मंजिल, "बी" विंग, जिला अपार्टमेंन्टस, गुलमोहर कार्डन्स के सामने वर्मीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थिन हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/15511/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायका आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12-8-1985

ब्रक्ष्य कार्यं हो. एव. एसं.,-----

नायकडु निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं श्राई-2/37-ईई/15913/84-85--श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ए के अधीन सक्तम शाधिकारों को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकीं सं० शाप नं० 4, श्रानन्द अपार्टमेंट, है तथा जो बम्बई-56 में स्थित है (और इसमे उपाबद श्रनुमूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका मारारनामा आयक्ष अधि-नियम की धारा 269 एख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बमबई में रिजिस्ट्रीं है, वारीख 28 दिनम्बर, 1984 न\$ो पूर्वीशत सम्प!'ल को उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान अन्तरित की गइर प्रेतिफन के लिए मभ्हे 48 विष्वास करन पूर्वोक्त शम्पीत का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अप्तरण निवित में वास्तविक रूप संकिथत नहीं किया गया 🛍 :--

> (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्िवधा के लिए और/या

एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की. जिन्हां भगरतीय अध-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., िष्ठपाने में सुविधा की खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैसर्स राधामंगल बिल्डर्स

(सन्तरक)

2 मैसेर्स पायनीयर खास द्रेडमी

(अन्तरितीं)

3. श्रीमती मेरी श्रगनेस मसकारेंस श्रीप मैसर्स धारामंगल बिल्डर्स (बह् यक्ति, जिसके बारे में धोहस्ताक्षरी जान०श्रात है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

दक्त सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 📜

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया हैं॥)

बन्स्ची

ं णाप नंद्य, जो, तार मंत्रिक, आयत्व अवार्टमेंट, बर्टीस्टा रोडु, किले पार्वे (प), बस्बई-400056 रियक है।

अनुसूचीजैं (1 ि अ० सं० अई-2/37 ई ई/15913/84-85 और जो नक्षम प्रायि (१३), तन्द्रों, द्वारा विन्ते (१ 28-12-1984 को रिजिस्टर्ड रिया गया है ।

> न्धनण यास सक्षम प्रविज्ञारी सहायक ब्राह्मयार प्रधायक्त (िर्फीक्षण) धर्जन रेंग्र-2, बस्बई

नारीकः * 13-8-85

मोहर 🕹

द्रारूप बाहै .टी .एत .एत

बायकर बाँधनियम 1961 (1961 का 43) की के धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यानव, सहायक कायकार कायका (निरीक्सम) प्रार्थन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिगाँ। 13 अधस्त 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37 ई ई/15947/84-85—-यतः, मुझे, लक्ष्मण दाक्ष,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थापनी ए कि का उधित काजार मून्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकों सं याप नं 5, दै गर्ला गापि भेंटर, बम्बई-49 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इ.) तथावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभा है) और कि गापि गापि गापि आधार अधिनियम की धारा 200 ख है श्वीत एक्षम प्राधि गरी के कार्यालय, बम्बई में रिल्हीं है. तरिख 29-12-1984

- (क) अन्तरण म हुई स्थित आय जी बावत, उक्क विधितिस्य के क्षीन कर साते के अत्तरक के स्विध्य से कमी करते ने स्वतन अपने में सविधा के लिए:
- (का) ऐसी किसा जान का किनो पन ना मनः वास्तिको को जिन्हों भारतीय आग-बार अधिनयम, 1922 (1922 का ११) वा उक्त बॉब्यिनयम, मा धन-कर अधिनयम १३५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बारा पाहिए था किया में मुविजा की लिए:

अतः अब, उक्त क्षीर्थः मो, मी उक्त अधिनियम वर्षे धारा 269-च की उपधारा (1) मो सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधारि :--- 1. मैससआन इन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्रनाथ शर्मा

(अन्तरितीं)

को वह जुबन जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्षन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सन्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क ग्या है।

भनुसूची

जाप नं०5, जो तल मंजिल, वैशाली शापिग सेंटर, वैकुंठ मेहता मार्ग, जे० वी० पीं० डीं० स्कींम, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि० सं० ग्राई-2/37 ई ई/15947/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दासः सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्मे (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारींख · 13-8-1**98**5 **मोहर**ः प्रक्ष्प बाइ". दो . इन . एस . ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

सारव रहकार

कामानय, ग्रहाबक बायकर वाब्क्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनां 🗀 13 क्षगस्त्र 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ई ई/15909/84-85-अत :, मुझे, लक्ष्मण दास,

आवक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायण संपति । विश्वास उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिएकी सं फ्लैट नं० बीं/301, जी, कैलाश श्रपार्टमेंट, हान्यिल वाला बाड़ी, जुहू गावठाण, जुहू जिलेज रोड़, जो बम्बई-49 में स्थित है (और इत्ते उपायद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित है), और जिपान हरायनामा आयार श्रिक्तियम की धारा 269 ा ख के श्रावीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालन

बम्बई में रजिस्ट्री है, तारींख 28 दिनस्वा, 1984 को पूर्वीवत तंस्पीत के सीवा सामार गाम म काम के समार प्रतिकार के प्रतिकार सामार गाम म काम के सह विश्वास करने का कारण ही कि सथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उपित बाजार पृष्य, उसके कममान अतिकास सा, एसे क्षरयान प्रतिकास का प्रवृक्ष प्रतिकास न जीवक ही और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे प्रवरण के लिए तम पाम गया प्रशिक्ष का , निकासिका उद्वास्त म जलत अन्तरण निकास में बास्कीवल का म का सामार का निकास का सामार का सामार

बीनारियर के अर्थीत कर हान के अर्थारक के अर्थित्य भी करी करन या ज्यम नाम में भीवित के शिलाए

(क) एंची किसी जाश या किसी अन वा कान नाएतयों को, जिन्हों भारतीय जासका जी नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनाथ जन्त्रिती ब्याय एकट नहीं किया ग्या धा या किया आना अधिष्य था, रियान थे मुधिषा के तिए;

अत: अब., उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अन्मरण मंन, नो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अलीक किमासिक व्यक्तियों, अधान् 1. मैसर्स केतन बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मैनर्स महेंद्र मेटल वर्क्स ।

(ग्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

अकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अवधि या लक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अवस्था से में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिस्ता में किए जा मकींगे ।

स्याख्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदौं का, त्री उक्त अधिनियम के अध्याज 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जे उस अध्याप में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लेट नं ० /301, जो, कैलाण ग्रपार्टमेंटस, नारियलवाला वाड़ी, जुहू गावठाण, जुहू विलेज रोड़, बम्बई-49 से स्थित हैं । ग्रमुस्ची जैसा ि क० सं० ग्राई-2/37 ई ई/15909/84-85 और जो पक्षाप प्राधिशारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1.3-8-1985

मोहर '

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

काण्य र निधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** भारा 269-न (1) के निधीन सूच्या

भारत बर्कार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरक्षिक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई-2/37 ई $\frac{5}{15752}/84-85$ -अत : मुझे, लक्ष्मण दास,

निक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नावार न्या 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैट नं ० ए-3/7, सारस्वत संगर्बन को-श्राप० हाउसिंग सोक्षायटी, बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कु ख के श्रधीन सक्षम पाधि हरी के हार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9 दिसम्बर, 1984

को पृषंकित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मही यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपत्ति का उपित बाजार बुख, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षय से अभिक है और जन्तरक (जन्तरको) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पावा पदा प्रति-च्या विश्वतिक्ता उद्दोस्य से उपसे बन्यरण विश्वत में वास्त्रिक त्य से काथिस महीं किया गया हैं

- (क) बनाइन से हुई जिसी बान की बावस, सक्स वृत्ति विक्रं के स्थीन कर बोने के बनाइक की समिर्क में कनी करने वा उससे अपने में सुनिभा के सिद्ध नीहर्/का
- (व) शृंदी किती बाय या किती भन या अन्य वाहितकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर बोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तुनारा प्रकश नहीं किया थवा या किया बाना वाहिए था, किया वे ही किया के लिए;

क्तः सम उपत विधिनियम की भार 26%-म के बनुसर्भ मं, भं, उपत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती विमलाबाई वत्तात्रय नगरकट्टे ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती संगीता उदय बालसे।

(भ्रन्तरिती)

4. ए० डी० नगरक**ट्टे औ**र पी० डी० नगरकट्टे

(वह ब्यक्ति जिसके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

क्कां यह ब्युना वारी करके प्वानिष्य सम्मरित के वर्जन के किर कार्मश्रीहिमां करता हुी।

धनत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बन्धि ना ब्रह्मिन्धी व्यक्तिकों पूर सूचना की सानींच से 30 दिन की न्विध, वो की वन्धि, वो की वन्धि नाम में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस स्वतः के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिव के भीतर उन्तर स्थावर सम्मृति में हित्ववृध कि की बन्च व्यक्ति वृवारा अभोहरताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण्:—श्वको प्रमुख्य कर्षी बीह्य क्यों का हो क्या क्रिकाल्य, के क्ष्याच् 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा वो उस क्ष्याय में दिया क्या है।

प्रमुसूची

फ्लैंट नं॰ ए-3/2, जं। भारस्यत संबर्धन को-ध्राप हाउसिंग सोनायटीं, सान्ताकुज (प), बम्बई-400059 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37 ई ई/1575:/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई, द्वारा दिनांक 4-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि:Tरी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्षर (िरिशेक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ध**

तारीखं 13-8-1985

मोहर '

प्रकम कार्द , दौ . एन , एस ,----::-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के व्योग त्यना

भारत सरकार

कार्यान्य, बहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बर्घ, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985 निदेश सं० म्रई-2/37**ईई**/15**753/84-85--म**तः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका संवित्त बाद्यार मुख्य 1,00,000/-रु. से विधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15 जीवन पराग को भ्राप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड बम्बई 55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है ,दिनाँक 22 दिसम्बर 1984 को

क्ष्यं पृथानित संपत्ति के उचित बाधार मुख्य से कम के व्यवसान प्रक्षिप्रत के निए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास का को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित दाबार भूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफान से एसे दृष्यभान प्रतिफाल का भन्नेह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच बन्तरण के सिए तय नाया भना प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेषय से उक्त मन्तरण लिमित अर्थे भास्तविक क्य से किशत नहीं किया गया है:----

- (क) यन्तरण वे बुद्ध किसी बाद की बादब करता विध-भिवम में संयोग कर दोने में वन्तरक के शावित्य वी कर्जी करने वा उससे त्यने भे सुविधा के सिबं; क्टि/पा
- (क्ट) एकी किली द्वाव या किली धन या जल्ल कास्तियों को, जिल्हें भारतीय नायक्ट विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्निया, 1957 (1957 का 27) की प्रबोधनार्थ बन्धरिती बुबारा प्रकट नहीं किया नया बाबाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विषय

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण , मैं उक्त अधिनियम की धारा 2'69-भ की उपधारा (1) 🏴 अभीष, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

(1) श्री दिनानाथ जैवंथ होडरकर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती छाया छन्रभूज सवारीया ग्रीर श्री छनरभूज हरीलाल सवारीया । (भ्रन्तरिती)

(3) श्री डी० जे० होडरकर (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की वह सुधना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्धन के बिहर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डबड़ बुज्युतित के वर्षन् के सम्बन्ध में कीई भी माख़ेद :---

- (कि) इस ब्यूना के रावपत्र में प्रकादन की तारीय हैं। 45 विन की जनीय या सरक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना करी ताबीस से 30 दिल की समिप, यो भी समिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुसना के धावाच में अकासन की शारीस से 45 दिन को भीतार जक्त स्थावर संपरित में क्रित-बंदुभ किसी जन्य व्यक्ति दुनारा वभोद्वस्ताक्षरी के पास लिकित में किए पा बकों ने।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हीं, बड़ी वर्ण होगा को उस अभ्यान में दिवा नवा है।

अनुस् ची

फ्लैट नं० 15 जो पहली मंजिल, जीवन पराग की भ्रापरेटिय हाउसिंग सो पायटी लिमिटेड, 127 प्रभात कोलोनी रोड़ नं० 2 सान्ताकुज (प) बम्बई-400055 में स्थित

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० मं० ग्राई—2/37—ईई/15753_/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 22 दिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास नक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनौंक : 13-8-1985

मोइर :

हरू बाह् दी पन . एत

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 13 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15805/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी से हिर्स ने 156 विले पाले (प), दम्बई 49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 27 दिसम्बर 1984 की

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कविष महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उपता विधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिब्द; और/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (१९२२ को ११) से उन्ते प्रियम, का भनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया अद्या वा वा विका बाना चाहिए वा कियाने के ब्रिया के ब्रि

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्त व्यक्तियों अर्थात :---

(1) गगनदाय मुलचनः जेथा।

(ग्रन्तरक)

- (2) तिरथरात उर्फ लष्ठमतदात ताराचन्द मतवानो ग्रौर कृतर्सादात ताराचन्द मा जानो । (ग्रन्तरितो)
- (3) स्नन्तरितो (वह व्यक्ति जितके स्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना बारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क बजन के सम्बन्ध के कोई भी नाओंच :--

- (क) इस मुख्या के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि शा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की ताजील में 30 दिन की अवधि, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दगरा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

"हाउम नं० 156, जो रावा गुतमोर्ट रोड तुरू विते पार्जे डेवनो। मेंट स्काम विते पार्जे (प) वस्बई-400049 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-2/37—ईई/15005/84-85 श्रीर जो पश्रन मिश्रिकारी, वम्बई द्वारा दिनाँक 27 दिसम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण आन स**क्षम** प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनाँक :- 13-8-1985 **मोहर** ध

जरूप जाइ रे.टी.एम.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 9 श्रगस्ते 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/ 15268/84-85--श्रतः मुझे. लक्ष्मण दास,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्राफीस नं० 12 ,श्री बालाजी दर्शन, तिलक रोड़, बम्बई-400054 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाँक 7 दिसम्बर 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोकत संस्परित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एंग्रे दश्यमान प्रतिकल का पन्तर का पन्तर का पन्तर का पन्तर की सिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एंमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उददेश्य से उपन अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय की बाबत, उसल जिथिनियम के बधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के निए; जौर/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

भतः वशः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक में मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----48-246 GI/85 (1) मैसर्स भगवर्ता बिल्डर्स।

(श्रहर) ह)

(2) मैसर्स गूलकान सूगर्व एण्ड केमी हरूर प्रायवेट लिमिटेड !

(श्रन्ति-तिते)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोंक्त सम्पन्ति के अधिन की तिल् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ी भी अराउप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि मा तास्म ब्वर्श का का का का मह स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को मह अविधि गाद में समाप्त होती हो, के भातर पृष्टित अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितयद्व किसी अन्य स्थिति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगें।

श्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति

श्राफीस नं० 12, जें। पर्नेः भंजिल, श्रोः बालाजी दर्शन , तिलोक रोष्ट्रं, सान्ताक्त्य (τ), बंबई-400054 में स्थित है ।

श्रानुसूर्वाः जैसाको कि० सं० श्राई-2/37—ईई/1525884-85 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वासः, स्मिर्क 7 दिसम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज.2, बम्बई

दिनाँक : 9-8-1985

म्बर्भ माही, दी, पुरु, पुरु, कार्यास्थान

नायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) से नभीन सुमता

भाउस प्रकार

कार्याख्य, सहायक मावकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिलांक 9 अगस्त 1985 निवंश सं० अई-2/37ईई/15926/84-85—अत: मुझे लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-द के वजीन बसम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने क कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृन्द 1.00,000/- रा. से विश्व हैं

स्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 1208 जो 12वी मंजिल एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाध नारायण रोड, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से दिणित हैं), स्रीर जिसका करारामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्री है, तारीख 28 12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को क्रीचत बाजार मूल्य वे कम के उसकान क्ते लिए बन्तरित की सम् मभ्रे यह विष्यास करने का हैं कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उक्क दम्यमान प्रतिफल से., एेसे दम्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंब-रितियाँ) के बीच ए'से अंतरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निवित में शास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क कियानिका के वधीन कर देने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने वा उससे क्याने में सूविधा वे सिष्ट; क्यों श्रीका
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना शाहिए या क्रियान में सुविका में सिए;

अत: अतः, उनत अधिनियम की धासा 269-ग के अनुसरण में, मा, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्निजितित स्थितियों, अर्थात् ;——

- (1) में सर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी एसे सिएटसा (अन्हरक)
- (2) श्री बीं० एस० मेहता।

(अन्सरिती)

को यह सूचन। बारी करके पूना का सम्मृत्ति के वर्णन के हिस् कार्यमाहियां करता हों।

जनव बुन्यांत के सर्वन के सम्मन्ध् में कोई भी आक्षेप ५----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय -45 दिन की अथिप या तत्संबंधी ज्यम्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उच्च स्थादर सम्पत्ति में हित्यद्व किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकरेंगे

स्थळीकरणः - इसमें प्रयूवत कर्वों और पर्वों का, को उस्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभौतित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 1208 जो 12वी मंजिल एवरेस्ट इमारत जय प्रकाश नारायण रोड वर्सीवा श्रंधेरी (५) बम्बई-61

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/15910/84 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षेत्र कर्म 28-12-1984 को रजिस्टई किया गया ई।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्**गई।**

दिमांक: 9-8-1985

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस.-----

आयक्तर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 प्रगस्त 1985

निदेश सं० भई-2/37-ईई/ 15906/84-85--- प्रत मुक्को, लक्ष्मण दास

आयक्द अधिनियम, 196:1 (196! का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० पलैट नं० बं 10/401, जो कैलाश प्रपार्टमेंट नारीयवाला वार्डा जुहू गाव डणा, जुहू व्हिलेज रोड़, बम्बाई -49 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसुचो में ग्री पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भूजिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधान सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय बम्बाई में रजिस्ट्रीं हैं दिनांक 28 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल् के लिए अन्तिरत की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्के इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निविच्या च्यूयेष्य से उक्त अन्तरण चिचित में वास्तिव्क रूप से किशत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सूरियभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय ने किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ती ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यह किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैशर्स केतन बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स एन० जी० इंडस्ट्रिज

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रिटिंग के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तंपरि के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस नुकान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्त्वंधी व्यक्तियों पर नुकान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस नुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः—इहसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० बं।/401, जो, कैलास श्रपार्टमेंट, नारोयल्ज वाला वार्डी, जुहू गावटाणा जुहू व्हिलेज रोड़, बम्बई-49में स्थित है ।

प्रतुसुब) जैसाकी कर संर प्रई-2/37ईई/ 15906 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 1984 को रिजस्ट्री किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-8-1985

मोहर 🥫

प्ररूप बाई .टी.एन..एस..-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बंधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां र 9 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/15908/84-85--- ग्रतः नुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वादे व्यवस्थान किस्त अभिनियम) कहा गया है), की धारा 269-के अधिन मक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण की जिल्लाकर पंपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00 606/- रा. से अधिक है 🌠 र जिल्ला संव फ्लैट नंव वं:/201 जो कैलाश अपार्टमेंट र्श्वेतारीयलय सरस पाडी जुहू गावठाण, जुडू व्हिलेज रोड़, हम्बई-49 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसुनी में ब्रीर पूर्व रूत से विणत है), ब्रीर जिस हा करारनामा श्रायकर ग्राधिनय का धारा 269 ए ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी जिस्टू: है दिनांक 28 दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुक्ते इह विश्वास करने का कारण हैं कि दथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़्ह प्रतिश्वत से अधिका हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

> अस्तान सं हुई किसी बाय की शब्द, उपह शर्थानयम के अभीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे द्याने में सुविभा के निए; और/या

(क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन वा जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत: अत, उपत अधिनियम, कौ धारा 269-ग कै अनुसरण ता, मैं, उक्षत अधिनियम कर्ष धारा 269-म की उपधारी (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अधीन,

(1) भौसर्स केतन बिल्डर्स ।

(म्रन्तरक्)

(2) श्री श्रीशाति नाथालाल शहा ।

(अन्तरतो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पात्त के अजेन के प्रम्यन्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के खजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त वालाए। में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वा के रावपत्र में प्रकाशन की तारित स 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्मित में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास त्विसित में किए जा सकोंगे।

स्थय्दीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट हो, वहीं अधे होंगा अर उस अध्याय में दिया। ग्या हैं।

अनुसूची

"पत्रैट नं बा-201, जो कैलाया ग्रागर्टभेंट नारीयल-वाला वाडा, जुहु गावटाण जुहू बिड्लेज रोड़ बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा की क० सं० श्रई-2/37ईई/ 15908/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 28 दिसम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांः : 9-8-1985

मोहर 🖫

प्रकप बार्च टी एन, एस . -----

बायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भन रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ३ 14 अगस्त 1985

निदेश सं० प्रई--2/37--ईई/ 15058/84-85----ग्रतः मुझे लक्ष्मण दासः,

जायकर ग्रांभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. स अधिक ही श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो इमारत नं० 3 भवानी नगर, प्लाट नं० 1 मरोल मरोशा रोड़ श्रंधरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूनः में और पूर्ण क्य से वीणत है), श्रीर जिस हा जरासनामा आयहर प्रधिनियम की धारा 269 ए, खें के श्रधान सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रा है दिनाक 1 विसम्बर 1984 की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिशत से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा क लिए; कीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर जो धीनणम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के सिए;

 कतः वन, उक्त विभिन्यमं की धारा 269-व के बजुनरणं को, मी उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (०)
 के वधीन, निम्नविधिक व्याविकारों, बचात क्र-- (1) श्रामतः सुरंद्र कीर

(धन्तरक)

(2) श्रं सुनः वुमार वथजा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) दिपर विरुद्ध प्रायवेट लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके प्रक्षिभोग में राभ्यत्ति हैं)

को यह सुखना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां मुख्य करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी, विषय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हुन, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षर के पाक निस्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त खब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाईक्य हैं, वहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याण में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 15 जो इम.ा। नं० 3 भवानं। नगर, फ्लाट नं० 1, मरोल गरोश: रोड़ श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैपाकी कर संर श्रई-2/37-ईई/ 15058 84-85 औं भी भक्षम प्राधिमारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1984 की स्विस्टई िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी उहायक स्नायक्त (निर्देक्षण) स्नर्जन रेंज-2, बस्बई

दिना-ः : 14-8-1985

माहर:

प्ररूप बाइ¹. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 ग्राएत 1985

।नदेश सं० भई-2/37-ईई/ 15060/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषता बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । 11, जो तिनरी मंजिल, इमारत नं 4 भवानी नगर, प्लाट नं 6 मरील मरीणी रीड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 स, ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-12-1984

को पृथंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देषच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः उत्न. उत्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उत्तन अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दिन इ बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(मन्तरक)

(2) श्री एन० ए० शेख

(अन् र्रास्तीत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पश्रद न० 11 जो त।सरी विजिल,इमारत नं० 4 भवानी नगर, प्लाद नं० 6 मरील मरीर्था रोड़, अंधेरी (पूर्व) बम्बर्ड-59 में स्थित हैं ।

अनुसूच। जैसाक। कि० सं० अई-2/37-ईई/ 15060/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 1 दितम्बर 1984 को रिजटर्ड किया गया है। ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज,2, बम्बई

दिनां ह : 14-8-1985

प्रकप काई. टी. एन. एव. -----

.

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक नायकर जानुकत (निरीकक) अर्जन रेंड:-2, बस्बई

बस्बई, दिनांक 14 भ्रगस्त 1985

निदेश मं ० ऋई-2/37ईई/15197/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 701, जह तरंग, जुहु सारा रोड जुहु, इम्बर्ड-400049 में स्थित है (और इससे उपावदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) और जिस त करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्याच्य, इम्बर्ड में एजिस्ट्री हैं, तारीख 6-12-1984

को पूर्वोक्स गम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितौ (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बादत, उपल विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕या
- (व) धेरी किकी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिक्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया ना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भतः भयः, उनतः निभिनियन का भाष 269-न के अनुसरण भें, में, उकतं अभिनियम की भाष 269-म की उपभाष (1) के अभीतः, निम्तिनिष्दं स्वित्तवृत्ते, सर्वात अ--- (1) श्री कें ० के ॰ श्रगरवाल

(भ्रन्तरका)

(2) श्रीमती राजलक्ष्मी मेवन

(भ्रन्तिःतीः)

(3) ग्रन्तिरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां पुरू करता हुं।

उबत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की धामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में 'प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लैंट नं ० 701, जो बार तरीर , पुहु तारा रोड , जुहु, बम्बई 400049 में स्थित हैं ।

श्चनुसूची औसा ि क० मं० श्रई-2/37ईई/15197/84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई, द्वारा दिनांश 6-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायः श्रायस्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, अस्सई

तारींख : 14-8-1985

हाम्बद्ध नाहरी, ही, हम, सप -----

माधकर पश्चितम्बः, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ए (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरोक्षण) श्रानेन रेंज-2, बम्बई

दम्बई, दिन्ति १.4 श्रमस्त 1985

निदेग सं० **अई**-2/37ईई/15236/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

हार कर विभिन्न मा 1961 (1961 का 43) (विद्यों इस्में इसके परणात् 'उन्ता कि विनियम' कहा गया है), की आग 269-क के ब्रुभीन क्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जि. की सं० पर्नंट नं० 13, डी बिल्डिंग, मृत्याव, महा-काली हेव्हा रोड, अन्तेरी (प). बरबई-400098 में स्थित हैं (और दक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर में गणित हैं) और जि 'ता करारनामा यायतर अधिनियम की धारा 269 द ख के अधीन सक्षम अधिनारी के वायतिय, बम्बई में रिक्ट्री है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मभ्ये यह विश्वास

करने का करण है कि यथापूर्वे वित सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) मौर म्यारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रक्रिकल निम्दिलिखित उद्देश्य से उबत अल्ल्ला लिखत से बास्कृषिक सूप से किथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण भे हाडा किसी शाय की वासत, उक्त अधिनाम के अधीन कार दोने के कत्तरक के वाजित्व में कमी करने वा उससे संघने में सुविधा के हिला, लंद/क
- कि। ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, धा जन-कर अधिनियम, धा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपानं से स्विभा के लिए;

बतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (*) को अधीन, पिक्तिसिखत व्यक्तियों, अर्थाष्ट :----

- (1) ग्रेशियक को० श्राप० हाऊशिंग सोक्षायटी शिसिटेड (श्रन्तरहः)
- (2) कुमारी क्षिमीव्या लेमाव

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिस्के अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के निए कार्गनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के नर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

प्यक्षिकरण --- इसमें प्रयुक्त गण्यों जीर पर्यों का, वा जनत अभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुजा हैं॥

भ्रनुसूची

फ्लैट नं 13, जो डी बिल्डिंग, श्रेणियल को० ग्राप० हाउ-सिंग सोतावटीं दिविटेड, मुलगाव, महाजाली केव्हल रोड बन्धेरी (पू), बम्बई 400098 में स्थित है।

अनुसूची जैंा कि कि कि स्वई-2/37ईई/15286/84-85 और जो सक्षम प्राधिदारी, बम्बई, ब्राया दिना ः 7-12-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीक्" 16~8~1989 मोहर ' प्रकार भार^क. टो. एक. एस. -----

(1) दींप : बिल्डर्म प्राईवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी लिन्दारोप डिसोजा

(भ्रन्तरितीं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनां े 19 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/15309/84-85--श्रत मुझे, लक्ष्मण दाम,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पर्लंड नंव 11, इमारत नंव 4, श्वानी नगर, बम्बई 59 में स्थित है (और इससे उपावंद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसवा करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 व ख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

का अवेक्ति समास्ति के अंचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोस्त का जीवत बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिंबत उत्दर्भय से उक्त अन्तरण लिकित में भिन्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुं कि किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 को 11) या उनत अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया परा था किया जाना धाहिए बा, कियाने में स्विज्य के विष्युः

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्*धर न* में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 49—246 GH85 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जा उच्त जिस्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गवा है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं० 11, जो िर्रो मंजिल, इमारत नं० 4, भवानी नगर, प्राप्ट नं० 9. मरोज मरोणी रोड, श्रन्धेरी (पू), बम्बर्ड- 400059 में स्थित है।

श्रतुसूची जैला ि क० सं० श्रई-2/37ईई/15309/84--85 और जी अक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्रास दिनांत 10--12--1984 को रिक्टिं विसाससा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रोधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, **बम्ब**ई

नारीख : 14-8-1985

मांहर:

प्रकल कार्ड, टी. एन. एस ------

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचमा

प्राप्त नरकार

श्चार्यासय, सहायक कायकर बावक् (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कम्बई

बम्बई, दिनांक 19 प्रगस्त, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15349ए/84-85---अन' मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उपित वाकार मुल्क 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, श्रम्प्रेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 26 हा के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीं हैं, तारीख 11-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा खे किए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) है कुछी। দিনেশ্লিকিল অন্তিন্দা একত্ (1) श्री नोशिएवान जे० सवेरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिन्द्र आर० छिबया

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि। कार्नाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जनिध, जो भी समिश बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं 8 जो दूनरों मंजिल, ध्रम्ध्रेन को श्रापि हाउनिंग सोसायटी लिमिटेड, टी॰ पी॰ एस॰ 3 चौबीसवाँ रोड, बान्द्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/15349ए/84— 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 11-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण ास सक्षम प्राधिारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई ।

तारीखाः 14-8-1985 मोहर क्रकप बाइ . टी. एन. एसं. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1985 निवेश सं० अई-2, 37ईई/15360/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (भित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की गृह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसक्त अभित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, कमल कुंज 7 सुभाष रोड युनाइटेड इंक फैक्टरी के सामने, विले पाल (पु), बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य उसके द्रश्यमान प्रतिफक्ष सं, ऐसे क्यमान प्रतिफक्ष का पल्यह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एवं जन्तरक के लिए तक्ष्पामा बचा प्रतिफल, जिल्लीबित उद्वरेष से उक्त जन्तरण किथित में अस्त्रिक कर वे क्षित वहीं विशा बचा है ह—

- (क) बन्तरण संबुधि किसी बाद की बादत उपत निध-नियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्य के कमी करने वा उसके भवने में सुविधा के सिबं;
- हुंच) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों करों, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या जा जा किया जाना जाहिए था, छिपाने में त्विधा के तिए;

चतः वयः, उपत विधिनियमः, की पारः 269-म कै वनुवरणः मा, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीनः, निम्नीलिकत व्यक्तियों, वधीतः ॥— (1) एस० जे० कनस्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) श्री तरन्थ बी० मल्डीकर

(अन्तरिती)

(3) अन्सरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति) को यह सृथना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि मा संत्सवंधी व्यक्तियों पर् स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नत्त्री

पलैट नं० 403 जो कमल कुंज, 7 सुभाष रोड, युनाइटेड इंक फैक्टरी के सामने, विले पार्ले (पू), बम्बई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/15360/84-85 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-8-1985

बक्ष बाह् हो, युन , युक्त --- -----

बातकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के विभीत स्वान

भारत सहस्राह

कार्यासय, सहायक भायकर भायक (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/15437/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाव जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क रहे अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 6, इमारत नं 3, भावानी नगर बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची भें ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्तय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-12-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उपित भाषार मृस्य सं कम के अध्यमान प्रितेफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हुँ कि यथापूर्वोक्त सपरित को उपित बाजार पूल्य उसके अध्यमान प्रतिफल सं, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्चित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की शासक, सबस जिम्हीन के अभीन कार दोने के जन्तरक के वासिरण में कमी करने या उससे अचने में सुनिशा हो लिए; जीर/श
- (सं) एसी किसी नाय या किसी धम या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, अश्वत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्र अधीन निगालिसित, व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्रीराजुएस० शेटटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सिन्थिसा फर्नान्डीस

(अन्तिरिती)

(3) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 हिन की शर्मीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान कि तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह् में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकेंगे।

स्मध्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बहु अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा वक्ष हैं।

प्रनुसूची

फ्लैटनं० 6 जो पहली मंजिल, इमारतनं० 3, भवानी नगर प्लाटनं० 1, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पु), बम्बहै 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अई-2/37ईई/15437/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रिजस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 14~8~1985

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस्.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त, 1985

निदेश सं० अई-2/37हैहै/15481/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मौधीनयन, 1961 (1961 का 43) रिक्त इसमें इसके परपात् 'उकत् अधिनियव' कञ्च गया 🗗 , 😎 भारत 269-क् के मधीन सक्षत्र प्राप्तिकारी को यह जिल्लाब करने का कारण है कि त्याचर चन्नरिक, विश्वका उपित बाजार मृश्य 1,00,000 ∕-रुः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लैट नं० 303, ग्रीन फील्ड, न्यु पवन बिहार बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु सूची में ऋौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ऋौर जिसका करारनामा आधक र अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 15-12-1984

को पूर्वेत्रित संपत्ति को उपित बाबार अनुका से कह को अवजान प्रतिकास के लिए जंतरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संस्थित का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल ने, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से जीभक हैं जौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्धरिती (अन्तरिर्शतयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तक्वाबा गया प्रतिफल, निम्नेलि**षित उप्योग के समुद्र गम्हरण निष्यत** औं शस्तिवक रूप वे कर्मित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की नावध, विधिनियम से मधीन कुए दोने के बन्दारक में वाजिल्य में कामी करने वा उससे ब्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिदियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अंतरितौ द्वारा प्रकाट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, शिवाने में सुविधा 🕩 विए.

अत. अव. उयत अधिनियम की धार। 264-ग के अन्जनक में, में उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभारा. (1) के अभीत, निम्नलि**धित व्यक्तियों, वर्षाय्** ६----

(1) श्रीबी० के० विश्वनाथ ।

(अन्सरक)

(2) श्री बी० सुन्दर शेटटी।

(अन्तरिती)

का बहु ६ एना बारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्यन् के लिए कार्यवाहियां श्रकरता हु ।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारनेख ने 15 दिन की अवधि या तत्त्वंबंधः **अ्यन्तिहाँ प्**र कुलना की वानीन से 30 फिन की वयरिया, को 🍇 क्यापि बाद में सवाया होती हो, में भीतर पूर्वीयव व्यक्तिको में से किसी व्यक्ति कुमान्य;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाश्चन की तारीका को 45 दिल को शीवार उक्क स्थावार सम्माता माँ **हिल**-बहुभ किसी व्यक्ति हुनाय, नभोहरवासादी से सह लिखिय में किए का सम्बेंगे।

राज्यक्रिक्टम :---इक्के प्रकृता क्षेत्रों शीर वर्षों का, जो उन्ह अधिनियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ममा है:

अम्लूची

फ्लैंट नं० 303 जो तीसरी मंजिल, ग्रीन फील्ड, न्यूपवन **विह**।र को, आप० हाउसिंग सोसायटी णिरली, राजन रोड बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/154,91/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-8-1985

प्ररूप आहु^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1985

निवेण सं अई-2/37ईई/15730,84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, इमारत नं० 6, भवानी नगर विम्बद्द 59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 22−12−1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से करें नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, रिम्नांलांखत व्यक्तियों, अर्थात :— (1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्सरक)

(2) श्री जोस फर्नाडीस ग्रीर श्रीमती सफीरा फर्नान्डीस

(अन्सरिती)

को यह सूचना ज।री करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पर्लंट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 6, भवानी नगर, प्लाट नं० 9, मरोल रोशीर रोड, अंधेरी (q), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई, 15730,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, ब्राया दिनांक 22-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-8-1985

एक् बादे, दी, एस् प्रश्नाननननन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ण (1) के मधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्श)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 श्रगस्स 1985निर्देश सं० श्रर्ड-2/37र्ड्ड/15732/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 13, इमारत नं० 6, भवानी नगर, बम्बई 59 में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्मिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया पति-कल निम्नतिचित उच्चेद्य से बक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :—

- (त) अन्तरण श्रं शुर्द किसी नाव की नावत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के अभारक को वासित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा श्री निष्; और/वा
- (भ) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के जिए;

बत: बब, उक्क निर्धानियम की भाग १६९-स नै बनसरक यो, मैं उक्त निर्धानियम की भाग १६९-क की उपधारा (१) ए १९९२ (निक्राणिकक क्रीन्तियों क्षेत्रीत ३० (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रामा बी० मित्रा ।

(भ्रन्तरिती)

को शह सूचना चारी करके प्रविक्त संपरित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाशेष 🎾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर गृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस न्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शस्यों जीर पर्यों का, वो वन्ध विभिन्निम के संध्याय 20 के में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

पर्लंट नं० 13, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० 6, भवानी नगर, लाट नं० 9, मरोल मरोणी रोड, ग्रन्धेरी (पू), बम्बई 40059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/15732/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 22-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज:2, वस्बई

दिनांक : 14-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रगस्त, 1985 🕆

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एच/1, न्यू भ्रान्बिवली को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूपसे वर्णित है) भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-12-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० एस० स्वरूप

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीडी० के० मवाडीया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अमुसुधी

पलैट नं० एच/1, जो न्यू म्रन्बिवली को० म्राप० हार्जीमग सोसायटी लिमिटेड, जीवन नगर. विरादेसाई रोड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/15864/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधि ारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

_{र्ग}धनांकः 14--8--19**85**

मोहर 🖫

प्ररूप आई. ठी.एम.एत.-----

आयक्तर जीभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भाका तक्कार

कार्यालक, सहायक आयकर आय्**य**त (निरीक्षण)

मर्जन रें आ-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 प्रगस्त 1985 निदेश सं० प्रई-2/37ईई/15874/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अधकर जीभनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें भक्षात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसको सं० पलैट नं० 304, मिनु, भ्रपार्टमेस्ट, नन्दा पाटकर रोड, बिले पार्ले (पू), बम्बर्ड 400056 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है, तारीख 28-12-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह निक्वास करने का कारण है कि बभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे क्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिभात से बिभिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-कत निस्तालिस उद्योग से उक्त अन्तरण निवित में बास्तीयक रूप में कीचन नकी किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुंचे किसी जाब की बाबत, अन्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ए'ती किसी जांग या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में न्यिया के निक्

जत: अस, उन्त निधीनयम की भारा 269-ग के अन्तरण मों, नैं, उसत अविधीनयम कि भारा 269-म की अपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, जर्मात् :~~ 50—246 GI|85 (1) मैसर्स मिनु कनस्ट्रक्शन को०।

(भन्तरक)

() 2) श्री हेरसूखराय एल० लिंबासीया । (ग्रन्तरिती)

को बहु तुलना कारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उक्त तम्पीत के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत लूपना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराँख ते 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्प्रमा के राम्नपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकोंगे।

स्त्रण्डोंकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में संथा परिभा-ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिवा गवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 304, जो तिसरी मंजिल, मिनु श्रपार्टमेन्ट, बन्दा पाटकर रोड, विले पार्ने (पू), बम्बई 400056 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रर्द-2/37र्देर्15874/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्द द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-8-1985

प्रकृत अर्थ . डॉ . एन . एस . -----

व्यवस्थः वीधीनवन 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्तज)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/15914/84-85---भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 9, गुरुमुख सागर को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 29-12-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थवनात्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य स्थक रूपमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नोलीवत उद्देश्य से उच्त करारण विश्वत में बास्त-विक क्य से क्षीयत नहीं किया व्या हैं ---

- (क) बन्दरक ते हुई किसी बाब की बाबता, उनक विश्वित्वत के बनीन कर दोने की बन्दरक की खिला को कमी करने या सुविधा के लिए; बरि/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था स्थिमने में सुविधा के लिए;

ज्यक, ज्य, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए भी जन्दरक् वैं, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मणिकित व्यक्तियों, अर्थात् र--- (1) श्रीमती गोपी सी० थडानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नैन रामचन्द वाधवानी श्रौर श्री रामचन्द एन० वाधवानी।

(भन्तरिती)

(3) प्रन्सरिती

(वह व्यक्ति जिससे ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं '।'

उनक् संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जासेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की नदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकेंगे।

स्थानकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वदा है।

अनुसुची

पलैट नं० 9 जो पहली मंजिल, गूरमुख सागन को-आप० हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, उनतिर्श्व रोड, बान्द्र, घम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ ०सं० श्रई-2/37ईई/15914/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-8-1985

माहरू 🕾

प्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अत्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देण सं० ग्रई-2/37-जी/3723/6डमें/84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रापर्टी नं वैश्विरिग प्लाट नं 117 सी, राठांड निवास, लाजपतराय रोड, विलेपार्ले (पिण्चम), बम्बई-56 में स्थित है तथा जो बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निध्वित में बास्तिबक क्य से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की अन्तर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे अचनं में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखिक स्विक्तयों, अधितः— (1) मैसर्स ग्रार० जी० पंडया एण्ड फैमिली बेनेफिट दस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल धनजी राठोड

(ग्रन्तरिती)

(3) (9 भाष्ट्रत)

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके वृत्रींक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ड व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2333/84 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-8-1985

प्रकार नाहरे हो . एव . इस . ------

श्रापकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर वानुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. धम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई/2/37-जी/3728/डिसें/84--भ्रतः मुझे, सक्ष्मण दास.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परभार) 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मृत्य 1,00,000/~ रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रापर्टी बेग्नरिंग सर्वे नं 31 (श्रंण) सी व्टी एस व् नं 11 (श्रंण), भ्रन्धेरी, बम्बई, श्रोशिवरा है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 10-12-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अपम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते कह विक्लास भरने का कारण ही

कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्स का उचित बाजार मूल्ब, उसके इश्वमान प्रतिफल से, एसे इश्वमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकत से विधिक हैं और अंतरिता (अंतरिताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में बास्तिबक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायिएन में कमी करने या उसते बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के सिष्;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अचित् :--- (1) श्रोशिवरा लेन्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री स्वामी समर्थ प्रसल
- (3) मन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिकां करता हूं।

उनक संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ज़्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिए या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् सिक्सि में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त कान्दों जीर पर्दी का, जो उक्त अभिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हौ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिवा गया है।

धनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 3308/82 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-8-1985

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING ADM. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 28th August 1985

No. 3|33|85-AD.V.—Director|Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri B. N. Nigam, a member of Grade IV (Senior Translator) of the (Central Secretariat) Official Languages Services (Group 'C' posts) to officiate on ad-hoc basis as Hindi Officer in the Central Bureau of Investigation in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 7th August, 1985 till the post is filled up on regular basis by the Department of Official Languages.

The 29th August 1985

No. A-19021|5|79-Ad.V(Vol.III).—The services of Shri Dwarka Nath Batra, Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of Ministry of Tourism and Civil Aviation with effect from the forenoon of 19th August, 1985 for appointment as Deputy Director (Security), Civil Aviation, on adhoc deputation basis for a period of one year.

No. A-19019|1|84-AD.V.—The services of Smt. Asha Bhatnagar, Hindi Officer (ad-hoc) Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of CPWD, New Delhi with effect from the forenoon of 7th August, 1985.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)

Ċ.B

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th August 1985

No. E-16014(2)|2|84-Pers-I.—Consequent on his appointment on deputation on ad-hoc basis for a period of six months Shri Khushwant Singh, Fire Officer of National Fertiliser Limited, Panipat, assumed charge of the post of Asstt. Inspector General (Fire) CISF HQrs with effect from the forenoon of 12th August 1985.

No. E-16014(2)|4|85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri C. P. Chadha, Dy. Comdt. of Assam Rifles, assumed charge of Commandant Training Reserve CISF HQrs New Delhi with effect from the forenoon of 16th August, 1985.

The 28th August 1985

No.E-31013(1)/4/85-Pers.I—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Commandant/Dy. Commandant for a further period from 28-8-85 to 27-11-1985 or till regular selection is made, whichever is earlier:—

Sl. No.	N	ame	of	the	officer	Designation
 -		2				 3
— – – - 1. Shri	M.A.	Jabb	ar	•		Commandan t
2. Shri	K.K. Ka	ul .				Commandant
3. Shri	G.S. Sar	dhu				Commandant
4. Shri	R.P. Du	be .				Commandant
5. Shri	A.S. She	khaw	/at			Commandant
6. Shri	S.K. Tal	ı.				Commandant
7. Shri	V. Louis	i Raj				. Commandant
8. Shri	Ajit Sin	gh				Commandant

1	2			3
9, 8	Shri S.K. Arora .			Commandant
10.	Shri C.D. Kukreti			. Commandant
11. \$	Shri C.S Vardaraja			. Commandant
12. 3	Shri S.R. Sharma			. Commandt
13. 3	Shri M.K. Chopra			Comman
14.	Shri O.P. Sharma			. Comman
15.	Shri R.G. Thampi			. Dy. Comdt.
16.	Shri K.S. Ahluwalia			, Dy. Comdt.
17.	Shri P.S. Nandal .			. Dy. Comdt.
18.	Shri L.N. Mohla .			. Dy. Comdt.
19.	Shri S.K. Chadha	,		. Dy. Comdt.
20.	Shri S.K. Verma			. Dy. Comdt.
21.	Shri P.R. Bhuttan			, Dy. Comdt.
22.	Shri Sheoraj Singh			. Dy. Comdt.
23.	Shri Bhupinder Singh	Rana	١.	. Dy. Comdt.
24.	Shri M.L. Abrol .			. Dy. Comdt.
25.	Shri V. Murleedharar	١.		. Dy. Comdt.
26.	Shri J.R. Gupta			, Dy. Comdt.

No. E-32015(4)|52|85-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri T. C. Kalia, on promotion as Assistant Commundant in CISF Unit FCI Sindri with effect from the forenoon of 31st July, 1985.

The 29th August 1985

No. E-16013(2)|13|85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri P. D. Sharma, IPS (Raj: SPS) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit, R.C.F.L. Bombay with effect from the forenoon of 19th August 1985.

S|- ILLEGIBLE Director General|CISF

RASHTRIYA INDIAN MILITARY COLLEGE

Dehra Dun, the 28th August 1985

No. 14 85 .—Services of Shri Ajay Capoor, as tempy, Master in Zoology in Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun Cantt are terminated wef 14 Aug 85 (FN).

No. 14|85.—The President is pleased to appoint Dr. Rajiv Kumar Bhardwaj as a temporary Master in Zoology at Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun Cant wef 16 Aug 85 (FN).

OP CHAUDHRY Col Commandant

MINISTRY OF COMMERCE

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTEL-LIGENCE & STATISTICS

Calcutta-700 001, the 13th August 1985

No. Estt.I|1(5)|85.—Shri Bikash Talukdar, Junior Hindi Translator of the Office of the Director, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta has been appointed by transfer on deputation with effect from the forenoon of 31st July, 1985 & until further orders, to the post of Hindi Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vice Shri M. P. Srivastava retired on superannuation.

The appointment of Shri Bikash Talukdar as Hindi Officer will be treated as on deputation and his pay will be regulated in terms of Ministry of Finance O.M. No. 10(24)-E.III 60 dated 4-5-1961 as amended from time to time.

S. R. SENGUPTA Senior Deputy Director General for Director General

32211

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd August 1985

No. A.19011(383)|85-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Ashok Mathur, Assistant Chemist to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 15th July, 1985.

> P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 26th August 1985

No. 11/4/85-M.—In exercise of powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, M. C. Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged for entry to monument at Safdarjung Tomb, New Delhi on 27th August 1985 on account of Id-ul-Zuha.

> M. C. JOSHI Director (Exploration)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 12th August 1985

No. F.8-9 85-Estt.—The Director of Archives, Government of India hereby appoints Shri Kanwar Rajendra Singh Oflg. Assistant Microphotographist Gr. I to officiate as Microphotographist (Group 'B' Gazetted) on ad-hoc basis with effect from 15th July, 1985 (Forenoon) until further orders.

> Sdi- ILI EGIBLE Administrative Officer for Director of Archives National Archieve of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st August 1985

No. 1/12/83-SII—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Junior Accounts Officers as Accounts Officers on deputation for a period of three years with effect from the dates shown against each, until further orders:-

1	2	3	4
	Name of the Junior Accounts Officer and the name of the Office where posted	Station where posted as Accounts Officer on deputation	Date of appointment as Accounts Officer
1.	Shri S.R. Chakra- borty Jr. Accounts- Officer Office of the CE(EZ) AIR, Calcutta.	Office of the Chief Engineer (EZ) AIR, Calcutta	17-7-1985
2.	Shri C.J. George, Jr. Accounts Officer Pay & Accounts Office AIR, Bombay.	Office of the Chief Engineer (WZ) AIR, Bombay	24-7-1985

2. The above mentioned officers assumed charge as Accounts Officers on the dates shown as mentioned against each in column 4 above.

> MOHAN FRANCI Dy. Director of Administration For Director General

New Delhi, the 21st August 1985

No. 17/17/85-S-IV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed a temporary charge of the post of Assistant Engineers in capacity at different AIR Offices Doordarshan Kendras from the date shown against each, till further orders :-

- Sl. No., Name, Station Office and Date of joining
- 1. Shri M. Amalthus, HPT, AIR, Avadi, Madras---18-6-85 (F.N.).
- 2. Shri B. C. Singh, CE (Eastern Zone)-10-6-85 (F.N.).
- 3. Shri S. V. Ayyar, HPT, AIR, Alleppey-9-7-85 (F.N.).
- 4. Shri G. S. Mathur, TV RC, Mussorie-30-5-85 (F.N.).

Dy. Director of Admn. (E) for Director General

DIRECTORA'I'E GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 22nd August 1985

No. 6|122|85-SII.—In pursuance of the Directorate General, All India Radio Order No. 1/18/84-SII(Vol.II), dated the 29th April, 1985, Directorate General: Doordarshan is pleased to appoint Shri V. V. Barot on his promotion as Administrative Officer in a temporary capacity on regular basis in the pay scale of Rs. 650-960 with effect from 5-8-1985 (Forenoon).

> KASHMIRI LAL Dy. Director of Admn. for Director General.

MINISTR OFY INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 22nd August 1985

No. A-19012|2|82-Est.I.—On the expiry of the term of his deputation to the Southern Regional Production Centre of the Films Division at Bangalore, Shri H. R. Shiyashankar Rao, Accounts Officer is repatriated to his parent department with the instructions to report to the Pay & Accounts units. Central Excise Collectorate, Bangalore. He has been relieved of his post in the Films Division in the afternoon of 12th uly 1985.

> N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th August 1985

No. A-12011/3/85-Exh.(A)-Director of Advertisement & Visual Publicty is pleased to appoint the following Exhibition Assitants to officiate as Field Exhibition Officer in a purely temporary capacity on ad-hoc basis for a period of six months at the Field Exhibition Units of this Directorate shown against their names with effect from the date mentioned against them:—

SI. No.	Name	From	То	Date
J	hri N.C. ayal hri S.C.	Jammu	Jammu	8-7-1985 (FN)
	amba	New Delhi	Calcutta	17-7-1985 (FN)

G.P. BHATTI Deputy Director (Adnm.)

for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi, the 28th August 1985

No. A-38013[1]85-Est.—On attaining the age of superannuation Shri R. K. Jolly Assistant Production Manager (Printed Publicity) in the Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of Information & Broadcasting retired from the Government Service on 28-2-85 (AN).

G. P. BHATTI Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th August 1985

No. A.19012|13|77-Admn.I|M (F&S).—Consequent on his voluntary retirement Shri P. Eapen Thomas relinquished charge of the post of Librarian at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 1st January, 1983.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

New Delhi, the 29th. August, 1985

No.A22012/118/84-CHS II/PH(IH)— Consequent upon the transfer of the following officer vide D.G.H.S. Office Order No. A. 22012/J.18/84-CHS II/PH(IH) dated 18-4-1985, they have assumed/relinquished the charge in the office shown against their name as under:—

S. Name of Officer	Charge relinquished	Charge assumed
1. Dr. S.D. Khogla	A.P.H.O. Delhi Airport as Asstt. A.P.H.O. w.e.f. 14-5-1985 (F.N.)	C.G.H.S. Delhi w.e.f. 14-5-1985 (A.N.) as Medical Officer
2. Dr. S.R. Aggarwal	As Medical Officer in C.G.H.S. Delhi- South Zone w.e.f. 13-5-1985 (F.N.)	As Asstt. Airport Health Officer w.e.f. 13-5-1985 (A.N.) at A.P.H.O. Delhi Airport.

MATU RAM Deputy Director Administration (D)

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 13th August 1985

No. I.-167|1888|Admn|85, of date.—On the recommendations made by the Departmental Promotion Committee (Group 'B') in its meeting held on 20-4-85 the General Manager, India Government Mint, Bombay is pleased to promote Shri A. K. Makhija, as Accounts Officer with effect from 1-5-85 on regular basis.

Sd.|ILLEGILLE GENERAL MANGER

NORTHERN REGION FARM MACHINERY

TRAINING & TESTING INSTITUTE

Hissar-125001, the 28th August 1985

No. 2-4|85-PF.—Sh. Anil Kumar Dubey, Technical Assistant, Central Farm Machinery Training & Testing Institute -BUDNI (M.P.) has been appointed to the temporary post of Junior Research Officer at Northern Region Farm Machinery Training & Testing Institute—Hissar w.e.f. 5-8-1985 (afternoon) until further order.

V. A. PATIL Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES.

Bombay-400 001, the 21st August 1985

Ref. No. DPS|2|1(3)|85-Adm.|6086.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Amulya Ratan Singha, Section Officer in the office of the Accountant General-I, West Bengal, Treasury Buildings, Calcutta-700 001 as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, in the Calcutta Regional Accounts Unit of this Directorate on the usual deputation terms with effect from the forenoon of August 1, 1985 until further orders.

The 30th August 1985

Ref. No. DPS|2|1(3)|85-Adm.|6151.—On his transfer from Reactor Research Centre, Kalpakkam, The Director Purchase & Stores, Department of Atomic Enregy appoints Shri V. Jayaraj, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, as an Assistant Accounts Officer in the same capacity in the Directorate of Purchase & Stores with effect from 8-8-1985 (FN) until further orders.

P. GOPALAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SETALLITE CENTRE BANGALORE

Bangalore-17 the 19th August, 1985

No.020/1(15.4)/85-Est—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept to resignation from the service of the following Scientist/Engineers 'SB' in the ISRO Satellite Centre,

Bangalore, of the Department of Space, with effect from the afternoon of the dates indicated against each:—

1	2	3	4
SI. No.	Name	Designation	Date
	nri K. Rama- urthy Achar	Sci/Engr. 'SB'	August 12, 1985
	ori B.G. Mohana rishna	Sci/Engr. 'SB'	August 14, 1985
3. Shri K. Mahesh		Sci/Engr. 'SB'	August 16, 1985

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th August 1985

No. A. 32013|3|84-EA.—The President is pleased to appoint Shri Gurmukh Singh-II to the grade of Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 13-2-1985 or from the date he actually take over the charge of the post, which ever is later and until further orders:—

M. BHATTACHARJEE

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd August 1985

No. A. 32014|5|84-EC(.).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants (at present working as Assistant Communication Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Communication Officer in the pay scale of Rs. 650-1,200|- on regular basis with effect from 16th July, 85 and until further orders:—

S. No., & Name

- 1. G. L. Chawla
- 2. D. S. Karmalkar
- 3. A. K. Biswas

New Delhi, the 30th August 1985

No. A. 32014/7/82-EC(.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department for the period indicated against each:—

Sl. No.	Name	Name			Period of ad-hoc appointment extended		
				•	From	То	
1	2				3	4	
1. Sh	ri D. K. Gupta				1-1-84	16-10-84	
2. Sh	ri R. K. Sharma.				1-1-84	16-10-84	
3. Sh	ri P. M. Gupta .				1-1-84	16-10-84	
4. Sh	ri Ramesh Chandra				1-1-84	16-10-84	
5. Sh	ri S. D. Kulkarni				1-1-84	16-10-84	

l ,	2		 	3	4
6. Shri	K. P. George .			1-1-84	16-10-84
	N. Tulsi Raman	·		1-1-84	16-10-84
8. Shri	H. S. Dhaliwal			1-1-84	16-10-84
9. Shri	R. K. Deshpande	i		1-1-84	16-10-84
	A. K. Narang	,		1-1-84	16-10-84
	K. B. Barve .			1-1-84	16-10-84
	A. K. Yoosuf			1-1-84	16-10-84
	T. S. Bindra			1-1-84	16-10-84
	Ram Dhan .			1-1-84	16-10-84
15. Shri	M. N. Nandi,			1-1-84	16-10-84
	S. K. Sen			1-1-84	16-10-84
17. Shri	K. Krishnan .			1-1-84	16-10-84
18, Shrì	G. S. Bal .			1-1-84	16-10-84
	Mahesh Prasad			1-1-84	16-10-84
	R. L. Parmar .			1-1-84	16-10-84
	J. P. Jain .			1-1-84	16-10-84
22. Shri	B. B. Kamthe			1-1-84	16-10-84
23. Shri	Sudershan Singh			1-1-84	16-10-84
	C. Raghavan .			1-1-84	16-10-84
	S. S. Bhopatkar			1-1-84	16-10-84
	H. N. Bhowmick		,	1-1-84	16-10-84
	S. C. Sharma			1-1-84	16-10-84
	B. D. Sanghal.			1-1-84	16-10-84
29. Shri	J. Bhattacharjee			1-1-84	16-10-84
	S. S. Budhiraja			1-1-84	16-10-84
	M. A. S. Prakash I	Rao		1-1-84	16-10-84
	A. S. Dholke .			1-1-84	16-10-84
33. Shri	Avinash Chander			1-1-84	16-10-84
34. Shri	Shri A. V. Kulkarr	i		1-1-84	16-10-84
35. Shri	A. S. Kaler .			1-1-84	16-10-85
	Swaran Singh			1-1-84	16-10-84
	C. M. Gairola			1-1-84	16-10-84
38. Shri	Shri R. O. Regual			1-1-84	16-10-84
39. Shri	Shri S. K. N. Pillai	i		1-1-84	16-10-84
	M. T. Rajani			1-1-84	16-10-84
	S. N. Gulati .			1-1-84	16-10-84
	Anand Isaac .			1-1-84	16-10-84
43. Shri	S. P. Gujar .			1-1-84	16-10-84
	Gurmukh Singh			1-1-84	16-10-84
	N. S. Rajawat			1-1-84	16-10-84
	C. P. Chhabra		,	1-1-84	16-10-84
	J. B. Guha .			1-1-84	16-10-84
	A. B. Malakar			1-1-84	16-10-84
	A. V. Jumdo .			1-1-84	16-10-84
	K. M. Khot .			1-1-84	16-10-84
	Onkar Singh .			1-1-84	16-01-84
	Devinder Singh			1-1-84	16-10-84
	H. V. Israni .			13-8-84	16-10-84
	T. S. Tharmaraj			14-10-84	16-10-84

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd August 1985

C. No. 1041|73|85.—No. 21|85.—Shri R. Victor Thyarag. lately posted as Asstt. Collector of Customs, Bombay on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE). New Delhi vide Ministry's order No. 98|85 dated 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|42|85, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (C&CE) (to work in the T. R. U.), New Delhi w.c.f. 7-8-1983 FN).

C. No. 1041|72|85—No. 22|65.—Shri K. M. Mondal, lately posted as Asstt. Collector (Customs), Calcutta on his transfer to the D.G.I. C.C.E., New Delhi vide Ministry's order No. 1.15|85 dt. 18-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|42|85-Ad.-II, assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection, Customs & General Excise, New Delhi w.e.f. 16-8-85 (FN).

A. C. SALDANHA

Director General of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay, the 29th August 1985

No. 23-TR(5)|85.—President is pleased to appoint Shri J. K. Dhar as Engineer Officer in the Lal Bahadur Shastri Nautical & Engineering College. Bombay, with effect from 5-3-1985 on ad-hoc basis until further orders.

A. CHANDRA

Dy. Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th August 1985

No. 33|2|83-EC 1X.—The President is pleased to appoint the following nominces of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700|P.M. in the scale of Rs. 700-40-800-EB-40-1100-50-1300 (Plus usual allowances) with effect from the date shown against each on the usual terms and conditions:—

- 1. Shri Subhash Mohan Mathur, 9-8-85 (FN).
- 2. Shri Pratap Singh Negi, 16-8-85 (AN).
- 2. The pay of Shri Negi will be fixed as Rs. 780|- as recomended by the Commission, whereas the pay of Shri Subhash Mohan Mathur will be fixed according to the rules in the pay scale of Rs. 700-1300.
- 3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the date of their appointment.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Adminstration

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Pan Trusvancore Industries Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2569|Liq|560(5)|6577|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Pan Travancore Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and in the matter of Engineering Technicians Industrial Promotional Menagerial Undertakings Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2651/Liq/560(5)/6579/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Engineering Technicians Indus-

trial Promotional Managerial Undertakings Pvt, Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Darsana Chit Finance & Trading Company Private Ltd.

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2545|Liq|560(5)|6581|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Darsana Chit Finance & Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of George Harry Micro Bionics Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2703 Liq 560(5) 6583 85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of George Harry Micro Bionics Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Renowned Films Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2074|Liq|560(5)|6585|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Renowned Films Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of of Trivandrum Carbides Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 3149|Liq|560(5)|6587|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Trivandrum Carbides Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and in the matter of Ajay Furnaces Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2611|Liq|560(5)|6589|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ajay Furnaces Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Malabar Vijaya Company Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 1552/Liq/560(5)/6591/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Malabar Vijaya Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Hindustan Corporation (Travancore) Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 430|Liq|560(5)|6593|85.—Notice is hereby given pursuent to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956 that the name of Hindustan Corporation (Travancore) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of of Industrial Lime and Allied Products Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2854|Liq|560(5)|6595|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Industrial Lime and Allied Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of of Alwaye Chemicals Private Limited

Ernakulam, the 23rd August 1985

No. 2552|Liq|560(5)|6614|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Alwaye Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON Registrar of Companies Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Rig Offshore Engineers Private Limited.

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 683|23957|560(3).—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Vompanies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Rig Offshore Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mts. Mandva Hills Resorts, Private Limited

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 685|24106|560(3).—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mandva Hill Resorts Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be disolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of . M|s. Mandva Farms Private Limited

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 687|24095|560(3).—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Mandva Farms Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mis. Kay Laxmi Investments Co. rivate Limited

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 689|24118|560(3).—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the MIs. Kay Laxmi Investments Co. P. Itd. units cease is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Vinod Prakashan Privated Limited.

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 695|16898|560(3).—Notice as hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereoof the name of the M|s. Vinod Prakashan Pvt. Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. R. A. M. Investment Co. Pvt. Ltd.

Bombay-400 002, the 26th August 1985

No. 696|16745|560(3).—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Coompanies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. R. A. M. Investment Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Harlpriya Productions Private Limited

Hyderabad, the 29th August 1985

No. 886|TA-III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereif the name if the Haripriya Productions Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Regiser and the said Comapny will be disoslved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cartons Privated Limited.

Hyderabad, the 29th August 1985

No. 1068 TA-III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cartins Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ambica Hybrid Seeds Private Limited.

Hyderabad, the 29th August 1985

No. 2357|TA.III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ambica Hybrid Seeds Pvt. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Balaji Powerlooms Private Limited.

Hyderabad, the 29th Augu t 1985

No. 2862 TA-III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Balaji Powerlooms Private Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

PART III-SEC. 1]

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Crandramouli apers Limited

Hyderabad, the 29th August 1985

No. 3117 TA-III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the Chandramouli Papers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

32205

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1771|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing Premises consisting of residential flat No. A1|302 on the first floor of the building known as A1 situated of Tanwar Nagar, Kausa, Mumbra, Dist. Thane. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer of

1908) in the office of the Register Officer at at IAC, Acqn. Range, Pune in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or systion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Rajasthan Builders, A 2 Swati Building, Juhu Lane, Andheri West, Bombay.

(Transferor)

(2) Abdulla Abdul Karim Patka, . Mrs. Munira Abdulla Patka, 138, Baria Building, 4th floor, Room No. 88, Opp. Crawford Market, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises consisting of residential flat bearing No. A1,302 on the first floor of the building known as A1 situate at Tanwar Nagar, Kausa, Mumbra, Dist. Thana. (Area 699 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 1771 1985-86 for the month of May 1985).

ANIL KUMAR Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range, Poona

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Atul Enterprises,31 Sheelavihar Colony,Ruturaj Paudphata.

(Transferor)

(2) Mr. K. Gopinath, 191 Uttam Nagar, Near Post Office, Pune-23.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE

Pune, the 1st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8974|1984-85.—Whereas, I, ANII. KUMAR,

seeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 19, S. No. 121, 122, Rambag Colony, Kothrud, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, S. No. 121, 122, Rambag Colony, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 8974 1984-85 in the month of December, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Poona

Date 1-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. M. K. Mohamed Divi, No. 1, Darka Veedhi, B.P. Agharaharam.

(Transferor)

(2) Minor D. Shanmughasundaram and Others, Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 270|Dec.|84.—Whereas, I, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|. and bearing T. S. No. 187A situated at BP. Agharaharam Brode T.K. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ERODE 4797|84 in December, 1984

ERODE 4/9/184 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 187A B. P. Agharaharam Erode T.K.

ERODE Doc. No. 4797|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 066

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5829.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferted under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at

at Jalandhar in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/ort

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sarita Rani Wo Shri Vijay Kumar Anand, Ro 717, Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal Singh S|o Shri Rawel Singh, R|o 326, Lajpat Rai Nagar, Jalandhar (now Clo Sh. Gurdial Singh, Raj Nand Gaon M.P.).

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gur Teg Bahadur Property Kothi No. 717 situated at Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3944 of December, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-8-1985

FORM MINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5830-5831-5832. --Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

ks. 1,00,000 and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar in December. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per can of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in transcent of transfer with the object of the said in transcent of transfer with the object of the said in transcent of transfer with the object of the said in transcent of transfer with the object of the said in transcent of transfer with the object of the said in transcent of the said in the sai

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Santokh Singh S|o Shri Hari Singh, R|o 333, Model Town, Jalandhar.

(Transferor

(2) Shri Manjit Singh Slo Shri Amolak Singh (3845) Shri Rajinder Singh Slo Shri Amolak Singh (3879) and Smt. Mohinder Kaur Wdlo Shri Amolak Singh, all resident of Goindwal Sahib Distt. ASR.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 247A situated at Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 3845—3879 and 3986 of December, 1984 of the Register Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDINGR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5833, 5834 & 5835.—Whereas, I, J, L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer.

1908) in the office of the registering officer

at Bathinda in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affection (†) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
52—246GII85 (1) Smt. Lajwanti Wdo Shri Devkinandan, Rlo Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar So Shii Gopi Ram (R.D. No. 2808), Shri Gopi Ram So Shri Thakum Mal (R.D. No. 2809), Shri Pawan Kumar So Shri Gopi Ram (R.D. No. 2818), Rlo Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2808, 2809, 2818 of December, 1984 of the Registering authority, Bathinda,

> I I GIRIDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 20-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Rcf. No. A. P. No. 5836.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No.

as per schedule situated at Vill. Mahal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

of the registering officer at Phillaur in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sita Ram So Shri Moman Ram. Rio Kaithal now Gorava. Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh So Shri Thakur Singh, Rlo Bains, Tehsil Nawanshehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2023 of December, 1984 of the Registering authority of Phillaur,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-8-1985

Scal:

(1) Shri Sita Ram
Slo Shri Moman Ram,
Rlo Kaithal now Goraya,
Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt, Beant Kaur Wo Shri Sohan Singh, Ro Bains, Teh. Nawam Shahr.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ret. No. A. P. No. 5837.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mahal

(and more tuily described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

1908) in the office of the Register Officer at Phillaur in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(4) Any other person interested in the property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2027 of December, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5838.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mahal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at at Phillaur in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any scome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Sita Ram
Soo Shri Moman Ram,
Roo Kaitha Now Goraya,
Tch. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Sio Shri Sohan Singh, Rio Bains, Teh, Nawanshehr.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2034 of December, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 20-8-1985

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5839.—Whereas, I, L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Vill. Mahal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Phillaur in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sita Ram So Shri Moman Ram, Ro kaithal Now Goraya, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh So Shri Sohan Singh, R o Bains, Tehsil Nawanshehr.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ac

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2042 of December, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the uforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5840.—Whereas, J,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Mahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair marks value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sita Ram So Shri Moman Ram, Ro Kaithal now Goraya, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh So Shri Sohan Singh, Rlo Bains, Tehsil Nawanshehr.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 2108 of December, 1984 of the Registering Authority, Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art Art following persons, namely :-

Date: 20-8-1985

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Rcf. No. A. P. No. 5841....Whereas, I, J. J. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seid instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Jagjit Singh Slo Shri Mansa Singh, Rlo 161, Model Town, Jalandhat.

(Transferor)

(2) Smt. Simran Kaur Wo Shri Satwant Singh, Ro Tanda Road, Jalandhar (now Kothi No. 119 New Jawahar Nagar, Jalandhar).

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the religition or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

the facilitating the concentment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the hadin Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Property No. 119 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4043 of December, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

THE SCHEDULE

J I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following cereous searchy:—

Date: 20-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th August 1985

Ref. No. A. P. No. 5842.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

as per schedul esituated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at at Jalandhar in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the nansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sect on 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Ram Sarup Verma So Shri Bhagat Ram, Ro South Hall, England through Mukhtiar-am Shri Surjit Sehdev Slo Shri Gurbachan Singh, 45, Shiv Nagar, Sodal Road. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh Slo Shri Kartar Singh, Rlo 48|2, Central Town, Jalandhar (now Shop No. W. A. 117, Bazar Sheikhan, Jalandhar).

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. WA-117 (B VY-222) situated in Bazar Sheikhan. Jalandhar & Persons as mentioned in the regd Sale deed No. 3922 of December, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 20-8-1985

Seal

(1) Ashok Kr. Mukherjee.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sunanda Dutta & other.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

*FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of 15% notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

> (b) by any other person interested in the said immovable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons,

Calcutta-16, the 13th August 1985

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 871 Acq.R-II 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing

Place Galf Green Utban Complex Phase-IV situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the wasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

As per Deed No. I 14413 dt. 1st Dec., 1984 registered at Calcutta.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons namely :--53-246GI 85

Date: 13-8-1985

Seal : .

(1) Lokesh Chandra Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Surjit Kumar Mitra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1870 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

tems the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Its. 100,000- and bearing
150 153 4A situated at Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer_at Calcutta on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. I 14930 dt. 12-12-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

Scal :

(1) Sri Lokesh Chandra Roy.

(Transferor)

(2) Sri Sushil Ch. Mittra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1869|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 153 |4A situated at Acharya Prafulla Ch. Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide I 14929 on 12-12-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Sumerrendra Das Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mrs. Manisha Nandi Ray.

(Transferee)

COVE BUILDING UP INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calunta 16, the 14th August 1985

Ref. No. 1368 Acq.R.D185-86.—Whereas, I, SMIRAR RUMAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Paconic-aix Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the faild Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.00 - and bearing Rs. 1.00.00 - a

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. I-15206 on 15-12-1984.

facilitating the concealment of any income or any term, in her assets which have not been expected by the transferee for the courses of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, there are, in pursuance of Section 269C of the said At. I here's initiate proceedings for acq uisition of the discretific property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Sandip Kumar Roy & ors.

(Transferor)

(2) Jitendralal Majumdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1867 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1, situated at Parbati Chakraborty Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that western portion of premises No. 1, Parbati Chakraborty Lane, Calcutta-26, measuring 3K-10ch with structures thereon registered vide No. 22 dt. 17-12-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed K dwai Road
Calcutta-16

Date: 14-8-1985

(1) Sri Sailendra Nath Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1866 Acq.R-HY85-86.—Whereas I, SANKAR KUMAR BANKERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing
No. 96F situated at Kathulia Road. Calculta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred uniter the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calculta No. 5615 dated 10-12-1984

Calculta No. 5613 dated 10-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following jersons, namely:—

(2) Jyoti Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. 5615 dt 10-12-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-8-1985

(1) Pramila Bala Das & Ors.

(Transferor)

(2) Selen's Apartment (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1865 Acq.R-It 185-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 55 situated at Rapa Basanta Roy Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the coffice of the Registering Officer at Calcutta No. 6159 dated 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said geography may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the value of the said of the

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. 6159 dated 27-12-1984.

SANKAR KUMAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

Scal:

(1) Chalet Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M|s Selenis Apartment (P) Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th August 1985

Ref. No. 1864[Acq.R-JII]85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR EANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of th Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovably property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. 30[1] situated at Saint Bose, Road Calcutta

No. 30|1 situated at Saint Bose Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemain property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any means aroung from the transfer and/or

ct, in nafer

As per Deed No. I 14501 dt. 4-12-1984 registered at Calcutta.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the India Act, or the Wealth-tax A.4, 1957 (27 or 1957):

SANKAR KUMAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

(1) Ranendra Kumar Mitra.

(Transferor)

(2) Raghunath Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th August 1985

Ref. No. 1863|Acq.R-IJI|85-86.--Whereas, I. SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 18 situated at Dover Road, Calcutta (and more runy described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

54---246GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parasets, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Deed No. I 14669 dt. 7-12-1984.

SANKAR BANNFRIEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwal Road Calcutta-16

Date: 13-8-1985

FORM ITNS

(1) Pratal Chandra Mukherjee.

(Transferor)

(2) Golok Dutt.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AA AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1862 Acq.R. II) 85 86—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANNERJEE, setting the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000l- and bearing
No. 116 situated at Monohar Pukur Road, Calcut'a (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta No. 1-15508 dated 20-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in speci of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. I 15508 dated 20-12-1984.

SANKAR KUMAR BANNERJEE
Cong tent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d proper v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

(1) Pratal Chandra Mukherjee.

(Transferor)

(2) Miss Suchitra Dutt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ret. No. 1861/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANEKJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair 18 x ket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 116 sanuated at Mononar Pukur Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under Registration No. I-15509 dated 20-12-84 fo. an apparent consideration which is the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than faiteen per cent of such apparent consideration in that its consideration for such transfer as agreed to between the parties has made because and stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other rerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. I 15509 dated 20-12-1984.

SANKAR KUMAR BANNERJEE
Comp tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisi ion Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269I's of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) Praful Chandra Mukherjee.

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanak Dutt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1860 Acq.R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the sai. Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 116 situated at McDohar Pukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-15506 dated 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchase of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property register vide Deed No. I-15506 dated 20-12-1984.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rarge-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sand Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

(1) Pratul Ch. Mukherjee

(Transfe: or)

(2) Smt. Pranoti Dutt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1859|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

116 situated at Monohar Pukar Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at

1908) in the office of the Register Officer at Calcutta under Registration No. 1-15510 dated 20-12-84, 2008 an apparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the effor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide deed No. I-15510 on 20-12-84.

SANKAR KUMAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-8-1985

(1) Pratul Ch. Mukheriee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss, Subrata Dutt

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54. RAFL ADMED K.DWAL ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. 1858 Acq.R-III 85-86.—Whereas I, SANKAK KUMAR BANERJEE,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 116 situated at Manohar Pukar Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (,16 of 1908) in he office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. I-15507 dated 20-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the value set in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Property Registered vide deed No. I-15507 date 20-12-84.

SANKAR KUMAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwa: Poad,
Calcutta-16

Now, terriore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby matlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

Date: 14-8-1985

FORM ITNS----

(1) Pratul Ch. Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Gita Dutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED K'DWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref N 1857 Acq.III 85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovable property having a feit market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 116 situated at Manohar Pukar Road, Calcutta (and mole fully descibid in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. 1-15505 dated 20-12-84 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair malket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stoted in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Objective or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires laier;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazesia

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer, and the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that Property registered vide deed No. I-15505 date

THE SCHEDULE

SANKAR KUMAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incime-tax
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Poad
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 1 14-8-1985

20-12-84 at Culcutta.

FORM ITNS-

(1) Consultant Engineers' Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jean Doningo

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1985

Ref. No. 1856 Acqn R-111 85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERJEE,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No B-294 si uated at Lake Gardens, Cal. 45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-84

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) Socilibating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seem or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the end Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 3rd floor flat measuring 915 sq ft. at B-294 Lake Gardens, Cal.-45 was registered vide deed No. I-14769 dt. 8-12-84 at Cal.

SANKAR KUMAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwat Poad.
Calcutta-16

Date: 13-8-1985

(1) Amulya Prasad Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Renuka Moitra

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13rd August 1985

Ref. No 1855|Acq. R-III|85-86.—Whereas, 1, SANKAR KUMAR BANERJEE,

using the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ws the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000|- and bearing

No. 47 situated at M. N. Scn Lane, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Cal. on 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said anstrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresald property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

55-246GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property at 47, M. N. Sen Lane, Cal. 40 measuring 4 K—11 Ch & 22 sq. ft. of land together with one storied ground floor flat measuring 1100 sq. ft. without the right of the roof registered at Cal. vide deed No. 5716 on 12-12-84.

> SANKAR KUMAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Date: 13-8-1985

Scal

FORM ITNS----

(1) Kamal Kumar Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jute Baless Association

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1985

Ref. No. 1854 Acq. R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 12 situated at India Exchange Place, Cal. (and more fully described in the schedule below) has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per registered deed No. I-14872 date 11-12-84 at Calcutta

> SANKAR KUMAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 13-8-1985

Seal

(1) Krishna Murari Modi

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi Bagri

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD.

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1985

Rcf. No. 1853|Acq. R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR KUMAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 50B situated at Gariahat Road, Calcutta tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per deed No. I-14776 dt, 8-12-84 regd, at Calcutta.

SANKAR KUMAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1985

Ref. No. AC-40|R-11|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing.

situated at Mouja Mahadebpur, P. S. Maheshtala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

R.A. Cal on 22-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Official Liquidator, High Court of 9, Old, Post Office Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Eastern India Doors Mafg, Co. P. Ltd. of 3B, Lalbazar Street, Calcutta.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.606 acre land with structure, factory sheds etc. situated at Mouza-Mahadebpur, P.S. Maheshtala, 24-parganas. More particularly described in Deed No. I 15615 of R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Raft Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN Park, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th August 1985

Ref. No. A-3|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

S. Nos. 211, 212, 213 situated at Bhagipura Agra

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office under Regn. No. 21977

of the registering officer at Agra on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

(1) Shri Goverdhan Singh Slo Shri Tula Ram, Rlo Nagla, Ahluwalia Village Bhogipur, Agra.

(Transferor)

(2) Agra Cantonment Sahkari Awas Samiti Ltd., Agra. Sachiw, Mahavir Prasad Uppadhya So Ayodhya Prasad, Rio 11B Mehanpura, Agra.

(Transferee)

(3) Agra Cantonment Sahkari Awas Samiti Ltd., Agra. Sachiw, Mahavir Prasad Uppadhya Slo Ayodhya Prasad. Rlo 11B Mehanpura, Agra.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Agra Cantonment Sahkari Awas Samiti Ltd., Agra, Sachiw, Mahavir Prasad Uppadhya So Ayodhya Prasad, Ro 11B Mehanpura, Agra.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 211, 212, 213, 216, 218, 219, 220, 222, 225, 228, 229, 226, 227, 235, 236, 237, 239, 267, 268 village Bhogipura, Agra.

H, R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN Park, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. A-9|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No.

No. 3[243 situated at Shyam Nagar Aligarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Aligarh under registration No. 9979 date 20-12-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
hallow that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than affteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Subodh Kumar Gupta Slo Shri Yad Ram Gupta, Rlo Lakh Ram Nagar, Aligarh,

(Transferor

(2) Shri Subhender Kumar Pathak Slo Pt. Ziladhar Pathak, Rlo Shyam Nagar, Aligarh.

Transferee)

(3) Shri Subhender Kumar Pathak So Pt. Ziladhar Pathak. Ro Shyam Nagar, Aligarh.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Subhender Kumar Pathak
Slo Pt. Ziladhar Pathak,
Rlo Shyam Nagar, Aligarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House situated at 3|243 Aligarh.

H. **R**. **D**A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to following persons namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106]282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. A-15|85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
situated at Sunhar Balak Killa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at

Officer at

Aligarh under registration No. 9981 date 20-12-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Abdul Rahman Slo Abdul Gani Saraya Miya, Aligarh

(Transferor)

(2) Smt. Akhtarl Begam, Akhter Jha, Wo Mohmd Juber, Rio Mohalla Vallya Killa, Aligarh.

(ansferce)

(3) Smt. Akhtari Begam, -Akhter Jha, Wo Mohmd Juber. Ro Mohalla Vallya Killa, Aligarh.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Akhtari Begam, Akhter Jha, Wlo Mohmd Juber, Rlo Mohalla Vallya Killa, Aligarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Vallaya Killa, Aligarh.

H, R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN Park, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

Ref. No. A-23|85-86.—Whereas, I.

Ref. No. A-23/63-60.—whereas, in H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. situated at Susni Diwan Hathras (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

Hathras under registration No. 5060 date 19-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Har Dutt Slo Shri Shyam Sundtr (Paliwal), Rlo Sasni Dwar Sark Chaker Kasba, Hathras.

(Transferor F (Transferor)

(2) Shri Cheranji Lal Slo Shri Bhoirai, Radhy Shyam, Slo Shri Cheranji I al, Rio Village—Dhuli Pargana, Teh, Dstt.—Hathras. Post-Khas.

(Transferee)

(3) Shri Cheranji Lal Slo Shri Bhojraj, Radhy Shyam, Slo Shri Cheranji Lal, Rlo Village—Dhuli Pargana, Teh. Dstt.—Hathras, Post-Khas.

(Person(s) in occupation of the propert.

(4) Shri Cheranji Lal Slo Shri Bhoiraj. Radhy Shyam. So Shri Cheranji Lal, Ro Village-Dhuli Pargana, Teh. Dstt.-Hathras. Post-Khas.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property; may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House situated at Gali Chaman Sasni Dwar, Hathras,

Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Rane Kanpur

Date: 6-8-1985

(4) ---do---

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

No. M-35|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

12/26 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ohaziabad under registration No. 38493 date 11-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Ran Veer Singh so Pooran Singh, Jahangirabad, Bulandshahr.

(Transferor)

(2) Shri C. A. K. Singh slo C. W. Singh, Parusia Chhindvara (M.P.),

(Transferee)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property;

Objection if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

56-246GI 85

THE SCHEDULE

House No. 12 26 (338 sq. yards) at Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-85.

Scal:

FORM I.T.N.S. 187----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106|282, KANCHAN BHAWAN,
GANDIT NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

No. M-153|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immoveble proper / having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/na bearing No.

B situated at Sect. 12 THA-

(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 7338 dated 17-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen ar cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

recsons, namely: --

(1) M|s Mahamaya Gen. P. Co. Ltd. 4|4 Asaf Ali Road, Delhi through Balwant Singh Chaudhry.

(Transferor)

(2) M/s. Israri Const. Co. third G 21 Lajpat Nagar, New Delhi through Arun Israni.

(Transferee)

(3) -do-

(Person(s) in occupation of the property) (4) ---do--

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 Block B Sect. 12 T.H.A. Residential Colony Ram Pratha Maharaj Pur Dadri,

> H. R. DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Dire . 6-8-85. Seal:

FORM I.T.N.S. 187--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106(282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-162[85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

13|37 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 39081 date 18-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpa Devi wo Sudarshan Lal Gupta, E-5|34 Kiishna Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Vimal Gupta woo Hari Shankar Gupta Nehru Wagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) -do-

(Person(s) in occupation of the property)

(4) ---do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

House No. R-13/27 Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kaupur

Date: 6-8-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-165|85-86.-Wireras, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. G-27 situated at Patel Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 39426 date 21-12 8-2 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Narendia Kumar, 59-D Packet Number Mayur Vihar, Delhi-91.

(Transferor)

(2) Shri Kulash Chand Gupta, so Jai Prakash Gupta C-32, Modal Town Ghaziabad.

(Transferec)

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. G-27 Patel Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely—

Date: 6-8-85.

Seál :

FORM I.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-167|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 169, 170, 171 situated at Mohalla Pukhra Mori (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registeration No. 38470 date 11-12-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisitive of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jagdish Saran Das S|o Sri Saran Das 167-Mirza Jan Delhi Gate-Ghaziabad.

(Transferor)

(2) (1) Chandra Sen S|o Jahangeri Mal

90-Sarai Nazar Ali Ghaziabad. (2) Ajudhya Prasad—Fatak Waligali Ghaziabad.

(3) Prem Kumar—Rogan Giran Dellii Gali Ghaziz bad.

(Transferce)

(3) --do---

(Person in occupation of the property)

(4) -- do--

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 169, 170, 171 along with House No. 168 Mohalfa Pukhta Mori Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-85.

FORM J.T.N.S. 187---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-198|85-86.—Whereas, I, H, R, DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 288 situated at Vill, Sandhawali Distt, Muzaffarnagar

288 situated at Vill, Sandhawali Distt, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar under registration No. 13025 dated 20-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Mus.'ab Hussain & Ikrar Husain s|o Shri Afgal Hussain, Vill. Sandhewli, Teh. & Dist. Muzaifarnagar. (Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Wahid s|o Shri Sultan, Mohd. Hanif & others Vill. Sujudu Tar & Teh. Muzaflarnagar.

(3) —do—

(4) - do
(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculturt Land No. 288[351 at Vill. Sandhwal, Teh and Distt. Muzaffarnagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 166[282, KANCHAN BHAWAN GANDIN NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

M-200185-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. situated at

(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anup Shaar under registration No. 6957 dated 15-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shri Hem Singh slo Diwan Singh & oth rs, Vill. Sekhrur Raro, Par & Teh. Anupschar Distt. Bulandshahr.
- (2) Shri Ram Chand so Gangadas & (Transferor) Sint. Prakashi woo Shri Ram Chand Vill, Raecspur, Par. & Teh. & Distl. (ibaziabad. (Transferee)
- (3) -- do(Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture I and.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-204|85-86.— Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.—situated at Shiv Puti (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bulandshahr under registration No. 9350 da. 2 21-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration to be such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (11) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

rrow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing pursues, namely ?—

(1) Shri Parmatma Saran Bhatnagar, Shiv Puri, Lulandshahr.

(4) —do—

(Transferor)

(2) Shri Raj 1 ir Singh, Vill. Amrauli, Anushahr, Bulandshanr.

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House situated at Shiv Puri, Bulandshahr.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange, Kanpur

Date: 6-8-1985

Soal:

(Transferor)

(Transferce)

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, 106/22. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur 708 012, the 6th August 1985

M-210|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000, and bearing 502, 531, 174 situated at Loni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at Dadri under registration No. 6974 date 3-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblest of of transfer with the object of :-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) SIONER OF INCOME-TAX,

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

6|30 Sect 2 Rajendra Nagar, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(1) Shri Nanua and Data Ram Slo, Kheem Chand

(2) (1) Narain Singh,

(3) —do—

(4) —do—

Vill. Khada Loni, Ghazlabad.

(2) Ramesh Chand Chandhy

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any socome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Khasara No. 502, 531, 174 Total 4111 S 3 × 2 Khoda Loni, Ghazlabad.

THE SCHEDULE

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 57-246GI/85

Date: 6-8-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDIII NAGAR OPP. LANIN FARK, KANPUR-208 012

Kanpur 208 012, the 6th August 1985

Ref. No. NHN|4|84-85.—Whereas, I, M-214|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

- situated at Murari Nagar, Khurja

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja under registration No. 6509 date 7-12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons camely:—

(1) Shri Ashok Kumar s o Shri Janardan Murari Nagar, Khurja, Distt. Bulandshahr. (Transferor)

(2) Shri Nanak Chand Sharma s o Shri Ganga Prasad Vill. Muradpur, Teh. Anoopsahar. Distt. Bulandshahr.

(3) --do--

(4) —do—

Ferson(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degred in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Murari Nagar, Khurja Distt, Bulandshahr.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Kanpur

Date: 6-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/262, KANCHAN BHAWAN GANDHI NACAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985
M-222|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,
reing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
26 situated at Kalyani

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transiented and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registoring Officer at Meerut under registration No. 18737 date 19-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Avtar Singh Puri, 46|13, Kalyani Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Rajeev Puri, 285-B-1-Line, Meerut Cantt.

(Transferce)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House No. 33 New No. 26 Kalyani Civil Lines, Meerut,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Nirmala Devi wo Om Prakash Arora Begum Bagh, Mcerut.

(2) Pt. Khushi Ram Sharma, Shivaji, Meerut. (Transferor)

Snivaji, Mcerut.

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106;282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN 1'ARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

M-232|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 25 situated at Munshi Puram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the existration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 18599 date 15-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25 Murari Puram, Moorut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. D. Nagar, 124, Thapar Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Shimla Devi wo Mundari Lal, Abu Lane, Meerut Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Bombay, the 31st July 1985

No. M-224 85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 140|1 situated at Patel Nagar

Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registraction Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration

No. 17842 date 4-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. 140 | 1 Gali No. 2 & three North Patel Nagar, Meerut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-85

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SUCTIONS 269 DATE OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

anpur-108012, the 6th August 1985

No. M-225 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 140|1 situated at Patel Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registraction Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 17843 date 4-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

THE SCHEDULE

- '(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. D. Nagar, 124 Thapar Nagar Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal So Ram Das Abu Lane Mecrut Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

House No. 140|1, Gali No. 2 & Three Patel Nagar North, Meerut.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanput

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Arsons, namely :-

Date . 6-8-85 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

anpur-108012, the 6th August 1985

No. M-380|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No. 28167 situated at Park Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun

under registration No. 9343 dated 4-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Murli Devi woo Kishan Chand 28|67-A, Park Road, Dehradun.

(Transferor)

32257

(2) Shri Aya Ram s|o Balchand, 67|118, Park, Road, Dehradun.

(Transferee)

- (3) Shri Aya Ram so Bal Chand, 67,118 Park Road, Dehradun. (Person in occupation of the property)
- (4) Aya Ram s[o Bal Chand.
 67|118 Park Road, Dehradun.
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 28|67A Park Road, Dehradun.

H. R. DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 6th August 1985

No. M-381|85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

No. 90 1 situated at Friends Colony

Dehradun

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registraction Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun under registration No. 9624 date 13-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) Shri B. S. Chaddha, 90 1, Friends Colony, Ballarpur, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Singh Jassal, 1 221, Chukkhuwala, Dehradun.

(Transferce)

(3) Shri Gajendra Singh Jassal, 1|221, Chukkhuwala, Debradun.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Gajendra Singh Jassal, 1|221, Chukkhuwala, Dehradun.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 90 1, Friends Colony, Ballu Pur, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th August 1985

No. M-385|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No. 12/1 situated at Rajendra Nagar

Dehradun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registraction Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9829 date 19-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 58-246GI/85

(1) Shri Mandar Das Gupta, 121, Rajendra Nagar, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Jain So Murari Lal Jain, Papal Mandi, Dehradun.

(Transferce)

(3) Shri Sushil Kumar Jain Slo Murari Lal Jain, Pipal Mandi, Dehradun.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Sushil Kumar Jain

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 1 Rajendra Nagar, Kalagarh, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

No. M-519 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the knome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 8A, situated at Uggar Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Dehradun under registration No. 9670 date 11-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Kusum Chopra woo Shri Vijay Krishna Chopra, 8, Uggar Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prem Prakash Khanna so Late Dr. M. L. Khanna; 2. Smt. Prabha Khanna wo Sri Prem Pra-kash Khanna; 14, Arvind Marg, Dehradun.

(Transferee)

(3) 1. Shri Prem Prakash Khanna s|o Late Dr. M. L. Khanna;
2. Smt. Prabha Khanna w|o 14, Arvind Marg, Dehradun. (Person in occupation of the property)
(4) 1. Shri Prem Prakash Khanna s|o Late Dr. M. L. Khanna;
2. Smt. Prabha Khanna w|o 14, Arvind Marg, Dehradun. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-A. Uggar Road, Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the section (1) of Section 26 with the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-520|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 14|3 situated at Village Ismailpur Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. 11885 date 19-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shree Krishnapal So Shri Atma Ram, Village Lmailpur, Teh. & Distt. Saharanpur, (Transferor)

(2) Sh. Hari Ram So Shri Karam Chand, Ro Model Town Yamuna Nagar, Distt. Ambala (Hariyana).

(3) Do

(4) (Person(s) in occupation of the property)
Do
(Persons whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 14]3 at Vill. Ismailpur Teh. & Distt. Saharanpur,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-521|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

No. 17 situated at Nehru Road, Meerut

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 18219 date 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (I the said Act, to the following persons, namely:

(1) Bhopal Singh S|o Late Shri Man Singh, Nehru Road, Mcerut.

(Transferor)

(2) Chawdhary Ranvir Singh So Shri Sangram Singh, Village Khanpur, Teh. & Distt. Mccrut. (Transferee)

(3) Do

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Do

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17 Nehru Road, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

(4)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-522|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 3085 situated at Vill. Khekra
(and more fully described in the schedule below) (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bagpat under registration No. 7450 date 7-12-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhopal Dharmpal & Others. Ro Ka ba Khekra, Palli Mudala, Res. & Tch. Bagput, Distt. Mecrut.

(Transferor)

(2) Ram Swarcop S|o Chhajio, R|o Khekra, Palli Mudala, Res. & Teh. Bagpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property) Do

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at Village Khekra. Resl. & Teh. Bagpat Distt. Meerut.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

MAN INC. MANUAL PROPERTY.

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106[282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-523|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Component Authority under Section 263B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the annovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]- and bearing No. 142 situated at Purwa Wali Road, Railway Road,

Ganeshpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Roorkee under registration No. 6798 date 31-12-84, for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property at avoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe, sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jaideo Sharma Sjo I ate Shri Mangat Rai Sharma, 142, Purwa Wali Ganeshjur Te.i. Rootkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)-

- (2) Suresh Kumar Jain Soo Sri Raja Ram Jain, Village Nahtore, Distt. Bijnore, Manager Hindustan Commercial Bank Nahtore. (Transferce)
- (3)

(Person(s) in occupation of the property)
Do

(4)

(Fersons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olivial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 142, Purwawali, Railway Road, Ganeshpur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106[282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I.ANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-524 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. No. 28 situated at Vill. Kamalpur, Distt. Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. 28 situated at Vill. Kamalpur, Distt. Mccrut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 18758 date 19-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Jafar Khan, Nazir Ahmad & Others, Vill. Kamalpur, Teh. & Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Rajvaas Bihari Sehkari Avas Samiti Ltd. Meerut, Through Shri Rajendra Prasad Rajvansi, Presidennt.

(Transferce)

(3) Do (Person(s) in occupation of the property)
(4) Do

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 28 at Vill. Kamalpur Teh. & Distt. Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-525[85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and b aring

No. 325 1, situated at Haripur Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1903 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ha dwar under regist ation No. 2695 date 11-12-1984, represent consideration which is less than the fair

mark t value of the aforesaid property and I have reason to the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the ranster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any arranges or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I pereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Siree Sanatan Dharam Pratinidhi Sabha (Punjab), Pahadganj, New Delhi, Through Dr. Goswami Girdharilal, General Secretary.

(Transferor)

- (2) Upper Ganges Sugar & Industries Ltd., Seohara Distt. Bijnore through Sri Mohan Lal Khadelio S|o Late Sri Prahalad Rai Khadelio. (Transferee)
- (3) Do (Person(s) in occupation of the property)
- (4)Do (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land 325 1 situated at Haripur Kalan, Pargana-Jawalapur Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Rcf. No. M-526|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereknafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 29 situated at Rajpur Road, Dehradum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Delhi under registration No. 1155 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—
59—246GI/85

(1) M/s. Doon Udyog (P) Ltd., 59, Gandhi Road, Dehradun (U.P.).

(Transferor)

- (2) Narendra Welfare Trust, 59, Gandhi Road, Dehradun (U.P.). (Transferee)
- (3) Do— (Persons in occupation of the property).
- (4) —Do—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 29, Rajpur Road, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-527|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing '1/9th share of Kothi No. 23-D No. 2|2294 situated at T.R.O. Compound, Hakikat Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Saharanpur under registration No. 11440 on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section (1) of Section 269B of the said Act, to the following

- (1) Smt. Parwati Devi wo Shri Shambhudayal Gupta, T.R.O. Compound, Court Road, Hakikat Nagar, District Saharanpur.
- (Transferor)
 (2) Rajendra Kumar Gupta, S|o Sri S. D. Gupta,
 R|o T.R.O. Compound, Saharanpur,
 Branch Manager, Union Bank of India,
 District Jaunpur (U.P.).
 (Transferec)
- (Persons in occupation of the property).
- (4) —Do—

 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2|2264 at T.R.O. Compound, Hakikat Nagar, District Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106[282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-528|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 466 situated at 466 Durga Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Meerut under registration No. 18122 on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Chaudhari Renveer Singh, Slo Sri Sangram Singh, Rlo Khanpur, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Slo Ratan Chand Gupta, Rlo Durganagar, Kailashpuri, Meerut.

(Transferee)

- (Persons in occupation of the property).
- (4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 466 situated at Durganagar, Kailashpuri, Meerut,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-529|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 12 situated at Kala Garh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch at Dehradun under registration No. 9365 on 5-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Dharmanand Bhatt,
 So N. Dass and others,
 D. N. Park, Balloopur Road,
 Dehradun.

(Transferor)

 Shri Nathi Singh Rana, So Bata Singh Rana and Others.
 Vijai Colony, R. N. T. Marg, Dehradun.

(Transferec)

be interested in the property).

(3) -Do(Persons in occupation of the property).

-Do(Persons whom the undersigned knows to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No. 12, Kala Garh, Central Dairy, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-530/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 916 situated at Village Hasanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Mawane under registration No. 7162 on 5-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1)

∃Transferor)

- (2) Tikan Singh So Shri Khushal Singh, Village Hasanpur Kala, Par. Kithore, Teh. Mawane, District Meerut.
- (Transferce) 13) ·-Do-
- (Persons in occupation of the property). -Do--(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 916 at Village Hasanpur Kale, Par. Kithore, Teh. Mawane, District Mccrut.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8 8-1985

seal:

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGF, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-531 85-86,--Whereas, I, H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. 160, situated at Village Sarak Ghashi No. 160, situated at Village Saray Ghashi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikandarabad under registration No. 3201 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Malho Wo Late Shri Khachedu. Village Ibrahimpur, Par. & Teh. Sikandarabad, District Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Tejpal Singh Sio Shri Girwar Singh, Village Vahleenpur, Par. & Teh. Dadri, District Ghaziabad.

(Transferee)

(3) ———Do—
(Persons in occupation of the property).

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 160 at Vill. Sarai Ghasi, Par-Sikandarabad, District Meerut.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: B-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDIII NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-532|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000| and bearing

No. 66 situated at Village Yusufpur

(and more fully described in the schedule approach here(a))

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Saharanpur under registration No. 11327 on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideraion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rivindra Nath Malik & others, So Sri Sahib Duttanal, Rjo Hakikat Nagar, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kesho Ram & others So Sri Mitarsen, Village Joshiwada, Kaska Deoband, District Saharanpur.

(Transferee) (Transferee)

13) --Do--

(Persons in occupation of the property).

-Do-(4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture No. 66 at Village Yusufpur, Par., Tehsil & District Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-8-1985

(1) Smt. Deveshri Wo Hari Ram, Mashi Bada,

(Transferor)

 Shri Sachan Singh So Saudra Singh, Uttar Kashi.

(Transferce)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property).

(4) --- Do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th August 1985

Ref. No. M-533|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Nil situated at —Ioshivada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Uttar Kashi under registration No. 1041 on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1997 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

A Home situated at Joshi Bada.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting A:stt. Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-8-1985

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Rcf. No. K-56|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 117|H2|1 situated at Pandu Nagar Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur No. 2351 date 20-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandio.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957/ (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60-246GI/85

(1) Shri Raj Kumar Nigam Advocate, 117|H2|1 Pandu Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Susheel Chandra Nigam, Smt. Madhu Nigam, 111|72 Ashok Nagar, Kanpur.

 (Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117 H2 | J Pandu Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th August 1985

Ref. No. K-64|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

109 14B, situated at Nehru Nagar

Kanpur

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Kanpur, under Registration No. 2501 date 21-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jagbati Devi wo Deo Sharan, 117 N-Block 89, Kakadeo Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Satya Deo Pandey, Smt. Sita Devi Pandey, 109/14B, Nehru Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) -Do- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) --Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 109/14B. Nehru Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kampler

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 12th August 1985

Ref. No. K-65|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0000|- and bearing No. 5 32 RN. Scheme-II, Ratan Lal Nagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Kanpur

No. 23129 date 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer. instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

(1) Sardar Man Singh slo Sardar Ratan Singh & others. R|o 108|91, P. Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Talraja & Pratap Chand Talreja, sļo Shri Jangal Das Talreja, 111|352 Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferce)

(3) ---Do--

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

H. No. 538 R. N. Scheme No. 2 Ratan Lal Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-66|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority undar section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

90|93, situated at Iffikbarabad Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur, under Registration No. 20288 date 4-12-84 No. 20288 date 4-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Hushnbano widow o Uwdullah Khan Urf Nanhe & others, R o 91 141, Dalelpurwa, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash & Ramesh Kumar slo Hansraj Rlo 126|4 Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) —Do—
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 90|93 Iftikharabad, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-72|85-86.—Whereas, J. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 19 161-B situated at Patkapur, Kanpur

Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at under registration No. 20913 date 15-12-1984 for an apparent consideration which is less th

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Ramjanki w|o Shri Satya Narain Gupta, 29|31 Beldari Mahal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari Gupta woo Shri Brij Mohan Gupta, Ro 19/161B Patkapur, Kanpur.

(Transferee)

(3) --Do--

(Person(s) in occupation of the property)

(4) --Do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 19/161B, Patkapur, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th August 1985

Ref. No. 95|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.
Plot situated at Dharma Enclabe
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

No. 22152 date 11-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Kabira Sahkari Avas Samiti Ltd. Agra. M-6 Road, Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Som Nath Batra, Hari Kishan Batra s|o Shri Ram Narain Batra, 1928|13 Arban Estate, Karnal & Ram Kumar Puri s|o Late Parmanand Puri R|o Ashok Bhawan Sadar Bhotti, Agra.
 (Transferee)
- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Dharma Enclave, M-6, Road, Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-85

<u>"Company and Equations</u>", "Grand States" and Grant Company (1992). The states are produced by the company of t

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. 103]85-86.-Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

127/792 W-I situated at Saket Nagar, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kanpur No. 2398 date 19-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Smt. Maya Dixit woo O. P. Dixit, Through Mukhtar Sh. Vipin Kumar Singh, 127/792, W-1 Saket Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Subha Sachan woo Shri Vipin Kumar Singh, 127|792 W-1, Saket Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127|792 W-1, Juhi Kala, Saket Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-8-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-104/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-ux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 127 1017 W-1 situated at Saket Nagar, Kanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2376 date 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Lal 38/10, Block No. 4, Govind Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal sjo Shri Ganji Lal, 43|73 Chowk, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 127]1017-W-1, Saket Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. 108|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 124|E|63 situated at Govind Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule onnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur

No. 2022 date 15-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in waspect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—61—246GI/85

 Shri Awadh Behari Lal s|o Late Shri Vishewar Dayal, R|o 938-D, Northern Railway Colony, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Devi w|o Shri Shiv Shanker Lal Verma, 124|63E, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) --- Do---

(Person(s) in occupation of the property)

(4) — Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 124|E|63, Govind Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-8-1985

Scal

(1) Smt. Annapurna Devi.

(Transferor)

[PART III—SEC: 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ashok Kumar Agarwal 2. Shri Hari Om Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIŠITION RANGE, 57, RAM FIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. A-175 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

A double storeyed house situated at Mohalla-Douilal, Pilibhit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Pilibhit on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated at Mohalla-Dorilal, Pilibhit, registered by the Registering Authority, Pilibhit, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

Seal 1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. L. R. No. A-176 Acq.—Whereas I, Mrs. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land situated at Rampura, Tehsil Sitarganj, Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Sitargani on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the recent consideration that the fair market value of the property as aforesaid the recent consideration that the fair market value of the property as aforesaid the recent consideration that the fair market value of the property as aforesaid the recent consideration that the fair market value of the property as aforesaid the recent consideration that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as a haid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Gauri Shanker Through Attorney, Shri Brij Mohan,

(2) Aditya Borex Pvt. Ltd., Sitarganj, Naluital.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Bigha 9 Biswa situated at Rampura. Tehsil-Sitarganj, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 1674) registered by the Registering Authority, Sitargani. Distt Nainital, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

Seel:

(1) Shri Hazra Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Amrik Singh 2. Shri Gurmeet Singh 3. Shri Puran Singh.

ingh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. A-177 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Hadhmana, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Bareilly on December, 1984

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Bigha 11 Biswa 10 Biswausi situated at Hadhmana, Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly on December, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-8-1985

 Sardar Pabinder Singh Alias Bhupender Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babulal Mahalka.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. B-131 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. House No. 116 1 situated at New Mahal Bazar, Mughalsarai, Dist. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

House No. 116|1 situated at New Mahal Bazar, Mughalsarai, Dist. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer|Registrat|Sub-Registrar at Ramnagar, Dist. Varanasi on December, 1984 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 116|1 including land situated at New Mahal Bazar, Mughalsarai, Distt. Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 1523) registered by the Registering Authority Ramnagar, Distt. Varanasi on December, 1984.

MRS. U. K. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-8-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

> ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MAŔŌ. LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. D-53 Acq.--Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL. being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No.

Land situated at Mauza-Azizpur Asadpur, Tehsil-Sambhal, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Sambhal, Dist. Moradabad on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **end/**/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

flow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shashi Kumar.

(Transferor)

- (2) Devika Cold Storage & General Mills Pvt. Ltd., Azizour Asadpur. Sambhal, Moradabad Through Director, Shri Virendra Kumar Arya. (Transferee)
- (3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-13 decimals situated at Mauza-Azizpur Asadpur, Tehsil-Sambhal, Distt. Moradabad, registered by the Registering Authority, Sambhal, Distt. Moradabad, on 17-12-1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-8-1985

(1) Shrì Bachan Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shrl Digvijai Slngh2. Shri Bishwambhar Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM FIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. D-59|Acq.--Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land situated at Jairampur, Tehsil Sidhauli, Distt. Sitaour (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer|Registral|Sub-Registral at Sitaour on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Bigha 16 Biswa situated at Jairampur, Tehsil-Sidhauli, Distt. Sitapur (as mentioned in 37G Form No. 1526) registered by the Registering Authority, Sitapur, on December, 1984.

MRS. U. KANJU.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date : 12-8-1985 Scal :

(1) Smt. Pushpa Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shri Dildar Hussain 2. Shri Abdul Gaffar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM FIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. D-60 Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

House situated at Bhoipur. Dhampur, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Moradabad on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Bhojpur, Dhampur, Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on December, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-8-1985 Seal :

Scal

(1) Shri Raj Bux Singh Through Attorney, Shri Mohd, Tarig.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (2) Sachiv, Gomati Adarsh Sahkari Ayas Samıti Ltd., Lucknow.

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. J. R. No. G-80 Acq.—Whereas, J,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable in the income tax is a second to be a property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Land situated at Mohibullapur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

- 1908) in the Office of the Registerine Officer Registran Sub-Registrar at Lucknow on December. 1984

 For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one bigha signated at Mohibullapur, Lucknow (as per 37G Form No. 10391) registered by the Registering Authority, Lucknow, on December, 1984,

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:— 62-246GI|85

Date : 12-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Shri Raj Bux Singh Through Attorney, Shri Mohd. Tariq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sachiv, Gomati Adarsh Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

ucknow. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 12th August 1985

AMORROW, He 12th /higher 1905

G. I. R. No. G-81 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land situated at Mohibull pur, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha 10 Biswa situated at Mohibullanur, I ucknow (as per 37G Form No. 10392) registered by the Registering Authority, Lucknow, on December, 1984.

MRS. IJ. KANIII.AL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income take
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. 1-24|Acq.—Whereas. I. MRS. U. KANJILAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Arazi situated at 35|A|4-II B, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Bareilly on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, variety :--

- (1) 1. Smt. Kamlesh Mathur.
 - Km. Mala Mathur Km. Mani Mathur.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Iqbal Singh, Yomar 2. Smt. (Dr.) Usha Tomar.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi, covered area 370 sq. yards situated at 35|A|4-II B, Rampur Bagh, Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquaition Range, Lucknow

Date ; 12-8-1985

(1) Smt. Manni Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Kumar Johri.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. K-156[Acq.—Whereas, 1, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No.

One house situated at Bhood, Bareilly situated at Vill. Bar Majra Teh. Kharar, (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Bareilly on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 298 sq. yards situated at Bhood, Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) Shri Pratap Narain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kailash Nath 2. Shri Mahesh Chandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G. I. R. No. K-157 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House situated at Sabii Mandi, Militapur (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Mirzapur on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of anster with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; وألمة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Sabii Mandi. Mirzapur (as mentioned in 37G Form No. 5537), registered by the Registering Authority, Mirzapur on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. K-158 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00]- and

bearing No. House No. 11A VF|2122|32 situated at

Motilal Nehru Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1,08 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad

on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties har not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of one.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(1) Km. Lavlina Gupta through Smt. Prem Kumari Gupta.

(Transferor)

- (2) Kamjor Varg Evam Karmachari Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., New Mumfordganj, Allahabad. (Transferee)
- (3) Seller

Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 11A VF|2122|32 including land situated at Motilal Nehru Road, Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 7349) registered by the Registering Authority, Allahabad, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAĽ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 12-8-1985.

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Thakurdas 2. Narendra Kumar

Narendra Kumar
 Mahendra Kumar
 Harish Kumar

(Transferor)

(2) Sh. Kishan Lal.

(Transferee)

(\$) Seller,

(Person is occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. K-159 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot situated at

Majhola, Linepar, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Moradabad on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Plot measuring 434.68 sq. mtrs, situated at Majhola, Linepar, Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on December 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985.

Scal;

LUKAL LINS ...

(1) Sh. Raja Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1, Shri Laxman Das 2. Shri Krishna Murari,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person is occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. L-49|Acq.—Wheras, 1,

MRS, U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000 - and

bearing No. House situated at

Brahampura, Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly

on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House measuring 540 sq. yards situated at Brahampura. Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly, on December, 1984.

> MRS. U. KANIILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-8-1985.

(1) Sh. Amar Nath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sh. Mohd. Yamin. 2. Smt. Jarina Khatoon,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Sh. Mohd, Ashraf-Tenant. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

Lucknow, the 12th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. G.I.R. No. M-224 Acq.-Wheeras, 1, MRS. U. KANJILAI.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. House No. 5 situated at Mohhalla-Asalatpura, Moradabad

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter M.XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad

in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 5, situated at Mohalla-Asalatpura, Moradabad, registered by the Registering Authority. Moradabad, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely >--63-246GI|85

Date: 12 8-1985

(1) Sh. Nathulal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sh. Narain Das 2. Sh. Balak Ram 3. Sh. Tejjal Singh 4. Sh. Bhupram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. N-96 Acq.—Wheeras, I, MRS. U. KANJILAL

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and

bearing No. Land situated at Village-Ramiyapur alias Ramipur, Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Bigba 2 Biswa 15 Biswansi nituated at Village-Ramiyapur alias, Ramipupr, Pargana, Tehsil and District-Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly, on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Inchnow.

Date: 12-8-1985

Scal ?

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISTION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

Ref. No. G.I.F. No. P-138 Acq.-Wheeras, 1,

MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000; and bearing No.

Pacca Building

situated at No. D-38/7, House Katora, P.S. Dasaswamedh, Voranasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registaring Officer at Varanasi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ध्वर्ष/ञ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Amiya Kumar Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Paras Nath 2. Sh. Amar Nath

(Transferee)

(3) Sh. Mithailal & Others (partly occupied). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxsires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca building measuring about 3 cothas, premises No. D-38|7, House Katora, P.S. Dasaswamedh, Varanasi, registered by the Registering Authority, Varanasi on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Atar Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Kishan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Lucknow, the 12th August 1985

G.1.R. No. R-250/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act. have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beaning No.

Land Khatauni No. 3, Khasra No. 43 situated at Padarathpur, Tehsil Sambhal, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on December, 1984

Moradabad on December, 1984 for an apparent confidention which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fairen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly clated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilizating the reduction of evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land Khatauni No. 3, Khasra No. 43 measuring 7 acres 58 decimals situated at Padaratpur, Tehsil Sambhal, Distt. Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the saaid Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-8-1985

(1) Shri Panchamgiri Chela, Shri Jairamgiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shrm Sahai Garg. Shri Satyapal Garg.
 Shri Chandi Pd. Garg.
 Shri Vinod Kumar Garg. 5. Smt. Sushila.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No R-251/Acq.—Whereas, I,

MRS, U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

Rs. 1,00,000 and bearing No. Land situated at Village Kundri Aaitmali, Tehsil & Distt. Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at
Bareilly on December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Land measuring 40 bigha 15 Biswa situated at Village Kundri Aaitmali, Tehsil & Distt. Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-8-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ..-

(1) Shri Shyam Lel Yadav.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shivaji Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Through its Secretary, Shrì R. S. Pandey.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. S-375/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1,00,000 and bearing No.
Land situated at Bijaipur, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bergin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Westin-ter Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 10 Biswa situated at Lucknow, registered by the Registering Authority, Lucknow on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Art to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) 1. Shri Pratipal Singh. 2. Smt. Kulwant Kaur.

(Transferor)

32305

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Udham Singh. 2. Smt. Bachan Kaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57. RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. U-42/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land situated at Hadhmana, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 o' 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bareilly on December, 1984

PART III- SEC. 11

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 341, 1957 (27 of 1957);

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subn (1) of Section 269D of the said Act, to the following us, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the first Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Bigha 1 Biswa 10 Biswansi situated at Hadhmana, Bareilly, registered by the Registering Authority, Bareilly on December, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Luckn w

Date: 12-8-1985

FORM ITNS—

(1) 1. Jagannath Ramnarayan Mrityunjay Singh 2. Alakh Narain Venkatesh Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.J.R. No. U-43/Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immeriable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No.
Building Premises No. B-12/112, Ft.
B.12/112 G situated at Gaurigani, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on December. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration apparents. consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building bearing Premises No. B.12/112 F and B.12/112 G, along with open passage land towards south and open galiara towards East, measuring 3655 sq. ft. situated at Gaurigani, Varanasi registered by the Registering Authority Varanasi on December, 1984.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C or the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the mone of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) Shri Hazra Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th August 1985

G.I.R. No. G-821Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land situated at Kalyanpur, Tehsil Kashipur, Distt. Nainital (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kashipur on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957); (2) 1. Shri Gurdeo Singh.2. Shri Kulvendra Singh.3. Shri Amrik Singh.

(Transferce)

(3) Vendee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 acres situated at Kalyanpur, Tehsil Kasbipur, Distt. Nainital, registered by the Registering Authority, Kashipur on December, 1984.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, particly the said Act, to the following 64—246GI|85

Date: 12-8-1985

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Rati Misra 2. Shikha Misra

 Shikha Misra
 Vasudha Misra All are Minors, Through their father, Shri V. N. Misra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57- RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

G.I.R. No. 87|37EE|Acq.--Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immavable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Office No. 24(B and (C) situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

(b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 24(b) and (C) on the 5th, 6th and 7th floor, mensuring 192 q, ft, in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibul'ah Compound, Lucknow. The agreemeent has been registered by the Compelent Authority, Lucknow, under Sl. No. 102 dated 9-1-1985.

MRS. U KANJII AI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 260D of the said Act to the following persons namely:

Date: 8-8-1985

FORM ITN9-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57- RAM TIRTH MARG,, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

Ref. No. G.I.A. No. 88|37EE|Acq.---Whereas, 1, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office Nos. 14 and 15 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sugreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1985,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) 1. Rati Misra

 Shikha Misra
 Vasudha Misra All are Minors, Through their father, Shri V. N. Misra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 14 and 15 on the Vth floor measuring 550 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 103, dated 9-1-1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-8-1985

(1) M[s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

32310

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrì Virendra Nath Misra (HUF) Through Karta, Shri V. N. Misra.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57- RAM TIRTH MARG,, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

G.I.R. No. 89|37EE|Acq.-Whereas, l, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office Nos. 1 and 24(a) situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the agreement property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a stored. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 1 and 24(a) on the IVth floor measuring 485 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Si. No. 104, dated 9-1-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. N. Misra (HUF)
Through the Karta, Shri V. N. Misra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57- RAM TIRTH MARG,, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

G.I.R. No. 90|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office Nos. 24(b) and (c) situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow,

situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under action 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1985,

tor an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or eviceh ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos 24(b) and (c) on the 3rd and 4th floor measuring 128 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 105, dated 9-1-1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal :

FORM ITNS--

(1) M|s. Halwasiya Propertics (P) Ltd., Halwasiya Coun, Hazrangani, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQNISITION RANGE 57- RAM TIRTH MARG,, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

G.I.R. No. 91|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Office No. 13 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1935, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Master Prancet Gang, Clo, Shri Ravi Garg, Father and Natural Guardian.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 13 on the VIth floor measuring 275 sq. ft. in the Coommerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 106, dated 9-1-1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-8-1985

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Hashuma! Narain Das,
2. Shri Shyam Luf,
3 Shri Bhagwan Das.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATII MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1985

G.I.R. No. 92|37FE|Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Office No. 12

Office No. 12 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12 on the ground floor measuring 252 sq. ft. in the Commerce House, situated at 1 1, M.G. Marg, Habbullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 107, dated 9-1-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I ucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC[Acqn[37-42F]177]85-86.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat situated at Amrit apartments, Kapadia Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range, Hyd. on 10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:

 andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Amrit Apartments, 4-3-336, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. PSVN Sharma, "Dhanya" 12-2-37-8|2|1, Murari Nagar Road, Mehdipatnam, Hyderabad-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 on 2nd Floor & garage No. 15 on ground floor of Amrit Apartments. Kapadia lane. Somajiguda. Hyderabad vide Agreement to Sale registered in the Office of the LA.C., Acqn. Range, Hyderabad at S 1. No. 834|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 14-8-1985

FORM ITNS-

(1) Mis. Amrit Apartments, 4-3-336, Bank Street. Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mangala Tatachary, Wo Vek Tatachary 7-1-481, Ameerpet Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

No. IAC|Acqu|37-FE|178|85-86,---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding value

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Amirt Apattments, Somajiguda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I A.C. Acq. Range, Hyd. on 10 1084

for an apparent consideration which is less than the fair number value of the aforesaled property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on I Floor of Amrit Apartments, Somsinguda. Hyderabad vide agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acqn. Range, Hyd bad at S. No. 835|84]

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

65-246@I|85

Date: 14-4-1985

Scal:

(1) Mls. Emerald Builders, 4-1-968. Abids, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn,|37-EE|179|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mki Act') have remain to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Emerald House, S. D. Road (and more fully described in the Schedule appayed harms).

(and more fully described in the Schedule ennexed herete). has been transferred as per doed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that hte consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any shorteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(2) Mrs. T. Mistry, Wio late Sq. L. Jal M. Shah Mistry, 115, Park Lane, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 6th Floor of Emerald House, S. D. Road, Secunderabad vide agreement to sale registered in the office of the IAC, Acan. Range, Hydbad at S. No. 836[84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I havely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subscript (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, manely :--

Date : 14-8-1985

Boal :

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

Ref. No. RAC No. IAC|Acqn|37EE|180|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Cresent Towers, Musabtank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deal registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1.A.C. Range, Hyd. in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Mis. Crescent Towers, Masab Tank Hyderabad.

(Transferort

(2) S|Sri M. Fakhruddin & Yasmeen Fakruddin, Flat No. 1 D, Crescent Towers, Masab Tank. Hyd'bad,

(Transferos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1D in Cresent Towers, Masab Tank, Hyderahad vide agreement to sale registered in the office of the IAG, Acqu. Range, Hyd bad at S. No. 33984.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-8-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

32318

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37-EE|181|85-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Garage situated at Mahaveer apartments, King Koti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as ner deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acq. Range, Hyd. in 10|1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Natral Builders, 3-5-196, King Koti Read, Hyd bad.

(Transferor)

(2) Sri Durga Prasad Loyalka, So Mr. Jengal Kishore Loyalka, Kandlaroi Village Godwal Post, Medchal, Hyd'bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 19 on ground floor, Mahaveer apprehents King Koti, Hyd'bad xide agreement to sale registered in the Olothe IAC, Acqn. Range, Hyd'bad at S. No. 848/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Crescent Towers, Masab Fank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh. Harendrakumar Mazumder, 12-2-830|7. Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqu|37-EE:182|85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fuir market value exceeding

Flat situated at Croscent Yowers, Masabtank (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Range, Hyd. in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr., in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Flat No. 202 B, Crescent Towers, Masab Tank, Hyd'bad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC. Acqn. Range, Hyd'bad at S. No. 850/84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

en en la companya de la companya del companya del companya de la c

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. 1AC Acqn. 37-EL 183 85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOJIAN,

norm, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and bearing No.
Flat situated at Sony Budders, Himayatnagar, Hyd.
(and more fully described at the Schedule annexed herete),
has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of LA.C. Range, Hyd. 10-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manager with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ted or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) M|s. Sony Builders, 3-6-389, Himayat Nagar, Myderabad.

(Transferor)

(2) Miss Nafeesa Mohd. & Rausah Mohd, 22-4-474/1. Kotta Ahijha, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of motico on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, on 3rd Floor, of Sony Builders, Himayatnagar, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC, Acqu. Range, Hyderabad at S. No. \$52|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 14-8-1985

Scal:

AL AS A THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PA

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn.|37-EE|184|85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000i- and bearing No. Flat Situated at Red Hills. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair M. JEGAN MOHAN,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mis. Deepak Commercial Combines (P) Ltd. I B Old Post Office Street, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) 1. Mr. K. K. Pillai &
2. Mrs. Vijaya K. Pillai,
II. No. 203. Minar Decean Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 415, 4th floor Block B at H No. 11-4-656 1. Red Hills, Hyderabad vide Agreement to sale registered in the Olo the IAC, Acqn. Range, Hyd bad at S. No. 855/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely ;-

Date: 14-8-1985

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., Red Hills. Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Noorunnisa Begum, 4-5-98, Mahaboobabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acca|37-EE|185|85-86.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bening No.

Flat situated at Bhagyanagar Construction Co.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been to asferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 609 at H. No. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC. Acqn. Range, Hyd'bad at S. No. 856|84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydembad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date : 14-5-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M's. Bhagyanagar Construction Co., Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Svam Gunde Agarwal, Adilabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37-EE|85-86|186.-~Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act I have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000'- and bearing No. Flat situated at Red Hills Bhagyanagar Constn. Co. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 43, at H. No. 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC. Acqn. Range, Hyd/bad at 8, No. 857|84

THE SCHEDULE

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
66—246G1|85

Date: 14-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., Red Hills. Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sti S. Vijayendra Kumar. Dy. Conservator of Forests. B 3-f6, HIG (6G), Bagh Linganipally. Hyderabad.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37-EE|187|85-86—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing No.
Flat situated at Red Hills Bhagyaniga. Constn. Co.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Art in respect of any income arising from the transferand Aur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 707 on 7th Floor at II. No. 11-4-656[1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC. Acqn. Range, Hyd'bad at S. No. 858[84].

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 14-8-1985

_____ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Bhagvanagar Construction Co., Red Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. K. Bandyo Padhyay, 5-9-47[2, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabal, the 14th August 1985

RAC. No. IAC Acqn|37 EE|188|85-86,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flot situated at Red Hills, Bhagyanagar Constn. Co.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at

I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Liv Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409 at H. No. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC, Acqu. Range, Hyderabad at S. No. 859|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Bhagyanagar Construction Co., Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ramesh Kumar Lalwani, 261|3 RT, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37EE|189|85-86.—Wherens, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Bhagyanagar Construction Co. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1.A.C., Range, Hyderabad on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 416, at H. No. 11-4-656[1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 860[84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 14-8-85.

FORM ITNS---

(1) M|s. Bhagyanagar Construction Co., Red Hills, Hyderabad.

(2) Sri B. D. Prasad, 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37EE|190|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat at Bhagyanagar Construction Co.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Range, Hyderabad on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfero for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 at H. No. 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC., Acqu. Range, Hyderabad at S. No. 861|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37EE|191|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Amrit apartments, Somajiguda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Range, Hyderabad on Dec. 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Challeterry its selection or everyon of the limbers of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s Amrit Apartments 4-3-336, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Cmt. Pullapantula Kameswari, Clo P. Ramadhanyantari, 1-8-522|22, Chikkapally, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, on I floor of Amrit Apartments, Somajiguda, Hyderabad vide agreement of sale registered in the Olo the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 862|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-AA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

HŶDERΛΒΑD (A.P.) Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC|Acqn|37EE|192|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and he aring No.

Flat situated at Amrit Apartments, Somajiguda
(and more fully described in the Schedule anexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

I.A.C., Range, Hyderabad on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) rigilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-box Act, 1957 (27 of 1957))

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) M|s Amrit Apartments, 4-3-366, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mirza Asghar Ali, 6-3-611, Anandnagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 4th floor of Amrit apartments, Somajiguda, Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 863|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-85.

FORM TINS-----

(1) M/s. Prakash Builders. 5-8-611, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. A. Hupdikar, 3-4-1013|3, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. IAC Acgn. 37EE 193 85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1901 (45 of 1961) (hereinafter reforted to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat situated at Rukmini apartments, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Range, Hyd. on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 on 2nd floor, Rukmini Apartments Hyderabad vide agreement to sale registered in the Olo the IAC. Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 865 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 14-8-85.

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Adidam Lakshmikantham Wlo VRL Bhujanga Rao, T.S.N. Colony, Vizag.

(Transferor)

(2) Dr. G. Ramaiah Chetty, Nowroji Road, Visakhapatnam-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

RAC. No. 323|85-85.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Site situated at Nowroji Road, Waltair
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
1 A.C. Acq Range, Vizag on December 1984
or an apparent consideration which is less than the fair

sarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or

(n) raciditating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site total area 591 sq. yards at Waltair Ward, adjacent to Nowroji Road leading to Dasapalla Hills, Visakhapatnam registered by the SRO, Vizag vide Document No. 15213 12 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomenax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accreasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

67-246 GT 85

Date . 14-8-85.

(1) Mls. Dhanrai Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Chandulal H. Mehta.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4985|84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

No. Ind. Unit No. 23, Dhanraj Indl. Estate

situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been ex-which study to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 23, Ground floor, Dhanraj Industrial Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4975|84-85 on 15-12-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxa Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985

Scal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1985

Rcf. No. AR-I|37G-|5161|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. C.S. No. 11 of Bhuleshwar Divn, situated at Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

Bombay on 18-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Havabai, Widow of Haji Mohamed Haji Dawood Haji Saoji

(Transferor)

(2) Ratilal Meghji.

(Transferce)

(3) Transferce & tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B.1092|84 and registered on 18-12-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 16-8-1985

N'/TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th August 1985

Ref. No. ARI|37-G|55|84-85.—Wheeras, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Land at Oliver Road, Plot No. 15, C.S. No. 7|385 of Colaba Divn. situated at Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Naju P. Kuka, Mrs. Meher Minoo Master, Mrs. Perin Adi Marfatia & Peshotan S. Kuka. (Transferor)

- (2) Mr. Hiranand Chhabaldas Nainani (Nain).
 (Transferce)
- (3) N. P. Kuka & Others, N. N. Sidwa & Others, Harjikaka.

renewater in 1914 was a final to the first to the first to the first the first that the first to the first to

The statement has been registered by the Competent

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-1932/84 and registered on 7-12-1984 with th Sub-Registrar Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the corresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1985

FORM I.T.N.S.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4904|84|85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 32, Global Bldg. situated at Dockyard Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has b can transfered and the Agreement is registered under Competent Authority at Bombay on 10-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or with ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) John Fleming & Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Alibhai Mohamedali Anwar & Mrs. Bilkis A. Anwar.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 3rd floor, Global building, Dockyard Road C.S. No. 8|138 Mazagaon Division, Bombay.

The statement has been registered hy the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4903 | 84-85 on 10-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 16-8-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kantilal Haribhai Patel.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar Vithal Parab.

(Transferec)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th July 1985

Ref. No. AR.II 37-G 3727 Dec.84.—Whereas, I, 1.AXMAN DAS, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot bearing No. Survey No. 43. C.T.S. No. 392/69 to 71, H. No. 5, 6 & 10, Mogra Village, Andheri Taluka, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-12-84

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by name than fifteen percent of such apparent consideration and a the consideration for such transfer as agreed to between a parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

the service of notice on respective persons,

in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said minuteable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1066] 84 and registered on 13-12-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-7-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perso namely:---

FORM ITNS ---

(1) Atun Rakhunath Gholkar.

(Transferor)

(2) Smt. K, A. Dass.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II]37.G|3733|Dec. 84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |- and bearing No.

Property bearing Plot No. 16, S. No. 30, NA. No. 7, Versova,

Andheri, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemne its registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tran instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 146 1981 and Registered on 11-12-1984, with the Sub-Registrar of Hombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

FURM ITNS ---

(1) Mls. Kirti Enterprise.

(Transferor)

(2) Mr. Ramanlal Maganlal Patel.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15951|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing Flat No. 302, 'Nectar-1, at Plot bearing CTS No. 1437, Off Carter Road, Bandra, Bembay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incame-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 'Nectar-I, at Plot bearing CTS No. 1437, Off Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|15951|84-85 on 29-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-8-1985

FORM ITNS----

(1) Bilcon Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. S. K. Khanna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15522|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 6, S. S. III, Chembur Sion Trombay Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed herto.)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269.3B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

forfor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been est which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1977)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11 of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—
68—246 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires 'ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 5, S. S. III, Chembur, CTS No. 131 at Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IIII37FE]15522]84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Archive of Immissioner of Income-tax
tion Range-III, Bombay

Date: 14-8-1985

Scal:

(1) Shri S. Ramchandran.

(Transferee)

(2) Shri R. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|150108|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Shop No. 4, Gr. Fl. Manju Niketan, Near Topiwala, Gore-

gaon (W), Bombay-62.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Fl. Manju Niketan, Near Topiwala, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|15108|84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1985

(1) Gaffar Umar Sayyed.

(Transferor)

(2) M|s. D. M. Apparels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15523|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing No. Indl. Unit No. 125, first fil. Guru Govind add. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay. (and more fully described in the Scheduled anutexed hereto), have been transferred, and the appropriate of projections.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 125, first fl. Guru Govind Indl. Estate, Western Express Highwav, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15523 84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang*-III, Bombay

Now, mercrore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1985

Scal :

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna P. Shahani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III | 37EE | 15113 | 84-85. -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Value bearing Snop No. 5, Gr. Fl. "Atlanta" A-Wing, Plot No. 38, Village Value Marve Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparant consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of trans-fer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been Οť which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. Gr. Fl. "Atlanta" A-Wing, Marve Road. Malad (W), Bombay-64. Village Valnai

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|37EE|15113|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-i II. Bombay Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac', I be thy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

(1) Karmali Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 Of 1961)

(2) J. J. Khan & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III 37HE 15600 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (4.5 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No. Shop No. 3 & 4, Rukauja Palace, Somwer Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bembay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under spection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an angustent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as ary defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any more arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (12 of 1922) or the said A. t. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop, No. 3 & 4, Rukanja Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authorsty, Bombay under No. AR.III 37EE 15600 84-85 dated I-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy: --

Date: 14-8-1985

See! :

(1) Karmali Enterprise.

(2) S. R. Shaikh.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR III 37.EE 14986 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. B-307, Rukaiya Palace Somwar Bazar, Maiad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorre-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-307, Rukaiya Palace Somvar Bazar, behind B. T. Camp. S No. 388[2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14986 84-85 on dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-8-1985

(1) Ms Contental Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Piedade Silveira.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15515 84-85,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 6, 2nd Fl. Amrut Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki,

Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1- 12-1984

at Bombay on 1- 12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd fl. Amrut Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15515|84-85 on 1-12-1984

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 14-8-1985

FORM I'INS----

(1) Legal being of late Shil R. G. Mhatre.

(2) Om Siddhi C.HS., Ltd.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15548|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

owing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Plot No. A. S. No. 455, H. No. 1, Somwar Bazar Road,

Malad (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the dair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. A. S. No. 453 H. No. 1 CTS No. 931, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37, EE 15548 84-85 on 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
> Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1987

FORM ITNS ----

(1) Mr. V. G. Mhatre.

(Transferor)

(2) Om Siddhi Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombey, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15546|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot A. S. No. 453, H. No. 1, Somwar Bazar Road, Malad (NV). Bornhau (44)

(W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said issurpment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pabli-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for:

Plot No. A. S. No. 455, CTS No. 931, Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37.EE]15547[84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely :--69 -246 GI 85

Date: 14-8-1985

(1) Mrs. M. D. Mhatre.

(Transferor)

(2) Om Siddhi Co-op, Hsg. Sct. Ltd.

may be made in writing to undersigned :-

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 15549 84-85.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Plot No. A. S. No. 453, Somwar Bazar Road, Malad (West).

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. A. S. No. 455, H. No. 1, CTS No. 931, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15549 84-85 on 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1985

(1) Nahar Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. W. Nazir.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August, 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15107|84-85.-Whereas, 1

n. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter rederred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000l- and bearing No.
Flat No. 301, 3rd floor, A Wing, Neelgiri Apartments, Opp. Shanti Nagar, Nr. Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair funrket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A Wing, Neelgiri Apartment, Opp. Shanti Nagar, Nr. Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15107 84-85 on 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :60-236GI|85

Date: 14-8-1985

(1) Kamla Constructions.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Patade.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15601|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lac and bearing

Flat No. 509, 5th floor, Urmila Bldg., Kol Dongri, Sahar Road, Andheri(E), Bombay 69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 509, 5th floor, Urmila Bldg., Kol dongri, Sahar Road Andheri (E), Bombay-69,

The agreement has been registered by the Competent Authoority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15601|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 30-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Vinay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Sudarshan Engineering Co.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15690|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabu property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lac and bearing

Flat No. 6, Shree Swami Samarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat Co.op, Hsg. Soc. Itd., Sahar Road, Andheri(E), Bombay 93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the meome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-ARG / OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SHEDULE

Flat No. 6, Shree Swami Samarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat Co.op Hsg. Soc. Ltd. Sahar Road, Andheri(E), Bombay 93.

The agreement has been registered by the Competent under Serial No. AR.H 37EF Authority, Bombay 15690 84-85 on 22-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of meome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-7-1985

(1) M|s Vijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sudarshan Engineering Co.

Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. N o. AR.II|37EE|15689|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 fac and bearing Flat No. 8, Shree Swami Samarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sahar Road, Andheti(E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. 8, Shree Swami Samrath Apartments, Plot No. 60 Tarun Bharat Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sahar Road, Andheri(E), Bombay 93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 15689 | 84-85 on 22-12-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

And the second s

(1) Mr. Laiq Ahmed, Abade Builders. q4fl. oπ

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. A. Sayyad Ahmed.

Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15425[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 4. 1st floor, Bail quisis, Appartments, Mahakali Caves Road, Andheri(E). Bombay 93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computent Authority at the Competent Authority at Bomabay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fittien per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of "over with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b' facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Bail quisis, Appartments, Mahakali Caves Road, Andheri(E), Bombay 93.

The agreement has b een registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II] $37EE_{\parallel}$ 15425 84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1985

FORM ITNS----

(1) Anna Builders.

(Transfero))

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAS ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Fricons Refrigeration Industries.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR.II|37FF|15586|84-85.-Whereas, I.

the Competent Authority at Bombay on 17-12-1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said in that Chapter.

LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1 lac and bearing

Act, shall have the same meaning as given

Unit No. 109, 1st floor, D Bldg., Ansa Industrial Estate, Sold Naka, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and lor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 109, 1st floor, D. Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE Authority, Bombay und 15586 84-85 on 17-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 30-7-1985 Seal :

. . . .

FORM ITNS----

(1) Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M|s. Base Industries.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, ROMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR. JH 37EE 15123 84-85. - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing Unit No. 137, 1st floor F Bldg., Anna Industrial Estac, Saki Nake, Bombay 72.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269, AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay o n 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the income and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 195" (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

70-246 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as over. up that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 137, 1st floor F Bldg., Ansa Industrial Estae, Saki Naka, Bombay 72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 15123[84-85 on 3-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-7-1985

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs P. S. Reddy,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15167|84-85.-- Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 3, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- tal 7) any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the case. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15167|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-7-1985

(1) Seiko Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. B. B. Shah & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Rei. No. AR-II|37-EE|15645|84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Shop No. 16, ground floor, Dev Darshan Bldg., Old Nagar-

das Road, Andheri (E), Bombay 69.

(and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

HE SCHEDULE

Shop No. 16, ground floor, Dev Darshan Bldg., Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15645|84-85 on 19-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date: 30-7-1985

(1) Mls. Makharia Buildera.

(Transferor)

(2) Shri B. T. Harsora & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15296|84-85.-Whereas, i, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 12, ground floor, Makharia Industrial Complex, Plot No. 27, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Rombay-93

Bombay-93.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, ground floor, Makharia Industrial Complex, Plot No. 27, Mahal Industrrial Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15296| Authority, Bombay 84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. M. Pargunde.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15059|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}- and bearing No.
Flat No. 10, 2nd floor, Bldg No. 5, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

(or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisiton of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) (actitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ca

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10, 2nd floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15059

Authority, Bombay 84-85 no 1-12-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

(1) Decpak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Gurdev Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15436|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000[- and bearing

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or eventual of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andhehri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15436 84-85 on 14-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

(1) Dec all Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Decpa[†]. G. Bhonsale.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15731|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 7, 2nd floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tal Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, any, to the acquisition of the said property

(b) y any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oldical Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15731|84-85 on 22-121984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-7-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. M. Dhas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II[37-EE]15310[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 1, ground floor, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and 'he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent / Cority at Bombay on 15-12-1534.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruraent of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Bldg. No. 1, Plot No. 9, Marol Marossi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II | 37EE | 15310 | 84-85 on 10-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :~

Date : 30-7-1985

(1) M|s. Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maggle D'souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II[37-EE]15238]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 2, ground floor, Nirman Vihar, B wing Pump

House, Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCUEDULE

Flat No. 2, ground floor, Nirman Vihar, B, wing Pump House Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15238|84-85 on 7-12-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax , Acquisition Range-II

Bombay

Date: 30-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subrersons, namely :-

71 246 GI 85

(1) M|s, Nirman Construnctions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. K. Poojary & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15532|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 401, 4th floor, B wing Nirman Vihar, Pump House,

Andheri (F), Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 15-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the lair market value of the property as afforcing exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Ftal No. 401, 4th floor, B wing Nirman Vihar, Pump House, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15532.84-85 on 15-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-lI Bombay

Date : 30-7-1985 Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons at Early:—

FORM I.T.N.S.——

(1) Mr. S. A. Gala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs U. S. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15742|84-85,-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 29|B. Nehru Shopping & Neminath Apartment, Kabli waidi Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

Bombay on 22-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzetie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29|B, Nehru Shopping & Neminath Apartment, Kabli wadi Tejpal Road, vide Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]15742] 84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1985

(1) Mrs. Ranjit Kaur G. Chanana

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. Santaban Maganlal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-II[37-EE|15332|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000-and bearing No.

Universal Underwriting Co. Ltd., Plot No. 38, Deepak Bldg., J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of: transfer with the object of;---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Universal Underwriting Co. Ltd., Plot No. 38, Deepak Bldg., J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II]37-EE|15332|84-85 on 10-12-1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely: persons, namely :-

Date: 6-8-1985

(1) Pankaj Chandulal Rasania.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Y. R. Rasania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15199|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Unit No. 119, 1st floor, Damji Shamji Industrial Complex, off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The 'erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 119, 1st floor, Damji Shamj Industrial Complex Off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15199| 84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-8-1985

(1) Mrs. B. R. kambli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. Sundaresan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be inade in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

ROMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15735|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs, 1,00,000|- and bearing
Shop No. 29|A, Neminalls Apts, & Nehru Market,
Vile Parle (E), Bombay-57,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: And /de
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 29 A, Neminalls Apts., & Nehru Market, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15735|84-85 on 22-12-1984,

> LAXMAN DAŞ Competent Authority) Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per sons, namely :-

Dute: 6-8-1985

(1) Smt. K. K. Sahni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Angeline D' souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombuy, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|15172|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 205, Bldg. D. 1, Post & Telegraph Mitra Mandal Co.on Hsg. Soc. 1 td., Plot No. 53, 54, Tarun Bharat Area.

Chakafa, Bombuy-99,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /org
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, D.1 Bldg., Post & Telegraph Mitra Mandal Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 53, 54, Tarun Bharat Area, Chakala, Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II]37EE[15172]84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dutc : 6-8-1985

Seal;

(1) Shri D, P. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls Rapid Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Rcf. No. AR.II[37EE]15241[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Fl4, Nandjyot Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd. Andheri Kurla Rd., Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at
Bombay on 7-12-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

F|4, Nandjyot Industrial Premises Co.op. Hsg. Soc. Ltd. Andheri Kurla Road, Andheri 72.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15241[84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:-

Dute: 6-8-1985

FORM TINS

(1) Shri Nagesh Joshi & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. V. Tiwari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombuy, the 6th August 1985

Ref. No. AR.11|37EE|15687|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Flat No. 4, 1st fleor, Vandana Bldg., J.B. Nagur, Andheri (£), Bombay-59,

(and more sully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Vandana Bldg., J.B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]15687[84-85 on 21-2-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

72-246 GI|85

Dute: 6-8-1985

FORM ITNS ---

(1) Mis Jyoti Investment Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. U. M. Gondalia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombuy, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15741|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Unit. No. 212, 2nd floor, B Block, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 2nd flor, B Block, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15741|84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1985

المعلقة المستقالة المستقال المستقال المستقال المستقالة المستقال الم

(1) Aries Agro. Vet Industries Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Essen Electronics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.11[37EE|15479[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing
No. B|53 & 54, Nand Bhavan Industrial Estate, Mahakali
Caves Road, Andheri (E), Bombay-93,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ctice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

B|53 & 54, Nand Bhavan Industrial Estate, Mahakeli Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15479|84-65 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dute: 6-8-1985

(1) Mangala R. Mishra.

(Transferor)

(2) H, G. Panthaki.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15695|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 5 B.1, Bee Jumbodarshan co.op Hsg. Soc., Andheri

(E). Bombay-69,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used nearing as are defined in Chapter KNA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

bay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15695|84-85 on 22-12-1984.

5|B.1, Bee Jumbodarshan Co.op Soc., Andheri (E), om-

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Dute: 6-8-1985

(1) Shri V. N. Bhisc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Gawade.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombuy, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15600|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. Block No. 505, 5th iloor, Vile Parle Saniyani Co.op. Ph.g. Sec. Ltd., Koldngari, Andheri (E), Bombay-69, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at 'Bombay on 18-12-1984

Bombay on 18-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he per the per cent of such apparent consideration and that he per the per cent of such apparent consideration and that he per the per the per the per the per the per than the second instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 505, 5th floor, ville parle Sanjiwani Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Koldngari, Andheri (E), Bomaby-69,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15600|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-8-1985

(1) Shri M. K. Chawla.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15493|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incoine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. B[8, 1st oor, Divine Light Co-op. Hsfi. Soc. Ltd., 137, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-93, (and more fully described in the Schedule approved berefole.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of: said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives insthat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|8, 1st floor, Divine Light Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 137, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Near Sangum Cinema, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15493|84-85 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 6-8-1985

FORM ITNS ---

(1) Shri D. P. Mayakar,

(Transferors

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chakkanchath Krishnakutty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15554|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. D1|14, Radha Vijay Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Marol Mareshi Road, Andheri (E), Bombay-93, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

D1|14, Radha Vijay Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15554|84-85 on 17-12-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AP II|37EE|15352|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immorphism property having a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Compartment No. 26 to 107, Marol Co.op. Indl. Estate

Ltd., Murol Village, Andheri (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Sohanial Labhchand Arora Karta, (Transferor)

(2) Western India Art Litho Works P. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Compartment No. 26 to 107, Marol Co-op. Indl. Estate Ltd. Marol Village, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15352|84-85 on 11-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-8-1985

(1) Mr. Hatim Sheikh Ebrahim Ronaque & Others. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nuruddin Sheikh Ebrahim Suratwala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombley, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15165|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 25, 5th floor, Rapkamal Apartments, Opp. White House, Church Road, Marol, Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemne its registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of 196mbay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) by any of the aforesald persons with'n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

Flat No. 25, 5th floor, Rajkamal Apartments, Opp. White House, Church Road, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15165|84-85 on 7-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Drite: 6-8-1985

Seal:

73-246GI|85

(1) Mis. Viswa Barve & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. J. Jethana,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

VCQUISITION RANGE-II
ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 5th August 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|15867|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, Aneesh Apartments, Hanuman Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computent Authority.

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Ancesh Apartments, Hanuman Road,

That No. 11, 3rd noor, Ancest Apartments, Hanuman Road, Vile Parle (F), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 15867 | 84-85 on 29-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

PORM I.T.N.S.-

(1) Mr. R. C. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. D. Vakharia & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15359.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value esseeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Rasila Apartment, Tejpal Scheme Road No. 5, Vile Payle (E), Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Rasila Apartment, Tejpal Scheme Road No. 5, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15359|84-85 on 10-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-8-1985

(1) M/s. S. J. Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. S. Jain & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15134|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 6, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United ink factory, Vile Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; ro bna
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the afernald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLARATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United ink factory, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|15134|84-85 on 3-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-8-1985

- (1) Mis. S. J. Construction.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Shri Y. C. Parekh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAINGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15786|84-85.—Wheeras, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immova-Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 405, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United Ink factory, Vile Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfers end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Kamal Kunj, Subhash Road, Opp. United Ink factory, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15786 84-85 on 26-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

(1) Mr. D. M. Desai.

(Transferor)

(2) Griiraj Construction Co.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15414|84-85.—Whereas, 1, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Giviraj Apartment, Marol Pipe Line, Near Kadam Wadi, Off. size M. V. Road, Andheri (E) Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete or a period of 30 days from the arrvice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Giriraj Apartment, Marol Pipe Line, Near Kadam Wadi, Off. size M. V. Road, Andheri (E) Bombay-57.

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under Scriul No. AR.II|37EE|15414|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-8-1985

FORM NO ITNS-

(1) Girirai Construction Co.,

(Transferor)

(2) Mr. N. L. Patil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II]37EF|15717|84-85.-Wheeras, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing .

Block No. 14, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1, (pt.), Kondivita village, Near Kadın Wadi Andberi (E), Bombay-19 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; <nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14, Giriraj Apartments, Plot No. 176|1, (pt.), Kondivita village, Near Kadam Wali Andheri(E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15717 84-85 on 22-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-8-1985

(1) Shri D. K. Kalambe.

(Transferor)

(2) Shri G. Singh Suri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15535|84,85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Unit No. 121, 1st floor, Damji Shamji Industrial Complex, plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12], 1st floor, Damji Shamji Industrial Complex, plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15535|84-85 on 17-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

Scal:

(1) Mr. Basheer Zinna.

(Transferor)

32387

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Parekh Plastic Onduhtries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15107 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Unit No. 208. A 2nd floor, Tejpal Ind. Building No. 2, Premises Co.op. Sec. Ltd. Tejpal Ind. Estate, Saki Naka. Andheri Kurl Road, Bombay-72.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ,a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No, 208, A 2nd floor, Tejpal Ind. Building No. 2, Premises Co.op. Soc. Ltd. Tejpal Ind. Estate, Saki Naka, Andheri Kurl Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15107]84-85 on 1-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

74 -246 GI[85

Date: 5-8-1985

(1) Mr. A. L. Athale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. L. I. Khatwani.

(Transferce)

GCVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15136|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to be a second to be a seco property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Gala No. 62, 2nd floor, Ajjay Mittal Co. op. Soc. Ltd., Unit

No 1, Ardheri Kurla Rd., Maoral, Bombay-59. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Gala No. 62, 2nd floor, Ajjay Mittal Co. on Soc. Ltd., Unit No 1, Andheri Kurla Rd., Maoral, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competen. Authority Bombay under Serial No. AR.II;7FF[15136]84-85 on 4-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely ;---

Date: 5-8-1985

FORM ITNS----

(1) Shri M. R. Thakoor & Others.

(Transferor)

(2) M|s. Nur Textiles.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5ht August 1985

Ref. No. AR.11|37EE|15267|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 1698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

romises No. 22, ground floor, Apurva Industrial Estate, Modella Industrial Premises Co. op. Soc. Ltd., Marol Naka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

by facilitating the conceaimon of any medime of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thtat Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 22, ground floor, Apurva Industrial Estate, Modella Industrial Premises Co. op. Ltd., Marol Naka, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]15267[84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-8-1985

(1) M|s. Shilpi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 3410(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinod Mahadeo Shetye.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5ht August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|1529|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 1, ground floor, Vasant Bhusan Bldg., Nanda Patkar
Road, 'Near Telephone Exchange Vile Parel (B) Bombay-57.
(and more fully described in the Schedule annexed herein)
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Vasant Bhusan Bldg., Nanda Patkar Road, Near Telephone Exchange Vile Parel (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15129|84-85 on 3-12-1984.

LAXMAN DAS impetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-8-1985

Senl .

(1) M|s. Bindal Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Satguru Metal Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5ht August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15804|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasonable to that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Gala No. 53, 1st floor Bindal Industrial Estate, Off. Kurla

Andheri Road, Sakinaka, Bombay-72.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weekth-tax Act. 1957 (87 et 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 53, 1st floor, Bindal Industrial Estate, Off Kurla Andheri Road, Sakinaka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE[15804[84-85 on 27-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-8-1985

Scal:

A CONTROL OF THE CONT

FORM I.T.N.S.———

(1) Smt. M. V. Sanghvi.

(Transferor)

(2) L. A. Lillaney & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15191|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Plot No. 1/A, Industrial Estate, Kurla Andheri Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed neighbor scenic and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computert Authority of Bombay-1984.

the Competent Authority at Bombay on 6-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the advices in property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1-A, Industrial Estate, Kurla Andheri Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15191 84-85 on 6-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM ITNS———

(1) M|s. V. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. G. K. Aurrora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15483|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1, Pravin Smriti Bldg., Vile Parle (E), Bombay 57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any mouse or any memory or other assets which have not been or which ought we be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

=- = -=- =- =

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Pravin Smriti Bldg., Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|15483|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Muktaben Vallabhdas Sanghvi,

(Transferor)

(2) Sunder Ghumanmal Golani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15364|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Industrial Shed at Plot No. A1, bearing CST No. 83 S. No. 14 H. No. 14 (Pt) of Chakala, Dhiraj Pen Compound, Kurla Andheri Road, Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice s Official Constite or a period of 30 days from the envise of potice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given ? that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); An Industrial Shed situate at Plot No. 1-A CTS No. 83 S. No. 14 H. No. 14 (Pt) & CTS No. 34 & 58 H. No. 2 S. No. 59 of Village Chakala, Dhiraj Pen compound, Kurka Andheri Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/15364/84-85 on 10-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. V. R. Association.

محمد المرازي والشمعة معتوس والمرازي

(Transferor)

(2) Smt. Smita R. Shah Mr. Ashit M. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15629|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Commetant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1.161 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000]—and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, 'Pravin Smruti' CS No. 595, Vile Parle (E) Bombay-57

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent tensideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

7 5-246 GI]85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on the 3rd floor of Building known as 'Pravin Smruti' on CS No. 595, Vilc Parle (E) Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15629 84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR,II|37EE|15796|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. B-4, 'Trupti Apartments' Kondongari Road No. 2, Andheri (E) Bombay-69, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984 the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M|s. Dipti Builders.

(Transferor)

(2) Abhay R. Jambekar.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 'Trupti Apartments' Kondongari Road No. 2, Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15796|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Suresh Kantilal Jani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh Nanji Shah and Girish Nanji Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15817|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 210, Final Plot No. 153, (Pt.) TPS II, Nariman Road, Vile Parle (East), 'Numit', 2nd floor, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the tran and or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) [acilitating the concealment of any income or any

Flat No. 201, F.P. No. 153, TPS-II, Nariman Road, Vile Patle (East), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15817|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15290.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. 5, A-2 Bldg., 2nd floor, Akal Co.op, Housing Society Bamanpuri Road, J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay. Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Hombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration lor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in research of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. S. Chopra

(Transferor)

(2) Smt. Kundankaur Atamsingh Sawhney & Shri Atamsingh Harnamsingh Sawhney

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, A-2 Bldg., 2nd floor. Akal Co.op. Housing Society Limited, Bamanpuri Road, J. B. Nagar, Andheri(E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 15290 84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

Scal :

(1) Mrs. U. M. Gondalia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Jyoti Investment Corporation

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR.II₁37£E₁15289[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Unit No. 212, 2nd floor, B-Block, Hind Saurashtra Industrial Estate, Marol Naka, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984 for an apparent consideration by which is less than the fair market value of the aforciald property and I have reason to believe that the tair merical value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration the arch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 2nd floor, B-Block, Hind Saurashtra Industrial Estate, Marol Naka, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15289[84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dale: 6-8-1985

(1) Mazda International Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Avtarsingh Λ. Arora & Mr. Ramchand G. Chabria

(Transferce)

(3) Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. ARII|37EE|15604|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Industrial Unit No. 114. Shivai Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transverred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in vaspect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not occur or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 114, Shivai Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombay-59,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15604|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 8-8-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Chandrakant Doctor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. S. S. Sheth Wlo Shri Suryakant Sheth. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE|15720|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 103, Bldg. No. 2, 10th floor, Varma Nagar, Andheri (East), Bomb 19-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 21-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceilment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Building No. 2, 10th floor, Varma Nagar Behind Chinai College, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE[15720] 84-85 on 21-12-1984.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.———

(1) Keirtzers Impex Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamalkumar Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15343|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Basement B|4 Unique Industrial Estate, Chakala Road,

Andheri East, Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move-than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) feeditating the concealment of any income or any a uners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement B|4 Unique Industrial Estate, Chakala Road, Andheri East, Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15343 84-85 on 10-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Bombay

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15628|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing Gala No. 111, Plot No. 33, New India, Industrial Estate Promises Co. and India, Mahakali Cavas Road, Andhari (Fort)

Premises Co.op. Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons namelv:—

 $76 - 246 \text{ G}1^185$

(1) Natubhai B. Patel.

(Transferor)

(1) Shri Jyotindra Dwarkadas Shah & Shri Satish Mansukhlal Pitamber.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 111, Plot No. 33, New India Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15628|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Shivrajvati O. Maniktala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shrinivas Guddappa Uchil.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15833|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 196!) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 3, 1st floor in Bldg. No. 6 known as Sher-E-Punjab Co.op. Hsg. Society I.td., Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Bldg. No. 6, Sher-E-Punjab Co.op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|!5833|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomptax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Seal

(1) Mr. A. R. Kamath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. M. Ghate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 8th August 1985

Ref No. AR.II|37EE|15806|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 1104, Viman Darshan Swami Nityanand Marg,

Andheri (E), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. I 104 Viman Darshan, Opp. Bahar, Swami Nityanand Marg, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15806|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS

(1) M|s. Dipti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Freight Connections.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 8th August 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|15797|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing Shop No. 5 in Bld. 6 Trupti Apartments' Koldongri Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Shop No. 5 in Bld. 6 Trupti Apartments' Koldongri Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Trupti Apartments, Koldongri Road No. 2, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15797|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 8-8-1985

_____ FORM FINE

(1) Mls. Dipti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Ms. Swastik Trading Co.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 8th August 1985

Ref. No. AR-II-37EE 15799 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing Rs. 1,00,00]- and bearing Shop No. 5 in Bld. No. Trupti Apartments' Koldongri Road No. 2, Andheri (E), Bombay-400 069 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Flambay, on 27-12-1984

(Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

"Shop No. 5 in Building, "Trupti Apartments' Koldongri Road No. 2, And ehri (E), Bombay-69,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15799|84-85 on 27-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

(1) Janki Lal hand Asarpota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok R. Dhanwani, Shri Vijay R. Dhanwani.

(Transferce)

(3) Transferce. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 29th July 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15831|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Cacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Flat No. B-8, Om Saidhana Co.op. Housing Society Ltd.

36, Maugul Lane, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under me-tax Act, 1961, in the Office of

tion which is less than the fair said property and I have reason tarket falue of the property as ent consideration therefor by more sh apparent consideration and that transfer as agreed to between the stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B-8, Om Saldhana Co.op. Housing Society Ltd. 36, Mogul Lane Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE15831[84-85 on 28-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-7-1985

(1) Yajurved Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narayan Ramkrishna Vaidya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15501|84-85.—Whereas, I LAXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000|-and bearing No.

No. Flat No. 11, 5th floor, Yajurved Apartments, at Rao Bahedur S.K. Role Marg, Dadar, F.P. No. 291 of TPS

Mahim, Division

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propers may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 5th floor, Yajurved Apts., at Rao Bahadur S. K. Bole Marg, Dadar being final Plot No. 291 of TPS Mahim Division.

The agreement has been regisetred by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15501|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

ب با با در المواد و در المواد FORM ITNS-

(1) Yajurved Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushma Narayan Vaidya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.11|37EE|15502|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 12 on 5th floor of the building on the piece or parcel of land at Rao Bahadur S. K. Bole Marg, TPS IV,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 2213 Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 5th floor of the building on the piece or parcel of land at Rao Bhadur S.K. Bole Marg, Dadar being plot No. 291 of TPS IV, Mahim Division.

The agreement has been registere d by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II[37EE]15502[84-85 on 15-12-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

Seal ;

(1) M|s. Coutinho Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Annie Fernandes & Mr. Pedro Baptista Fernandes.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15761|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 21, 3rd floor, 'Petersyn Home5, Plot No. 447 TPS III, Mahim Bombay 400 016.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the kind Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

77 -- 246 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 3rd floor, 'Petersyn Home' Plot No. 447, TPS III, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15761|84-Competent 85 on 22-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranfe-II, Bombay

Date: 5-8-1985

(1) Shri V. V. Deo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. R. Naik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 31st July 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|15849|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propagity having a fair market of the said Act. able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 13|A, Jahangir Baug, 220|222 Veer Sawarker Marg.

Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofEXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nol/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

13]A, Jahangir Boug, 220|222 Veer Sawarkar Marg, Mahim, Bombay 16.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37|15849|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranfe-II, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

(1) Mr. Sharad Shivram Pednekar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Meghasyam Shripad Phadake.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd August 1985

Ref. No. AR.II[37EE|15865|84-85.--Whereas, L LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 301, 3rd floor, Sakharam Keer Road, Mahim,

Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

- for an apparent consideration which is less than the Vitair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Sakharam Keer Road, Mahim, Bombay 16.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15865|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitinn Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-8-1985

(1) Shri Govind Vithal Prabhu Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar S. Rane & Smt. Madhavi M. Rane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd August 1985

Ref. No AR.II|37EE|15599|84-85.--Whereas, L.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. Flat No. 10, Mah.m Co.op. Housing Society Ltd. Mahim House, Mogul Lane, Mahim, Bombay-400 016

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Mahim Co. operative Housing Society Ltd. Mahim House, Magul Lane, Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been regisetred by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15594|84-85 on 18-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought he be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rante-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-8-1985

Scal:

32415

FORM ITNS-

(1) M|s. Satyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Sona Garments.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 1st August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15942|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Gala No. 38, Satyam Industrial Estate, Jogeshwari (E),

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1>24 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 38 Satyam Industrial Estate, second floor, Jogeshwari (E), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15942|84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranfe-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sarswati Khubchand Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Hastimal Gangaram Chhajed Nagraj Hastimal Chhajed

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 1st August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15173|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. T. 5, Garden Colony, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. T/5, Garden Colony, B|Wing, Lady Jamshedji Road II, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No, AR.II|37EE|15173|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bornbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

_.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. O. H. Tahsildar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15811|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ma the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 702, 7th floor of Bldg. No. 18 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-57,

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Table 1 and the second of the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 702, 7th floor of Bldg. No. 18 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15811|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely :--

Date: 25-7-1985.

Scal:

FORM ITMS-

(1) M|s Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandanben Devchand Chheda Shri Devchand R. Chheda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|22013|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

Flat No. 31 on 8th floor in Guruk ripa Apts., N. C. Kelkar

Rd. Dadar (West), Bombay-28
(and more fully described in the Schedule annexed bereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 8th floor in Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 22013 84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI. Bombay

Date: 31-7-1985

Scal :

(1) M|s Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-!AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashinath Khandojirao Ghanate & Smt. Sarojini Kashinath Ghanate

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|24797|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competers Authority under Section 269B of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

34, 9th floor, in Gurukripa Apts. N. C. Kelkar Fla No Rd., Dadar (W). Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an appared consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ametr which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 9th floor, in Gurukripa Apts. N. C. Kelkar

Road, Dadar (West), Bombay-28.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 24797 84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-7-1985 Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--78-246GI/85

FORM I.T.N.S.—

(1) Mls Bil-con Corpration.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|24798|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 36, 9th floor in Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subextion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Dattatray Khandoji rao Ghanate & Smt. Asha Dattatray Ghanate

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 9th floor in Gurukripa Apartments, N. C. Kelkar Road, Dadar (West), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|24798|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 31-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15207|84-85.--Whercas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

All that piece or parcel of land with structures standing thereon lying and being at the junction of Hannali Tank Road & Woollen Mills Lane Cadastral S. No. 233 (P) of (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any isocome arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been et which eacht to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chandrakant Shankar Dalvi.

(Transferor)

(2) M/s. Shreenath & Co.

(Transferce)

(Transferec)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land with structures standing thereon lying and being at the junction of Hannali Tank Rd. & Woollen Mills Lane, bearing Cadastral S. No. 233 (P) of Mahim Division & Final Plot No. 12(p) of TPS III of Mahim.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15207[84-85 on 6-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 2-8-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. .Gajannan Harishchandra Purao.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 25th July 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|15667|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Flat No. 101, Bldg. No. 14, 1st floor, S. No. 41 of Village

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of évarion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 101, Bldg. No. 14. 1st floor, forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Borebay-58.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Serial No. AR.II[37EE]15667[84-85 on 20-12-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 25-7-1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Wajihuddin Husain Parkar

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15336|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 604, 6th floor, forming part of S. No. 41 of village

Oshiwara, Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 411 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F (PIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor of Bldg. No. 13 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15336 84-85 on 10-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-7-1985.

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(2) Mrs. S. M. Altaf Danawala.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 25th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15328|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

bearing

Flat No. 104. on 1st floor, of Bldg. No. 14, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eferencial property and I have recent to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of bransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Bldg No. 14 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15328 84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-7-1985.

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khawaja Nizamuddin

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 25th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15893[84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201, 2nd floor of Bldg. No. 4 forming Part of S. No. 41 of village Oshiwara. Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saul Act, in respect of any income arising from the transfer; and in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication at this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the subtract, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor of Bldg. No. 4 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogesh-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15893|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the psue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely :--

Date: 25-7-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamal Jalal Khan

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15363|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 501, 5th floor of Bldg. No. 11 Oshiwera, Taluka

South Salsett Bombay Suburban District Behind Behram Baug,

Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration uncreased by the said exceeds the apparent consideration and that the said exceeds to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the aloresate persons within a period of 45 days from the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chap ... XXA of the sale. Act, shall have to same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor of Blg. No. 11, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Taluka South Salsett Bombay Suburban District Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|15363|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 26-7-1985.

FORM I.T.N.S.——

(1) Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zafaralam Aimi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15184[84-85—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,000001, and hearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 201, 2nd floor of Bldg No. 2, S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

79—246 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor of Bldg. No. 2, forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15184 84-85 on 6-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 26-7-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd, Iqbal Amin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI **BOMBAY**

Bombay, the 29th July 1985

Rcf. No. AR-II|37-EE|15441|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 201, 2nd floor of Bldg No. 12 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogesh-

wari west, Bombay 58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been rtansferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor of Building No. 12 forming part of Surveyof survey No. 41, of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15451| 84-85 on 14-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomo tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 29-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sabira Mohd. Siddique.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-U **BOMBAY**

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. AR-II[37-EE]15668[81-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 504, 5th floor of Bldg No. 2, Oshiwara, Jogeshwari

(W). Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 540, 5th floor of Bldg No. 2, forming part of S. No. 41 of Oshivara, Jogeshwari Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|15668|84-85 on 20-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal:

Date: 26-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Munir Ahmed,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. AR-II]37-EE[15819]84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'eaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 104, Bldg. No. 12 forming part of S. No. 41 of

village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor of Bldg No. 12 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37-EE|15819|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 26-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marium Bi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15088|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 304, 3rd floor of Bldg No. 15 forming part of S.
No. 41 of village Oshiwara, Behind Begram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor of building No. 15 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Begram Baug. Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-37-EE|15088|84-85 on 1-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

Seal:

Date: 29-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baba Sahab Sultan Sahab Yaveri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15639|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing Flat No. 304, Bldg. No. 14 Oshiwara Behind Behram Baug.

Jogeshwari (est) Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor of Bldg. No. 14 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwara west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]15639 84-85 on 18-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari, FORM ITNS----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anwari Mohd. Nabi Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-II]37-EE]15556|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000]- and bearing Flat No. 402 on 4th floor of Bldg. No. 3, S. No. 41 of

village Oshiwara Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FXPIANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or lithe assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 402 of 4th floor of Bldg. No. 3 forming part of S. No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug. Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37FE|1556|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-H Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Nowing persons, namely

Scal:

Date: 31-7-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abeda Amanvllah Khilji.

(Transferce),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE-II вомвлу

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15555|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 702, 7th floor of Bldg. No. 3, forming part of S. No.
41 of Oshiwara Behind Behram Baug., Jogeswari (West).

Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eveston of the limitility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 1241 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor of Building No. 3 forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug., Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37-EE 15555 84-85 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Is-Bombay

Date: 30-7-1985

(1) Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Shaikh Jumman

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1985

Ref. No. AR.II|37FF|15538|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Flat No. 102, 1st floor of Bldg. No. 12, forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

80-246 GI[85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor of Bldg, No. 12, forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 15538|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bokhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zillin Rehman Abdul Rehman.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th July 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|15484|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor of Bldg, No. 15 Oshiwara, Jogeswari

(W), Bombay-58. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor of Bldg No. 15 forming S. No. 41 part of village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari(w) Rembay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|15484|84-85 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Scal:

Date: 29-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Shahid Jamil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th July 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15821 84-85. - Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st 'lloor of Bldg. No. 19 Oshiwata, behind Behram bang, Jogoshwari West,

thembay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombany on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought-to be disclosed by the transfere fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 102, 1st floor of Bldg. No. 19 forming Part of S. No. 4, of Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshbaug, Jogeshwari West, Bombay-58, wari West. Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 15821[84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-II, Bombay

Act. I hereby initiate proceedings for the acqualition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 29-7-1985.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Ajaz Ahmed Abdul Hamid.

Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 29th July 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15378|84-85---Wheeras, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 701, 7th floor of Bldg No. 10 forming Part of Survey No. 41 Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-raid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dete of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 701, 7th floor of Bldg No. 10 forming Part of Survey No. 41 Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Iogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II,373:E, 15378/84-85 on 13-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-7-1985.

FORM ITNS———

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR,II 37EE 15891 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 204, 2nd floor Bldg. No. 16 forming Part of S. No. 41 of Oshivara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ينهار لطلب

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) or 1957);

(2) Mrs. Sharfunnisa Begum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein use are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor Bldg, No. 16 forming Part of S. No. 41 of Oshivara, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 15891[84-85] on 28-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Manmohansingh Keer

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshkumar Tikamdas Parwani

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15374|84-85.—Whereas, f,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, 'Khar Puram Co-op, Housing Society

Ltd. Linking Road. Khar, Bombay-52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 2nd floor, 'Khar Puram Co-op, Housing Society Ltd. Linking Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 15374|84-85 on 10-12-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Dinesh Kapoor

(2) Smt. Vinod Kumar &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY.

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. R.II[37EE]15710[84-85 —Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 22, Plot No. 1485/87 CST Moon Craft Co.op.
Housing Society Ltd. Off Carter Rd. Bandra, Bombay-50
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 22-12-1984

In an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Smt. Renu Kapoor,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Plot No. 1485|87 CST Moon Craft Co.op. Housing Society Ltd. Off Carter Rd, Bandra, Bombay-50,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—73—236GI|85

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY.

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15432[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acr')

have reason to believe that the immovable property, having Rs. 1 lac, and bearing
Flat No. 6, 2nd floor Bandra Shiv Smruit Co.op. Housing Society Ltd., Union Park, Bandra, Bombay-50, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15--12-1985. at IAC|Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the biest of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Vishnu Sidhumal Thakur

(Transferor)

(2) Shree Vindhya Paper Mills Ltd.

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6. 2nd floor Bandra Shiv Smruti Co.op. Housing Society Ltd., Union Park, Bandra, Bombay-50.

e agreement has been registered by the Compe-Authority, Bombay under Serial No. AR.II[371:E] 15569|84-85 on 15-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-8-1985

Senl:

(1) Mr. Joseph Peter Baptist Braganza Mrs Cleta Harriette Olga Braganza

> (Transferor) (Transferee)

(2) Mr. Firoz Alimahomed Rafik. (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY.

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15863|84-85.—Wheeras, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Rs. 1 lac. and bearing

transfer with the object of :-

18 -- 236GI[85

Flat No. 93, 4th Road, TPS JV, Bandra, Bombay-50, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth tax. Act. 1957 (27 of. 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said nersons, nantely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10&2nd floor, Regiland Co.op Housinfi Society Ltd. Flat No. 93, 4th Road, TPS IV, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15863 84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombs

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15900]84-85.—Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 602, 6th floor, West Wing Premises Co.op.

Bombay-50,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shamji Khimji Shah Miss Bharatí Shamji Shah

(Transferor)

(2) Mis. Asha Poddar Master Ashish Poddar.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 210 A.B.J. Road, MI

Flat No. 602, 6th floor, West Wing Premises Co.op. housing Society Ltd. Plot No. 210|ABJ. Road, Bandra, Bombay-50 Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE, 15900|84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authorits Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985

Seal +

(1) Mrs. Dorothy D'Souca & Mrs. Marion Rodrigues

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Major E. L. V. Rao

(3) Transferee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. 37EE 15384 84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I lac, and bearing Flat No. 1, Ground floor, New Jagruti Co.p. Housing

Swami Vivekananda Rd. Bandra, Bombay-50,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, New Jagruti Co.op. Housing Swami Vivekananda Rd. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 15384 84-85 on 14-12-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15317|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lac, and bearing Flat No. 10, Universal Co.operative Housing Society, 4th St. Baptista Rd. Bandra, Bombay-50.

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Kamla S, Bhattacharya

(Transferor)

(2) Abdul Hasiz Hamid Khan & Arshi Begam

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Universal Co-operative Housing Society, 4th St. Baptista Rd. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 15317|84-85 on 8-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

Scal +

FORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15728|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 2, Lilian Apartments, Lilian Apartments Co-Housing Society Ltd. Plot No. 1126—1127, Dr. Ambedkar

Rod Kher Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the Office of The Competent Authority at

Bomaby on 21-12-1984",

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Hardevi D. Katara.

(Transferor)

(2) Smt. Hardevi Ramchand Ahuja & Shri Amit RamchandAhuja

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Lilian Apartments, Lilian Apartments Co-opera-Housing Society Ltd. Plot No. 1126—1127, Dr. Ambedkar Dr. Ambedkar Road Kher Bombay-52

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE] 15728[84-85 on 21-12-1984.

LAXMAN DAS Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15183|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 14, 'Daulat-Baug', C. H. S. Ltd., 36th Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Anil Ramchand Lala & Mr. Haresh Mohan Lala

(Transferor)

(2) Mr. Jagatrai K. Bahirwani Mr. Govindram K. Bahirwani & Mr. Bhagwandas K. Bahirwani.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Daulat-Baug', C. H. S. Ltd.., 36 Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15183|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . 」AN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37FF|15210|84-85, - Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. D|4. Metropolitan Co. operative Housing Society 20 Pali Hill Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compelent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than theen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Raj Suri.

(Transferor)

(2) Mrs. Hirpo B. Ballaney & Mr. Bhagwan P Ballaney.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D|4 Metropolitan Co. operative Housing Society 20 Pali Hill Baudra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H 37FE | 5210 84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Haresh M. Malani Mr. Kishore M. Malani Mr. Ramesh M. Malani

(Transferor)

(2) Master Sanjeevkumar Kaul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.IU37EE|15063|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 100000 and bearing

property having a fair market value exceeding Flat No. 121 Crescent Building Plot No. 318, Pali Hill Road, Khar, Bombay 400 052.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 121 Crescent Building No. 318, Pali Hill Road. Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|15063|84-85 on 1-12-1984.

LAXMAN DAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mrs. Lai Chhabia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Farhana Sayed.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985 Ref. No. AR,II|37EE|15209|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-bearing No. 604, Daffodils, 6th floor, 604, Daffodils, 6th floor, 107 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said proper.) may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, Daffodils, 6th floor, 107 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15029 84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following mersons namely --82-246 GI|85

Date: 7-8-1937

FORM ITNS----

(1) Smt. Sudershan S. Malhotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajkumar T. Jethra & Smt. Mona Rajkuraur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE|15339|84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lack, and bearing No.

Flat No. 1. 1st floor, Parklane Co. on. Housing Society Ltd., Plot No. 26|26A Union Park Khar (W), Bombay-52, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

transfer with the object of :

and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability Flat No. 1, 1st floor, Parklane Co. op. Housing Society Ltd., Plot No. 26|26A Union Park Khar (W), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15339|84-85 on 10-12-1984. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) faiilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1985

(1) Kan Lokumal Mansukhani Mrs. Kaushi G. Jhasgiani,

(2) Kishin G. Ahuja.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.H[37EE]15563[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 31, 3rd floor, Ashok Apartments, Bandra Hill Horizon Co. op. Housing Society Ltd., 8 Union Park, Khar, Bombay-52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

We an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Flat No. 31. 3rd floor, Ashok Apartments, Bandra Hill Horizon Co. op. Housing Society Ltd., 8 Union Park, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15563 84-85 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985

FORM ITNS ...

(1) Mr. Prem J. Uttamchandani.

(Transferor)

(2) Mr. Janak Kumar G. Dawer & Mrs. Nirmal J. Dawer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15912|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52 Pali Hill, Flat No. 41-B, Bandra, Bombay-400050, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 52, Pali Hill, Flat No. 41-B, Bandra, Bombay-400 050,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15912|84-85 on 28-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

(1) Suhail Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Judith Lazar and Mr. Isac Lazar.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mrs. Margaret D'Souza.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15300 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 302, 31d floor 'Shelter', 20 St. Francis Rd, Bandia,

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the ourposes of the Indian Income-tax Acs, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Shelter, 20 St. Francis, Rd. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15300|84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-8-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15733 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. GF-1, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Reena Roy and Smt. Sharda Raiout.

(2) Mr. Virendra Madhavlal.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-1 at N. A. Plot No. 109, 50 Pali Hill Road,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15733 84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 7-8-1985

(1) Mls. Rohit Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Peter D'Souza Mis. Gracy P. D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15755|84-85,--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing No. Flat No. 7, 2nd floor, Kantwadi Road,

Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, second floor, Kantwadi Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARJI[37EE]15755[84-85] on 24-12-1984.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

<u>aan kaan kan kan liigi kii kii ka maan maan ili aan kan ay araa ka maan ka maan ka asaa ay ka ka a</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION FANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15709|84-85.--Whereas, I, LAXMAN QAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Immovable property along with the structure standing thereon at 4-B, Colward Bandra, Bazer Cross Rd, H-Ward, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Soction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Stephen Gonsaives.

(Transferor)
(Transferee)

(2) Mrs. Zubedabai Wlo Dawoodbhai.

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property along with the structure standing thereon situate at 4-B. Colwad, Bandra, Bazar Cross Road, bearing Municipal No. 531, H. Wared, CTS No. A|740 B (Part).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 371 E 15709 84-85 on 21-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15703|84 85 -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.
All that piece of parcel of land at Waroda Rd. Bandra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 21-12-1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by funorethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

83 -246GT 85

- (1) Mrs. Jonny Gonsalves Alias Jane Pereira.
- (Transferor) (2) Mr. Sajid M. Balliwala &
- Mr. Sheob M. Batliv/ala.

(3) Tenants.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land being CTS No. B|44, House No. H-775 waroda Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15708|84-85 on 21-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date : 7-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Damascene Anthony Pereira.

(1) Mr. Girdharlal Singh,

through his constituted Attorney,

(Transferor)

(2) Shri Satish Danuka.

(3) Tenents.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-Π, BOMBAY

Bombay the 7th August 1985

Ref. No. AR,II|37EE|15564|84-85.—Wheras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lack, and bearing No.

Plot of land at Pali Hill Road, Bandra bearing CS No. 8765 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plo of land at Pali Hill Road, Bandra bearing CS No. 876, in 'C' Ward, St. No. 47, of Danda, bearing H-ward No. 2164.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 15564 | 84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 7-8-1985.

FORM ITNS-(1) Mis. Madhava United Hotels (International Ltd) (Transferor)

(2) Premier Instrument & Controls Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 7th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15232|84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1 lac. and bearing

office No. 701 and 702 on 7th floor of Madhya on Plot C-4 in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra(E) Bombay-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 701 and 702 on 7th floor of Madhya on Plot C-4 in the 'E' Block of Baudra-Kurla Commercial Complex, Bandra(E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15232 84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985.

FORM HINS-

(2) M/s Pragati Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second secon

(2) M s Photo World.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15416]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 85, 3rd floor of Bldg. Ratna-Jyot Indl. Estate at CTS No. 744 (Part) of Irla. Gauthan Vile Parle (West), Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 85 on 3rd floor of Ratna-Jyot Industrial Estate at CTS No. 744 (P) of Irla Gauthan, Vile Parle (West, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[15416]84-85 on 13-12-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Scal:

PART [II--SEC. 1]

32463

FORM ITNS——

(1) M|s Bhagwati Builders.

(Trapaferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Taranjit M. Sawhney.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15150|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 12, 3rd floor Shri Balaji Darshan at Tilak Road,

Santacruz (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evaluation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, on the 3rd floor of the Bldg, known as 'Shri Balaji Darshea' situated at Tialk Road, Santacrub (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.II|37EE|15150|84-85 on 3-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 12-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pair us, namely:—

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR,11|37EE|15098|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Shop No. 10, Shushila Baug Co-op. Housing Society, 53-A, S.V. Road, Santacruz (West). Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

s) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

atow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Shirinbai Sabhbhai Bandukuwala, Mrs. Khatija Firoz Bandukwala, Mrs. Zubeda Ebrahim Pittalwala.

(Transferor)

(2) Mr. Sudhir B. Desai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Shushila Baug Co.op. Housing Society 53A S. V. Road, Santacruz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15098|84-85 on 1-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15124 84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4, Pranav Building Juhu Garden Co-op. Housing Society Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authbrity at Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

(1) Mrs. Hirmala Sawlaram Barse.

(Transferor)

(2) Manoj Gul Chainani, Suresh Gul abrai Adwani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Pranav Building Juhn Garden Co-op. Housing Society, Juhn Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|15124|84-85 on 3-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15474|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Nandanvan, 4th Road, TPS III, Santacruz (East) Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; under
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the NATA Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manohar Nilkanth Amonkar and Smt. Koundi Kashinath Bharne.

(Transferor)

(2) Mrs. Shobha Mendonca.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

'Nandanvan', 4th Road, 'TPS III, Santacruz (West), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15474|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

(1) Smt. Santosh Atmaprakash Kapurla.

(Transferor)

(2) Rajendra Jashvantral Joshi.

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE|15536]84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 11. 4th floor, R'shi Dayanand Bhavan, Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent considerat on which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons name 84-246GI|85 namely :--

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 4th floor, Rish Dayanand Bhavan, 231 11 A Irla Gauthan, Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15596]84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Geal:

FORM ITNS...

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15106|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 9, Beach Heaven II, Brach Heavan Co-operative Housing Soc. Ltd., Jhuh Tara Road, Bombay-400 049. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the dair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or uther usects which have not been or which ought to be Jischood by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Laxmi M. Thakkar, Jayshri M. Thakkar and Miss Arti M. Thakkar.

(Transferor)

(2) Ashu Motor & General Finance (P) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Beach Heaven II, Beach Heaven Co-operative Housing Society Ltd., Buhu Tara Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serlal No. AR.II|37EE|15106|84-85 on 1-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Scal:

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15478|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, Trivani 'C' Building, S. V. Ro V. Road, Santacruz

(West) Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-12-1984

- Ffor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri H. C. Kaushik and Smt, K. H. Kaushik.

(Transferor)

(2) Shri Arun N. Shah and Smt. A. A. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Triveni 'C' Building S. V. Road, Santacruz

(West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15478|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Soal:

(1) Shaikh Adam Sabju.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trambaklal Pranjiwan Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15477|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, at 'Talati Apts., Andheri, Bombay-56

Flat No. 201, 2nd floor, at 'Talati Apts., Andheri, Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) factionizing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Talati Apartments' Andheri, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15477|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

(1) Rupa S. Punjabi.

(Transferor)

(2) Reena Benoy Gosh.

(Transferee)

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15057|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 103, Delite-Den Sub-Plot No. 9, Plot No. 3, Irla

Nalla, Vile Parle (West), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Delite Den, Sub-Plot No. 9 Plot No. 3, Irla Nella, Vile Parle (West), JVPD Scheme Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15057|84-85 on 1-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15666|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 7, 2nd floor, The Kothara Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 29 TPS VI Vile Parle (West),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

(1) Smt. Rasilaben Khushaldas Mehta.

(4) Transferec.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyotsna Mehendrakumar Sheth and Mrs. Kusum Rajnikant Sheth. (Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of Biulding Kothare, Plot No. 29. T.P.S. VI. Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been regisetred by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15666 84-85 on 20-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Soal :

(1) Miss Dimple N. Raithatha, Miss Hetal N. Rathatha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil Bherumal Mansinghani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

kef. No. AR.II|37EE|15662|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immuvable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shown No. 8 now renumbered as 7 on ground floor in Damodar Physics Coop Housing Society 11d

Bhuvan, Co-op. Housing Society Ltd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, now renumbered as 7 on ground floor, in Damodar Bhuvan, Co-op. Housing Society Ltd., 45 Vallabharbhai Patel Road, Vile-Parle (West), Bombay-57.

The agreement has been regisetred by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15662|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

Scal:

FORM LT.N.S.—

(1) Smt. Zebunnisa Kullan Khan.

(Transferor)

(2) Shri Liyakatali A. Gafoor Khokar.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15086|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/and bearing Flat No. A-51, 5th floor, 'Santacruz Rameshwar Premises' Co-operative Society Ltd., S. V. Road. Santacruz (W) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have repson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numers of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chaptee.

THE SCHEDULE

Flat No. A-51, 5th floor, 'Santacruz Rameshwar Premises' Co-operative Society Ltd., S.V. Road, Santacruz (West), Bomb.v-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|15086|84-85 on 4-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-41 BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15255|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS_

being the Competent Authority under Section 269ß of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

No. Flat No. A-1, ground floor, 'A' Chand Co.op. Housing Society Ltd. Juhu Road, Bombay-49,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-in-2 Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiats proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
85—246 G1|85

(1) Smt. Rachel Daniel Dr. John Daniel.

(Transferor)

(2) Dr. Rohit Cordhandas Suchak & Dr. (Mrs.) Surbhi Rohit Suchak.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. $\Lambda | 1$ Bldg No. 'A', Chand Co ρ , Housing Society 1.td. at Jul n Road, 3ombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15255|84-85 on 7-12-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

(1) Sint. Husenibhai Abdullabhai Sanchawala. (Transferor)

(2) Abid Hakimuddin Kapadia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1935

Rct. No. AR.II[37EE]15104|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the tacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00.000l- and bearing

Rs. 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 7, 'Al-hasant' Chapal Lane, Santacruz (W) Bombw-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any increase or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor of 'Al-Hasant' at Chapel Lane, Santacruz (West) Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15104|84-85 on 1-12-1984.

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

Scal:

(1) Jai Kishin Narayandas Ramchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa O, Rode & Deepa'. O. Rode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.Π[37ΕΕ]15475]84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Shop No. 9 at Amrapali Shopping Centre, Juhu,

Bombay-49,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the lucom- tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as efforcesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pardes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 9 at Amarpali Shopping Centre, Juhu, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37E|15475|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) Fatimabai Karmali Jamal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Diana Margaret Fozdar.

('Transferee).

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.11|37EE|15860|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. I lat No. 3, Ground floor, Gulnar Apartments, Gr. floor, 10th Rd. J.V.P.D. Scheme Bembay-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the wanter; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1923. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gulnar Apartments, Ground floor Plot No. 6 Sub Plot No. 5 JVPD Scheme Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.U|37E|15860|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay

A;t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely :---

Date: 12.8 1985

Scal:

(1) Mrs. Nina Sakhalkar & Mrs. Rarida Ahmed Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alfa Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR,II|37EE|15208|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value No. Shop No. 14, Rizvi Nagar at Subway Road, Santacruz (W) Bombay-400 054,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Rizvi Nagar at Subway Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15208|84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Sarla K. Bhayani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE MINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls Sapra Enterprises.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE|15719|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the the competent Authority differ section 2000 of the the competent Authority differ section 2000 of the the competent Authority differ section 2000 of the competent aut and bearing

No. Unit No. 30, 1st floor, Ratnajyot Industrial Estate, Irla Sansar Sinch 8.8x20cm [4-9-1985 246 GI[85 (fresh) 590-613 Gaothan, Vice Parle (West), Bombay-56,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-12-1984

ing persons, namely :---

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or Anch ought to me disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the follow-

THE SCHEDULE

Unit No. 30, 1st floor, Ratnajyot Industrial Estate Irla Gaothan, Vile Parle (West) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/15719/84-85 on 21-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kasim F. Pedhiwalla.

(Transferor)

(2) Smt. Praveenkanta R. Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomba_ the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37]-F[15338]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Flat No. 201, Kings Apartments 2nd floor, No. 8172
(38) of S. No. 70 of Juhu Road, 287 of Vile Parle,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

flow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 201 Kings Apartments, 2nd floor, Plot No. 1 Sub Plot No. 15, K Ward, No. 8172 (38) of S. No. 70 of Juhn Road, 287 of Ville Parle Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II|37EE|15338|84-85 on 10-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

(1) Shri Sheikh Mukhtirr and Abdul Sattar.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Arjan Roheiu & Smt. Shaku Inder Rohera.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

MATTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15295|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 100,000|- and bearing

No. Shop No. 3, ground floor, Flora Coloperative Housing Society Etd., Plot No. 153, Central Avenue, TPS JV, Sanfacroz (W) Bombay-54,

tand more full' described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as referesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Flora Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. 153, Central Avenue TPS IV Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARAII37EE|15295|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

32483

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR II|37EE|15570|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat No. 101, 1st floor, Near Chandan Cinema Juhu,

Bombay-400 049, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of the said instrume

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Amur Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha N. Parckh. Wio Navnit Vithaldas Parckh.

(Transferee)

(3) Developers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, 'Amar Tower' Near Chandan Cinema, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. $\Lambda R.\Pi[37EI-]15570[84-85]$ on 16-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)_OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15077|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 14, Plot No. 99-100 Santacruz (East),

Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

(1) Shri Ramdas Matty.

(Transferor)

(2) Mrs. Saroi B. Doshi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ftal No. 14, Plot No. 99-100, Santacruz (East), Bombay-55

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/15077/84-85 on 1-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 12-8-1985

PORM ITNE

(1) Aziz Abdulla Chunawaila.

(Transferor)

(2) Gulammohamed Vajidali Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37EF|15824|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN_DAS,

LAXMAN DAS, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 301, 3rd floor, 'A' Wing Firdos Apartment at CTS No. 482 Irla, Vile Parle (West), Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301 3rd floor 'A' Wing, Firdos Apartment at CTS No.482. Irla, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR.II|37EE|15824|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15823 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beating No.

Flat No. 50), Wing-A, Firdes Apartments, CTS No. 482, Irla, Vile Parle (W), Bombay-56, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, In hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Aziz Abdulla Chunawalla.

(Transferor)

(2) Abdul Husain Kadarbhai Sakarwala, Mustafa Kadarbhai Sakarwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Wing-A, Firdes Apartments, CTS No. 482, Irla, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|15823|84-8 on 27-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Date: 12-8-1985

Scal:

NUTICE UNDER SECTION 269 L (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Pragati Corporation.

(Transferor)

(2) Mls. Photo World.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE[]5417]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing No.
Unit No. 86, 3rd floor of Bulg. Ratna-Jyot Industrial Estate at CTS No. 744 (Part) of Irla, Gauthan Vile Parle (W).

Bombay 56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis cred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLAN/ TON . —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 192. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 86, 3rd floor of Bulg, Ratna-Jyot Industrial Esta e at CTS No. 744 (Part) of Irla, Gauthan Vile Parle (W). Bombay 56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde Serial No. AR.II 37EE 15417 84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

(1) Bajranglal Agarwal.

(Transferor)

(2) Mr. Purshottam S. Sharaf, Mr. Sunil P. Sharaf.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15898 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, Sweet Home, Palm Breeze Co.op. Housing Society LPS IV, West Avenue, Santacruz (West

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Sweet Home, Palm Breeze Co.or-Housing Society LPS 1V, West Avenue, Santacruz (West), Bombay54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15898 84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) Mr. Banrasılal Agarwal.

(Transferor)

NOTE E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sandeep P. Sharaf, Mrs. Anusuya P. Sharaf, Mrs. Shantidevi S. Sharaf.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15503[84-85.—Wheraes, I, LAXMAN DAS,

being the comparent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable to as the said Act) have reason to believe that the infinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, Palam Breeze Co.op. Housing Soc. Ltd. TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Palam Breeze Co.op. Housing Soc. Ltd. TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15503[84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I! Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 2550 or the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 12-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Bhanwarlal Vardichand Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15936 84-85,---Whereas, I, LAYMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1207, 12th floor in Everest at Jay Prakach Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61. (and more fully described in the schedule annexed here(o) has been transferred, and the appropriate registered, and the

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any gaoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomi-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax /cr 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1207 12th floor in Everest at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Author'ty, Rombay under Serial No. AR.II/37EE/15936/84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II' Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followins notions, namely :---

Date : 12-8-1985

Scal:

FORM ITNS-----

- (1) Mis. Nahar Seth & Jogani Associates.
- (Transferor)
- (2) Mr. Rattan R. Malhotra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15853|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1309(E2) on 13th floor in Everest Bldg, at Jay Praakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is resistered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Y hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nerson namely :---

87—246 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1309(E2) on 13th floor in Everest Bldg. at Jay Praakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15853|84-85 on 27-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-8-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jhaverimalji G. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15929|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 506, 5th floor, in Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road., Versova, Andheri (W), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th floor, in Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road., Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]15929|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tun
Acquisition Range-11
Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said-Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

FORM NO. I.T.N.S,-

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sohini Agency.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15930|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 806, 8th floor in Everest Bldg. Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) tacintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 806, 8th floor in Everest Bldg. Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15930|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 12-8-1985

FORM I.T.N.S,---

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Parasmal Babulal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15932|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1304 (C) on 13th floor in Everest at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (50 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1304 (C) on 13th floor in Everest at Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15932|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Activation Responsible Bombay

Date: 12-8-1985

FORM ITNS

(1) Mls. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mrs.. AA. C. Khanna & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|1581|84-85.- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1211, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, was/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1211, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. R.IIA/37FE/15851/84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I! Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. C. Jain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15847|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00]- and bearing No.
Flat No. 507, 5th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority nt Bombay 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. [1]37EE 15847 84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

FORM ITNS ___

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

32497

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Devilal R. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985 Ref. No. AR.II|37EE|15854|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 1303 ,b2) on 13th floor in 'Everest' Bldg., Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scatton 260AB of the Incomp tor Act, 1961 in the Office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transferandior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303 ,b2) on 13th floor in 'Everest' Bldg., Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15854|84-85 on 27-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

- (1) M/s, Nahar Seth & Jogani Associates
- (Transferor) (2) Mrs. Ritu R, Malhotra

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR II | 37EE | 15850 | 84-85. Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 1308(E1) on 13th floor 'Everest' Bldg, Jay Prakash Road, Andheri(W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1308(EI) 13th floor, 'Everest' Versova, Andheri (W). Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE|15850|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Popatlal Chunilal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.H|37EE|15931|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Rs. 1,00,000-1 and bearing No.
Flat No. 1007, 10th floor, Everest Bldg., Jav Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W). Bombay-61.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the "aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1007, 10th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15931 84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the s Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:— 88-246GI|85

Date : 12-8-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

may be made in writing to the undersigned ;-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. R. Malhotra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II/37EE/15458/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 |and bearing

Flat No. 1209, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W). Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 / 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acaquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1209, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15458|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. **Bombay**

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-8-1985

(i) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

(2) Mr. R. D. Malhotra

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15457|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 1210, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1210, 12th floor, Everest Bldg., Tay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under Serial No. AR.II|37EF|15457|84-85 on 14-12-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Ircome-tax Acquisition Range-Il. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irsue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 9-8-1985

FORM J.T.N.S .---

(1) Mls. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

(2) Smt. Rohini G. Jain

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref., No. AR.II[37EE|15849|84-85,-Whereas, f.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 407, 4th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W). Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and one agreement is registered under Section 269AB of the Incorae-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Eombay on 27-12-1984. (president and consider radius) which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he and been taken stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ta: Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan' Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eembay under Serial No. AR.II|37EE|15849|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the equisition of the accessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followi g persons, namely :--

Date: 9-8-1985

FORM ITNS----

(1) M|s, Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. P. Jain

('Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Rel. No. AR.II 37EE 15845 84-85. Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable of the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 308, 3rd floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W). Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than affirm a present of such apparent therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said immunement of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in owner of any moone prismy from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any income or any income or other assets which have not been or which ought to be decrosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Verseva, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under Serial No. AR.II|37EE|15845|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under subection (1) of Section 269% of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 9-8- 985

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Jayantilal M. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR. II | 37EE | 15848 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 201, 2nd floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifton per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) flacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 201, 2nd fleor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andherl(W). Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bo mbay onder erial No. AR.II[37EE,14548[84-85 on 27-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Irspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-8-1985

(2) Mr. C. B. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15846|84-85.—Whereas, I, Ref. No. AR.II|3/EE|13840|84-83.—whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 208, 2nd floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Royd. Versova, Andheri(W). Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the reject of:—

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15846|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Kumar B. Bohra

(Transferee.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 15937 | 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter eferred to as to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1206, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan

Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

Bombay on 27-12-19-64 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the said exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefore by the said that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issume arising from the transfer; .andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1206, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15937|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-8-1985

(1) M/s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. H. Vanigotta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. ARII|37EE|15938|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1205, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

sed/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1205, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15938|84-85 on 28-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said 89-246GL|85

Date: 9-8-1985

Scol :

(1) M/s, Nahar Seth & Jogani Associates

(2) Mr. G. K. Deshi

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15934|84-85.-Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority Autorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 109, 1st floor, Everest Bldg., Iay Prakash Narayan
Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109, 1st floor, Fverest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15934|84-85 on 28-12-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II, Rombay

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 9-8-1985

- (1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates
 - (Transferor)
- (2) Mr. Ashok Kumar T. Bohra

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15933]84-85.—Whereas, 1.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 901, 9th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan
Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experce later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 901, 9th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/15933/84-85 on 28-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ringe-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

(2) Mr. C. M. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15928|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 1212, 12th floor, Everest Bldg., Jay
Naray 1 Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 Tav Prakash

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of yansfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the manufactor to cap tax under the said Act, in propect of any income arising from the transfer; 独立ないない
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woulth-iaz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, »bichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1212, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15928 84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IL Bomba

Date: 9-8-1985

(1) M|s. Mahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Popatlal Kundanmal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15927|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 1307, 13th floor, Everest Bldg. Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the scheduled an exed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1307, 13th floor. Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bordbay under Serial No. AR.II|37EE|15927|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-8-1985

(1) M|s. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. S. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15926|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR.II]37EE[15926]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina/ter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 1208, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheti (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-12-1984 for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating te reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferes for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1208, 12th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FI.|15926| 84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the suid Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss S. M. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15855|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propity having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 907, 9th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Rctud, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (each many fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

Fior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mod/or

THE SCHEDULE

Flat No. 907, 9th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15855 84-85 on 27-12-1984.

(b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following ing persons, namely:--

Date: 9-8-1985

.

FORM ITNS

(I) M|s. N: ar Seth & Jogani Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. R. A. Merchan!

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15935|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor. Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bembay 61 (and more fully described in the schedule attacked hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen prient of such apparent consideration and ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor. Everest Bldg., Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]15935] 84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-8-1985

Scal:

(1) Ms. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Idis. Bhagwati D. Joshi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNATING OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II[37FE]15852[84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competers Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), save reason to believe that the immovable property having a fall market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 1302 (B1), 13th floor, Everest Bldg., Jay Prakash Navayan Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61

'and more fully described to the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 196! in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an appare. A consideration which is less than the fair market value of the aforcacid property, and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly mated in the mid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1302 (B1), 13th floor, Everest Bldg., Jay Prakash

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[15852] 84-85 on 27-12-1984.

1.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—90—246GI|85

Date: 9-8-1985

FORM I'TNS------

(1) M|s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahesh Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15401|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

Shop No. 18, Roshanlal Aggarwal Shopping Centre, Oshiwara, Appa Ghar, Versova, Andheri (W) Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (Pt) Oshiwara, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 15401 84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

(1) Mls. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Shakoor Rashid Kardance (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR. II 37EE 15398 84-85. -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 31, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W) Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 31, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Ascade, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE|15398|84-85 on 14-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons. namely:-

Date: 12-8-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Savyed Zubair Fakhurddin-Kardi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGISH, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15399|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

shop No. 32, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (W). Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AI; off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomeay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mimovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evapor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MBG / OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. 32, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (Part), Ochiwata, Near Apna Ghar, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial Flo. AR. a 37EE 15399 84-85 en 19-11-1984

> LAXMAN Da Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :---

Pate: 12-8-1985

Seul :

FORM ITNS----

(1) M|s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Suram Singh L. Thakur & Mr. Satish S. Thakur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. ARAIJ37EE|15644|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Compatent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing Unit No. 2-C-3, Saranga Bunglow, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 19-12-1984

who an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The term: and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 2-C-3 Saranga Gunglow, Roshanlal Aggarwal Complex, S. No. 41 (Pt.). Oshiwara, Near Apna Ghar, Andheri (W) Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. 11]37EE|15644|84-85 on 19-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the af resaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name to the said Act, to the following persons, name to the said Act, to the said Act, to the following persons, name to the said Act, to the following persons, name to the said Act, to the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following persons, name to the said Act, to th

Date: 12-8-1985

S : . i :

(1) Ms. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geeta Ramesh Kotecha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR .II[37EE[15876]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 17, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping

Arcade, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ich ought to be displaced by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE|15876|84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Pate: 12-8-1985

Scal:

FORM ITNS...

(1) M/s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amarjit Sing, Saran Sing Thukral. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15880|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Ssop No. 26, Roshanlai Aggarwal Shopping Areade, Andheri

(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, S. No. 41 (Part). Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE|15880|84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this zotice under subpersons, namely :-

Date: 12-8-1985

FORM JTNS-

(1) Mls. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dhanibai M. Punjabi, Mrs. Geeta N. Punjabi & Mrs. Harsha No. Punjani. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15882|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing Shop No. 35, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 35, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (Pt.) Oshiwara, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Scriu! No. AR. II 37EF 15882 84-85 on 29-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely : -

Date: 12-8-1985

Scal:

(1) M|s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Wang Wen Chung alias Philip Wong. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ret. No. AR.II|37EE|15396|84-85.—Whereas, I, AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Room No. 33. Roshanlal Agarwal Shopping Arcade Andheri

(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Room No. 33, 1st floor Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Off J. P. Road S. No. 41, Versova Andheri (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR. $\Pi[37EE|15395|84-85$ on 14-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons 2.0 91-246GI|85

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N S.

(1) M|s. R. N. A. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Wong Wen Chung alias Philp Wang. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/5400/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. AR. H[37EE]5400[84-85.—wnercas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Room No. 34, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Versova Andheri (W) Bombtsy-58 has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Ollice of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more atoresaid exceeds the aparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION :-- The terms and expressions used librein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transform for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 34, 1st floor Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Off J. P. Road, S. No. 41, Oshiwara Versova Andheri (W), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 15400 84-85 on 14-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15085|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 1, Plot No. 7, 8 & 9 1.P. Road, Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Rs. 1,00,000|- and bearing

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Ahmed Janmohmed Batliwala. Mr. Iqbal Janmohmed Batliwala,
 - Mr. Ismail Janmohmed Batliwala.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Popatlal Gogari,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 Manishnagar Shopping Centre Plot No. 7, 8 & 9 J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|15085|84-85 on J-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the raid Act to the following persons, namely .-

Date: 13-8-1985

FORM ITN9--

(1) Mr. Ramakant Mishra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Estelle Fernandez and Mr. Xavier Fernandes

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR. II|37EE|15312|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Shop No. 3 B Kavita Apts., Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the office of the Registering officer at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3|B Mavita Apartments Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 15312 84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

(1) Mr. Mohmed Vali Mohmed Nabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ashrof Aziz Master & Mr. Munnawarali Aziz Mater

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. A.R. 11|37EE|15283|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Shop No. 43, Manish Shopping Centre J.P. Road, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Shop No. 43, Manish Shopping Centre, J.P. Road, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II|37EE|15283|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-8-1985

(1) Smt. Lata G. Agicha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. L. N. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONED RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.[1]37EE]15706[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 1, ground floor
Wood Rose at Plot No. 320,
4 Bungalows, Versova, Andheri West

4 Bungalows, Versova, Andheri West Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been ranserred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any luccome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalf have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Wood Rose at Plot No. 320 S. No. 41 (Pt.) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15706|84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN PAS
Competent Authority
Inspecting Assrt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIONED RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.IJ|37EE|15621|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 4, 'Kamal Apartments' Plot No. 68, 4 Bungalows, Versova,

Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Bhagat & Kapoor Housing Dev. P Ltd. (Transferor)

(2) Mr Amit Jain (Minor) Son of Mr. Jaipal Jain.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Kamal Apartments Plot No. 68, Four Bungalows, Versova, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Scial No. AR,II|37EE|15621|84-85 on 18-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now the erece to rursuance of Section 269C of the said A:1, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 13-8-1985

Scal -

(1) M/s. Ekta Trust & Sweta Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Monghanwal R. Punjabi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIONED RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15251[84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop No. 15, ground floor Crossgates Plot No. 141 (Pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

32530

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ranserred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consultment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the asue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given? in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor Crossgates at Plot No. 334 of S. No. 41 (Pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authorit, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15251|84-85 on 7 12-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

32.531

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONED RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15252|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and

bearing No. Shop No. 16, Crossgate, 4 Bungalows, Versova, Andher West Bombay-58.

mand more fully described in the schedule annexed hereto), has been ranserred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parts

92-246 GI|85

(1) Rahul Trust.

(Transferor)

(2) Nand Manghanwal Punjabi & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 16, on the ground floor, Crossgate at Plot No. 334 c. S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15252 84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

- (1) Mis. Deepa R. Chopra & Chitra P. Mehta. Transferor)
- (2) Mrs. Kmalabai Bherumal Parwani & Miss Bimladevi Bherumal Parwani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE|15676|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing

bearing No. Shop No. 2, Prorna Oshivara, Ofl J.P. Road, Versova, Andheri (W),

Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Shop o. 2, Prerna Oshiwara, Shop No. 2, Off I.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15676 84-85 on 20-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heleby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-8-1985

- (1) Sh. Hassan Ali Mirza.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Dhanji Viram Shah & Mr. Hasmukh K. Gada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. o. AR.II[37EE[15637]84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Shop No. 2, Ground floor of the bldg. Clanfield at Plot No. 16/94 Bungalows, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor of the bldg. Clanfield at Plot No. 15|9 of S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreemt has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15637|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-8-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Harbans Kaur Soi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Krishna Kadervell Naidu Mrs Baby Krishna Baidu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15117|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Shop No. 4, Jubilee Apartment, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the paid instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this not
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Jubilee Apartment, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15117|84-85 on 3-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

(1) Mrs. Shobha P. Kotian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jaywant Tukaran Dhongdi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15322|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'sa.d Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 7, ground floor, Evershine No. II Co.op. Hsg. Society Ltd., J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than form again to the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEPULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1's of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 7, Evershine No. II, Co.operative Housing Society Ltd. Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15322|84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangell, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-8-1985.

Mis. Bhagat and Kapoor Housing Developments, Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Taroon Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th August 1985

Rcf. No. AR.II|37FE|15616|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 1, Kamal Apartments, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mering as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, Kamal Apartments, Plot No. 68, Oshiwara, Four Bunglows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15616 84-85 on 17-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE|15408|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 305, 'Shelter' Bldg., 3rd floor, Plot No. M-2, Veera Desai Andheri (West) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

- (1) Mrs. Yasmin Lal Dadlaney & Mr. Cawasji Sorabji Nagporewalla. (Transferer)
 - (2) Mukat Tanks & Vessels Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 'Shelter' Bldg. 3rd floor, Plot No. M-2 Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15408 84-85 on 13-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-8-1985.

FORM IINS-

(1) Ms. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Snehal Prabhakar Nadkarui.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15883|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Room No. 77, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping
Arcade S. No. 41 (Pt.) Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuant of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 77, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, S. No. 41 (pt.), Oshiwara, Near Apna Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15883 84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bom**bay

Date: 9-8-1985.

(1) Ms. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shul M. R. Sagar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 9th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15641|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Room No. 59, Roshandal Agarwal Shopping Arcade, Versova Andheri (W) Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 18-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 59, 1st floor, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, S. No. 41, (pt.), Oshiwara, Near Apana Ghar, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15641|84-85 on 18-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
93-246 GI 85

Date: 9-8-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15748|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-(hereinafter referred able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 32 Om Niketan, 3rd oor, 314 Pali Hill Bandra,

Boinbay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB oof the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evadon of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;-

(1) Om Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Bhagwandus Behrumal Ramchandani. Mrs. Sonia B. Ramchandani.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as) are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Om Niketan, 314, Pali Ram Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15748|84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

(1)Mrs. Nayana D. Chheda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Minal Rajendra Mishara & Miss Mamta Arjundev Chandan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15276|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 6, Anuradha Building S. V. Road, Irla Bridge, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB oof the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984 Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Anuradha Building, S. V. Road, Irla Bridge, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|15276|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1985

(1) M[s. Vimal Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Mohamed Igbal Slo Mohamed Umer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15161|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Shop no. 17, Nand Kripa Annex Shopping Centre Andheri

(W) Bombay-58,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB oof the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knamovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given; that Chapter.

THE SCHEDULE

Shopi No. 17, at naod Kripa Annex Shoppinng Centre Char Bungalows Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A. 11/37EE/15161/84-85 on 3-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

FORM ITNS-

(1) M|s. Vardhan Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Qadir Ismail Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15355 84-85 .-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 15. 'B' Wing Pink Apartment Andheri Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on' 10-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Shop No. 15, G: Boombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomobay under Scrial No. AR.II|37EE|15355|84-85 on 10-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1985

(1) Mls. Vimal Constructions.

(Transferor)

(2) Smt. Kausalya Anandram Vasvani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. Noo. AR.II|37EE|15945|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 2, Nand Kripa Annex Shopping Centre Andheri (W), Bombay-58

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein als are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 2, Ground Floor at Nandkripa Annexe Shopping Centre Char Bunglows Road Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15945 84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incomptax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 13-8-1985

(1) M|s. Vardhan Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Anilkumar R. Gandhi, ishri Surendra R. Gandhi, and Mrs. Savitri R. Gandhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. II|37EE|15372|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 14, 'B' Wing Pink Apartments, Andheri (W), Bom-

bay-61,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB oof the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferint/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 14 on Ground Floor, 'B' Wing in Pink Apartments Seven bunglows, near Garden Versova Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authrity, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/15372/84-85 on 10-12-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

(1) Meera Builders. (2) Sudhir B. Desai.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.JN[37EE]15254]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No. 5, Ground floor, Meera Apartments, CTS No. 1311, Versova, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) raclimating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

'Shop No. 5', Ground Floor, Meera Apartments, CTS No. 1311, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial Noo. AR.II]37EE]15254[84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Sunder Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Gulam Nabi Siddiqui.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE]15486|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 3, Sunder Park A, Building Andheri (W),

Bombay-56,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984,

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parety:—

persons, namety:—
94—246 GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 3, on Ground floor at Sunder park 'A' Building off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|15486|84-85 on 14-12-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

(1) Ms. Sunder Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Rehman Abdul Kadar.

may be neede in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15487|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter refrered to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1 lac, and bearing
Shop No. 11, Sunder Park, A-Building, Andheri(W),
Rombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of aransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, Sunder Park, A-Building, Off Veera Desai, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H[37FE] 15487[84-85] on 14-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985.

(1) M/s Skiper Construction Co. Pyt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Yusuf Abdul Salam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15128|84-85.--Wheeras, 1,

Ref. No. AR.H.37EF 15128 84-85.—Wheeras, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1 lac. and bearing Shop No. 7A Skirer Beach Queen Andher; Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act. 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; TO \ bar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7A, on Ground Floor, at skiper BEACH QUEL. Jayaprakash Road Versova, Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE] 15128[84-85 on 3-12-1984].

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-1985.

(1) M|s Minoo Builders

(Transferor)

(2) Edward Ambrose & Paul Ambrose

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II.37EE|15223|84-85.—Wheeras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1 lac. and bearing

Shop No. 13, 'Minoo Minar' Veera Desai Rd. Andheri(W)

Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on ground floor in 'Minoo Minar' Veera Desai Road, Andheri(West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE] 15223[84-85 on 7-12-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. **amely:--

Date: 13-8-1985,

- (1) M|s R.N.A. Builders
- (Transferor)
- (2) Mr. Omprakash B. Sinhal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE]15885|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1 lac, and bearing

Room No. 11, Roshanlal Aggarwal, Shopping Arcade, Versova, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a))facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Near Apna Ghar, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR-11.[37EE] 15885[84-85] on 28-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 13-S 1985.

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxman Ramji Patel Dhanji Ghela Patel Manji Veghji Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15298|84-85,---Whereas, I,

Ref. No. AR.II]37EE[15298]84-85.—Whereas, I, 1.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 13, 'Twin Towers' Plot 8A & 8B S. No. 41 (Pt.) Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule appared basets)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the seld Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 13, on ground floor 'Twing Towers', Plot 8A & 8B, S. No. 41 (Plot) at Village Oshiwara, 4 Bungalows Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.*

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[15298]84-85 on 6-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is some-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

FORM ITNS-

(1) Mahendrakumar Tarachand Grove.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 190.)

(2) Pushpa Manekrao Pankule.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

△CQUISITIÓN RANGE-Π BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No AR.II[37EE]15540[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said. Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fait market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 203, Nirman Cottage, Yari Road,
Venova (Andheri (West), Bomba-61
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, is the Office of the Competent Authority at Bombay to 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691? of the said Act to the following persons, mamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15504|84-85 on 15-12-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1985

seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15607|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 306, 3rd floor, Nirman Cottage CTS 1036, Yari Road., Off J. P. Road. Versova Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1)Mr. Om Prasad & Mrs. Rajkumari Omprasad.

(Transferor)

(2) Mrs. Ratna Shewakram Mansukhani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Ferson in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Nirman Cottage, CTS No. 1036, Yari Road Off J.P. Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15607|84-85 on 17-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

Date: 13-8-1985

Scal;

(1) Mr. Narayan Sivrama Pillai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suhas Frabhakar Sahani Dandekar & Mrs. Kamalini Prabhakar Dandekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15410|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 53, 'Aradhana' Opp. Jain Mandir, Juhu Lane,

Andheri West, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Mas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957- (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53 Aradhana' Opp Jain Mandi, Juhu Lane, (C.D. Barfiwala Lane) Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FF|15410|84-85 on 13-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— 95—246 GI]85

Date: 13-8-1985

FURM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15698|84-85.-Whereas, I,

LAXMA DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Flat No. 34, Bldg No. B, Andheri Gulmohar Co.operative Housing Society Ltd., Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Smt. Kusumban Babubhai Shah.

(Transferor)

(2) Pradip Babubhai Shah.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the albiesant persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sawi Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, in building 'B' of the Andheri Gulmohar Co-op. Housing Society Ltd. C.D. Burflwala Marg, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15698|84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1985

(1) Deepak Amrutlal Desai.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Sidik S. Chapra. Shri Abdul Gafoor S. Chhapra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15212|84-85.—Whereas, I. LAXMA DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 505, on 5th floor, Ashraf Mahal, 105 J.P. Road, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered ader Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the conceaument of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

YPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor, Ashraf Mahal 105 J.P. Road,

Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15212|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

Date: 13 8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Asian Construction Co.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. E. N. Renison,

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II]37FE|15512|84-85.—Whereas, I, LAXMA DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 601-B on 6th floor on 'B' Wing, Lila Apartments, Opp Gulmohar Gardens, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbidity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any message eclaims from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601-B on 6th floor on 'B' Wing, in Lila Apartments, Opp. Gulmohar Gardens, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15512|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income ax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Hombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II $]37i\cdot F|15413|84-85$.—Whereas, I, LAXMA DAS,

being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 201, 1st floor, 'Aradhna Building at Plot No. CTS
256, Barfiwala Lane, Juhu Lane. Andheri (W) Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s, R, K, Builders.

(Transferor)

(2) Mr. N. B. Shah & Mrs. A. N. Shah.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 201, 1st floor, Plot bearing CTS No. 256 Barfiwalla Lanc. (Juhu Lane) Near Dyna Craft, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15413|84-85 on 13-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M|s, Giriraj Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Nikuaj Jaysukhlal Majcethia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II[37FE]15588[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 19, 'Martha Palace' C.I.S. No. 385|B
Off Jai Phawanimata Marg, Amboli Village,
Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Incometax, Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay
on 17-12-1984 on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 5th floor, 'Martha Palance' Plot bearing CTS No. 385 B Off Jai Bhawanimata Marg, Amboli Village, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15588|84-85 on 17-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(1) M|s. Vaibhay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Amarish Vinodbhai Amin.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15280[84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269R of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 503, Guru Kripa Apartment, Versova Desai Road, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

on 7-12-1784

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increase writing from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usests which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the jurgoese of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underelessed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Guru Kripa Apartment, Veera Desai Road, S. No. 10, H. No. 2, CS No. 80, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15280|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:--

Date: 13-8-1985

FORM ITNS ----

(1) Mithil Builders.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Ashwini S. Pradhan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR II 37EE 15746 84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (kereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 9, Ground Floor Nursing Home, Bharda Wadi, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269Al of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nettee in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some a more a cost in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Ground Floor, Nursing Home, Bharda Wadi, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by and Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EF/15746/84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-8-1985

(1) Mls. Dinesh Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Natasimha Venkatesh Varkhedi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EF|15406|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 303, 3rd floor in Everest, at Jay Prakash Road, Versova, Audheri (W), Bombay61

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 13-12-1984

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ρ^{\dagger} transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 3rd floor in 'Everst' building at Prakash Poad, Versova Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under Serial No. AR.II[37EF]15406]84-85 on 13-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dide: 13-8-1985

Seal:

96-246 GI 85

FORM ITNS-

(1) Asian Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vikram Prem Sahu Miss Smita Decpanjali Sahu and Miss Suchitra Nalini Sahu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15511|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 602, 6th floor, 'B' Wing, in Lila Apartments Off. Gulmohar Gardens, Versova, Andheri (W) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of; instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, 'B' Wing, in Lila Apartments Opp. Gulmohar Gardens, Versova, Andheni (W) Bombay.

The agreement has oeen registered by the Competent Authority, Bombay under Scriel No. AR.II|37EE|15511|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomments Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

(1) M/s. Radha mangal Builders.

(Transferor)

(2) M|s. Pioneer Glass Traders.

(4) Mrs Mary Agnes Mascarenhas Ms. Radha Mangal Builders. (Transferee)

in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-14 BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15913|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 4, at Anand Apartments, Baptista Road, Vile Parle (West) Bombay-56.

(West) Bombay-56. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be interested

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor at Anand Apartments, Paptista Road, (West) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15913 84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mls. Own Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Ravindranath Sharma.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15947 84-85.—Wheraes, I, LAXMAN DAS,

haxman DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop 5, Vaishali Shopping Centre, Upper Ground floor, Vaikunth Mehta Marg, J.V.P.D. Scheme, Bombay-400009, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the surcement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shop 5, Vaishali Shopping Centre, Upper Ground floo Vaikunth Mehta Marg, J.V.P.D. Scheme, Bombay-400009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seiral No. AR.II[37EE]15947]84-85 on 29-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomedax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Ketan Builders.

(Transferor)

(2) M|s. Mahendra Mctal Works.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15909|84-85.-Whernes, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. B[301, Kajlash Apartments, Nairelwala Wadi, Juhu Gaothan Juhu Villgac Road, Bombay-49. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the large of the large transferred and the agreement is registered under the large of the large transferred and the Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 28-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: regal/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|301, Kailash Apartments, Nairelwala Wadi, Juhu Gaothan Juhu Villgae Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15909|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1985

FORM NO. ITNS----

- (1) Mrs. Vimalabai Dattatray Nagarkatte.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Sangeeta Uday Balse.

(Transferee)

(4) A. D. Nagarkatte & P. D. Nagarkatte. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15752[84-85.—Wheeras, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. A.3|2, Saraswat Suburban Co. op. Housing Society, Santacruz (W) Bombay-400054.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is required under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the tenneler. and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian inconne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A.3/2, Saraswat Suburban Co. op. Housing Society, Santacruz (W) Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15752|84-85 on 4-12-1984.

LAXMAN DAG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1985

(1) Shri Dinanath Jaivanth Hodekar.

- Andrea Companiero de companiero de la comp

(3) D. J. Hoderkar.

(Transferor)

Mrs. Chhaya Chaturbhuj Savaria & Mr. Chaturbhuj Harilal Savaria,

(Transferee)

(Person in occupation of theproperty)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PURPLECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15753[84-85.—Whereas, I, LAXMA'N DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 15, 1st floor, Jecon Parag Co.op Housing Society
Ltd. 127 Prabhat Colony, Road No. 2, Santacruz (East),

Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-th Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following wersons, namely '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 1st floor, Jeevan Parag Co.op, Housing Society Ltd. 127 Prabhat Colony, Road No. 2 Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15753 84-85 on 22-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-II, Bombay.

Date: 13-8-1985

(1) Shri Gagandas Mulchand Jethra.

(Transferor)

(2) Tirathdas alias Lachmandas Tarachand Manwani and Tulsidas Tarachand Manwani,

(Transferce)

(3 Transferees.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The same of the sa

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15805|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing House No. 156, 10th Gulmohar Road Juhu Vile Parle Development Scheme Vile Parle West, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule enversed beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trusfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as , shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 156, 10th Gulmohar Road, Juhu Vile Development Scheme Vile Parle (West), Bombay-49. Parle

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15805|84-85 on 27-12-1984.

LAXMAN DAS. Competent Authority cting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay the 9th August 1985

Rof. No. AR-II | 37EE | 15268 | 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Office No. 12, 1st floor, Shri Balaji Darshan, Tilak Road, Santaeruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotler 260AB of the Invertee and 1061 the schedule annexed by the latest transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Mombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ~~rechs. namely :— 97--246 GI|85

(1) M/s. Bhagwati Builders.

(2) Mls. Gulshan Sugars & Chemicals Pvt. Ltd. (Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12, 1st floor, Shri Balaji Darshan, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15268|84-85 on 7-12-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-8-1985

(1) M|s. Ketan Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhuri Surendrakumar Shroff

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable

Bombay the 9th August 1985

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-11|37EE|15910|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. B-102, Kailash Apartments Juhu Gaothan Juhu Village Road,

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

Bombay-49. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat Bo. B-102, Kailash Apartment, Juhu Gaothan Juhu Village Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15910|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Kethan Builders.

(Transferor)

(2) M|s, N. G. Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay the 9th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15906|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-taz Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

B|401, Kailash Apartment, Juhu Gaothan, Juhu Village Rd.,

Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noti∞ in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B|401, Kailash Apartment, Narielwala Wadi, Juhu Gaothan, Juhu Village Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15906|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombarr

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 9-8-1985

(1) M/s. Ketan Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikant Nathalal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 9th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15908|84-85.-Whereas.I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B-201, Kailash Apartment, Juhu Gaothan Juhu Village Road, Bombay-400 049.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-201, Kailash Apartment, Narielwala Wadi, Juhu Gaothan Juhu Village Rd., Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15908|84-85 on 28-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A equisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-8-1985

(1) Smt. Surendra Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil Kumar Batheja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR-II[37EE]15058[84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Fiat No. 15, Bldg. No. 3, Plot No. 1, Bhawani Nagar, Marol
Maro hi Road, Andheri (E). Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered us. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 15m Bldg. No. 3, Plt No. 1, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby under Scrial No. AR-II|37EE|15058|84-85 on 1-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Datc: 14-8-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. N. A. Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Rcf. No. AR-II|37EE|15060|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Flat No. 11, 3rd floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No.1 1, 3rd floor, Bld. No. 4, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15060|84-85 on 1-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-8-1985

FORM TINS----

(1) K, K, Aggarwal.

- (Transferor)
- (2) Mrs. Rajalakshmi Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

· (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, **BOMBAY**

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR-II]37EE[15197]84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the income of the i property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

flat No. 701, Jal Tarang, Juhu Tara Road, Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 6-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aferesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, Jal Tarang, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15197|84-85 on 6-12-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C (he aid Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following cersons. namely:

Date: 14-8-1985

LORM ITNS-

(1) Gracious Co.op, Hsg. Soc. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Miss. Cecilia Lemos.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15286|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 13, Bldg. D. Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered und Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 12.7):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein _____ are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Bldg. D. Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|15286|84-85 on 7-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1985

FORM ITNS-

(1) Deepak Builders pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Linda Rose D'Souza.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR-II|37EE|15309|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and hearing No.

and bearing No.
Flat No. 11, 3rd floor, Bld. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration interestor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Bldg. No. 4, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|15309|84-85 on 10-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under orbasection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

98—246 G1|85

Date: 14-8-1985

FORM ITNS ...

(1) Shri Noshirwan J. Jhaveri.

(Transferor)

(2) Mrs. Bindu R. Chhabria.

(Transferor)-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15349|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Flat No. 8, 2nd floor, Empress Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Bandre (W), Bombay 50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computent Authority at Bombay on 11-12-1984

the Competent Authority at Bombay on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 8, 2nd floor, Empress Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Bandra (W), Bombay 50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15349|24-85 on 11-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranfe-II, Bombay

Now, therefore, in purculance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

PORM ITNE

(1) Ma. S. J. Construction.

(Transferor)

(2) Shri T. V. Maldikar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15360|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing

No. FlatNo. 403, Kamal Kunj., 7 Subhash Road, Opp. United ink factory, Vile Parel (E), Bombay 57

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the festies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the time-tity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the paramance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
99—246 GI85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Kamal Kunj, 7 Subhash Road, Opp. United Ink factory, Vile Parel (E), Bombay 57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15360|84-85 on 10-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Importing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-8-1985

Soal:

(I) Mr. R. S. Shetty.

(Transferor)

(2) Mrs. Cynthia Fernandes.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15437|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 3, Plot No. 1, Bhawan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the C ompetent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerynite preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 3, Plot No. 1. Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay 59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|15437|84-85 on 15-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-8-1985

(1) Shri B. K. Vishwanath.

(2) Shri B. Sunder Shetty,

(Transferor)

32583

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No AR.II 37EE 15481 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 303, 3rd floor, New Pavan Vihar Co.op. Hsg., Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, New Pavan Co.op. Hsg. Soc., Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay 50, The agreement has been registered by

Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 15481 84-85 on 15-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14-8-1985

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Mr. Jose Fernandes & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II 37EE 15730 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bebaring No. 19
No. Flat No. 9, 2nd floor, Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

MERITANATION:—The terms and expressions used herein as-ase defined in Chapter XXA of the sales Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, 2nd floor, Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Marosni Road, Andheri (E), Bombay 59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15730|84-85 on 22-12-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in parameter of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-8-1985

Seel 🖈

'(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Mrs. A, B Mitra,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II]37EE[15732]84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. Flat No. 13, 3rd floor, Bldg, No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any managers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Bldg. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay 59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15732|84-85 on 22-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
100—246 GI | 85

Date: 14-8-1985

(1) Mr. B. S. Swarup

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. K. Mavadia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II[37EE]15864[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Flat No. H|1 New Ambivali Co.op. Housing Society Ltd. Jivan Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H|1 New Ambivali Co.op. Housing Society Ltd., Jivan Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15864|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 14-8-1985

(1) M/s. Minoo Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. L. Limbasia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.11|37EE|15874|84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 0001, and heaving No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Flat No. 304, 3rd floor, MINOO APARTMENT, Nanda Petkar Road, Vile Parel (E). Bombay 56

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Minoo Apartment, Nanda Patkar Road, Vile Parel (E), Bombay 56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|15874|84-85 on 28-12-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely —

Date: 14-8-1985

Seal ;

(1) Mrs. Gopi C. Thadhani

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15914|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 9, 1st floor Gurukh Sagar Co.op. Hsg. Soc.

Ltd., 29th Road, Bandra, Bombay 50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (5) Mollitating the reduction or evilage of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert **FALL /44**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(2) Mrs. Nain Ramchand Wadhwani & Others.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act? shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9. 1st floor, Gurukuh Sagar Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 29th Road, Bandra, Bombay 50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR|II|37EE|15914|84-85 on 29|12|1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 14-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR It 37G [3723] Dec.84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Property bearing No. 117 C. Rathod Niwas, Lajpatrai Road, Ville Parle (W), Bombay 56

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay gan 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- -

(1) Mls. R. G. Pandya & Family Bonfit Trust. (Transferor)

(2) Mr. Mohanlal Dhanji Rathod.

(Transferee)

(3) 19 Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 2333 84 and Registered on 10-12-1984 with the Sub-Registrar of Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-8-1985

FORM ITNS-

(1) Oshivra Land Development Pvt. Ltd.,

(2) Shri S. S. Prasnna

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1985

Ref. No. AR.II|37G|3728|Dec.84.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Property bearing S. No. 41 (part), C.T.S. No. 1 Part, Andheri

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as abusside exceeds the apparent consideration ther? by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immaovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3008|82 and Registered on 10|12|1984 with the sub-Registrar of Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomediax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

មួយ។: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Krishna A. Chopra, D-48, Malcha Marg, Chanakya Puri, Delhi,

(2) M/s. Searchlight Trading Co. Ltd., Exhibition Road, Patna. (Transferor)

32591

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1985

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2602.—Whereas, J. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. A-4A situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jaipur on 31-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Antishall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inn Act 1957, (27 of 1957);

Plot No. A-4-A, situated on S.M.S. Highway Extension Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 3104 dated 31-12-84.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Act, I herefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, resulty:—

Date: 16-8-1985